



The Gazette of India

MISSING PUBLISHED BY AUTHORITY
NO.777 JULY 77 1954

- M(SSI)

10 281

नह बिस्ली, शनिवार, जुलाई 14, 1984 (आवाद 23, 1906)

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 14, 1984 (ASADHA 23, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संस्थलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाव 111--विवर 1

[PART III—SECTION 1]

न्यायालकों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

ैंगई, दिल्ली-110011, दिनांक 11 जून 1984

त्रं ए० 32014/3/80 प्रशा० II—इस कार्यालय समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 31-3-1984 के क्रम में य, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा निम्नलिखित श्रिष्ठकारियों को संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 1-6-1984 से 31-8-1984 तक श्रागामी तीन महीने लिये श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो, श्रधीक्षक े) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं:-

ुँमो० पी० सूद

• जै० अ० चक्रवर्ती

3 श्रीमती एम० सरदना

त प्रवसत कर लें कि क्रधीक्षक (त० सं०) नकी नियुष्टि ग्त : नियमित पदोन्नति भ्रयवा ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं देगी।

> विजय भरूला श्रनुभाग ग्रधिकारी कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

मई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1984

मं० ए०-10914/4/84-प्रशासन-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से निम्नलिखित पुलिस उपाधीक्षकों, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना को, प्रत्येक के सम्मुख उल्लिखित तिथि से ग्रगले ग्रादेश तक के लिए, केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो/

(15583)

猪の

भ्रधिकारी का नाम

विशेष पुलिस	स्थापना ः	में, श्रस्थायी	रूप से,	स्थानापन्न	पुलिस
श्रधीक्षक वि	।युक्त करते	· हैं : -			·

शाखा जहां

सं०	पदस्थापित किया गया	ग्रधीक्षक/ सहायक निदेशक के रूप में नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री		
 एस० मोषात्री 	इंटरपोल	11-6-8
	(समन्वय प्रभाग)	(पूर्वाह्म)
2. श्री एम० बी० जोशी	सा० ग्र० स्कन्ध.	12-6-84

बम्बर्ड

भ्रार० एस० नागपाल प्रशासनिक भ्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरी

(पूर्वाह्म)

पुलिस

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 जून 1984

सं० भ्रो० दो० 1774/83 स्थापना महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर मुरेन्द्र कुमार परिमल के को 30 मई 1984 पूर्वाह्म में केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तवर्थ रूप से नियुक्त करते है।

सं० श्रो० टार्० 1903/84-स्थापना—महानिदेणक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल ने डाक्टर सुभाष जैन को 11 मई 1984 म पूर्वाह्म से केवल तीन साह के लिये ग्रथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियक्त किया है।

दिनांक 21 जून 1984

सं० स्रो० दो० 966/72—स्थापना—-राष्ट्रपति ने श्री ए० ए० खान, पुलिस उप-ग्रधीक्षक के० रि० पु० बल का त्यागपत्र दिनांक 8-12-1983 (ग्रपराह्न) मे स्वीकार कर लिया है।

एम० पी० जखमोला ्महायक निदेशक (स्थापना)

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंसक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून 1984

सं० 10-एच०/वा० ले प० 1/71-74-महालेखाकार (लेखापरीक्षा), द्वितीय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कार्यालय में कार्यरत श्री एस० डी० श्रीवास्तव, लेखापरीक्षा अधिकारी १ (वाणिज्यिक) अपनी अधिवाधिता आयु प्राप्त करने पर 30-4-84 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

सं० 11-एच०/वा० ले० प० 1/90-80--महालेखाकार (लेखापरीक्षा) दितीय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कार्यालय में कार्यरत श्री श्रार० जी० खत्नी लेखापरीक्षा श्रिष्ठकारी (वा०) श्रपनी श्रिष्ठवार्षिता श्रायु प्राप्त करने पर 30-4-84 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं। के० पी० लक्ष्मण राव सहायक उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक

कार्यालय: निवेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, विनांक 22 जून 1984

सं० प्रशासन-1/का० न्ना० संख्या 115—निवेशक ने लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व ने मूल नियमावली 30(1) के ब्रितीय परन्तुक के अन्तर्गत इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बृजराज अवतार जोशी की 840—40—1000—द० रो०—40—1200 रुपये के नेतन के समयमान में लेखापरीक्षा अधिकारी के ग्रेड में 18—5—83 (पूर्वाह्म) से अगले श्रादेश मिलने तक पदोन्नति की है।

दिनांक 26 जून 1984

सं प्रशा०-1/का० ग्रा० संख्या 117--निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखापरीक्षा ग्रिधकारी श्री हरि चंद खन्नी को 840-1200 रु० के समयमान में दिनांक 1-6-1984 से श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं प्रशाव-1 काव श्राव संख्या 120-इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रीधकारी श्री श्रारव सीव बतरा को मारूति उद्योग लिमिटेड, गुड़गांव में 29-2-1984 ग्रपराह्न से संलग्न निवरण में समाविष्ट शतौं पर स्थायी रूप से विनियत कर लिया गया है।

इसे भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के पत्न संख्या 1249-जी० ई० 11/1-84 दिनांक 11-6-1984 के द्वारा सम्प्रेषित भारत सरकार का श्रनुमोदन प्रा<u>प्टक</u> है।

संयुक्त निदेश

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम		مر المواد وليك وليد وليد المدارية ولي وليد حال المواد ولي وليد المواد ولي المواد ولي وليد المواد والمواد والمو من المواد وليك وليد وليد وليد وليد المواد ولي وليد حال المواد وليد وليد وليد وليد وليد وليد وليد والمواد والم			
	दिनांक 20 जून	-	1 2	3	4
सं०/प्रशासन ग्यारह/	सम <i>ह-</i> 1 1-क/सहा	০ লৈ০ সা০/সা০	सवश्री		
अ०/1984-85/प्रमो०/12/			25. एस० के० नाथ	376	1-3-84 পুৰ্বাপ্ত
प्रथम म० प्र० ग्वालियरने			26. के० एन० मानिक	377	7.1
को स्थानापन्न सहायक ले			27. जोगन्द्र सिंह	378	1.
वेसनमान रु० 650-30-			28. ए० एस० सक्सेना	379	8-3-84 पूर्वाह्न
1040 में उनके नाम के किया है:			29. आ र० सी० दीक्षित (पानगांवकर)	380	1-3-84 प्रविह
			30 रामेश्वर दयाल	382	
ر آسہ رہے جب سے مصافحہ ابھا ہے۔ رہند آنات آباب اس نہو ایس ہے۔ سے بنے			् ३१. यू० सी० गुण्ता	383	"
कमांक नाम	स्थायी	सहायक लेखा	ें 82. के बी० मिश्रा	384	11
	क्रमांक	परोक्षा	33. प्रेम प्रकाण	386	1 2-3-84 पूर्वा ह
		अधिकारी के पद	34. एम० एम० देशपाण्डे	387	1-3-84 पूर्वाह्न
		पर कार्यग्रहण	35. बी॰ चक्रवर्ती	389	
		करने का दिनांक	36. आर ्डी० खण्डेलवा ल	392	,,
الما الله الله الله الله الله الله الله	بدائدت جربيد فدييدات جدس		37. बी० सी० भटनागर	394	,,
1 2	3	4	38. व्हीं ० डी० सक्सेना	395	
رسیست نید دجه اسم است کیو ترک کید استان پسی کیم انگلا نیو نده این آپین	سرد لونس پیسام آمیک پیشان انجاد اینکار شمید پرخان سیاست.	المدم والحدود ليسم أسده لمري إنكره فوي وسم أعده أجازت أ	39. एस० आर० गुक्ला	397	"
सर्वश्री	02/		40. बी० एम० खण्डेलवाल	398	**
_	•	•	41. एन० एल० चौधरी	402	7 7
1. वही ० एस० का बड़े	304	1-3-84 पूर्वा०	42. जी० जे० झाला	403	,,
2. अ। र०एस० वर्मा	309	"	43. एच० एन० सक्सेना	404	, ,
3. जी०पी० अग्रमाल	312	11 1	44. के० जयरमन	412	1 1
् 4. टी० सी० गुप्सा	325	" "	45. एस० एन० सिंह	414	J 1
 सी० एल० कस्यप 	327	1 7	46. ए० सी ० भट्ट	417	' '
6. कें ० जी० दिवे	329	,,,	47. एस० के० शर्मा	418) 1
 वी० वी० अद्देखर 	330	72	48. व्ही० बी० कपूर	421	7.3
8. जे०पी० शर्मा पुत्र	331	"	49. एस० बी० बांदे	422	31-3-84 पूर्वाह्य
पं० रूपिकशोर		7, *	50. व्ही० सी० सक्सेना	424	1-3-84 पूर्वाह्म
9. डी० एस० झकमोला	336	17	51. आर० सी० नारंग	425	,
10. टी० वी० माथुर	337	• 3	52. के० के० बाजपेयी	429	7 9
11. बार० सी० शर्मा	338	13	52. पच० बी० ए० रमनानी	432	"
(मृतीय) पुत		"	54. अजेश्वर प्रसाद	433	"
श्री मुरलीधर शर्मा		7.7	55. लल्लन प्रसाद	440	7.7
12. कैलाश कुमार	341	1 7	56. के० एल ० प ल	442	7.7
13. डी० डी० तिवारी	342	11	57. आर० कें० गर्ग	443	,,
14. एस० एन० पायेवार	344	3-3-84 अप०	58. व्ही० एम० विन्जे	447))))
15. आर० के० भट्ट	346	8-3-84 पूर्वाह्न	59. पुरुषोत्तम श्रीवास्तव	449	11
16. जै० एल० शर्मा	348	11	60. क्ही० क् ही० अम्बालकर	456) 1
17. डी० एत० शर्मा	352	";	61. सी० जगन्नाथराव	458	
18. एस० वाई० भंडक्कर	356	"	62. जे० पी० सक्सेना	460	1) 7)
19. के० बी० फडके	358	7.5	63. आर० एस० मेहरोता	464	, ,
20. बी० सी० बैंग्यमपायन	365	11	64. के०मी० शर्मा ४	465	11
21. एस० सेन	367	"	65. जी०पी० सदावर्ते	468	,,
22. सी० एम० दुन	368	1 7	66. आर० एस० शुक्ला	471	33
23. एम० सी० दुवे	369) 1	67. यू० डी० भर्मा	473	1.1
24. सी० एन० श्रीवास्तस्	¥ 75	"	07. वू. अ.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.		

1	2	3	4	1	2	3	4
	 सर्वश्री		المحالة وهو القام المحار فيهم الحاس ويون هوا، أياس فالمدا		सर्वश्री	 	·······
68.	एम० के० पाठक	480	1-3-84 পুৰতি	112.	एन० सी० चतुर्वेदी	594	1-3-84 पूर्वा
69.	एस० एस० खण्डालकर	488	, ,		एस० के० सक्सेना	597	"
70.	एम० सी० गुप्सा	486	9-3-84 পুৰা ০		श्रार० एन० चतुर्वेदी	601	"
71.	व्ही० आर० पोफले	497	1-3-84 বুৰ্বা ০		एस० सी० सक्सेना	604	"
72.	आर० एस० मिश्रा	499	1)	116.	मार० ए० व्रिपाठी	610	33
73.	एस० एम० विवेदी	502	, ,	117.	पी० एन० श्रीवास्तव	611	, ,
74.	ंबी० के ० खु ल्लंड	504	26-3- 84 पू र्वा०	118.	व्ही० के० चतुर्वेदी	612	1)
75.	पी० एस० दीक्षित	506	1-3-84 পুৰ্বা৹		डी० एल० कौशिक	613	33 -
76.	वी० एस० शर्मा	507	2-4-84 पूर्वा०		जी० पी० शर्मा	614	11
7 7-	एस० एस० विद्यार्शकरन	511	1-3-84 पूर्वा०	121.	पी० पी० श्रीवास्तव	615	1)
78	एम० आर० समदेवा	512	7.1	122.	वाई० के० शर्मा	1384	"
79.	बी० एम० सोमानी	514	7)		व्ह ी० एन० सिंह	1401	11
80.	एन० पो॰ माथुर	515			एच० सी० श्रीवास्तव	1480	11
81-	व्ही० जो० प ाउँ लीकर	516	11		पुरुषोत्तम शर्मा	1512	"
82	रमेशचन्द्र अग्रवाल	519	7 3		बी० एन० दीक्षित	1520	"
83.	बी० डो० अग्रवाल	520))		एम० एल० गप्ता	1531	"
84	. बी०एल० गौड	524	1 ;		जी० एस० स्योरन	1540	,,
	एस० आर० धारकर	525	11		एस० के० गुप्ता	1583	// #3
	टी० एल० शर्मा	527	11		यू० एस० मिश्रा	1595	"
	आर० ए० नायल	529	1)		के० डी० मिश्रा	553	"
	आर० बी० शाजापूरकर	530) ;		धार० व्ही० एस० परिहार	562	"
	एस० जी० मुले	534	1)		म्रार० पी० निगम	575	11
	बनवारी वासुदेव	535	,,		जी० सी० कुलश्रेष्ठ	588	"
	ए० एस० यादेव	537	1)		व्ही० भार० गुप्ता	5.91	"
	आर० एन० गर्ग	539	,,		जे० पी० शर्मा	598	"
	क्री०पी० कपूर	540	1)		पी० भार० गर्ग	1358	"
	ए० के० श्रीवास्तव	543) j		भार० पी० शर्मा	1380	,,
	इनायत अली	546	11		ए० के० पाठक	1441	" #
	वी० बी० पाण्डे	547	,,		एस० सी० दास	1687	."
	. एम० सी० अग्रवाल	549	1)		एस० एल० एल० श्रीवास्तव	1710	11
	के ं बी० सक्सेना	554	11		रणवीर सिंह	1759	"
	जी०पी० सक्सेना	555	* *		राजेन्द्र प्रसाद	1781	. n
	जी० के० सेठीया	556))		के० सी० वैषय	1857	n n
	देवी सिंह	564	,,	145.	व्ही० के० चौधरी	1905	
	आर० वी० उपाघ्याय	566	,,		एच० जे० नवारे	778	-9 P
	. एन० सी० शर्मा	570	,,		बी० एस० कुलश्रेष्ठ	746	**
	ए० जे० व्यास	571	,,		एम० बाई० देवले	798	
	. एस० एन० कक्यप	574			श्रार० एस० श्रारुन्देकर	818	. 11
	. एच० सी० गुप्ता	576	,,,,		के० के० प्रधान	788	-37
	. डी० जी० पाण्डे	578	ı i		श्रीनाथ	822	""
	. पी० एन० वर्मा	579			जी० एस० ठाकुर	827	
	. ए० ए० सिद्की	582	n		जी०पी० गुप्ता	1236	, 11
	. एस० के० गुडकरो	587	3T		जी० एस० निगम	887	
TIA	्र इति के व्याण्डे -	001);		मी० जी० गोडमो <u>ले.</u>	930	"

	9		रक्षा लेखा विभाग
2	3	4	कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक
सर्वेश्री			नई दिल्ली-110066, दिनांक 21 जून 1984
	0.00		शुद्धि पत्न
6. के० बी० सक्सेना	962	1-3-84 पूर्वा•	सं० प्रभार०/II/2603/84भारत के राजपत भाग II
7. एन० सी० उपासनी	967	"	खाड-1 दिनांक 10-3-84 में प्रकाशित, इस विभाग की अधि
8. जेठानन्द	984	11	
9. भार० एस० मूले	1000	17	सूचना सं प्रशाः । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
30. बी० डी० नारंग	1005	***	स्वायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा)की, मूल पदधारी लेखा अ
31. पी० एम० मोडवेल	1007	11	कारियों के रूप में नियुक्ति से सम्बन्धित है, उसमें निम्नलिखि
32. वी०पी० मिश्रा	1020	"	संशोधन किए जाते हैं :
3. टी० एस० मकरन	1047	,,	(1) पृष्ठ सं० 5 6 1 6 पर ऋम सं० 8 4 के सामने
54. जे० एल ० वर्मा	1056	b	श्री बलवन्स सिंह
35. भूवेब प्रसाद	1235	"	14-82 के लिए
 विभूवन लाल 	1253	"	1-4-83 पढ़े
 एस० के० सेन गुप्ता 	1255	11	
8. एस० के० शर्मा	1276	,,	(2) पृष्ठ सं० 5619 पर कम सं० 314 के सामने
9. जी० ग्रार० गर्मा	1281	,,,	के० मोहनरंगम के लिए
'0. ध्वार० एन० गुप्सा	1289	"	आर० मोहनरंगम पहें
7. एच०सी० गुप्ता	1291	**	ए० के० घो
2. ग्रार० एन० मिश्रा	1304	"	रक्षा लेखा अपर महानियंत्र
3. महेन्द्र भूषण श्रग्रवास	1308		
4. रामस्तेही नाल	1328	"	
5. भार० के० पाण्डे	1336	"	श्रम और पुनर्वास् मंत्रालय
6. बुद्ध प्रकाश गुप्ता	1359	11	श्रम् व्यूरो
7. बी ० के ० सकसेना	1439	"	क्सिमला, दिनांक 7 जुलाई 1984
8. राम बाजू	1454	n	,
. प्रार० एस० गुप्ता	1476	"	सं. 23/3/84-सी पी आईमई, 1984 में अधिति
o. भार० एस० भग्नवाल		"	श्रमिकों का असिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचका क (आ
	1507	"	वर्ष 1960=100) अप्रैस, 1984 के स्तर से तीन अंक
1. एस० सी० कुलश्रेष्ठ	1524	1)	कर 562 (पांच सौ बासठ) रहा। मई 1984 माह का सूचक
2. एम० सी० गुप्ता	1534	12	(आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 6
3. एस० के ० ग्रग्रवा ल	1590	"	(छः सौ तिरासी) आता ह ⁹ ।
4. एस० पी० शर्मा	1594	2-4-84 পুৰ্যাত	मानन्द स्वरूप भारत्
5. बी० डी० मग्रवाल	1607	1-3-84 পুৰা ০	निवं
6. पी० एन० गोस्वामी	1668	17	श्रम क्य
7. मार० जी० बनवारी	1697	**	
8. डी०के० जैन	1712	"	
9. श्वार० वी० धर्मा	1718	n	विस्फोटक विभाग
0. ए० के० गुप्ता	1738	n	नागपुर, दिनांक 19 अप्रैल 1984
1, बी० एस० रषूवंशी	1829	11	·
2. एन० एन० चतुर्वेदी	1853	#1	आदेण
3. एन० एम० खान	1865	1-3-84 पूर्वा०	सं जी ०-3 (34)/1गैस सिलेण्डर्स नियम 1981 व
4. के० बी० ग्रग्रवाल	1915	"	अनुसूची 1 में नियम 3(1) (क) के अन्तर्यंत प्रदत्त प्राधिका
5. ऋार० के० वैश्य	1967	73	द्वारा निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।
 एस० एन० सक्सेना 	1997	, ;;	
		्म० दीन दया लन	(1) सिलेण्डर के प्रकार तथा मानक के भारतीय मू उत्पत्ति के अनुमोदित विनिर्माताओं के नाम निम्न लिखित नाम मद सं० 4(क) (LX) ॄके पश्चा

एम० दीनवयालन उप-महालेखाकार√प्रशा०

जोड़ा जाए---

- 10 फरीदाबाद मेटल उद्योग प्रा० लि०, फरीदाबाद ।
- 11. इंटेल अपलीएन्सेस प्रा० लि०, नासिक।
- 12. यू०पी० सिलेण्डर्स एण्ड कन्टेनर्स (पी०) लि०, आगरा।
- 13. मिडको कन्टेनर्स लि०, अहमदाबाद ।
- 14. नागपुर फायब्रीफीरज प्रा० लि०, नागपुर।
- 15. श्री बालाजी सिलेण्डर्स प्रा० लि०, मद्रास ।
- 16 प्रशांत सिलेण्डर्स प्रा० लि०, बंगलीर ।
- 17. एसोसिएंटिङ केमिकल एण्ड मैंकेनिकल इंजीनियर्स प्रा० लि०, मद्रास ।
- 18. बरनी कन्टेनर्स लि०, जेडीमेटला (आ० प्र०)
- 19. भारत श्रेक्स एण्ड व्हाल्य, लि॰, कलकत्ता।
- 20. जय सिलेण्डर्स प्रा० लि०, सिकन्दर)बाद (उ० प्र०)
- 21. हिन्दुस्तान वायरस लि०, फरीदाबाद ।
- 22. लार्सवीन अपरिएन्सेस प्रा० लि०, हैदराबाद ।
- 23. बडोपालिया इंडस्ट्रीज लि॰, गाजियाबाद (उ॰ प्र॰)
- 24. मुलार इंजीनियर्स प्रा० लि०, जिला पंचमहाल (गुजरात)
- 25. बालाजी प्रेशर व्हेस्लस् (प्रा०) लि०, हैवराबाद ।
- 26. जे० आर० फाबीकेटर्स प्रा० लि०, पंचमहाल (गुजरात)
- 27. इण्डस्ट्रीयल आक्सीजन कैंम्प (प्रा०) लि०, गीबिन्दगढ़ (पंजाब)
- . 28. मुलुर सिलेण्डर्स प्रा० लि०, बेलगाम (कर्नाटक)
- 29. पंकज गैस सिलेण्डर्स लि॰, साहीबाबाद, गाजियाबाद (ত্ত স৹) ।
- 30. गुरेरा गैस सिलेण्डर्स प्रा० लि०, फरीदाबाद ।
- 31. बीलवा प्रेशर वेसल्स, बेगमपेट हैदराबाद।
- 32. साहुवाला सिलेण्डर्स प्रा० लि०, विशाखापटनम ।
- 33. राज सिलेण्डर्स एण्ड कन्टेनर्स प्रा० लि०, मधुरा।
- 34. प्रेस्टीज फैब्रीकेटर्स पा० लि०, देवास (म० प्र०)
- 35. बो॰ टो॰ पो॰ स्ट्रकचरल (इंडिया) प्रा॰ लि॰, बेलगाम (कर्नाटक)
- 36. विजय मेटल प्रॉडक्ट प्रा० लि०, ग्राम धुंदोगल, जिला ् आर० आर० (आं० प्र०)
- 37. पंजाब गैस सिलेण्डर्स लि॰, ग्राम मलीकपुर, जिला संगरूर ।
- 38. भारत वैगन एण्ड इंजीनियरिंग कम्प० लि०, मुज्जफरपुर (बिहार) ।
- 39. राजस्थान सिलेण्डर्स एण्ड कन्टेनर्स लि०, जयपुर (राजस्थान)
- 40. साहू सिलेण्डर्स एण्ड उद्योग प्रा० लि०, चींगलपेट (तमिलनाडू)
- 41. मालाय मेटल (प्रा०) लि०, इंदौर (म० प्र०)
- 42. मुरीया उद्योग लि॰, फरीदाबाद:
- 43. बालमेर जावरिई एण्ड 'नम्प० लि०, मथुरा।

- 44 देसमा इंजीनियरिंग प्रा० लि०, सिकन्दराबाद । प्र०)।
- 45. कन्याक परमेण्वरी इंजीनियरिंग प्रा० लि०, हैदरा (आं० प्र०)
- 46 सदर्न सिलेण्डर्स प्रा० लि०, मेदक (आं० प्र०)।
- 47. शक्ति सिलेण्डर्स प्रा० लि०, हैदराबाद (आं० प्र
- 48 सबरबन इंडस्ट्रीज (कॉलगा) प्रा० लि०, भुवनेश्वः
- 49. श्रीनिवास सिलेण्डर्स प्रा० लि०, मद्रास ।
- 50. एक्सपो गैस कन्टेनर्स प्रा० लि०; बम्बई।
- (2) सिलेण्डर्स के प्रकार तथा मानक के भारतीय मूल उत्पत्ति के अनुमोदित विनिर्माताओं के निम्नलिखि नाम मद सं० 4 (सी)
 - (I) के पश्चात जोड़ा जाय:
 - (II) "एस्को इंडस्ट्रीयल कारपोरेशन, सोनीपत ।
- (3) जापान मूल उत्पत्तिं के प्रकार तथा मानक सिलेण्डर जो कि मद सं० 6 के अन्तर्गत दिखाये गये हैं वे निम्न-लिखित से प्रतिस्थापित किया जाए —
- 6. जापानी मूल--
- (क) बी० एस० 399, बी० एस० 400, बी० एस०-401; बी० एस०-1045, बी० एस०-1287, बी० एस०-1287, बी० एस० 1288, गृह विभाग "एस०" तथा "टी०" डो० ओ० टी०: उएए (कार्य-करण दाब 1800पी० एस० आई० जी० और अधिक) तथा जे० आई० एस० बी : 8241 के अनुरूप 70 एफ० पर तथा के० एच० के० या लाइडस या ब्यूरो वेरीटास द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित सिमलेस स्टील सिलेण्डर्स के विनिमित निर्माता जोकि, मुख्य विस्फोटक नियंवक द्वारा अनुमोदित है।
 - (1) शो वाकोटसू कोगयो कम्प० लि०, जापान ।
 - (2) सुमिकीन किक्को कम्पनी लि०, जापान ।
 - .(3) निहान कोटसूमयोकी ।
- (ख) डी० ओ० टी० उए/उएए (कार्यकरण दाब 1800 पी० एस० आई० जी० और अधिक 70 एफ० पर) के० एच० के० या लाइड्स या ब्यूरी वेरीटास द्वारा निरोक्षित और प्रमाणित, सिमलेस स्टोल सिलेण्डसं के विनिर्मित निर्माता जो कि मुख्य विस्फोटक नियंतक के वारा अनुमोदित है।
- (1) टोटसुका हाय प्रेशर गैस सिलेण्डर्स कम्प०, जापान ।
- (2) काम्टो कोउटसु योकी मैन्युफैक्चरिंग कम्प० लि०, जापान ।
- (3) निष्पोन हाय प्रेशर सिलेण्डर्स कम्प० लि०, जापान ।
- (4) यू० के० मूल उत्पत्ति के सिलेण्डर्स के प्रकार संचा मानक के अन्तर्गत मद सं० 9 (बी) के पश्चात निम्नलिखित जोड़ा जाए ।

- (सी) सिलेण्डर्स विनिर्देश के अनुरूप बी० एस०:
 5045: भाग 1, टी आय वेस्टरफील्ड
 लि० यू० के० द्वारा विनिर्मित कम्पनी के
 इंस्पेक्टर या लाइड्स द्वारा निरोक्षित तथा
 प्रमाणित निम्नलिखित आरेखण मुख्य
 विस्फोटक नियंतक द्वारा अनुमोदित।
- (1) आरेखण सं० 1167 एम० आय ए० स्थायी गैस सर्विस मिथेल तथा हैड्रोजन के बिना सामग्री सी० आर०, एम० ओ० उत्पादन कम से कम 720 एन०/मि० मि० वृद्धि कम से कम 14—प्रतिशत, मोटाई 11.6 मि० मि० काम करने योग्य दबाव 15 से० मी 276, परीक्षा दबाव 516 बार
- (2) आरेखण सं० 46374 पी० ैस्थायी गैस सर्विस, सामग्री कम से कमसी० आर० एम० औ० 680 एन०/मि० मि० वृद्धि कम से कम 13-- प्रतिशत मोटाई कम से कम 216 मि० मि० आय/डी० -- 6.20 मि. मी० काम करने पीग्य/दवाव 15 से० को 172 बार तथा परीक्षा दकाव 311 बार।
 - 5. मदसं० के अन्तर्गत दिये आस्ट्रीयन मूल उत्पत्ति के सिलेण्डर्स के प्रकार तथा मानक को निम्नलिखित में प्रतिस्थापित किया है :--

1) ग्रास्ट्रीयन मूल--

- (क) बी० एस०: 400, बी० एस०: 401, बी० एस० 1045, बी० एस०: 1287, बी० एस०: 1288, गृह विभाग "एस"तथा "टी" डी० ग्रो० टी: 3ए/ डी० ग्रो० टी०: 3एए (कार्यकरण दाब 1800 पी० एस० ग्राई० जी० ग्रीर ग्रिधिक 70 एफ० पर) तथा ब्यूरो वेरीटास द्वारा निरीक्षित तथा प्रमाणित। सिमलेस स्टील सिलेण्डर्स के विनिर्मित निर्माता जो कि मेसर्स जोस हाइझर ग्राफ ग्रास्ट्रीया द्वारा विनि-
- (ख) सीवनहीन इस्पात सिलेण्डर्स जर्मन दबाव गैस नियमा-वली के अनुरूप स्थायी गैस सर्विस, आरेखण सं० एन०-6800 267 7611 के अनुसार-सामग्री कम से कम वायपी 840 एन/मि० मि०2, वृद्धि कम मे कम 14-- प्रतिशत मोटाई कम से कम 7.7 मि० मि० कार्यदबाव 15 से० को 250 बार तथा परीक्षा दबाव 375 बार, लाईडस या ब्यूरो वेरीएटास या टीयूव्ही० द्वारा निरिक्षित तथा प्रमाणित आस्ट्रीया के जोस हाईसर द्वारा विनिमित, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा अनुमोदित ।
- 6. भारतीय मूल उत्पत्ति पात्र के प्रकार तथा मानक "बी" मद सं० 1 में दर्शाया गया है उसे निम्नलिखिः से प्रतिस्थापित किया जाए——
- (1) भारतीय मूल--
- (क) टोन पान निम्नदाब द्रवशील गैस सेवा के लिए बी० एस०: 1500, भाग-1 वर्ग 1 व्हेसलस् के प्रनुहत्व

निम्नलिखित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित लाईड स रिजस्टर ।इंडस्ट्रीयल सर्विसेस या ब्यूरो वेरीटास या इंडियन रिजस्टर ग्राफ गिर्पिग इत्यादि द्वारा निरीक्षित ग्रीर प्रमाणित तथा मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित ।

- 1. अनूप इंजीनियरिंग कम्पनी लि०, ग्रहमदाबाद ।
- 2. भारत हैवी प्लेट्स एण्ड व्हेसलस लिं०, विशाखापटनम
- इंडियन सुगर एण्ड जनरल इंजीनियरिंग कारपोरेशन, यमुनानगर ।
- 4. कावेरी इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लि०, गोल्डन रॉक, सिचनापल्ली ।
- कोसान मेटल प्राडक्ट प्रा० लि०, लक्ष्मी इंशुरेंस बिल्डिंग, सर पी० एम० रोड, बम्बई ।
- (ख) टोन पात्र निम्न द्रवशील गैस सेवा के लिए बी० एस० : 1515 के श्रमुरूप निम्नलिखित विनिर्माताश्रों द्वारा विनिर्मित लाईडस रिजस्टर इंडस्ट्रीयल या सर्विसेस ब्यूरो वेरीटास या इंडियन रिजस्टर ग्राफ शिपिंग इत्यादि, मुख्य नियंत्रक द्वारा श्रमुमोदित ।
- 1. भारत हैवी प्लेट्स एण्ड व्हेसलस् लि०, विशाखापटनम ।
- 7. विधटित ऐसीटिलीन गैस सिलेण्डर्स के प्रकार तथा मानक के श्रन्तर्गत ---
- (क) मद सं० 1 के "ग्रास्ट्रेलियन" शब्द के स्थान पर "ग्रास्ट्रीयन" पढ़ा जाय ।
- (खा) मद सं० 2-3 तथा 7 को निम्नलिखित में जोड़ा जाए---

2. जापानी मूल--

सिलेण्डर्स के श्रनुरूप ग्राय एस: 7312 90-92 प्रतिशत पोरोसीटी के मोनोलीथीक पोरोस मास 2 के भूभरा हुग्रा श्रोर ब्यूरो वेरीटास द्वारा निरीक्षित श्रीर प्रमाणित तथा निम्नलिखित संबद्धारा विनिर्मित मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा श्रनुमोदित।

- मेसर्स कान्टो कोटटसू योकी मैन्युफैक्चरिंग कम्प०/जापान काइन सिलेण्डर्स कम्प० ।
- मेसर्स शोवा कोटटस् कोम्यो कम्प० लि०/कान्टो ऐसी-टिलीन इंडस्ट्री० कम्प० लि०

भारतीय मूल——

सिलेण्डर्स के अनुरूप आय एस: 7312 कम से कम 88% मोनोली पीक पोरोग्रस मास पोरोसीटी से भरा हुआ और आई एस आय द्वारा निरीक्षत और प्रमाणित तथा निम्नलिखित संघ द्वारा विनिर्मित मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा अनुमोदित ।

- 1. भारत पम्पूस एण्ड काम्प्रेसर लि०, नैनी इलाहाबाद ।
- 2 प्रसीटेलीन एण्ड इण्डस्ट्रीयल गैस सिलेण्डर्स लि०, मद्रास

युगोस्लाबीयन मूल--

ज्यूरो डाकोवीक द्वारा सिलेण्डर्स विनिर्मित बी० एस०: 401 तथा "पी० ग्रो० ग्रार 92" 90-92-- प्रतिणत पोरोसिटी के मोनोंलिथीक पोरोग्रस मास से भरे हुए यूगोस्लाह्वीयन राज्य प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित तथा प्रमाणित, मुख्य नियंत्रक द्वारा ग्रानुमोदित ।

8. मद ''डी ह्याल्य'' के ग्रन्तर्गत दिये गये ह्याल्य के प्रकार तथा मानक को निम्नलिखित से प्रस्थापित किया जाए ।

1. भारतीय मूल ---

- (क) ह्वाल्व विनिर्देण के अनुरूप धाई एस: 3224, निम्न-लिखित भारत के विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित और श्राई० एस० श्राई० या युक्तियुक्त प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित श्रीर मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा श्रनुमोदित ।
- 1. वनाझ इंजीनियरिंग प्रा० लि०, पुणे ।
- 2. कोसान मेटल प्रोडट्क्स प्रा० लि०, बम्बई ।
- रामनीकलाल जीवनलाल किनारीबाला एण्ड कम्पनी, ग्रहमदाबाद ।
- 4. टेकनो ह्वास्यस, कलकला ।
- 5. कर्नाटक ध्राक्सिजन लि०, बंगलीर ।
- 6. इंडियन ग्राम्सिअन लि०, कलकत्ता ।
- 7. प्रेसीशन फोरजींग, इलाहाबाद ।
- (ख) श्वाल्व विनिर्वेश के अनुरूप आई० एस०: 8737, निम्नलिखित भारत के निनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित और आई० एस० श्राय० या यूक्तियुक्त प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित और मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा श्रनुमोदित ।
- 1. बनाझ इंजीनियरिंग प्रा० लि०, पुणे ।
- 2. एल० पी० गैंस इस्युपमेंट प्रा० लि०, भरुच, गुजरात ।
- 3. मेसर्स प्राइमवाल्व इंडस्ट्रीयल्स, मब्रास ।
- 4. कोसान मेटल प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, बम्बई ।
- जगदम्बा इंजीनियरिंग प्रा० लि०, हैवराबाद ।
- वथरा एसोशिऐटस् प्रा० लि०, फरीचाबाद ।
- ग्रायिश्यल इंजीनियरिंग हैदराबाद प्रा०लि०, हैदराबाद ।
- पावर फायक्रीकेटर्स, डोंबीवली (पश्चिम) बम्बई।

2. निवरलैण्ड मूल--

ह्वाल्य विनिर्देश के अनुरूप ग्राई० एस० : 8737 कोसान, डेनमार्क द्वारा विनिर्मित ब्यूरो वेरीटास द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित और मुख्य नियंत्रक द्वारा श्रनुकोदित ।

3. जापानी मूल--

ह्वाल्य किनिर्देश के श्रनुरूप भाई ० एस०: 3224/की ० एस०: 341 लाइडस या व्यूरो वेरीटास द्वारा निरीक्षत तथा प्रमाणित

निम्नलिखित संघ द्वारा विनिर्मित मुख्य विस्फोटक नियनक मनुमोदित ।

- 1. हमाई मैन्युफैक्चरिंग कम्प०, टोकियो, जापान ।
- नेरीकी ह्वास्व मैन्युफैक्चरिंग कम्प०, ग्रमागासा आपान ।

भास्कर र० मुख्य विस्फीटक नि

वाणिष्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालयः नर्षे दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1984

आयात और नियति व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं 1/2/84-प्रशासन (राज.)—-राष्ट्रपति, श्री. पौ वेंकटसन, निर्मेत्रक, आयात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालया, नहीं दिल्ली में 14मही, 1984 से 30 वेंकटसन, नियंत्रक, आयात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रक, आयात-निर्यात के ख्य में नियुक्त करते ही।

> एम एल जर्मत उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्वात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्वात

उद्योग मंत्रालय

श्रीचौगिक विकास विभाग विकास भ्रामुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1984
तं 12 (227)/61-प्रमा० (राज०)/खण्ड—III
लैंदर इण्डस्ट्रीज विकास कारपोरेशन श्राफ श्रान्ध प्रदेश लि०,
हैदराबाद में प्रबन्धक (पी० क्यू० सी०टी०) के पद पर प्रतिमियुक्ति से वापस होने पर श्री रजत कुमार बोस ने लघु उद्योग
सेवा संस्थाम, हुबली में दिनांक 7 जून, 1984 (पूर्वाह्म) से उपनिदेशक (चर्म/पादुका) पर का कार्यभार संभाल लिया।

एस० के० पुरकायस्थ उप निदेशक (प्रशासन)ः

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन प्रनुभाग-6)

नई विस्ली-110001, दिनांक 22 जून 1984

सं० ए०-17011/277/84-ए०-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने कलकक्षा निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री एस० एन० दास को दिनौंक 22-5-1984 के पूर्वीहन से आमामी भादेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन जिसी निरीक्षण मण्डल में सवर्थ आधार पर स्थानापन्त सहायक ंनिरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 23 जून 1984

सं० ए०-17011/280/84-ए-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने बम्बई निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (ईजी-नियरी) श्री एन० श्रार० वाई० को विनाक 31-5-1984 के पूर्वाह संग्रागामी श्रावेशों तक इस महानिदेशालय के श्रधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

> सोहनलाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1984

सं० १ंप्र०-6/247(492)/59—राष्ट्रपति, निरीक्षण स्रिक्षिकारी (अभियांतिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा स्रुप "ए" अभियांतिकी गाखा के ग्रेड—III) श्री ग्रार० सी० गर्मा की दिनांक 2 जून, 1984 के पूर्वाह, से छः माम की प्रविध के लिए श्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक इनमें जो भी पहले हो पूर्णतः सदर्थ ग्राधार पर उप निर्देशक निरीक्षण (श्रभियांतिकी) (भारतीय निरीक्षण सेश्रा ग्रुप "ए") (श्रभियांतिकी शाखा) के पद पर स्थानापन्म रूप में नियुक्त करते हैं। श्री ग्रार० सी० गर्मा की पदोन्नति दिल्ली उच्च न्यायाक्षय में विचाराधीन सिविक्ष रिट याचिका सं० 1457/81, 1590/81 तथा 1973/81 के ग्रन्तर्गत तीन एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83, तथा 69/83 के अम्तिम निर्णय होने के ग्रधीन भी होगी।

- 2. श्री बार० सी० शर्मा की तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये वावा करने का कोई हक नहीं होगा श्रीर उनके बारा तवर्थ बाधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता, पदोन्नित की पावता तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।
- 3. श्री छार० मी० शर्मा दिनांक 2 जून 1984 के पूर्वाह को निदेशक निरीक्षण उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (श्रभियांतिकी) के पद का कार्य-भार छोड़ दिया और दिनांक 2 जून 1984 के पूर्वाह को निदेशक, निरीक्षण उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली में उप निदेशक निरीक्षण (श्रभियांतिकी) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सोहनलाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

हस्पात झौर जान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण

कलकन्ना-700016, दिनांक 26 जून 1984

सं० 4263बी/ए-32013 (4~डिज़र)/83-19बी (खण्ड-II)--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेणका, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ तकर्नाका सहायक (ड्रिलिंग) श्री ग्रार० के० चक्रवर्ती को सैधान्तिक रूप में ड्रिलर के पद पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, नियमानुसार 650~30-740-35-810-द० रो०~35-880→40-1000-द० रो०~40-1200 ६० के वेतनमान के वेतन पर ग्रस्थायी क्षमता में ग्रागामी ग्रादेण होने तक 24 जुलाई, 1980 के पूर्वाई से नियुक्त कर रहे हैं। श्री चक्रवर्ती ने बस्तुत: भा० भू० स० में ड्रिलर के पद का कार्यभार 22-5-1984 (पूर्वाइ) से ग्रहण कर लिया है।

ग्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

म्राकाशवाणी **महानिदेशा**लय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1984

सं० 17/7/84-एस०-4--निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने श्रपनी पदोन्नति के परिणामस्यरूप, विभिन्न श्राकाशवाणी/दूरदर्शन पर, उनके नामों के आगे लिखी तारीख से उन्होंने, तदर्थ श्राधार पर, सहायक श्रिभयन्ता के पद का कार्य-भार संभाल लिया है:---

ऋं∉ सं∢		तैनाती केन्द्र	कार्यभार संभालने की सारीख
1	2	3	4
	सर्वेश्री		
1.	बीठ एन० उनीयाल	एन० पी० टी०बी०	31-5-84
		श्रजमेर	(पूर्वाह्र)
2.	एल०एन० मूर्ति	एन० पी० टी० वी०.	2-6-84
		वारान्गल	(पूर्वाह्र)
3.	के० बालासुब्रह्मनियम	उ० शा० प्रे०, प्रावाड़ी.	25-5-84
		मद्रास	(पूर्वाह्र)
4.	एम० एल० गोधीनो	एल० पी० टी० वी०,	31-5-84
		बेलगाम	(पुर्वाह्र)
5	s. पी० एन० विस्वा म	एल० पी० टी० वी०.	28-5-84
		फर्रुखाबाद	(पूर्वाह्र)
ť	6. एस० एन० झा	मुख्य ग्रभियन्ता का	7-4-84
	i e	कार्यासय (उत्तरी धेव)	(पूर्वाह्र)
		नई विरुगी	•
7	. एस० एस० ग्रय्यर	एस० पी० टी० बी०,	26-5-84
		मंगलीर	(पूर्वाह्र)

1	2	3	4
	सर्वश्री		
8	एस० राजाराम	रख-रख।व केन्द्र, सूरत	30-5-84
			(पूर्वाह्र)
9.	एस० के० कपूर	मुस्य ग्रभियन्ता का	30-4-84
		कार्यालय (उत्तरी क्षेत्र) नई दिल्ली	(पूर्वाह्र)
10.	एच० श्रार० ढींगरा	मुख्य श्रभियन्ता का	16-5-84
		कार्यालय (उत्तरी क्षेत्र)	(पूर्वाह्र)
		नई दिल्ली	
11.	एस० एस० भस्ला	उ० शा० प्रे०, किंग्जवे,	30-4-84
		विरुली	🕻 पूर्वाह्र)
1 2.	विवेकानन्द रे	एस ०पी० टी० वी०,	11-5-84
		वालूरघाट	(पूर्वाह्र)
1 3	ए० के० मिश्र	म्राकाणवाणी, इम्फाल	23-4-84
			(पूर्वाह्र)
14.	भ्रार० रामाचन्द्रन्	एल० पी० टी० वी०,	16-5-84
	,	स्रत	(पूर्वाह्न)
1.5	. डी० एस० श्रीवास्तव	·	29-5-84
	,	रायवरेली	(पूर्वाह्र)
16	. पी० सुदर्शन	एल ्पी ० टी० वी०,	9-5-84
		नांदेड	(पूर्वाह्र)
17.	वी०वी० एस० शर्मा	•	26-5-84
		ग्रन्नतपुर	(पूर्वाह्र)
18	. ए० सी० चालक	एल० पी० टी० वी०,	21-5-84
		मागर	(पूर्वाह्र)
19	. ए० चन्द्रशेखार	एल० पी० टी० वी०,	14-5-84
		दूरदर्शन, भ्रदोनी	(ग्रपशह्र)
		(ग्रान्ध्र प्रदेश)	-
		सार्कस 🕡	ने० इस्राप्तस

मार्कस यने इलायस उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1984

सं० ए० 22012/1/83-एस०-1---तबादला हो जाने के फलस्वरूप श्री वी० के० सक्सेना ने 28 श्रप्रैल, 1984 (श्रप-राह्र)को स्थास्थ्य सेवा महानिवेशालय के उप सहायक महानिवेशाक के पद का कार्यभार छोड़ दिया हं ग्रीर 30 श्रप्रैल, 1984 (पूर्वाह्र) से सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, करनाल में बी० श्रार०सरीय की जगह उप सहायक महानिवेशक (एम० एस०) के पद का कार्यभार गम्शाज शिया है।

मवादला हो जाने के फलम्बम्प श्री बी० ग्रार० सरोय ने 30 श्रप्रैंस, 1984 अपराह्न को सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार करनाल के उप सहायक महानिदेशक, के पद का कार्यभार छोड दिया है और 11 मई, 1984 (पूर्वाह्र) से स्वास्थ्य सेवा गहा-निदेशालय में श्री वीर के० सक्तेता के स्थान पर उप सहायक महानिदेशक (स्टोर) के पर का कार्यभार सम्भान लिया है।

> श्रार० मी० गुलादी उप महायक निदेशक (स्टोर)

कृषि मंत्रालय (कृषि एवं सहकारिता विभाग) विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1984

सं० 5-84/84—स्पापना(I)—श्री के०ग्रार० विज, विस्तार निदेणालय (कृषि ग्रीर सहकारिता विभाग), कृषि मंद्रालय में स्थायी अधीक्षक (ग्रेष्टI), मामान्य केन्द्रीय मेवा (ग्रुप—बी) (राजपित्रत) (लिपिक वर्गीय) के पद से श्रवकाण प्राप्त की श्रायु होने पर दिनांक 31 मई, 1984 के ग्रपराह्र मे मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

न्नार० जी० **ब**नर्जी निदेशक (प्रशासन)

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 21 जुन 1984

सं० डी०/470/स्था० 11/3274—श्री त्वेन फिलिप डिसूजा ने सहा० कार्मिक ग्रिधिकारी पद का पद भार 30-4-1984श्रपराह्म को ग्रिधिवर्षिता पर छोड़ दिया ।

> श्रार० एल० बत्रा उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना न० प० वि० प० कालोनी,-202389, दिनांक 18 जून 1984

सं० न० प० त्रि० प०/भर्ती/12(3)/84-एस/4530-- परियोजना निर्वेणक, नरीरा परमाणु श्रिञ्चत परियोजना, रशानापन्स सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री विजय पान सिंह, को विनांक 19-3-84 से 19-5-84 अपराह, तक के लिए नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना में क० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960-/ के वेतनमान में तदर्थ श्राधार एर रथानापन्न मुरक्षा यधिकारी के पद पर विष्कृत करते हैं।

म्रार० के० बाली प्रणासन म्रधिकारी

निर्माण एवं सेवावर्ग

बम्बई-400094 दिनांक 14 जून 1984

सं० सी० ई० डी०/ए/2(16)/4171---इस कार्यालय की दिनांक 23 नवस्बर 1983 की श्रिधसूचना संख्या सी० ई० डी०/ए/2/16 के श्रनुवर्तन में निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री श्रार० बी० पिल्लिय को श्रीमती एन० एस० राजाध्यक्ष, जिन्हें कि छुट्टी प्रदान की गयी थी, के स्थान पर दिनांक 4-12-83 पूर्वाह्र से 23-12-83 श्रपराह्र तक सहायक लेखा श्रिधिकारी के पद पर नियुक्त रहने की श्रनुमित प्रदान की।

बी० वी० थत्ते प्रशासन ग्रधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना अणुर्णनित-323303, दिनांक 16 जून 1984

गुड़ि पन्न

मं रापविष/भर्ती/7(8)/84/स्थल/200---श्री श्रार० के० चौपडा, सहायक कार्मिक श्रधिकारी की नियुक्ति की तारीख जून 1, 1983 के बजाय जुलाई 1, 1983 पढ़ी जाए।

> श्रा० ना० कट्टी प्रजासन ग्रधिकारी (स्थापना)

भारी पानी परियोजनाएं

यम्बई-400008, दिनांक 19 जून 1984

सं० 05012/फर० 84/2503—भारी पानी परियोजनाश्रों के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (मनुगुरु) के श्री हरजिन्दर सिंह श्रहुजा, वैज्ञानिक सहायक 'सी' को इसी परियोजना में पूर्वाह 1 फरवरी, 1984 से श्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी प्रशासन श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नर्ड दिल्ली, दिनांक 4 जून 1984

सं० ए० 32013/6/82-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 5 जनवरी, 1984 की राजपत्र श्रिधसूचना सं० ए० 32013/ 6/82-ई० सी० तथा 11 जनवरी, 1984 की श्रिधसूचना सं० ए० 32013/9/82-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित श्रिधकारियों की नागर विमानन विभाग में संचार प्रधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के नाम के सामने वी गई प्रविध-तक प्रवना-पद के जिसमित प्राधार-पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दी है :--

李○	नाम	स्रवधि		
सं,० 	•	स	को	
	सर्वश्री			
	1. टो०एरा० प्रगाशम	1-1-84	30-6-84	
	2. एस ः कृष्णामू र्ति	"	"	
	3. के० गोपालकृष्णन	"	17	
	4. डी'० पी० चौहान	**	ir	
	5. एस ० के० जियोगी	"	<i>,</i> ,	
	6. के० बी० वासु देव न	11	**	
	7. वी ० ग्रार० श्रीनिवासन	11	17	
	8. के० डी० तूली	,,,	11 .	
	9. सी०एल०खेरा	31	H	
	10. एस० एस० चौधरी	"	**	
	11. जी० एस० वेदी	,,	11	
	12. के० सी० विश्वास	11	"	
	13. पी० श्रार० नायर	,,	"	
	14. पी० के० दत्ता	,,	**	
	15. जे० भट्टाचार्जी	m	"	
	16. एन० एस० पाल	"	,,	
	17. पी० रामदोस	13	11	
		11	"	
	18. एम ० एस० सच देव	,,,	1)	
	19. वी० रंगानाथन	1)	,,	
	20. रामजी सिंह	**	11	
	21. एस० के० सेन	"	**	
	22. के० सी० सेनगुप्ता	• 11	11	
	23. एस० बसु	,,	17	
	24. ग्रार० वी० खरे	"	11	
	25. पी० एन० मुलिक	,,	"	
	26. एस० एन० सन			
	27. सी० म्रार० नारायण	"	"	
	28. गैंबाल गुप्ता	n	11	
	29. ए० के ० मुख र्जी	"	7	
	30. के० एस० गोपालन	11	***	
	31. बी० एन० करनजय	"	"	
	32. के० राजा गोपालन	11	11	
	33. जी० के० राव	1)	11	
	34. ए म० सुवाह्या ण्यन	" "	"	
	35. एस० एन० दत्ता	•	11	
	36. एम० पी० कुलकर्णी	11	**	
	37. ग्रार० एन० मुखर्जी	11	11	
	38. पी० एन० कुप्पुं स्वा मी	"	• 0	
	39. एस ० सरकार	11	31-1-84	
	40. क० के० सिद्धार्थन	**	31-5-84	

有の

नाम

ऋ० नाम		ग्रवधि
सं॰	<u>.</u> स	को
सर्वश्री		
41. बी० बी० दत्ता	1-1-84	31-1-8
42. एच० देव	,,	29-2-8
43. एस० गोविन्द राजन	1)	31-5-8
44. एस० एस० दसा	Ħ	31-3-8

श्रो० पी० श्रग्नवाल सहायक निदेशक प्रशासन

तैनाती की वर्तमान मल रूप में उप-

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनाक 18 जून 1984

सं 0 12/3/84-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा निम्निलिखित स्थानापन्न उप परियात प्रबन्धकों को खाना 4 में प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से मूल रूप में उप-परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं :--

सं०		गास्त्रा	परियात प्रबन्धक की हैसियत मे नियुक्ति की नारीख
1.	श्री पी ० पी० पिलाई	मद्रास	1-9-81
2.	'' ग्रार० ग्रार०	स्विचन समूह्	
	नालकुर	वम्बई	1-12-82
3.	'' डी० पी० ना सक	र कलकत्ता	1-5-83
4.	" एच० जे० कर्मल	ली बम्बई	1-6-83
5.	'' ग्रार० कृष्णमुर्थी	बम्ब ई	1-10-83

वी० डी० कुलकर्णी निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई फैल्ली, दिनांक, जून 1984

सं 12/1/84-ई० सी०-9--राष्ट्रपति, श्री राजेश्वर प्रसाद को प्रतिरिक्त उद्यान निर्देशक के नाते जोकि सेवानिवृत्ति हो चुके हैं, श्री राधेश्याम जो कि उपउद्यान निर्देशक के नाते सेवा-निवृत्ति हो चुके हैं, श्रीर श्री पी० सी० घोष वर्तमान सगद में अतिरिक्त उद्यान निर्देशक के नाते स्थानापन्न कर रहे है, को अहुं के० लो० नि० विभाग में सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" में उप-उद्यान निदेशकों के पदों पर 15-9-79 से सूचीबद्ध करते हैं। पृथ्वीपाल सिंह प्रशासन उपनिदेशक

> विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 दी किलगा एण्टरप्राईसस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

सं० 868/टी० ए० 111/560—कम्पनी अधि-नियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तोन मक्ट्र के अवसान पर दी किलगा एण्टरप्राईसेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्री पदमा ट्रांसपोर्ट प्राईविट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

सं 1026/टी ए ए [[[/560--कम्पने अधि-नियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर श्री पदमा ट्रांसभोर्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 पेम्मराजू पिन्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

सं 1431/टी० ए० 111/560——कम्पती प्रधि-नियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना थी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर पेम्मराजू पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रि**धिनियम, 1956 रसवाहि**नी इलैक्ट्रीकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

स्० 2106/टॉ॰ ए० 111/560---कम्पनी प्रश्चि-नियम की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतक्- द्वारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर रसवाहिनी इलैक्ट्रीकल्स प्राईवेट लिमिटेड के नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

> वि० एस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्द्र प्रदेश है**द**राबाद

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर राजा इलेक्ट्रोन लेखोरेट्रीज प्राइबेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 20 जून 1984

सं० 3814—एल० सी०/4966—ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर राना इलेक्ट्रोन लेबोरेट्रीज प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीप पॅकेज आर०सी० सी० पाइप्स एंड एलाइल इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० के विषय में। कानपुर, दिनांक 20 जून 1984

सं० 3872-एल० सो०/4963-अधिनियम 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारांख से तोन माह के अवसान पर पंकेंज आर० सी० सी० पाइप्स एण्ड इलाइल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उसत कम्पनी विषटित कर दो जायेगी।

यो० पी० कपूर कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश कानपुर । कम्प्रति प्रधिनियम, 1956 घौर गावीक प्रीप्राकठरीस प्राट्येट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलौर, दिनांक 23 जून 1984

सं० 4039/560/84-85—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रमुसरण में एतदृष्ठारा यह सूचना दो जाती है कि इस दिनांक से तान मास के श्रवसान पर मावीक प्रीप्राकठर(स प्राक्ष्वट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दो जाएगी।

> (ह०) अपठतीय कम्पनियों का रज़िस्ट्रार

म्रायकर म्रपोलोय म्रधिकरण बम्बई-400 020, दिनांक 15 जून 1984

सं० एफ०-48-ए०डो०/ए० टी०/1984--श्री पी० बी० बोधारे, सहायक अधीक्षक, श्रायकर अपीलीय अधिकरण, जो स्थानापन्न अधीक्षक, श्रायकर प्रपीलीय अधिकरण, बम्बई पीठ में तदर्थ श्राधार पर थे, की नियुक्त सहायक पंजीकार के पद पर कार्य करने के लिए श्रायकर अपीलीय अधिकरण की इन्दौर पीठ, इन्दौर में नियमित श्राधार पर (प्रोन्नित कोटा में) दिनांक 29 मई 1984 पूर्वाह्न से अग्निम श्रादेश तक 650-30-740--35-810-द० श्र०-35-880-40-1000-द० श्र०-40-1200/- के वेतनमान में की जाती है।

श्री पी० बोधारो 29 मई 1984 के श्राराह्न से दो वर्ष के लिए परिवीक्षा में रहेंगे ।

> टी॰ डी॰ सुग्ला ग्रध्यक्ष

प्रकृप माइ . दी . एव . एस . ------

जाशकर विधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज, एर्णाकुलम एरणाकुलम, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० एल० सी० 690/84-85--यतः मुझे, बि० रिवबालन,

नायकर निधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार भ्रूष 25,000/- रा. से अधिक हैं:

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है, जो श्रच्चन्तील में स्थित है (श्रौर इससे उपावछ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकरी के कार्यालय, श्रक्चन्तील में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 10-10-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) नृत्यत्य से हुए किसी नाय की बादत, उनते अधिनियम के स्थीत कर दोने के जन्तरक के बादित्य में कमी करने ना उससे स्वाने में सुनिधा के सिए; करि/वा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी धन वा बन्ध वास्तिवाँ का, जिन्हाँ भारतीय वाय-कर विधिववस, 1922 (1922 का 11) ता उक्त विधिववस, या धन-कर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने कें सुविधा कें सिक्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविस्त स्थान्तियों, अर्थात्ः श्री ग्रन्चुतन के लिये बालकृष्ण मेनोन, बीठ केठ ससी और कुमारी मुमनी के लिए गोबिन्द कुट्टी मेनोन।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री पी० एस० राजगोपाल

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त वेंपति के वर्षत के तंबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी कन्य स्थावत व्वारा क्योहस्ताक्षरी के यास सिवित में किए वा सकते।

स्वचीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जनसूची

उपरिजस्द्री कार्यालय, ग्रज्वन्तील, तारीख 10-10-83 के दस्तावेण सं० 3103/83 में संलगन भ्रनुसूची के अनुसार भ्रज्वन्तील विलेज में सर्वे सं० 887/1, 887/2 में 8.750मेस्ट भूमि।

> बिं० रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, एरणाकुलम

सारीब: 8-6-1984

मोहर 🖫

प्रकृष मार्च , टी. एन्. एस. - - - ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाक्लम

एरणाकुलम, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० एल० मी० 693/84-85--यतः मुझे, वि० रविशासन.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो श्रच्छन्तोल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रच्चन्तोल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम से अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ये। उससे संघने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को शिम्ह भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह 1. श्री एम० बी० मेनोन

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० ए० राजगीपाल

(ग्रन्तरिती)

3. श्री के० एम० कुट्टन

(यह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पन्ति है)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसुची

तारीख 10-10-1983, उपरजिस्ट्री कार्यालय, ग्रन्चन्तोल के दस्तावेज सं० 3100 में मंलगन ग्रनुसूची के अनुसार ग्रन्चन्तोल विलेज में सर्वे सं० 887/2 में 6 सेन्ट भूमि।

> वि० रविबालन सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज, एरणाकूलम

तारीख: 8-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम एरणाकुलम, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० एल० सी० 691/84—85—यत: मुझे, बि० रविश्वालम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो श्रच्चन्तोल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रच्चन्तोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-10-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप में अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक ते हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त ग्रिक्षित्यम के श्रिक्षीन कर देने के ग्रस्तरक के बायित्य में कमी करने गे उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधितायों, अर्थात् ; श्रीमता उण्णिकृष्ण नेतीन और मूर्वीगाम्बः

(श्रन्तरक)

श्रीमती हरमणी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकर्गे।

स्वक्कोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याक्ष में दिया गया है।

नपुत्रुची

नारीख 10-10-1983. उपरिजस्ट्री कार्यालय, ग्रम्ध-न्तोल के दस्तावेज सं० 3198/83 में मंलगन ग्रनुसूची के ग्रनुसार ग्रम्धन्तोल विलेज में मर्वे सं० 887/1, 888/1में 15.500 सेन्ट भूमि।

> बि० रविबालन सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8-6-1984

मोहर 🖫

प्रकृप आर्थः, दीः, एतः, एतः, --------

बायकर अभितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

ा.श्री एम⇒ बिंठ मेनीन

(श्रन्तरक)

2. श्री पी० एन० गंकरनारायण

(ग्रन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलाम, विलोक 8 जून 1984

निदेश सं० एल० मी० 692/84-85—-यतः मुझे. बि० रिबबालन,

हायंकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है. जो अञ्चलोल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अञ्चलोल में रजिस्ट्रीकरण श्रिश्रीनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 10-10-1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त विधिनियन के संधीत कर योगे के अस्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य स्थावत इवारा अधोहस्ताक्ष्री के पाव निक्षित में किए जा सकरी।

स्वध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त धार्क्यों और पवां का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

जम्सूची

तारीख 10-10-1983 उपरजिस्ट्री कार्यालय अच्च-न्तील के दस्तावेज सं० 30.99/83 में संलग्न अनूसूची के अनूसार अच्चन्तील बिलेज में सर्वे मं० 887/2 में 15मेन्ट भूमि।

> वि० रविवालन, सक्षम प्राधिकारी महायम आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणाकुलम

नारीखा: 8-6-1984

भोहर :

अतः, अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अधीत ह——
3—14601/84

पुरुष वार्ष्_छ ट्री_ए पुष_छ पुष्_छ ----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सहस्राह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 जून 1984

निदेण मं० एल० मा० 694/84-85-पनः मृद्धो, बि० रविद्यालन,

बिंद रिविश्वालन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं
और जिमकी संव अनुसूची के अनुसार है जो अच्चन्तोल
में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अञ्चन्तोल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन नारीख 10-10-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपाव बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए एय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त मिमियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उद्यत्ते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अथीन, निम्निलिसिस क्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री एम० बि० मेनीन
वि० के० मुफुरदन
वि० के० अच्युत्तन
वी० के० वेणुगीपाल
और श्रीमती सुधा बी० मेनीन

(अम्तरकः)

2. श्री बेर डी० बंबि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ६---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त झब्कों और पर्वो का जो उक्त् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्थी

तार्राख 10-10-1983 उपरिजर्स्ट्रा कार्यालय अच्च-न्तोल के दस्तावेज सं० 3101 में संलग्न अनुसूर्या के अनुसार अच्चन्तोल विलेज में सर्वे सं० 887/2 में 8 मेन्ट भूमि एक मिइनरी बेड' और आफिम कमरा।

> त्रि० रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी सहायन आयकार आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेज, एरणाक्लम

तारं⁄ख: .8--6-1984

मोहर:

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

सावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1984

निदेश धं० जी० आई० आर० मं० एम० -190 एक्यि० -- यतः मुक्ते, ए० प्रसादं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- उ. में अधिक है

और जिसकी मं० मकान नं० 46,1 है तथा जो वजीर हसन रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-1983

(1908 का 16) क अधान ताराख 14-10-1983 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियः की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मृतिचित व्यक्तियों, अर्थात् प्रचन 1. श्री लक्ष्मण दास बजाज

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती मीनाक्षी कालरा
 - (2) श्री एन० सी० कालरा
- 3. केता

(अग्तरिती)

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्क्यात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्ति सयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहरताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यां का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम तल पर निर्माण गैरेज पर का कमरा छोड़कर पैमाईसी 3200 वर्ग फिट मकान नं० 46,1 स्थित बजीर हसन रोड़ लखनक और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड फार्म 37-जी सं० 10401 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनउ के कार्यालय में दिनांक 14-10-1983 को किया जा चुका है (37-जी फार्म के अनुसार)।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सखनऊ

तारीख: 13-6-1984

मोहर 🛊

प्राक्य काई .टी . एन . एस . ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जुक्क 1984

जी । आई० आर० सं० । 8/37ईई/83-84/अर्जन----यतः मुझे ए० प्रसाद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/7- र. स वा वर्ष हुं और जिसकी सं० आफिस नं० 18 और 19 है तथा जो 11 एम० जी० मार्ग हवीब उल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 5-10-83 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तारण से हुई जिस्सी जाम की बावत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के सिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आक या किसी धर या अन्य आस्सियों को चिन्हें भरतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा सा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा जे सिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (1) के तथीन जिम्मीनिमित व्यक्तियों, मर्थीत् —— मेसर्स हलवासिय प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट हजरसगंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार मारकण्डे

(अन्तरिती)

सर्वे बहु सुचना कारी करके पूर्वांक्स सम्पृतित के अर्थन के निए । कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन है सम्बन्ध में कोई भी बार्श्व :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ं (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिस्थः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन संची

आफिस नं० 18 और 19 थर्ड फ्लोर पर पैमाईसी 549.12 वर्ग फिट बामर्स हाउस में स्थित । एम० जी मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जीकि करारनामा व फार्म 37-ईई/83-84/अर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 5-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायम आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

नारी**स** : 13-6-1984

मोहर .

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कार

शीलय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 जून 1984

निर्देण सं० जी० श्राई आर० संख्या 21/37ईई/83-84 ए० मी० क्यू०-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 16 और 17 है तथा जो 11 एम० जी। मार्ब हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजर्स्ट्रांकर्सा अधिकरी के कार्यालय में अर्जन क्षेत्र लखनऊ भारतीय आयंकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख 1-10-1983

को पृथिकित संपत्ति के उभित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृथिकत संपत्ति का उभित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् 🖂—

 मेसर्स हल्यासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हल्यासिया कवेर्ट हजरत गंज लखनक।

(अन्तरकः)

- (1) श्रं(मतः प्रतिभा-रस्तोगी
- (2) डा० जॉा० एस० रस्तागी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी श्र्यित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पक्टीकरूण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

आफिस नं० 16 और 17 फिप्थ फ्लोर पर पैमाईसी 550 वर्गफिट कामर्स हाउस में स्थित 11 एम० जी काम्म हवीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विषरण जो कि करारनामा व फार्म 37ईई में विणत है अनुसूर्च। जैसा कि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 21/37ईई/83-84/अर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ हारा दिमांक 1-10-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

सारीख: 13-6-1984:

सोहर 🕄

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1984

र्जा श्राई० आर० सं० 20/37ईई/83-84/एक्बि॰--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एकक नं० 39सी, फिलोर ग्राउन्छ है तथा जो कपूरथला कर्माशयल कामोलेक्स, ग्रलीगंज, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रजंन क्षेत्र लखनऊ भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 10~10~1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के किए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→- मैं० एलडिको कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि० रिज० श्राफिसः बाग मुजफ्फर खान, श्रागरा।

(ग्रन्तरक)

1. श्रीमती ज्ञान गरिमा शुक्ला

(ग्रन्तरक)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रेयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

एकक मं० 39 सी०, फिलोर ग्राउन्ड साइज-12" 6" 21"-0", ब्लाक मं० 3 कपूरणला कामर्भियल काम्य- लैक्स, अलीगंज, लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि करारनामा व फार्म 37ईई में विणित है, अ्रमुसूची जैसा कि श्रर्जन क्षेत्र कम सं० 20/37ईई/83-84/ग्रर्जन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा विनांक 10-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

सारीख: 13-6-1984

भोहर 🖫

प्ररूप आर्ड्, टी. युन, एस..----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) े ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1984

जी० स्नाई० स्नार० सं० 19/37ईई/83-84/म्रर्जन---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एकक नं० 9-भी, ग्राउन्छ-II है तथा जो कपूरथला कर्माशयल काम्पलैक्स, ग्रलीगंज, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रजेन क्षेत्र, लखनऊ में भारसीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनांक 10-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की नानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अगभारा (1) को अधीन, निम्निलिक्स क्रिक्तियाँ, अर्थात् :→- मेसर्स एलडिको कन्स्ट्रंक्शन प्रा० लि०, रिज. आफिस: बाग मुजफ्फर खान, आगरा।

(ग्रम्सरक)

2. श्रीमती शान गरिमा गुक्ला

(भ्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास तिसित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एकक नं०-बी, ग्राउंड IJ, $12''-6'' \times 23''-6''$, ब्लाफ न० 3 कपूरथला कार्माणयल काम्पलैक्स, ग्रालीगंज, लखनऊ ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि करगरनामा व फार्म 37-ईई में वर्णित है ग्रानुभूची जैसा कि ग्राजन क्षेत्र कम सं० 19/37ईई/83-84/7ग्रंजन में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ हारा दिनांक 10-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्० प्रसाद सक्षम प्र∎िधकारी सहायक प्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन क्षेत्र, लखकऊ

तारोख: 13-6-1984

मोहर:

प्रस्प आध⁴. टी. **ए**त्, एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ '

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1984

जी श्राई० स्नार० सं० 22/37ईई/83-84/स्नर्जन--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 2 श्रौर 3 है तथा जो II, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखन उत्तर है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में श्रजीन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन नारीख 1-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी अलग्ने या उत्तमने बचल भें मृजिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अल्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में. गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के गांधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :-- नेसर्य ह्ल्लाभिया प्रापटींच (प्रा०) गि०, ह्ल्यामिका कार्ट, हजरूकांज, लखनका

(भ्रन्तरक)

1. श्री श्रशीश कुमार कपूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए आ सकीं।

स्पन्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ति

श्राफिस नं० 2 श्रीर 3 फोर्थ फ्लोर, पैमाईसी 470 वर्ग फीट कामर्स हाउस में स्थित II एम० जी० मार्ग, हवीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ श्रीर सम्प्रिक का सम्पूर्ण विवरण जबिक करार नामा व फार्म 37-ईई में विणित है, अनुसूची जैसा कि श्रार्थन क्षेत्र कम संख्या 22/37ईई/83-84/श्रार्थन में सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ हारा दिनांक 1-10-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

वारीका: 13−6−1984

मोहर :

प्ररूप आर्षे टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधील सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायश्र अभ्य कर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ लखनऊ, दिनाक 13 जन 1984

जी० श्राई० श्रार० सं० एस०-315/एक्वि०--यतः मुझे, ए० प्रमाद,

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सधान प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. मं अधिक है

श्रीर जिसकी संव मकान नंव 4 (पुराना नंव 214) है तथा जो वहासुर गंज, इलाहाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ श्रन्थूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिकारी, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, तारीख श्रक्त्वर, 1983

को प्रांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुंद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्त्या को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

- া (1) आमनो ईम्बरो देवो ार्ग विवरा देई
 - (2) था राजेन्द्र प्रमाद जायसवाल
 - (3) भारताम चरद्र जायमञ्जल
 - (1) श्रा प्रेम चन्द जासस्यास

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री सोहन लाल जायसवाल
 - (2) धा गिरोश चन्द्र जायस्त्राल

(अन्तरिती)

3 केता

(बह् व्यक्ति, जिनके प्रश्चिमोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम तिसित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याद में दिया यश हैं।

अनुसूची

महाता तंत्र 4 (पुरात, तंत्र 211) लग्न मूमि पैताईना 102.10 वर्ग-पाटर स्थित बहादुर गंजा, इलाहाबाद श्रोर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जो ि सेत्रष्ठांड व फार्म 37 जो संत्र 6247 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यक्रम में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम ग्रश्चिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुवन (निराक्षण) ग्रार्वन क्षेत्र, लयनक

司(天(韓: 13-6-1984

मोहर:

शरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकार आगुक्त (निर्शक्षण)

अर्जन रेज, तखनक लखनऊ, दिनांक 13 जून 1984

जी० आई० आर० सं० जी-69/एक्वि०--प्रतः सुझै, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट न 61(बी) ए, है तथा जो कृष्णा नगर, कानपुर रोड़, लखनऊ में स्थित है (श्रीर उससे उपावत अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22~10—83 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विदेशस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का पर्ने का अधिक है और अंतरित (अन्तरिक्ता से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरिक्ता) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिल्लीकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गना धाहिए था छिपाने में मुजिधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीम्ती स्वर्ग कीर

(अन्तरक)

2. श्रीमती गृरविदय कीर

(अन्तरिती)

3. स्वय

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्रवेकित सम्परित के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उत्त संपत्ति क वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथन स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्थी

प्लाट न० 61(बी)ए, पैसाईसी 11400 वर्ग-फिट स्थित कृष्णा नगर कानपुर रोड़, लखनऊ, श्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 10401 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 22-10-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

मारीख: 13-6-1984

मोहर 👉

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1984

र्जा० आई० आए० सं० जे-68/एक्वि०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मौजा-जंगल बेनीमाधी व मीजा बरगदवा लक्षा कस्बा, परगना-हवेली तह् मदर गौरखपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोरखपुर में रस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अजीन, नारीख 12-10-1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहत्त में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व मीं कभी करने या उसमें बचने मीं सुविधा के लिए: और/या
- (स) एनेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे अधिजनार्ध अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री अजीत कुमार बनर्जी
 - (2) श्री दिलीप कुमार बनर्जी
 - (3) श्री प्रदीप कृमार बनर्जी
 - (4) श्री मुदीप कुमार बनर्जी

(अन्तर्य)

- 2 (1) श्री जगदीस कुमार
 - (2) श्री अशोक कुमार
 - (3) श्री सतीश चन्द्र

(अन्तरिती)

3. फेला

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह जूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्ने

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रसुक्त शब्दों और पदो का, जो अनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

मन्त्रची

कृषी-भूमि स्थित मीजा जंगल बेनी माधो अछीर मीला-बरगदवा तप्पा-कस्था परगना-हवेली, तहसील सदर जिला-गोरखपुर और सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 8368 में विणित है जिमका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार गोरखपुर के कार्यालय में दिनांक 12-10-83 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

मार्गाय: 13-6-1984

माहर:

प्रकृप वार्ड . टी . एन् . एवं . . .-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) को संधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **बायकर बायकत (निरीक्षण)** अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जून 1984

जी० आई० आर० सं० के०-- 132/एक्यू०--- यतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो किसरील (डिप्टीगंज) मुरादाबाद में स्थित है (ष्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ष्रौर पूर्ण क्य विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन, तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वेक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिय. है और अन्तरक (अतरकार) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिकित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ संहुई किसी आ । की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बीने के अन्तरक के वामित्व में कभी करने या उसने अपने में नाथधा के। निए; जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया एमा या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अभ, अवन अधिनियम को धारा 269-म कं, अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) भी अधीन, निम्निनिसिस व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- डा० कृष्णकांड्स गुप्ता

(अन्तरक)

श्री कृष्ण कुमा?

(अन्तरिती)

3. ক্রা

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन, के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्गभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्यो

भूमि पैमाईसी 145.97 वर्ग-मीटर स्थित किसरील (डिप्टीगंज) मुरादाबाद ग्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37--जी संख्या 5858 में विणत है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में अक्तूबर 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 12−6−1984

मोहर :

इस्प बार्ड ही. एन. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जून 1984

जी० आई० आर० सं० एम-186/एक्बि॰--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं ज्लाट (आराजी) है तथाजो नादेन हाउस इस्टेट/रायल होटल इस्टेट, मल्लीताल, नैनीताल में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से बणित है रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय नैनोताल में रजिस्ट्री-करण अधियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख 21-10-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्ट्रे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक क्य से कथित गई किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के ज्धीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसं बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) वा उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिखन व्यवितयों, अर्थात् :-- 1. श्री मोहन चन्द जोशी

(अन्तरक)

2. मेजर गोविन्द पुनवानी

(अन्तरिती)

 मैं० नैनीताल होटल कम्पनी प्रा० लि०, नैनीताल।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान कारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हु।

उक्त कम्मीत के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की धामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य त्यवित ह्यारा अधाहरताकारों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक स्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दो का, जो उक्त जिंदिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

आराजा पैमाईसी 221.80 वर्ग-मीटर स्थित नर्दन हाउस इस्टेट/रायल होटल इस्टेट, मल्लीताल, नैनीताल, ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोिक सलडीड व फार्म 37-जी संख्या 527 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार नैनीताल के कार्यालय में विनाक 21-10-83 को किया जा चका है। (37-जी फार्म के अनुसार)

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🖠

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, खनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जून 1984

णी० आई० आर० मं० एम०-187/एक्वि०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि नं० 180, 181, 183 व 184 है तथा जो कस्यानपुर, जिला-लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 10-10-1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, एकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. (1) सर्वश्री बदल्
 - (2) **राम दया**ल
 - (3) गनेश{
 - (4) अम्बर

(अन्तरक)

- (1) मो० इरणाद हुसन
 - (2) मा० इजहार हुसीन
 - (3) मो० इफ्तखार हुसैन
 - (4) मो० इसारर हुसैन

(अन्सरिती)

3. विकेता

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का पह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

चन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मी कां**द्र** भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिएं;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्त्जी

कृषि भूमि सं० 180, 181, 183 और पैमाईसी 2 बीधा 19 बिस्या 10 बिस्यान्सी स्थित कल्यानपुर, जिला-लखनऊ श्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विषरण जोकि सेलडीड व फाम 37-जी सं० 10326 में विणित है जिसका पंजी-करण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 10-10-1983 की किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख: 12-6-1984

मोहर 🛭

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

नवर्धास्य, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जृन 1984

जी० आई० आर० सं० एम०−188/एक्टिश०-यतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो मोहल्ला-नौमहला, बरेकी में स्थित है (ग्रीर इससे उपायक्ष अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेकी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्तुह् प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सथ पाया गया प्रतिफाल, निम्नीलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गवा है :—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की वाबत, बक्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शामिल्य और/या
- (ब) एसी किसी नाय का किसी धन या जन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री अजबर अली
 - (2) श्री नदीं अजवर
 - (3) श्री मुहेल अजवर

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती म्बारक बेगम
 - (2) श्री परवेज सिद्दीकी
 - (3) श्रीमती सलमा सिदीकी
 - 4. श्री बनी अनवर सिटीकी

(अन्तरिती)

3. वित्रेता

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया घुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ज्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^ड, धही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसा हु^ड।

अमृस्ची

मकान मय भूमि पैमाईसी 390 वर्ग-मीटर स्थिति मोहल्ला-नौमहला नियर कस्तूरबा गर्ल्म इण्टर कालेज बरेली ध्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि मेलडीड व फार्म 37-्जी सं० 9017 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार वरेली के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ्र प्रवाद सक्षम प्राधिदगरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 13-6-1984

मोहर:

धारा 269 घ (1) के अधीत स्चता

भारक सरकार

कार्यालय , यहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जुन 1984

जी० आई० आर० सं० एम-189/एक्वि०---यतः मृझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० भूमि है तथा जो खोगनखेडा, जिला रामपुर में स्थित है (ग्रीर उसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. रामपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-10-83

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे

वास्तिविक रूप से किथन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक के श्रायित्य में कमी करने या उसमे अचने में मृतिधा के लिए; बॉर/गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 1 औं मलक सिंह

(अन्तरकः)

2. श्री मो० ईस्माइल

(अन्त(एमी)

3. शिता

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग **में** सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राज्यज में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मनसर्थी

भूमि पैमाईसी 10 1/2 बीघा, 18 बिस्वान्सी, स्थित सोगनखेडा, जिला—रामपुर ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-र्जा मंख्या 2329 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-र्जिन्हार रामपुर के जायिलय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम शक्षिकारी सहायक आयुष्टर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लास्तक

नारीख: 12-6-1984

मोहर :

प्रस्प आहुरै. टर्ने. एन्. एस् , प्रस्पन्यन व्यवस्थान

नावकर सिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (१) को सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1984

सं० जी० श्राहि० श्रार० संख्या एस-316/एक्यू/---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो मौजा, जंगल बैनो माधो श्रीर मौजा बरगदवा, गोरखपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गोरखपुर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 12-10-1983

को पूर्वोंक्या संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सुर्/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या प्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् हि—

5—146GI/84

- 1. (1) प्रिय रंजन चटर्जी
 - (2) पार्थ सारथी चटर्जी द्वारा ग्रटार्नी श्री एन० ग्रार० चटर्जी
 - (3) श्री संजय घटर्जी (नाबा०) द्वारा माता व संरक्षक श्रीमनी बासन्ती (धन्तरक)

2. (1) श्री सुरेश चन्द्र.

(2) श्री राधे एयाम

3. के**ता**

(ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्धन के जिल्क कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीं से 45 फिन की जनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो और अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्ति व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति ब्यास्त
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुस्की

कृषि-भूमि स्थित मौजा-जंगल बेनो माघो श्रौर मौजाँ-बरगदवा, तप्पा कस्बा, परगना-हवेली तहसील सदर, जिला गोरखपुर श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोिक सेलडींड व फार्म 37-जी संख्या 8369 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार गोरखपुर के कार्यालय में विनोक 12-10-1983 को किया जा चुका है।(37-जी फार्म के श्रनुसार)

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजिन रेंज लखनऊ

तारी**ख**: 13-6-1984

मोहर:

प्ररूप बाहै . दी . एन . एस् : ----

डा० कृष्णा कान्त गुप्ता

(श्रन्तरक)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 का (1) के अधीन स्पना

2. श्रीमती सुधेश कुमारी

(भ्रन्तरिती)

3. स्वयं

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रॉन लखनऊ

लखन्य, दिनांक 12 जून 1984 -

मं० जी० श्रार्ट० पार० संख्या एम 317 एक्यू/--यतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रिज्ययों से अधिक ही

प्रीर जिसकी संख्या एक किता भकान है तथा जो मोहल्ला किसरील (डिप्टीगंज) मुरादाबद सें स्थित है (प्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक श्रवनुबर, 1983।

को पृथींक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफान से, एसे रश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कृष्ति नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त परितिष्म के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था. छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिण व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्पे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2()-क में परिशावित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ननुसुची

एक किता मकान मय भूमि कुल पैमाईसी 145-96 वर्ग मीटर स्थित मोहल्ला किमरौल (डिप्टीगंज) मुरादाबाद, ग्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5757 में विणित है जिसका पंजीकरण सव-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में विनांक ग्रवनुबर 83 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज लखनऊ

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1984

सं० भी० श्राई० श्रार० संख्या एस--314/एइयू/---यतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा औं सींगनखेडा, जिला रामपुर में स्थित है (श्रीर रससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय रामपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 22-10-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम कं रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण त हुइं निश्ती आध की शावस, स्वक्ष रुपिशियम के अधीन कार दोने के सन्तरक खें दानित्त् में कभी करने या उससे ब्यूने में सुन्धि। से सिए; सौर/बा
- (य) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए?

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ▼ेअभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ं—

- 1. श्री चरन सिंह
 - 2. श्री हरबन्स मिह
 - 3. श्री प्रजायव सिंह

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी शमप् प्रवीन

(ग्रन्तरिती)

3. ऋेता

(बह व्यक्ति जिमके अधिभोग में सम्पत्ति है:

को मह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मीं प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद मीं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मीं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 14 3/4 बीघा, 1 बिस्वा श्रीर 7 विस्वान्सी स्थित सीगन खेड़ा, जिला रामपुर श्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्स 37 जी संस्था 2330 में विजत है) जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में दिनांक 22-10-1983 को किया जा चुका है (37-जी फार्म के श्रनुसार)

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज लखनऊ

विनांक 13-6-1984

मोष्ठर :

प्ररूप बाहें, टी, पुन, पुस

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्देशिक) ग्राजन रेंज लखनऊ

ज्ञानक, दिनांक 12 जून 1984

सं जी श्रह श्रार संख्या आर-221/एक्यू:--यतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या दो मंजिला मकान है जो नई वस्ती, सीतापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18-10-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबल, ब्रिथिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्डि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए भा, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीत् हि—

- 1. 1. श्रीमती मोहिनी निगम
 - 2. सुभाष
 - 3. सन्दीप
 - ু 4. विभू
 - 5. सुनील
 - 6. संजय
 - 7. कु० चित्रा

(श्रन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र प्रसा रस्तोगीद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेदित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधासुकाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रमृत्यी

दो मंजिला नकप्त मय भूमि पैमाईसी 2520 वर्ग-फिट स्थित नई बस्ती सीतापुर धौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 3031 में विकृत है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार सीतापुर के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंण लखनऊ

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🖫

प्रकृष वार्षः, क्षीः, पुनः, एवः, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायंक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जुन 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० मं० आर०-222/एंक्वी०---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसेकी सं० भूमि मय बिल्डिंग नं० 46/1 तथ जो वजीर हसन रोड लखनऊ में स्थित हैं। और इसने उपाबड़ अनूसूची में और पूण' रूप से बॉणत हैं) रिजस्ट्रभती अधिकारी के ए बॉलिय लखनऊ में रिजस्ट्रभती अधिकारी के ए बॉलिय लखनऊ में रिजस्ट्रभिरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 अक्तूबर 1983

को पूर्वों कत सूंपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण चंड्र जिसी बाव की बाब्द, उक्द बर्टिभीष्यस से अभीन कर दोने के अन्तरक के बास्तिक में कमी करने या उब्हों क्याने में ब्रुविचा से लिए; ब्रॉड्/स
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था था का किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

ब्रह्म बब, सक्त विभिन्यम की भारा 269-ग के वनुबर्ख में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्री लक्षमण दास बजाज।

(अन्सरक)

- (2) 1. श्रीमती रेखा कालरा।
 - 2. श्रीमती रामपति कालरा।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी कर्क पृथींक्त सम्परित की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शादीब है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स् बिधिनयम्, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित् हैं, वहीं अर्थ क्षेत्रा को उस अध्याय में विका नवा हैं।

जन्स्ची

भूमि पैनाईसी 6368 धर्ग फीट मय बिल्डिंग भूमितल पर निर्मित मय गैरेज पर कमरा मकान नं० 46/1 स्थित बजीर हसन रोड लबनऊ और सम्भात्त जिसका सम्पूर्ण विवरण जो कि सेल डींड ब फार्म नं० 37 जी सं० 10400 में बिणित है जिसकार्यजाकरण सब-रिजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 14 अक्तूबर 1983 की किया जा चुका है ।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13--6-1984

मोहर 🖇

प्ररूप , बाईं , टी , एन , एस , -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० ए-137/ एक्वी०--अतः मझे ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

और जिसेकी सं० सं० मकान नं० 78-ए है तथा जें। दरभंगा कार्लानी इलाहाबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1808 (1908 का 16) के अर्धान तारीख 11 अक्तुबर 1983

को प्वोंक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीगः, निम्निकिशक्त व्यक्तियों, अधित्:---

- (1) 1. श्रीमती शंकर विपार्ठी ।
 - 2. कुमारी मीरा विषाठी ।
 - 3. कुमारी मिनी विपाठी ।
 - 4. श्री एकज निपाठी ।

(अन्तरक)

(2) श्री आशूतोष पांडेय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 78-ए जिसमें 7 कमरे 3 किचन 3 लट्टिन वाथ रूप मय बरामदा एउ आगत स्थित दरभंगा कालोती इनाहाबाद और तम्पत्ति हा सम्पूर्ण विवारण जो कि सेल डीड व कार्म 37 जी संख्या 5954 में बर्णिन है जिनका पंजीकरण सब-िन्द्रित इनाहाबाद के अध्योतिय में किया जा बुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज लखनऊ

तारीख : 13-6-1984

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 13 जून 1984

निदेश मं० जी० आई० आर० सं० मी०-40/एक्वी०--अतः मुझे ए० प्रसाद हैं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 25, 26, 27 व 28 है तथा जो मोहल्ला रमई पट्टी जिला मिर्जापुर में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्री कर्ना अधिकारी के कार्यालय मिर्जापुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17 अक्नूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इंद्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अमरेश चन्द्र पांडेय।

(अन्तरक)

- (2) मै० कारपेट वाल रमई पट्टी , कचहरी रोड मीरजापुर द्वारा पार्टनर : श्री उमा शंकर चौबे।
- (3) विक्रोता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ती है :) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ष्लाट नं० 25, 26, 27 और 28 स्थित मोहल्ला रमई पट्टी जिला मिर्जापुर और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि मेल डीड व फार्म 37 जी सं० 3923 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजिस्ट्रार मिर्जापुर के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आ**र्द**. दी, एन<u>.</u> एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1984

নিবলৈ सं০ জী০ आई০ आए० सं০ सी—41/एक्वी०—-अतः

मुझे, ए० प्रसाद

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उकरा अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

अार जिसकी संव प्लाट नंव 25, 26, 27 और 28 है तथा जो रमई पट्टी जिला मिर्जापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिर्जापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 मा 16) के अधीन तारीख 17 अक्तूबर 1893

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गीई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम था भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री नवीन चन्द पांडेय।
 - 2. श्री हर्ष चन्द पांडेय।
 - श्री नरेन्द्र चन्द पांडेय।

(अन्तरक)

(2) मैं० कारपेट वाल रमई पर्टुं। कचहरी रोड मिर्जापुर द्वारा पार्टनर : श्री उमा शंकर चौबे।

(अन्तरिती)

(3) विकेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाच अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्म्यी

च्लाट नं० 25, 26, 27 और 28 स्थित रमई पट्टी, जिला मिर्जापुर और सम्पत्ति का प्रम्पूर्ण यिवरण जो कि सेल डीड घ फार्म 37 जी सं० 3922 में विणित हैं जिसका पंजीकरण सब-रिजिस्ट्रार मिर्जापुर के कार्यालय में किया जा सुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारील प्राप्तक (निरोक्षण)

सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

तारीखा : 13-6-1984

प्रकल नाही हो एम एस.

कायकर, अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, धिनांकः 14 जनः 1983

निदेण सं० जी० आई० आ९० सं० जी-68/एक्वी०---अतः मुझे, ए० प्रसाद

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. में अधिक है

और जिसकी सं किमशान नं 144 है तथा जो ममफोर्ड गंज इलाहाबाद में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 अवतुषर 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य संक्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात् :--6-146GI/84 (1) श्रीमणी जयकी ऐसी पन्ता।

(अन्सरक)

(2) श्री गोपाल किशन पाडेंग।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

जनसंची

मकान नं 144 स्थित ममफोर्ड गंज इलाहाबाद और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37 जो 6101 भेविणत है जिलका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार इलाहाबार के नार्योक्तम भे दिनांक 14 अक्तूबर 1983 को किया जा चुका है। (37 जी फार्म के धनुसार)

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी; सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

नारी**ख**ः 13--6--1981

प्ररूप भार्, टी. पून. एस,,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

श्रामिश्य, सहायक आयकार मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 2 जुन 1984

ு செல்க சுக்கா≎ வாசிவாகக்க நகர உட உர கிக

निवेण संख्या आई०ए०सं(०)एक्य०। 1, 37-ई०ई०। 10-83। 393, जनः मुझे, सुर्थार चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1413 है सथा जो 89 नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में पूर्व रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख अक्टूबर-83

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायिक में इन्मी करने या उससे अभने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय यो किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिलारे में मुविशा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों. सर्धात् :--- (1) श्री सुभदर्शन सुमार सुरी 24-बी 6 देश बन्धु गृष्ता रोड देव नगर, क्षरील बाग भई दिल्ली ।

(अन्तरमः)

(2) श्री रिष पुरी निवासी-एम-13/13 दीपक बिलीडंग, नेहरू फोस नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जव के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (र) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थाधनीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में विकास गया है।

समस्यो

पलेट नं० 1413 बिल्डींग नं० 89 नेहरू प्लेस नई दिल्ली तादादै। 444 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज 1, नई दिल्ली ।

तारीख: 2-6-1984

प्रकार मार्च, दी, एन , एस -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जभीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुंकत (निरिक्षण) अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांव 2 जून 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/एसय०/1/37ईई/10-83/394 असः मुझे, सुधीर चन्द्रा

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है"), की भाग 269-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसेकी संख्या 301 है तथा जो 88 नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्य। में पूर्व रूप से धीणत है) रिजस्ट्रीवार्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख अक्ट्रवर-83 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति को उण्युत बाजार मूल्य से कम के व्ययमान् प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके व्ययमान प्रतिकल से, ऐसे व्ययमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्त्रण के सिए तक पाया गया प्रतिकल, निम्नसिचित उद्वेक्यों से उक्त अन्तरण जिलात में बास्तीकक क्ष से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) बस्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त बाधित्यम के बंधीन कर प्राप्त के बन्तरक के बाधित्य में कभी करने यह उससे बुवने में सुविधा के सिए; बार/बा
- (च) एसे किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिष्ट;

जतः अकः, उक्त जधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, भक्त जधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, वर्धात् ः— (1) श्री ओव्पीव खुलर निवासी-एम-8 ग्रेटर कैलाग-2 नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्री अजय गांधी श्री मुरारी लाल गाँधी निवासी-30/20 इस्ट पटेल नगर,

(अन्सरिती)

की यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उन्तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

पन्तुपी

फ्लेट नं० 301, तादाबी 591 वर्ग फाट, 88 नहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> सुधीर घन्द्रा स्थम प्राधिकारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैज-1, नई दिल्ली

तारीख : 2-6-1984

मोहर ६

प्ररूप बादाँ, टी., एन्. एस.,------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 जून 1984

निवेश सं० आई०ए०सी'०/एक्यु०/1/37ईई, 10-83, 395-------अतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या 604-ए, है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय, अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर प्रधिनियम 1961, के अधीन तारीख अक्टूबर 1983।

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह् प्रतिकान में अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्च देय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से अभित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, खबत जिथानियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में तृषिधा के लिए; जीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियां के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की ज्याभारा (1) के संधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात --- (1) श्री किशन गुण्ता प्लाट नं० 5, न्यु सक्जी मंडी आआवपुर दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रामती निरू मौशल 4-वीरबल रोड जंगपुरा एक्स० नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- . (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सक्तेंगे।

स्थाध्यकिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसुची

फ्लेट नं० 604-ए, बिल्डींग नं० 89-नेहरू प्लेस, नई विल्ली, लादादी 548 वर्गफीट ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-1, नद्दी दिल्ली

नारीख: 2 जून 1984

सोद्वर:

प्ररूप साइ¹. टी. एन., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नर्दे दिल्ली, विनांक 2 जून 1984

निर्देश मं० माई० ए० सी० /एक्यू०/ /37 ईई०/10-83/ 396---म्मसः मुझे, सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 318 है तथा जो एफ-14, कनाट फ्लंस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य मे वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 के ग्राधीन, तारीख ग्राव्ह्वर, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल, से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्नितिचत उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंबद्रण ते हुई किसी बाथ की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दांगिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जान या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनक कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्री भो० के० श्रथ्यवाल,
 श्री विनीत श्रथवाल,
 निवासी सी-2/48,
 सफदर जंग डेवलपमेंट एरिया,
 नई दिल्ली-15 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कंबल नसीर, श्रीमती तनवीर जमाल, निवासी ग्रार-215, ग्रेटर कैलाश—I, नई दिल्ली श्री हुमायूं मुजीब, श्रीर कुमारी गामसा मुजीब, निवासी मुजीब मंजिल दृदगाह रोड, मुरादाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं

 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किशी अला ब्यक्ति इसारा अभोतस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण.--इसम प्रयूक्त शब्दों और पर्वोका, जे। उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसुची

पलैंट नं० 318, तीसरी मंजिल, कम्पीटेंट हाऊस, 14एफ कनाट प्लेस, नई दिल्ली, तादावी 631 वर्ग फीट ।

> सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

सारीख : 2-6-1984

अरूप वार्षः द्यैः, एनः, एसः, - - - ----

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र जागुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-!, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/37 ईई०/10-83/ 397--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 240 है तथा जो एफ 14, कर्नांट प्लेस, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-I नई दिल्ली में प्रायकर श्रिधनियम, 1961 के अधीन, तारीख श्रक्तगर, 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने,यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किथी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियान में स्विधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की संपंभारा (1) के बभीन निस्त्रिकित अधिकारों, जभीत् ह— (1) मै० कम्पीतैन्ट बिल्डर्स, 101, कम्पीटेंट हाऊस, एफ 14, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एल० राधे लाल, निवासी सी-3/1, सफदरजंग डेबलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिक्षी)

को यह स्वना जारी करके प्रविक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वयिथ बाद में समान्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्र विषय किसी जन्य व्यक्ति व्यार अभाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे ।

स्थव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

प्सैंट नं० 210, कम्पीटेंट हाऊस, एफ 14, कमॉट प्लेस, नई दिल्ली,तादादी 786.07 वर्ग फीट ।

तारीख: 2-6-1984

मोहर 🔞

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर नाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/37 ईई०/10-83 398--ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 83 एल जी एक है तथा जो 28, बाराखम्बा रोड, नई विस्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीरपूर्ण रूप से बहित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रजन रेंज-1, नई विस्ली में श्रायकर श्रभिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाएचोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्निलिकत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-निवस के अभीन कर्यों के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; बीद/या
- (क) एसी किसी अपय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसूरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :-- (1) मैं० गोपाल दासं इस्टेटस एण्ड हाऊसिंग प्रा० लिमिटेड 28, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती माया राम सेठी, निवासी सी-के 9 33/19, नील कण्ठ, वाराणसी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

प्रापर्टी नं. 83, एस जी० एस०, बिस्डिंग नं० 28, बाराखम्भा रोड, नई दिल्सी, तादादी नं० 166.50 वर्ग फीट ।

मुधार चन्द्रा यक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--1, नई दिल्ली

तारीख: 2-6-1984

मोहर 🖫

श्रूक्य नाइं.टी.एम.एस....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

मारत बुदकाड

कार्यालयः, सहायक काय्कर वाय्क्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०, ए०सी०/एक्यू०/1/37-ईई/10-83/ 399--- मतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अभीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 511, है तथा जो 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (भौर इससे उपाबच भ्रनुसूची मैं पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम-1961, के अधीन तारीख श्रक्टूबर, 1983।

को पूर्वो क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के निए तय पाया गया इतिक कस, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में गास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण के हुई किसी शाय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कुर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुन्तिभा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियनम, 1922 (1929 का ११) या उस्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती नमीस्दरजीत कीर गील, श्रीमती मुरीस्दर कीर गार्फण एम०एस० रक्कर, निवास~63, सेक्टर 8-ए चरडीगढ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वरण बीयोवा, सी--158, डिफोन्स फलोनी नई विस्ली।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आहोप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्वतियों ग्रें से किसी स्थिकत बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पान सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वा

पलेट नं० 511, जिल्हींग सं० 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 420 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज , नई दिल्ली।

सारीख 2-6-1984

(अन्त्रक)

प्रकृष आहे. टी. एन. एस.-----

भायकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जागकार आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० आई० सी०/एक्यू०-1/3 $7^{\frac{2}{25}}/10/83/400$, अतः मुझे, सुधीर चन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 17, है तथा जो 77-सांची, नेहर प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपप्यद्ध श्रनुसूची में पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, श्रजन रंज-I, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रवीन दिनांक श्रवट्वर-1983

को पृथितित संपितित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाय प्रितिफ न के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यांक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आग की बाबत,, उक्त अधिपियम के अधीन कर येने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: आर/भा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आणितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिविधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिएाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अय, उक्त अधितियम की धारा 269-म क अनुसरण भी, भी, उक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीत् :----

- (1) श्रीपती कीणस्या येवी, श्री स्तीण पाहुजा निवासी-सी--43, एन०डीजएस०ई०--1, नई दिल्ली,
- (2) श्री आ० एस० सोबती, श्रीमती मुस्तिय सोबती, निवासी-सेट्या, -बेट, एन०डी अप्युवर्श-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठों कत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डबत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में में कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

पलेट न० 17, बिल्डींग नं० 77-सांची नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी-718.70 वर्गफीट,

> सुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज I, नई दिल्ली-110002

नारीख : 2-6-1984

प्ररूप. आहे. टी. एत. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंग ।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2जून 1984

निदेश सं० आई०ए० .सी \circ /एक्य् \circ /1-/37-ईई/10-83/101,-अतः सुक्षे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मृत्य 25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या 211/एफ-14, है तथा जो कनांट प्लेस नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयक्तर अधिनियस-1961, के अधीन नारीख अन्द्वर, 1983.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिमित में बास्तिक हुए से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत; अक्स अधिनियम के अधीन कर याने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वच्ने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के निए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) सै० तम्मोटेन्ट विल्डर्स 101 लम्पोटेन्ट हाउस, एफ-14 जनाट प्रोस, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्ता विमला देवी पत्नी एल राधेय लाल, निवासी---सी---3/1 सफदरजंग डेवलपपेट एरीया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

वन्स्थी

पलेट नं ० 211, कम्पीटेन्ट हाउस, एफ-14, कनांट प्लेस, नई दिल्ली, एरीया-772-34 वर्गफीट।

> मुबीर चन्द्रा सदाम प्राधिकारी सहायक आयागर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-I नई दिल्ली

नारोख: 2-6-1984

प्ररूप् भाव . टी. एन . एस .-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोंक 2 जन 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/10-83/403--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 713. है तथा जो 24 बाराखम्या रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रिजम्द्रीकर्ती अधिरारी के बार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अर्धीन तारीख अक्टूबर 1983।

के पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अनुसरण से हुई किसी आग की गागत, उमत जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; आर्-र्या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः बच, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उप∗गरा (1) दे अधीन, जिस्निसिश्चिस व्यक्तिकों, अर्थातः :—- (1) श्री धरम वीर वेद, निवासी डी-1078-न्यू फेन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली,

(अन्तरह)

(2) श्री योगेश गोंधी निवासी े165–ई, कमला नगर, दिल्ली,

(अन्तिरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए पा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्सूची

आंफिस फ्लेट मं० 713, नादादी 431 वर्गफीट, 7--मंजिल, अणोका इस्टेट. 24 बाराखम्बा रोड, नई दिल्लं। 1

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायत्रआयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज I नई दिल्लो

तार्**ष**ः 2/6/84

भाहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांत 2 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37--ईई/10-83/ 404--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1304-ए, है तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पार्यालय, अर्जनरेंज-I, नई दिल्ली, के अधीन भारतीय आयकर अधि-नियम-1961, के अधीन तारीख अक्टबर 1983।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीन एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की भावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधीरणी एकार पकार महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मै० केमिकल एण्ड मिनरल डिस्ट्रीब्यूटर्स.
 48-रोज मैरी लैन.
 हावड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रां ऑ॰पा॰ भादिया, निवासी—जी—12, मस्जाद मठ, ग्रेटर कलाश—21 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जान को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसची

फ्लेट नं० 1304-ए, बिल्डींग नं० 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एशोया--548 वर्गफीट.

> मुठोर चन्द्रा यक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नाराय : 2-6-1934

महर:

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. -----

नायकर अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अभीन तुष्ना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नर्ष दिल्ली

नई दिल्ती, दिनांश 2 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० मी। $\sqrt{\sigma}$ क्यू०/1/37-ईई/10-83/405-अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिल्ली संख्या 1317, है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची से पूर्व स्म में विणा है), रिजन्होंकर्ता अधिकारी के वार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, के अधीन भारतीय आयहर अधिनियम—1961, के अधीन तारीख अस्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पे वास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृदिधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनिवस्ता वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जम्म चाहिए था, छिपान में अविभा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपसारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात ;---- (1) श्रो अमृत लाल कपूर, निव(सी-एफ-39, इस्ट ओफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रोमती सुगीला सल्जा पत्नी डा० श्री तेज सल्जा निवासी जी-12 मस्जीद मठ, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के हिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्परित के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो जनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। यस है।

मन्त्रकी

फ्लेट नं० 1317, तादादी 560 वर्गफीट, बिल्ली नं० 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,

> मुबीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी गहामक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

त(रीख : ?~-6-1984 मोहर : प्ररूप आहूर. टी. एन्, एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 2 जून 1984

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/10~83/ 406--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव जो-4 है तथा जो 79-80, नेहरू प्तस नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में आयार अधितियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निश्चित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (५) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या पनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उत्तत अधिनियम की भाग 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीतः निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० जाखार इस्टेट एण्ड इन्वेस्टमेंट ब्रा० लिमिटेड, 18, गौ माला रोड, अबोहर, पजाब।

(अत्तरक)

(2) श्री पंत्रज बेद मुपुत श्री एम० पी० वेद और श्री सत्यापाल वेद. सुपुत श्री मदन गोपाल, निवासी बी-26, फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कृमें पीरभाधित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है [1]

मम्म्ची

साप न० जी -4, सतकार विल्डीग, 79-80 नेह्रू प्लेस नई दिल्ली, तादार्दा 600 विर्मर्फाट,

> मुद्योर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

ग≀रीख 2--6--1984 मोहर ः ्रम्रस्थ कार्यः टी., एन्., एख.,--------र, 1961 (1961 का 43) की

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर क्षायुक्त (निरक्षिण)

जर्जन रंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, नारीख 2 जून 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/10-83/ 407--अत: मुझे मुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1012 वो है तथा जो 98, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपायम् अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली में आयकर म्रधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते वजने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखन व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री डी० पी० यहगल, गार्फत लिबर्टी सिनेमा कन्टीन, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 (2) श्री धरमिन्दर कश्यप ऑप
 श्री शालिन्दर कश्यप.
 निवासी 31/10, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली--110008।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्</u>जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सूत्रीं आ भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त कार्यों और पदों क्रा, जो उक्त किपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूषी

फ्लैट न० 1012, बी, बिल्डिंग नं० 98. नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, सादादी <u>5</u>58 वर्ग फीट ।

> सुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायह भाषकर आयुक्त (तिरोक्षण) अर्जै रेंगेला, गईसिस्सी

मारीख : 2-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, नईदिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जन 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37 ईई०/10-83/ , 408--अत: मुझ, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वतात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० जी-3 है तथा जो 96, नेहरू लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीय त्री अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में आयर अधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम को अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपमें अजने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।;

कतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण को. मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, पिम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्।:—— (1) पंतिसारदास अरोड़ा, तिवासो 66, रिंग रोड, लोजपण नगर-3, लई दिल्ती।

(अन्द्रकः)

(2) श्री बी० बी० मकड़ सुपुत श्री एफ० एस० गकड़ नियासी जी⊶ा2 ग्रीन पार्क, नई दिल्ला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

शाप नं जो -3, ताबादो 430 वर्ग फीट, 96, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहाध : आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना, नई बिल्ली

ग्रीख : 2-6-1984

प्रकार वार्षः टी. एन. एत. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनीं क 2 जून 1984

लिदेश मं अाई० ए० सी ०/एक्यू ०/1/37 ईई ०/10-83/409--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 207 है तथा जो 88, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृह्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जलः, अञ्चल जिथिनियमं की भारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीनः, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---8-146GI/84 ता न को नरण िंह और श्री रघुबीर सिंह, निवासी बी-4/14, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरका)

(2) श्री रतन कुमार मोदी, निवामी मी~4/95, सफदर जंग डेबलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहिमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के वर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी सन्य व्यक्ति इवारा संधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही कर्ज होगा जो उस अध्याय में दिया वया हुँ।

अनुसुची

फ्लैंट नं 207, स्कीपर कार्नर 88 नेहरू क्लेस, नई विल्ली नावादी---674 वर्ग फीट ।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी बहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼1, नई दिल्ली

तारी**ख** . 2-6--1984 मोहर ध

प्ररूप आइ^र.टी.एत्.एस्.,--------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाउ 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (भिरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/10-83/
410--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 369-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जी 1, (जी० एफ०) है तथा जो 95, हेर केर, नई दिल्ली में स्थित है(और इससे उपावस अनुसूची कें और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के लागित्य, वर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयार अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिविक रूप से अधित नहीं किया गया है;--

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बोसित्य में कामी कारने या उसमें अधने में सूचिधा के निए; बार/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वि, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों.. अधित :---- (1) मैं० जें० रायएण्ड शादर्स, 19, इण्डियन आयल मबन. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीण सूद और श्रीमती राज रानी सूद, निवामी - एच-21, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिल में हितबब्ध बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, भी उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोप नं० जी-1(जी-एफ) विस्तित मं० 95, नेहरू ध्लेस, तई दिल्ली, तादादी 493 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर अायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

तारीख: 2-6-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो

नई दिल्ली, विनांक 2 जुन 1984

निवेश सं० आई० ए० सी'०/एक्यू०/1/37 ईई०/ 10-83/411--अतः मुझे सुधीर चन्द्राः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-565 है तथा जो फ्लट नं० 5, ग्रेटर कलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख अक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संष्ट्रक्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपधाग (1) के भंधीन, निम्नसिचित स्वितियों, सर्थात् :--- (1) श्री एस० एम० शाह,
 664-श्री संमत्ता हाऊस नपीन सी रोड
 बम्बई।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती सुणीला जगतियानी मार्फत श्री ए० मेहरा नियासी — र्य-318, ग्रेटर कैलाण - 2, नई विरुली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, के भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्ध्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, एस०--565 ग्रेटर कैलाश--2, नई विस्सी, ताबादी: 1164 वर्ग फोट ।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीखा : 2--6--1984

मोहर इ

प्रकृताई, दी. एन. एच.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नचीन सुप्ता

मारच बहुकाड

कार्यालय, तहायक बायकर बायुक्त (निर्शेक्षण)

अर्जन रेज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/37 ई०ई०/10-83/ 412--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रजपए से अधिक है

और जिसकी सं पर्लंट नं 13 है तथा जो ओमियन बिल्डिंग, नेहरू प्लेस, नई विल्लों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु— सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक्सी अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्थान तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सरिद्य में कवी करने वा उच्चे व्यव में वृत्तिका के सिए; अडि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया काना वाहिसे वा, क्याने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) मैं ० एक्सपोर्टस् अपारिल ग्रुप प्रा० लि० पारस बिल्डिंग नेहरू प्लेस, नई दिल्लों।

(अन्तरकः)

(2) मैं० विनोव कपूर (एच० यु० एफ०) बी-29, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

जन्स्ची

फ्लैंट नं॰ 13, चौथीं मंजिल, ओसियन बिल्डिंग, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 860 वर्ग गंज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-4, नई दिल्ली

तारीखा : 2-6-1984

मोहर 😢

प्ररूप बार्ड, टी, इन्. एस्.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अवीन सुपना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/37 ईई०/10-84/ 413---अत: मुझे, सुधीर चन्द्र,

भायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख है अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृस्य 25.,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं 12, (बीथा फ्लोर) है क्तया जो ओसीयन बिल्डिंग, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूर्ची में पूर्ण एप से धीणत है) रिजस्ट्रीयती अधिवारी के बार्यालय अर्जन रेज-I, नई दिल्ली में भारतीय आयवार. अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्टबर 1983

को पूर्विकः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रसिष्ठल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्यः, उन्ते दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित गों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के निम्निलिखित उद्दर्विय से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तरिक रूप से करिशत नहीं किया गया है:—

- (क) अनुतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने था उससे ब्यूने में सूबिभा के सिए; बॉर्ट/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, दिख्याने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियित व्यक्तियों, अर्थातः :——

(1) मैं एक्सनोर्द्स अपार्रात ग्रुप प्रा० लि० पारस बिल्डिंग नेहस् प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बेबी राधीका कपूर मास्टर अक्षय कपूर मास्टर निक्षुंज कपूर बारा अभिभाषक श्री विनोद कपूर, निकासी बी-52, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याप्त;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छोकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पसँट न० 12, चोधी मंजिल, ओस्यिन बिल्डिंग नेहरू प्लेंस नई दिल्ली, एरिया 710 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी प्रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारी**ख** : 2--6--1984

मोहर 🤢

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (मिर्याक्षण) अर्जन रेंज: I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जुन 1989

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/37 ईई०/10-83/

414-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 808 है तथा जो 7 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूर्यी में और पूर्ण रूप से इंजित हैं) रिजिस्ट्रीयर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनयम 1961 के अर्धान तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनसरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उपक अभिनियन में बधीन कर दोने के अन्तरक में दायित्व में कभी करने या उसने बचने में मृत्रिक्षा में निए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विया जै किए।

अतः अवः, उकतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रांमती कैलाश रानी मार्फत: लेपिट० कर्नेल आर० बी० नन्धा, एस०-21 श्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ सूर्या होल्डिंग प्रा० लिं० ए-21, ओडराय अपार्ट्मेंट सिथिल लाइन्स, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

सबे यह स्थाना चारी करके पृत्रों क्त सम्मित्य के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और ददों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हौ [1]

अनुसुची

पर्लंट नं० 808 तादादी 570 वर्ग फीट, प्रकाश दीप 7-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नद्दी बिस्सी

तारीख : 2--6--1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के जशीन सुचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जन 1984

निर्देश से० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/37 ईई/10-83/ 415--- अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वरम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका अचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 415 है तथा जो 22-कस्तूरबा गांधी भागे, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, श्रवतुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृध्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आजत उक्त अधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे वचने में स्विधा के निए, और/या
- (क) एसी किसी बाय का त्रिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० (श्रीमली) पी० एल० तोहरा एण्ड श्रीमती कुपुम अरोड़ा, निवामी——ए-1/6, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० पार्वती चेरीटेबॅल फाउण्डेशन, 4693, गली उमराव बाली, पहारी धीरज, दिख्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या नत्मस्टन्धे व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- धद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उमक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

मगत जी

फ्लैंट नं० 415, चौथी मंजिल, तादादी 542 वर्ग फीट, 22, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नर्ड दिल्ली।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज--1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 2-6-1984

प्ररूप माइं. टी. एत्. एव . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू-1/37 ईई/10-83/ 418--- प्रतः, सुझे, सुधीर चन्द्रा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूक्य 25,000/ का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० 107 है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज~1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, श्रक्तुबर, 1983

करे पूर्वोक्त सपरित के उचित शाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल से ऐसे स्थमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः जयः उपत अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—- (1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, 22, बारखम्मा रोड. नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती तेजिन्दर के० सिह, मार्फत श्रीमती एच० बक्शी, बाल भारती एयर फोर्स स्क्ल, लोदी कालोनी, नर्ष्ट दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सुम्यृतित की अर्थन्त को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ज्यि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति (वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अक्षित्रताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पजैट नं० 407, तादादी 551 वर्ग फीट, 89, नेहरू प्लेस, नर्ष दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्राय**कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारी**ध** : 2-6-1984

मोहर 🛭

प्रकार आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अविनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

मारत अरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~I, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 2 जून 1984

प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कार्य से अधिक है भ्रीर जिसकी सं० 107 ए, है तथा जो 22, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपायद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्थालय, अर्जन रेंज—I, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के अधीन, तारीख अक्युबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पनिसल के लिए प्रस्तित की गई है और मुझे बह विश्वास करने का नारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है और प्रन्तरक (जन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए नय पाया गया प्रनिक्त, निम्नलिखित के प्रन्तर प्रतिका में उकत प्रस्तरण निवित्त में नाक्तिक कप से कवित महीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग वा किसी अन या अन्य आक्तियों को, जिल्हें भारतीय ग्राय-कर प्रश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्वित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीस् ः—— 9—146GI∣84 (1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, 22, बाराखम्मा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनीश गुष्ता ग्रौर
मैंनु गुष्ता (माइनर),
सुपुत श्री सुरेन्द्र भूषन गुष्ता,
निवासी डी-70,
पंचशीला इनक्षेत्र,
नई दिल्ली।

(भ्रनरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रशासन की तारीख से 45 विन की स्वधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दित की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के शितर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से विक्षी व्यक्ति सारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति दारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

श्ववद्योकरण 1--व्यसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के बहुयाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रय होता, जो उन प्रकाय में विया गया है

वन्त्रची

पलैंट नं∘ 107–ए, बिल्डिंग नं∘ 22, बाराखम्भा रोड, नईदिल्ली, नादादी 760 वर्ग भीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—I, नई दिल्ली

तारीख: 2-6-1984

प्रकप आइ. ी. एन. एस.-----

नायकार ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहाय ह आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिगांक 2 जून 1984

निवेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्सू०-1/37 ईई/10-83/424---अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स जे अधीन सक्षम आधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 612 है तथा जो 21, बाराख्यमा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण म्प से वर्णित है), रिजिल्हीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्राकर श्रिधितयम 1961 के श्रिधीन, श्रन्तवर, 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिएफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रिप्ताल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में रास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत सक्त विध-निवस के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कामी करते था जरूने अचने में ग्रीवभा के निये; वर्षर/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिकों की. जिन्हों भागनीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्यस्ति द्वारा अकट नहीं किया गया था रा किया राजा चाहिए था, खिपाने में स्विधा के निरा:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती माया दूबे, निवासी-हैदराबाद कालोनी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी वर्तमान 5, काका नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गायली देवी, निवासी-5, काका नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को सङ्घ सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्चन के निए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्धन :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच् से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण: ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस सध्याय में दिवा नवा हैं।

बन्स्य

फ्लेट नं० 612, तादादी 325 वर्ग फीट 21, वारा खम्भा रोड, नई दिल्ली !

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2~6~1984

महेहार ः

प्ररूप बार्ड .टी.एनं.एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निवेश सं० स्नाई०ए०सी०/एक्यू०-1/37 ईई/10-83/425-श्रतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 38 है तथा जो सन्त नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, ग्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्दृश्य में उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री इन्दर पाल सिंह, निवासी—सी-111/197, लोधी कालोनी, नहीं दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रोम प्रकाश गुलाटी (कर्ता), बी-4/79, दयानन्द कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्स संपति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दक्षारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तालीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्शित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिस्ति में किए जा मकर्गे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स्वी

मकान नं० 38, सन्त नगर, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 2-6-1984

प्रकृष आहूर, टी, एन, एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्सी

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एश्यू०-1/37 ईई/10-83/ 426---ग्रतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के श्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं । 105 है तथा जो 13, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली नें स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय, ग्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, ग्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वश्य से उस्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित अश्वीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आहु/वा
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सूर्विधा के लिए:

नतः जब उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बनशी विक्रम विकास करस्ट्रक्शम्स कस्पनी प्रा० लि०, 13, टालस्टाय मार्गः नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मै० उत्तम सिंह दुग्गल एण्ड कम्पनी प्रा० लि०, 11, भरीना ग्रारकाडे, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के उजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सृथना के राजपन मं प्रकालन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्भोकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्ची

फ्लैट नं० 1105, सादादी 696 वर्ग फीट, 11 मंजिल, 13, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज−1, नई दिल्ली-110002

नारी**ज** : 2-6-1984

मोहर 🛭 🕆

प्ररूप बाह्र .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई विस्सी नई विस्ली, दिनांक 2 जून 1984 निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/ 10-83/427—अतः, मुझे, मुधीर चन्द्रा

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर सं० एस०-261 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम 1961 के ग्रिधीन, ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरिगीतयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी थास की बावत , उक्त वीभीनवन के बभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कामी करने वा उत्तर्स क्याने में मृत्या के सिए; बीर/धा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जारिसरों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा से बिए;

धतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थीत है— (1) मैं० के० कौशस्या कम्स्ट्रक्शन्स, ए-7/2, न्यू फेन्डस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तर्क)

(2) श्री पंकज कुशवाहा, निवासी बी-6/8, लूग्रस शापिय सेन्टर, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्पत्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थाकीकरणः -- धूसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो अस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं ० 11, पहली मंजिल, एस ०-267, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली, 2325 वर्ग फीट ।

> सुधार चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीय: 2-6-1984

माहर:

प्रका बाही, टी, एवं, एक,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/10-83/428--श्रतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिले इसमें इसके परचारः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 109 है, तथा जो 22, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिस्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज -1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एभे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी भाष या किसी धन या अल्प मास्तियों को जिन्ह⁷ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अक्ति क्र-

 मै० इस्टर्न इन्टरप्राईजेज,
 802, श्राकाशदीप, 26-ए, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली द्वारा भागोदार श्रीमती होलगाके० सरना, श्रीर श्रीमती प्रोमिला सरना।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती बिमला विग पत्नी श्री के० जी० विग, ग्रौर कुमारी श्रारती विग,

श्रभिभावक: श्री ललित मोहन विग, निवासी 7/179, स्वरूप नगर, कानपूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगां को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

फ्लेट नं ० 409, चौथी मंजिल, तादादी 522 वर्ग फोट, 22, कस्तूरका गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख 2-6-1984 मोहर्ध प्ररूप आहर् ् टी ु पुन्तु पुर्य ु ---४--४५-४

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्र (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त '(निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 2 जून 1984

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/10-83/429- ग्रतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 505 है, तथा जो 16 कुन्दन हाउस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधक्क श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विण्त है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिनियत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिमित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंक्षरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उपल अधिनियम के अधीम कद दोने को अंक्षरक के दाविस्त में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एंबी किसी नाव वा किसी धन या जन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए:

अतः अत्र, उत्तर अभिनियम की धारः 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीतः, निस्निसित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- लेफ्टी० कर्नल एच० एस० चोमा, निवासी - 262/35ए, खण्डोगढ ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मायीक चक्रवर्ती, कुमारी श्रावीनी चक्रवर्ती, श्रीमनी धर्चना चक्रवर्ती,
 200-बी०, एस०पी० मुखर्जी रोड, दिल्ली।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सुभाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, खों भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्ति से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प्वाकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वा उक्त अधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

अनुसूची

फ्लैट न० 505, 16-कुन्दन हाउम, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली तादादी, 620 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा, सदाम प्राधिकारी उहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. नई दिल्ली-110002

तारी**ख** : 2-6-84

मोहर 🖁

15654

प्रकृष कार्द्धः स्त्री . एन . एस् . ----=----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भा<u>रत स</u>रकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एनगु०/I/37ईई/10-83/430--ग्रतः मझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से **मधिक हैं**

श्रौर जिसकी सं० 1503 है, तथा जो 43 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली 👫 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 के अधीन म्रक्तूबर, 1983

की पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने. का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित वों बास्तविक रूप से कथित न**हीं किया गया ह**ै ६---

- (क) शन्तरण ते हुई किसी नाव की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कभी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के सिए: बीर/बा
- 📳) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., डिप्पाने में सुविभा की लिए;

1. मैं सुप्राव काथला (एप प्राप्त एफ), द्वारा कर्ता भी सुभाष बायला, निबासी ई-23, पंचशीला पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

्भाग []]--- व्यष्ट 1

2. श्रीमती भजन कुमारी विज पत्नी श्री एस० श्रार०, विज, निवासी ग्रार-830, त्यु राजिन्दर नगर, नई बिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कटुके यूर्वीक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सत अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं नर्य होगा को उस क्ष्याय में विका

नग्रापी

म्राफिस फ्लैट नं० 1503, 15-मंजिल, तादादी 517 वर्ग फीट, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज.-। नई दिल्ली

अत: अब, उक्त निधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण र्त, में, उवत अधिनियम की भारा 269-ंग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ध---

तारी**व :** 2-6-1984

प्रकृप आहे. हो, एन, एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कर्त्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि.रीक्षण) श्रर्जन रेज.-ा, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुन 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०1/37ईई/10-83/431--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 708 है, तथा जो 89, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर एससे उपायद्ध प्रतृसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के अधीन श्रक्तूचर, 1983

को प्वांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गण प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था एएपने में मृविधा के लिए:

कतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्षत अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :-----10—146 GI/83 मैं० मेहताब इन्डस्ट्रीण, 121, गुरू नानक ग्राटो मार्केट, काश्मीरो गेट, दिल्लो ।

(भन्तरक)

 श्रीमती रेवा मेहरा, मास्टर पयन सुयन, श्रीर करन मेहरा, पत्नी श्रीर सुपृत्री डा० बलदेव राज मेहरा, निवासी एम-61, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी गक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 708, नाबादी 414 वर्ग फीट, 89, नेहरू प्लेस, नई विरुली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-^I, नई दिल्ली

तारीख: 2-6-1984

प्ररूप आहरै.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्पना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० म्राई० सी० सी०/एक्यू०-1/37 ईई/10-83/432—म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 204ए हैं, तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के भ्रधीन भक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रिनिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार सूख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपान में स्विधा के लिए;

अत ≈ अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (६) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि॰
 22. ब्राराखम्बा रोड, नई दिल्लो ।

(ग्रन्तरक)

मैं० साहनी एनसपोर्ट्स,
 बी-183, भ्रोखला इन्डस्ट्रीयल एरिया,
 नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यहर पूचना जारी करने पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्वयंत्र द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पलैट नं० 204ए, 89 नेष्ठरू प्लेस, नई दिल्ली, नावादी 548 वर्ग फीट।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर भ्रायृक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारोख: 2-6-1984

मोहर 🕛

प्ररूप नार्द्धः टी., एत ., एस., -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी./एक्यू०/I/37ईई/10-83/433—श्रत: मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

मीर जिसकी सं 1003-ए, है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबस अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली, भारतीय ध्रायकर भिधिनयम, 1961 के प्रधीन अन्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उन्ते अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी कार्टनें वा साससे वचने में सृत्यिश के निष्ण, और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या ब्रम्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर वृधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्त वृधिनियस, या धन-कर व्यधिनियस, या धन-कर व्यधिनियस, या धन-कर व्यधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ व्यवस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना पाहिए था, छिपान में सुविधा हो किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधित :---

- श्रोमतो श्रनिता जैन, निवासी 114-ए, श्रंसल भवन,
- कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्लो ।

(भन्तरक)

2. श्री सरवजीत सिंह, श्रीमती प्रीतम कौर भौर श्रीमती परमजीत कौर, निवासी 1098, मोहली-1 (पंजाब)

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्णेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काश्चीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, भो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा गया है।

अमृस्ची

फ्लैंट मं० 1003-ए, तादादी ⁸∰52 वर्ग फीट, 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 2-6-1984

प्रकप आई. टी. एन्. एस . ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज,-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सं० एक्यू०/I/36ईई/10-83/434--- अतः मुझे, सुधोर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावहर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं एल बी०-8 है, तथा जो श्रंसल भवन, 16 के जी जा मार्ग, नई विल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्लो, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के श्रवीन श्रक्तूबर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तोरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-चल निम्नालिक उद्दर्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सर्थ सं इ.इ. किसी साथ की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 क्षेत्र 11) या उक्षत अधिनियम, या धन-कर ब्रिधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना जाहिए था, ख्याने में स्विध के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्रीमती प्रतिमा चटर्जी, निवासी 251-ए, 29 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरक)

अीमती सतवन्त कौर एण्ड श्री हरोन्दर सिंह, नियासी ई-16, ग्रेटर कैलाण-I, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पोत्त में हितस्व्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वध्यक्षिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो अवस अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

मभ्सूची

फ्लैट न० एल०बी०-8, ग्रंसल भयन 16,के० जी० मार्ग, नई दिल्ली, तादादी-878 ग्रीर 266 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा ंसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज,-I, नई दिल्ली

मारीख: 216-1984

प्ररूप बाई.टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के धधीन सूचमा**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 2 जून 1984

निर्देण सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/37ईई/10-83/ ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'छक्त प्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिष्ठिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी-31 है, तथा जो पुष्पांजली, ग्राम बिजवाणन, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन श्रक्तुवर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्य से सम के दूरयमान प्रतिफाल के लिए अंत्रित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पग्नह प्रतिश्वन से श्रिष्ठिक है और अंग्लरक (अंग्लरकों) और अंग्लरिती (अंग्लारितियों) के बीव ऐस अंग्लरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित चहेंक्य में उन्त अंग्लरण विचित्र में बाक्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिक्ष नयम के सद्योग कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी खरने था उससे बचने में मुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स भिक्षितियम, या धन कर भिक्षितियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नेया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिद्या के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अधीत ह—- मै० श्रंसल श्रोपर्टीज एण्ड इडस्ट्रोज प्रा० लि०, 115, ग्रंसल भवन, 16 के० जो० मार्ग, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री प्रमोद कुमार गुप्ता (एच० यू० एफ०),
 तिताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाँक्त सम्पत्ति के सर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

अक्ट सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कड़ स्थित्सयों में से किसी स्थित्त द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्वाचीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत श्रीभीमसम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन्म अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फार्म नं ० सी-31, पुष्पोजली, ग्राम, बिजनाशन, नई दिल्ली, तादादी 3 एकड़ ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नारीख: 2-6-1984

प्ररूप मार्च.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बुधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-I, नई विरुली नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/37-ईई/10.83/436—श्रत: मुझे सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० फार्म न० सी-27 है, तथा जो पुष्पांजली, ग्राम बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-I, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के श्रधीन अन्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिश्वित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए, बार्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. छिपाने में सुविधा के किए;

सतः वब, उक्त विधिनियस की भारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अभिनियस की भारा 269-म की उपभारा (1) भें वभीन, रिस्निविक्त व्यक्तियों, वशीत् अंसल प्रोपर्टी एण्ड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, श्रंसल भवन, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

प्रमोद कुमार गुप्ता, (एच० यू० एफ०),
 31, नेताजी सुभाप मार्ग, कलकत्ता।
 (ग्रन्तिरती)

 को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षतृ के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वों कर स्पष्टितयों में से किसी स्पब्ति ब्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास सिवत में किए था सकेंगे।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त बीधनिक्य के कथ्याय 20-क में परिभावितः हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

फार्म न० सी-27, पुष्पांजली, ग्राम विजवाशन, नई दिस्ली एरिया 2.5 एकड़ ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीखा: 2-6-1984

प्रस्त नाहं, दी. एन्. एस्.-----

भायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्वासय, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ामा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/37ईई/16-83/437—श्रतः मुक्ते, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस-339 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नर्ड दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गुर्धात् :---

- श्री मान सिंह मार्फत पंजवानी बिल्डर्स, बी-5/63, श्राजाद श्रपार्टमेंट्स, 3, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री विधिन मिलक श्रीर गौरव वेदव्यास सुपुत श्री श्रीनल वेद व्यास, द्वारा जी ० ए० श्री विधिन मिलक, निवासी एस०-370, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थी उपन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० एस-339, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 1112.90 वर्ग फीट।

> सुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारोख 2-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन संचना

भारत सुरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुन 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/37ईई/10-83/440—म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रोधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. ए अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एल० बी०-32 है, तथा जो 7-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्विषय से उक्त अम्तरण निम्नलिस में वास्तिकक रूप सं किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

नतः अथ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के कन्सरभ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- मै० श्रांसल श्रोपटींज, एण्ड ंडरुहोन पान लिन, 115 श्रंसल भवन, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

मास्टर जोगावर दौलत सिंह,
कुमारो मेखला दौलत सिंह,
मास्टर बिकमा दौलत सिंह,
प्रभिभावक: विजेन्द्र दौलित सिंह,
नियासी बी/10, डिफेंस कालीनी, नई दिल्लो ।
(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कः स्ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविध्त स्वस्थित स्वस्था में से किसी स्वस्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर उन्त स्थान्य संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, 'वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नया है।

बम्सूची

फ्लैट नं० एल०-बो०-32, प्रकाण दोप 7 टालॅस्टाय मार्ग, नई दिल्लो, तादादो 309 वर्ग फीट।

> सुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्शन रोज-1, नई दिल्ला

सारीख: 2-6-1984

मोहर 🗈

प्रकार नाइ वि. एन . एस ., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(म) (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकार वायुक्त (निरोक्तंण) धर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एम्यू०-I/37ईई/10-83/441—ग्रतः मुक्के, सुधीर चन्द्रा,

अग्रकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० 209 है, तथा जो 38 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली, भारतीय न्त्रायकुर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोधित सम्मत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्लाम वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ से हुई किती नाम की धामत, बनक भीषीनवन् के अधीन कर घेने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने ना स्वतं अपने में सृद्धि। के शिष्ट; बॉर/ना
- (थ) एसे किसी आय या किसी थन वा जन्य जारिसयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों ब्याय प्रकट नहीं किया जया या विषया जाना आहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए।

- 1. श्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इंडस्ट्रोज प्रा० लि०, 115, श्रंसल भवन, 164, के० जी० मार्न, नई दिल्ली। (श्रन्सरक)
- श्रो सैय्यद संधीर हैदर रिजवी सुपुत
 श्री सैयद सईव हसन रिजवी,
 निवासी पो० बोक्स नं० 42252, सुवैख, कुवैत ।
 (ध्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना बारी करके वृत्रोंक्य सम्बद्धि के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करसा हूं ।

जनत सन्पत्ति में भर्मन में सम्बन्ध में कार्य मी नार्यय :----

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकावन की बारील वें 45 दिन की अवधि या तत्त्वस्वस्थी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन् की बंबीच, को मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर क्षीं बस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मूचित के हित्तक्ष्म किसी कन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षणी के पात निकित में किए जा सकींगे।

स्वध्वीकरण :---इसमें प्रमुक्त सम्बों और पदों का, वो उच्छ अधिनिवस को अध्याद 20-क में वीरमावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याद में विया ग्वा हैं।

वगुल्यी

पलैट न ० 209, ब्रिल्डिंग नं ० 38, नेहैं रू प्लेस, नई विल्ली, तादादी 600 वर्ग फीट।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, नई विस्ली

तारी**ख** 2-6-1984 मोह्य # ्ष्रक्षाः सार्द्धः दीः पृष्- पृष्---------

बायकर विचित्रियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नचीन सूचना

भारत बरकार

कार्जाक्षक, सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० भाई० ए० सो०/एक्यू०-1/37ईई/10-83/ 442--भातः मुझी, सुधीर चन्द्रा,

बातकर बीधीनवन, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके पश्चात 'उसत निधीनवम' कहा नवा ही), की भारा 269-ब से अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, विश्वका उचित्र बाबार अस्य 25,000/- रा... से अधिक ही

श्रीर जिसको मं० 33 है, तथा जो 10 हैली रोड, दक्षिनेश्वर बिल्डिंग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध धनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय धर्जन् रेज-I, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीधीन श्रमत्वर, 1983

की वैविधि सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के बस्यमान विकार की किया कर्ति की गई है और मुखे वह विश्वास करिया कारण है कि स्थापनाँकत संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्थमान प्रतिकास से एसे क्रयमान प्रतिकास का बन्धह प्रतिस्तित से अधिक है और नन्तरक (नन्तरकाँ) और नन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीज एसे नन्तरक के निए तब बाबा गया प्रतिकास, निम्मीनिक्षस उद्योग्य से उन्तर अन्तरण निवित में कास्तरिकां रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क्क) जन्मएम ने हुई किनी नाथ की नाथछ, जनस अधिनित्न के अधीम कार नोने के अस्तरक के वानिएए वी कानी कारने ना उन्हों नचने ने जनिशा की नित्र; और/ना
- (थ) होती किया बाद वा किसी वन वा बन्स जास्तियों की, विन्हें भारतीय जावकर व्यक्तित्रमा, 1922 (1922 का 11) वा उनक निर्धानयम, या भनकर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ अन्तरिती इंबारा त्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, क्रियान में सुविधा के सिए;

- मै० एल० एम० मैनोलाल (एच० यू० एफ०), बो-15, बेस्ट-एण्ड कालोनो, नई दिल्लो।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० सर्वोवय इनवेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कं० लि०, 714, रहेणा चेम्बर्स, नरामन प्वाइन्ट, बम्बई । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त तम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मनुस्ची

फ्लैट नं० 33, दक्षिनेश्वर बिल्डिंग, 10, हैली रोड, नर्ड दिल्ली, तादावी 2000 वर्ग फीट।

> सुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, नई दिल्लो

े वितः सक्त, इंक्स मिशिनियम की भारा 269-ग के अगुसरण में, में, वार्वी विधिनियम की गारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निर्मामिकित व्यक्तियों, क्यांत् इ---

तारीख: 2-6-1984

प्रक्ष मार्च, टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज,-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सो०/एक्यू०-1/37 ईई/10-83/ 443—म्रन: मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त विभिन्सम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह त्रिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 108 है, तथा जो 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकतौ श्रिधकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाहार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप ते कथित महीं किया गया है दन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने में तृषिधा के तिष्; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आंत्रवर्श को, जिन्हा भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, किया वें स्विभा के निए?

भतः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भा, मा, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निचित्रत व्यक्तिरयों, अर्थात् :----

- एस० इन्दरजीत सिंह एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०), डो-12, महारानी बाग, नई दिल्लो । (श्रन्तरक)
- मैसूर इलैक्ट्रोप्लेटिंग ब्रा० लिं०,
 402, न्यू दिल्ली हाउस, 27 बाराखम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यशाहिबां करता हुं।

.इन्क्त सम्पीत्त∹के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप्र :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धों व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ को भी जबिभ नाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकालन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेने।

स्थानीकरण — इसमें प्रयुक्त केली नौर पूर्वी का, को उक्त निधानियम, के अध्याम 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याम में दिवा मना है।

नन्त्रची

प्रो० न० 108, बिल्डिंग नं० 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादावी 440 वर्गफीट।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 2-6-1984

मोद्धर:

इक्ष वार्व दर्श तुन् . इत् .. व्यान्यव्यवस्थान

भावनातु भाषिनियम्, 1961 (1961 का 43) की मार्थे 269-म (1) जी मुनीन सुमना

ALC: NAME OF

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/37ईई/10-82/

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसमें प्रथात् 'उस्तः अधिनित्रमं' सहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम-प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित वाषार मूल्य 25,000/रा से विश्वक है

ग्रीर जिसकी सं० 107 है, तथा जो 21 बाराखम्बा रोड, नई दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रीधिनयम 1961 के ग्रीधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उपित जाजाई मृत्य से कम के प्रध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपरित का उपित बाजार सूत्रा, अक्ट स्थानन प्रतिकस से एसे अयवान प्रतिकस का प्रस्ता होत्रक्त से विभिन्न ही और अन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब मृत्या गर्वा प्रतिकस, निम्मलिखित उप्योक्त से उपल अन्तरण तिरोक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरम के हुई जिली नाव की शततः, उन्तर विधिनयम के क्षीन कर दोने के बन्तरक के बहित्स में क्सी करने वा करवे श्वम में सुविधा के सिक्; बीर/वा

बबः वय, उनत निधीनवनं की धारा 269-ग के .कनुसरन में, में, उनत निधीनवन की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निधननिक्ति व्यक्तियों बर्जात ।— श्री एस० इन्दर सिंह एण्ड सन्स (एन० यू० एफ०),
 डी-12, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मै॰ मैसूर इलैक्ट्रोप्लेटिंग प्रा० लि॰ 402, न्यू दिल्लो हाउस, 27 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को सह शूचमा बारी कारके पृत्रीकत सम्मत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यगाहिमां करता हो।

बक्त सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी बाधोद 🚈

- (क) इस त्या के राजपण में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविध या तत्सभ्यन्थी व्यक्तियों वर सूचना की तामीस से 30 दिन की सविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उका। अधिनियम के, अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्रो० न० 107, बिल्डिंग न० 21 बाराखम्बा रोड्, नई विल्ली, तावादी 595 वर्ग फीट।

> सुधीर **पन्द्रा,** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

सारीख: 2-6-1984

मोहर्रे :

प्रका बाह्री, टी., एन्., एस.,------

भायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-न (1) के जभीन सूचना

भारत करकार

नार्वालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई विस्ली

नई दिल्ली, विनांक 2 जून 1984

कायकर क्षिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7-ए श्रीर 8 है, तथा जो 22 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नीसीयत उद्देश्य से उन्हों कनारण जिलाब के बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरूप से हुई किसी बाद की बावत कर करत अधिनयम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्य में कमी क्रूपने वा उत्तरी बच्चमें में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एकी किसी बाब या किसी धन वा बन्त जास्तिकों को, चिन्हों भारतीय वाय-कार विधित्तवस्त , 1922 (1922 का 11) वा अवत विधित्तवस्त , वा धनकर विधित्तवस्त , वा धनकर विधित्तवस्त , 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 लकीस्टार इस्टेट, (इन्डिया) प्रा० लि० विकथ होटल, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 मैंसूर इलैक्ट्रोप्लेटिंग प्रा० लि० 402, न्यू दिल्ली हाउस, 27 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह मुखना बारी करके पूर्वोक्त संस्थित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आशंप :---

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की सारीय से 45 बिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (व) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पर्क्ति में हित्यवृथ किसी जन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाव निश्चित में किए वा सकर्षि।

स्वस्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त सुन्यों और पदों का, वा वेन्स अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिशावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नगुजुनी

फ्लैंट नं० 7-ए ग्रीर 8, बिल्डिंग नं० 22, बाराखम्बा रोष्ट्र, नई विल्ली, तादादी 1500 वर्ग गज।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रज-1, नई विल्ली

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निशिषिक व्यक्तियों अर्थात् k—

तारीख: 2-6-1984

मोसुर 🛭

इक्ष बाह्य, की .एष . ------

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के न्भीन सूचना

बारत धरकार

कार्यक्रम, बहायक भावकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिहली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/10-83/ 446—म्बतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 1303-ए है, तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रर्जन, रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीम दिनांक श्रक्तूबर, 1983

का पूर्वोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान, प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य. उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का बन्नह प्रतिक्रत से जिभक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिन कुस निम्मसिवित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित मुद्दों किया नवा है:--

- (क) अन्तरण ते हुए जिल्ली आम को बावड़, बच्च अचितियुक के अभीत कर दोने के अन्तरक ले अधिक्त को कती अध्योग वसके बच्चे में सुनिया के शिक्ष; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कारितयों को चिन्हें भारतीय नाय-कर न्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अवोजनार्थ जन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था छिपाने सें सुविभा के लिए;

नतः अस्, उन्त निमिनियमं की धारा 269न के अनुसरण में, मी, उन्त निभिनियन की भारा 269-ए की उपधारा (1) के सभीन, निम्नसिकित व्यक्तियाँ, सर्थात् :---

- मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लिं० स्कीपर हाउस, 22 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कें पंकजा वाली, मार्फत कें मनोहर गुप्ता निवासी जे-20, लाजपत नगर, नई दिल्ली । ं (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के सर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ू---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा सभाहस्ताक्षरी के पास निचित् में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्यां और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में निरमायित है, वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनत ची

फ्नैट नं ० 1303-ए, बिल्डिंग नं ० ४९, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 352 वर्ग फीट।

> सुधीर **चन्द्रा,** नक्षत्र प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख: 2-6-1984

भोह≾ હ

प्रकृष बार्ड . दी . एन . एच . ------

बागफर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा . 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 2 जून 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/10-83/ 447--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिक्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

भ्रौर जिसकी सं 201-ए है, तथा जो 88 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पद्गह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरक से हुन्द किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया, था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अधीत्:—- मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर भवन, 22 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० नेशनल कत्स्ट्रक्शन क० द्वारा श्री रनी कालेसी, निवासीश्राई-74, लाजपत नगर, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह क्याना यादी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से वर्जन से जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उचत संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेष :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधिता दर स्थान की तासील से 30 दिन की अदिधि, को भी अवधित को समाप्त होती हों, को भीतर पृश्विक स्थिति में तो लिसी ध्योजन स्थान।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट्ट~ बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा था उस अध्याय में दिया गया है।

जन सूची

फ्लैट नं० 201-ए, तादादी 178 वर्ग फीट, 88 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली।

तारीख: 2-6-1984

प्ररूप बाई .टी.एम.एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावक ए जावुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य्०/I/375ई/10-83/448—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर प्रतिविद्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1104ए है तथा जो 89, नेरक प्लेस, नई विस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई विस्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीन दिनांक श्रन्तूबर, 1983

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, पूंचे क्यमान प्रतिफल के पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्त-रिती (अंतरितिनों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिचित उद्विदेय से . उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण गं श्राद्ध किसी आय की बाबत, उक्त शिवित्यम की अभीत कर दोने के श्राद्ध के अभीत करने या उसमें अपने में मुश्विधा के सिए; और/या
- (क) एपी किमी आब या किसी धन या गरण पामिनया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं विद्या गरा था या किया जागा चाहिए था, जियाने में सुनिधा के लिए;

अतः सव, उत्तर निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उत्तर अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मै० स्कीपर संस्त बा० लि० स्कीपर भवन, 22 वाराखम्बारोड, नई दिल्ली। (मन्तरक)
- 2. मास्टर विश्रम मिह, बजाज, यू०/जी०, श्वार० एस० बजाज, ए-137, न्यू क्षेत्ख्य कालोनी, नई दिल्ली। (श्वन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियाँ करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्ति ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिगित में फिए जा मक्तेगे।

स्पच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1104-ए, 11 वीं मंजिल, तादादी 548 वर्ग-फीट, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, लक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1 नई दिस्सी।

दिनांक: 2-6-1984

मोहर ३

प्रकृपः आहे. टी. एम. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्गेक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई विस्ली नई विस्ली, विनांक 2 जुन, 1984

निदेश सं० ग्रा० ए० मी०/ए०/क्य्०-1/37ईई/10-83/449--- ग्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त अधिनियम' कहा गया है), की भारः 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एम-41 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय धर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक अतुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाणित बाजार मृख्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण विस्थित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से झुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के निए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

करुः जब, उक्त भौभीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- ा. श्रीमती जन्दर का÷सा गृष्ता. 50-ए, हरीण भूखर्जी रोड, कलकत्ता-25 (स्रस्तरक)
- 2 श्री हरीण मलिक और श्री नन्द कियोर मलिक, निवासी बी-1/55, मप्लबीय नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिमी)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यकाहियां कारता हुई।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समांप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृष् किसी बन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किसे जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथानियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

जन सम्ब

एक मंजला सकान एम-41,ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली-48 तादादी 196 वर्ग गज।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

ता**रोख** : 2-6-19**8**4

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भाषकर क्रींभिन्यिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 जुन, 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्सू०/1/37ईई/10-83/ 451—मन: मुझे, सुधीरचन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचिन बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 79 है, तथा जो 28 बाराखम्बा रोड नई विस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से बाणित है) रिजस्ट्री बर्ता श्रिष्टकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिष्टिनयम, 1961 के भ्रधीन दिनांक श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्निलिवित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिवक कप से किथत नहीं किया नया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किशानियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उसमे बचने मीं सृविधा के किए, और/वा
- (पा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिवित व्यवितयों, अर्थान् :--- मै० गोपाल दास इस्टेट्स, एण्ड हाउसिंग प्रा० लि० 28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सतप्रकाश गुप्ता, सुपुत्र श्री बाबू राम गुप्ता, और श्रीमती लक्ष्मी देवें गुप्ता, पत्नी श्री सत प्रकाश गुप्ता, निवासी मकान न० 2034, स्ट्रीट महावीर, बहादुर गढ़, रोड सदर बाजार, दिल्लो।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना खारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूपना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्रिकरणः — इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लैट न० 79, एल० जो० एफ० नादादी 155 वर्ग फीट, 28-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंग-1, नई दिल्ली

सारी**ख**: 2-6-1984

त्रक्ष वार्.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, न**ई दिल्ली** नई दिल्ली, दिनांक 2 जून, 1984

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/10-83/452—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ंच के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० स्पेस न० 44 है, तथा जो 17-बाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्मनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सर्जन रेज-1, नई दिल्ली, में भारतीय स्रायकर स्रधिनियम, 1961 के स्रधीन दिनांक स्रक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त जिमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, ख़िपाने में स्विधा के लिए;

कतः शव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को वभीत, निम्नुशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह— मैं० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०,
 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. श्रीमती ग्रम्ता भासोन, पत्नी श्री के० ग्रार० **भासीन** निवासो बो-4/219, सफदरजंग, इनकलेव, नई दिल्ली-29

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किया में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को उमस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, मही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

स्पेस नं. 44, एल० जी० एफ० ताबादी 186.1 वर्ग फीट, 17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

तारी**ख**:2-6-1984

प्रकृष नाहाँ. टी. एत्. एष. ----

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के वृथीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 2 जून 1984

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/1एक्यू०/137ईई/10-83/ 453--श्रतः मुझे, सुधोर चन्द्रा

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक हैं

श्रींर जिसकी स० स्पेस न० 20, है, तथा जो 17 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वारय से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नत्तर्भ संबुद्ध किसी नाम की नायत्, उपल मिनियम के नधीन कर दोने के मंतरण के पानित्य में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; नौर/ना
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरक्षी ब्याय प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

नत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :~ 1. मैं गुजराल इस्टेट्म, प्रा० लि०

17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मै० घ्रार० सी० एफ० प्रोसेज प्लान्ट (प्रोप० श्रीमती रेनु मुंजाल),
 179, भाग-2, इन्डस्ट्रोयल एरिया, चन्डोगढ़।

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की सामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण्यों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्कत्करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनसूची

स्पेस न० 20, पहली मंजिल, तादादी 17 बाराखम्बा नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग फीट।

> सुधोर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारोख: 2-6-1984

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक साथकर सायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून, 1984

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/10-83/ 455—ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी स. वी 478 है, तथा जो न्यू फेन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 1, नई दिल्ला में भारतीय आयकर प्रिधिनयम 1961 के ग्राधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्सि सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वंतरण से हुइ किसी शाय की बानत, उक्त अभिनिव्य के वधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या क्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्त: अब, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के मन्सरण हों, हीं. उसत अधिनियस की भारा 269-व की उपभारा (1) को सभीन, निस्नलिबित व्यक्तियों. सभीत्:--- 1. राजिन्दर प्रकाश, मार्फत मोत्ती स्वीट्स, नेताजी, सुभाष चन्द मार्ग, दरिया गंज, दिल्ली।

(प्रन्तरकः)

2. श्री एस० निरंजन सिंह धीर निवासी 2/2ए, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-14 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति मों किये जा सकोंगे।

स्युक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कुर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

वनसर्ची

प्रो० नं० बी-478, न्यू फेन्ब्स कालोमी, नई दिल्ली, तादावी 300.4 वर्ग गण ।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम श्रक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, न**ई दि**रुसी

तारी**व** ' 2-6-1984

मोहर 🛚

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जून, 1984

निर्देण सं० ग्राई० ए० ती०/एक्यू०/137ईई/10-83/ 456—ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाआर अस्थ 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि खण्ड है, तथा जो समालका, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनयम, 1961, के अधीन अक्तूबर, 83

करे पूर्विक्स सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने के कारण हैं कि यथापृयों क्स संपित्स का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिष्ठत सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप में किथा गया है : —

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत, उल्ला अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी कुटने या उससे बच्चने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

सत्त अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह्—

- नागेश नरायण किनी एण्ड किटी नागेश किनी,
 सरा न० 29/6, राजोकरी रोड, नई दिल्ली-37
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री महेन्द्रा नाथ मिश्रा, निवासी पो० 152, दुबई (यू० ए०ई०) श्री संजीव मिश्रा, एम० के० रोड, बम्बे-20 नन्दींता मिश्रा, निवासी मोती बाग, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठींक्स सम्परित के कर्जन के सिए कार्यत्राहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्सूची

कृषि भूमि का खण्ड फार्म हाउस, खसरा न० 29/6, श्रीर 15 ग्राम समालका, तहसील महरौली, नई दिल्ली एरिया 1200 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 2-6-1984

भाहर 🖫

प्ररूप आइ^र. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जून, 1984

निर्देश सं अगई ० ए० सी ० / एक्यू ० / 1 / 3 7ईई / 10-83 / 457--- श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 521 है, तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेज-1. न ई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्त कि हे हैं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंगे के अन्तरक के ब्रायित्य में कमी करने या उससे ब्लाने में स्विधा के तिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधः के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ॥ • • मैसर्स मिलिक कम्पनी मार्फत एच० पी० सिंह, एण्ड आस, 107, बैकुण्ठ 82-83, नेहरू प्लेस. नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सुनीता गुप्ता, एण्ड श्रीमती सत्य गुप्ता, निवामी डॉ-110, डिफींस कालोनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट न० 521, तादादी 370, वर्ग फीट, 89 ने हरू प्लेस; नई दिल्ली।

> मुधीर जन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रजीन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख 2-6-1984 **मोहर** ध प्ररूप आई. टी. एन. एस. ******

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कों भारा 269-म् (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, नई <mark>दिल्ली</mark> नई दिल्ली, दिनांक 2 जून, 1984

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/10-83/402- अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थानर स्म्मति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 422 है, तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबन्द्ध अनुभूको में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो में स्थित भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रधोन दिनांक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नद्व प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अंबरण से हुई किली आयुक्ती बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

कतः श्रां, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, सर्थात् :---

- गै० इन्डकोन इन्जोनियरिंग प्रा० लि०
 305-306, मानसरोवर 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।
 (भ्रन्तरक)
- 2. मैं० सिमप्लेक्स काक्रैट पाइल्स (इंडिया) प्रा० लि० 2-मंजिल, वैंकुण्ट, 82-83, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

को यह स्थाना जारी कारके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता है।

उपत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पक्षीट न० 422, स्कोपर टावर 89, नेहरू प्लेस, नई दिस्लो नावादी 350 वर्ग फोट ।

> . सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रक्षिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजीन रेंज 1, नई दिल्लो

तारीख 2-6-1984 मोहर: प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10-83/1136--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संख्या 99, बी०-2 है तथा जो मोहन को-आपरेटिव इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वैं अधीन तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविक्त में बास्तविक कृष से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, जिनाने में स्विधा के किए;

भतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) मैं कृष्ण गुष्ता एण्ड के द्वारा भागीदार श्री कृष्णगुष्ता. अशोक कृमार श्रीर मुरलीधर, निवासी-4412, क्लाथ मार्किट, विक्ली.

(अन्तरक)

(2) मैं० श्री कृष्ण गुप्ता प्रा० लि० द्वारा डाईरेक्टर श्री कृष्ण गुप्ता, असोक कुमार श्रौर म्रलीधर, 4412, क्लाथ मार्किट, दिल्ली.

(अन्तरिती)

को यह स्वता चारी करके प्रांक्ति तम्मित के वर्षत के सिष् कार्यगाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्नों और वर्तों का, को उक्क विधिनयम, के वध्याद 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रीयल प्लाट नं० 99, ब्लाक बी०-2, तादादी 2140 वर्गगज, मोहन को-आपरेटिव इस्डस्ट्रीयल इस्टेट्स नर्ष दिल्ली

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मारीख: 30+5-84.

· प्रकृष् आदृ[‡]. दी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०--आर.०-3/ 10-83/1138---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शरण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 3/56 है तथा जो लाजपत नगर-4. नई दिल्ली में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में अम्तिक कथा ने विधित में अम्तिक कथा ने विधित में अम्तिक कथा ने विधित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण सं हुए किसी बाय की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिष्टम पर्म (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 271 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट रहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था। विद्यान में सविधा के लिए:

जतः अर्थ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसारों, अर्थात् :--- (1) श्री टोटा राम गुपुत्र श्री मूल चन्द, नियासी-सी०-77, यस पथ, तिलक नगर, जथपुर द्वारा अटार्नी हं-पराज मुपुत्र श्री टोटा राम, निवासी-3/55 द्वी० एस० लाजपत नगर नई दिल्ली.

(अन्य रक)

(2) श्री अश्वनी कुमार नागपाल सृपुत्र, श्री हंसराज नागपाल, निवासी-3/55 डबल स्टोरी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्त(रंती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्रो० नं० जी० बी० पी० नं० 3/56, पहली मंजिल, तादाबी 255.5 वर्गफीट, डबल स्टोरी क्वाटर्स, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा पक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीखा: 30-5-84.

प्रकृष् नाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मुधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10-83/1140-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवास 'उन्त निधिनयम' कहा गया है, की भार 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं कृषि भूमि है था ग्राम-आया नगर, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्णेस्प में बर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम के 1908 (1908 का 16) के अवीन, नारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुत्रिधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्राधनकर अधिनियम, १९57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों:---- (1) श्री राम किशन, जय किशन, डीग राम ग्रौर चेतराम, सुपुत्रण श्री तोका, विवासी-ग्राम आया नगर, नई विस्ली.

(अन्तरक)

(2) मै० नवरंग कर्माशयल कं० प्रा० लि० 219 जिसरंजन एवेन्यु, कलकत्ता, द्वारा श्री जसपाल सिंह.

(अन्सरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताकारी के पास तिकित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्त्ची

31/98 भाग कृषि भूमि खसरा नं 0.1861 (2-7), 1631/2 (1-6), 1793/2/2/ मिन (0-9), 1817/1 मिन (0-16), 1793/2/2 (0-9), 1817/1/2 मिन (0-16), ग्राम-आयानगर, नई विल्ली ।

सुघोर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 30-5-84

प्रकप नाइं.टी.एन.एस . -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10-83/1142--अत: मुझें, मुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० कुषि भूमि है तथा जो ग्राम-आया नगर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्सूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य में उसत अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आयत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के वासित्थ में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जन उन्स जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, स्वस जिभिनियम की धारा 269-म की सम्मार (1) के अभीन, निम्निनिविस अधितयां, निर्मार ---- (1) श्री सेशन लाल, श्रोम प्रकाश, नरायण सिंह, सुपुत्रगण श्री सेवगा, श्रीमती रूमाली विधवा पर्ली श्री सेवगा, निवासी-ग्राम आयानगर, नई दिल्ली.

(अन्तरक)

(2) मै० नवरंग कर्माशयल के० अा० लि०, 219—चितरंजन एवेन्यु, कलकत्ता, द्वारा श्री जसपाल सिंह,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां तुरू करता हुं।

जनत तम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गना है।

वन्त्वी

कृषि भूमि तावाधी 4 बीघे श्रीर । विस्वा, खसरा नं॰ 482 (2-1), 1869/1 (2-0), ग्राम-आया नगर, मर्ड दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विस्ली

तारीख: 30-5-84

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

भार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/ $1/\nu$ स० प्रार०-3/10-83/1150—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम डेरा मंडी, महराँली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल निम्निस्थित उद्देश्य में उक्त अंतरण निस्तित को नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां अको, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विका के लिए;

नतः नवः, उत्ततं निधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उत्तत अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्थातः :— श्री राम लाल सुपुत्र श्री जहांगीरा, निवासी——ग्राम-डेगमंडी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री मेम पाल, सन्त पाल और धरम पाल सुपुत्रगण श्री णिव लाल– निवासी--ग्राम—-डेरा मंडी, महरौली, नई विल्ली।

(श्रन्तरिती')

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवादिश्यां कारु करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औ पाम लिखित में किए का सर्कोंगे।

स्मण्डीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 11 बिघे और बिग्वा, एम० नं० 21, किसा नं० 19-मिन (1-9), 20(4-16), 21(4-16), ग्राम डेरा मंडी, तहसील-महरौली, नई विस्ली।

सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-1984

प्रकृष आहें <u>हो. एन</u> <u>एक</u> ० = = = ==

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आधुक्त (निरक्षिण्)

ग्रर्जन रेज-1. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांकः 2 जून 1984

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3 10-83/1152---श्रतः सुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सलाहापुर, महराँली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण कृष से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, एसे ध्रामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरेशों से उक्त अन्तरण निसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उबक अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अदि/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (५922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च का उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल

- श्रीमती मन भावती,
 पत्नी श्री राम धन,
 निवासी——ग्राम—विजवाणन,
 महरौली,
 नई दिल्ली।
- मेजर प्रदीप कुमार मेहरा, सुपुत्र स्व० डा० राम लाल मेहरा, निवासी—डी-7/6, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवहियां करता हूं।

उक्त सम्मृति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

कृषि भूमि 4/10ग्राग भूमि तादादी 11 बिघे ग्रौर 16 बिग्ने, एम० न० 16, किला नं० 1/2 (2-4), 10 इ4-16), 11(4-16), ग्राम—सलाहापुर, तहसील—महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रधिकरी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, विल्ली,नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-6-1984

मोहरः

प्रकृष बाह्".टी. एन. एस. ------

आयश्चर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 268 म(1) के धारीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/10-83/1153---ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 'की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सलाहापुर, तह्सील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकरी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रभावर, 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किश्री काव की वायतः, उक्त वृधिनियम् के बधीन कर देने के बन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे वचने में सृष्धा के सिए; कर्तुंगा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मन भावती
पत्नी श्री राम धन,
ग्राम—बिजवाणन,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मेजर प्रदीप कुमार मेहरा

सुपुत स्व० डा० राम लाल मेहरा,

निवासी ——डी—7/6,

त्रमन्त विहार,

नर्ड दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्वना बारी करके पृत्रों कत सम्प्रित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्षेत्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त घड्यां और पवां का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है^∧

अनुसुची

1/4 भाग कृषि भूमि तादावी 12 बिखे और 8 विश्वे एम० न० 11, किला नं० 21/2(1-8), एम० न० 16, किला नं० 1/1(2-12), 3(4-16), 19/1(3-12) ग्राम—सलाहापुर, तहसील—महरौली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

न**्रीख**: 2-6-1984

क्ष्य आहे. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 84

निर्देश सं० थाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10-83/1154---श्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सलाहापुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर 83

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक क्य से किथत नहीं किया गया है कि

- (क्य) जन्तरण से हुइ किसी, जाब की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीव कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बौझ/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्रीमतो मन भावती पत्नी श्री रामधन. निवासी-ग्राम विजवाशन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेजर प्रदीप कुमार मेहर, सुपूज स्व० डा० राम लाल मेहरा, निवामी-डी०-7/6, वसन्त बिहार, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के व्यान के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य, व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पन्धीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

नमस्यो

4/10 भाग कृषि भूमि तादादी 11 बीधे और 16 बिखने, एम० न० 16, किला न० 1/2 (2-4), 10 (4-16), 11(4-16) ग्राम-मलाहापुर, तहसील-महरौली, नई हिली।

चन्द्रा सुधीर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 2-6-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 84

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/10-83/1155---श्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सलाहापुर, तहसील-महरौली में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप विकृत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्प म अध्यत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आब की बावस उपस अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या धा या किया धाना चाहिए था, खिपाने में सीयका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :——
14—146GI84

(1) श्री रामधन सपुद्र श्री लख्मी, निवासी-ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मेजर बीप कुमार मेहरा, सुपुस्न स्व० डा० राम लाल मेहरा, निवासी-डी-7/6, वसन्त बिहार, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को मर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाश्रेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्रत स्थित में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यक्तीकरण: ---इसमें प्रयक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

1/4 भाग कृषि भूमि तादादी 12 बीघे श्रीर बिखे, एम० नं० 11, किला नं० 21/2 (1-88), एम० नं० 16, किला न० 1/1 (2-12), 3 (4-16), 19/1 (3-12), ग्राम-सलाहापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 2-6-84

प्ररूप भार् ु टी. एन. एस्...----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 2 जून 1984

निर्देश स० श्रप्दै० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/ 10-83/1156--श्रत: मुझे, मुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्तु अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है था जो ग्राम-सलाहापुर, महरौली, नई दिस्ली में स्थित (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में स्रोर पूर्णस्प वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली र्रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 6) के ग्रिधीन, तारीख ग्रिक्तूगर 1983,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्मृष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्यूप्पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृश्य नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त समिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के समित्व में कभी करने या उससे बुधने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) राम धन मुपुत्र श्री लखी, निवासी-ग्राम-विजवाशन, नई निल्ली महरौली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेजर प्रदोप कुमार मेहरा सुपुत, स्व० डा० राम लाल मेहरा, निवासी-डी०-7/6, वसन्त विहार, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्यि गया है।

ग्रनुसूफ़ी

1/4 भाग कृषि भूमि तादादी 12 बिघे ग्रीर 8 बिग्ने एम० न० 11, किला न० 21/2 (1-8), एम० न० 16, किला न० 1/1 (2/12): 3(4~16), 19/1 (3~12), ग्राम-सलाहापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1. दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 2-6-84

मोहर 🖫

प्ररूप आहर्ष, टी. एन, एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) श्रजन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 जून 1984

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-म्रार०-3/10-83/1157--म्रत: मुझे, सुश्रीर चन्द्रा भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सलाहापुर, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्य से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रश्तूबर—

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे धर्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सृविधा के लिए।

बंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्री रामधन सुपुत्र श्री लखी, निवासी-ग्राम-बिजवा मन नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेजर प्रदीप कुमार मेहरा सुपुत्र, स्व ०डा० राम लाल मेहरा, निवासी डी०--7/6, वसन्त विहार. नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कृषि भूमि तादादी 12 बीघे और 8 विश्वे एम० न० 11, किला नं० ए०/2(1-8), एम० न० 16, किला नं० 1/1(2-12), 3(4-16), 19/1(3-12), ग्राम-सलाहापुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

तप्तीख: 2-6-84. मोहर प्ररूप बाहु . टी. पुन. पुस. ५-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई क्लिली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एभ्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/ 10-83/1159--- अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो राजोकरी, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्र4तुबर 1983.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथह्मूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती गांश कुमार श्रीर श्रीमती सत्य खुराना भागीदार मैं बोनु फार्क, निवासी बी०-43, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० वी०कें बुराना और श्रीमती उषा खुराना निवासी-3/10, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के जीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकारी।

स्पष्किरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नमा है।

नगुसूची

कृषि भूमि तादादी 12 बीघे 18 बिश्वे, खसरा ता**वादी** नं∘ 290(3-14), 291(7-2), ग्राम-राजोकरी, तहसील महरौली, नई दिल्लो।

> मुधीर घन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, नई दिल्ली

तारीख: 30-5-84

प्रकप आहर् . टी. एन., एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-1. नई दिल्ली नई दिल्ली; दिनांक 3 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/10-83/1161--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी मं० बी-231 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकृष ने बिंगा है), रिजस्ट्रीजनी अधिनारों के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीजरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983 को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तरों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसिखत व्यक्तिसों, अर्थात् ह—

(1) श्री एस० हरजीत सिंह सुपुत्र एस० गुरबचन सिंह, निवासी 9-ए०, माडल टाउन, फगवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री समरिध, चेतन, (माइनर) सुपुत श्री अशोक कुमार निवासी 79-एफ०, कमला नगर. दिल्ली, द्वारा उनके पिना तथा सही अभिभावक श्री अशोक कुमार ।

्रको यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष. से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वोगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी०-231, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 3-6-84.

भोहर 🛎

ब्रुक्ष आहें, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत तुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०—आर०-3/ 10-83/1162——अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि ग्राम है तथा जो ग्राम-डेरा मंड़ी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उस्त अंतर्ज सिवित में नास्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्न सिस्ति व्यक्तियों, अ्धीत :— (1) श्री राम चन्दर सुपुत्र श्री अयमन, निवासी ग्राम—डेरा मंडी, नई दिल्ली,।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय कुमार सुपुत श्री सतीम चन्दर निवामा बो०-6, गीतांजलि, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह भूषना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मों परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि तादादी 15 बीघ और 4 बिध्वे, एम० नं० 121, किता नं० 16(0-16), 17(4-16), 24(4-16), 25(4-16), प्रान -डेरा मंद्रों, नई दिल्ली।

सुनीर चन्द्रा अझन प्राचित्रारी सहाय १ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीखा: 30-5-84.

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 जुन 1984

निर्देण सं० आई० ए० सीः०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10-83/1171--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/- रा. से अधिक है

महरौली, नई दिल्ली में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध और जिसकी सं कृषि भृभि है था जो ग्राम-सलाहापुर अनुसूची में और पूर्णस्प विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय. नई दिल्ली भारतीय जिस्ट्रीकरण अधिन्यम, (908 1908का 16) के अधीन, सारीख जवतूबर 1983.

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत विधिक है और गंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किशों आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी जरने या उससे बचने में मिलिया के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे अधीतः निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री शोश राम, सुपुत्र श्री रूरा, निवासी ग्राम-बिजवाशन. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेजर प्रवीप कुमार मेहरा सुपुन, डा० राम लाल मेहरा, निवासी डी-7/6, यहन्त विहार, नई दिल्ली.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति को जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्चीं

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे एम० नं० 10, किला नः 25, ग्राम-सलाह।पुर, तहसीलल-महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

तारीख: 2-6-84.

महिंदु 🕽

प्रक्ष बार् . टॉ. एन्. पुर .-----

आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्वेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10-83/1172--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव ृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सलाहापुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्णस्थ से बिल्ली हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए शय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हैं—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में क्यों करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

- (1) श्री नाथु सुपुत्र श्री नवता, निवासी ग्राम-सलाहापुर, नई दिल्लीः ।
- (2) मेजर प्रदीप कुमार मेहरः, सुपुत्र स्व०डा० राम लाल मेहरा, निवासी डी~7/6, वसन्त विहार, नई दिल्ली. ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनु**स्**ची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे और 8 बिश्वे एम० न० 10, किला न० 16/2, ग्राम-सलाहपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली

> (सुधीर चन्द्रा) मुक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 नई दिल्लो

तारीख: 2-6-84.

मोद्वर ः

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एस्यू०/1/एस० श्रार०-3/10-83/1178—श्रातः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-तुगलकाबाद नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल. निम्नलिकिन उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-निवम के सभीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसके अपने में चुनिभा के तिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः——

15--146 GI/84

श्रीमती उपा श्रीवास्तवा,
पत्नी डा० के० के० श्रीवास्तवा
निवासी—-ई-7/,
ईस्ट श्राफ कैलाण,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री कुलदीप सिंह मुपुत्र चौ० जसवन्त सिंह, निवासी---ग्राम-त्रुगलकाबाद, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पर्तिस के जर्जन के लिए अर्थनाह्या करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हित-क्कृथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकागे।

स्यव्हीक रणः — इसमें प्रधायन का को उसते आर पत्रों का, को उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 7 विधे श्रौर 5 बिस्से खसरा नं० 1506(1-7), 109(0-6), 1092(0-11), 1094(5-1), श्राम-नुगलकाबाद, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

अगथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० श्रार०/3/10-83/1136—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-सलाहापुर तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी है कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रभतुबर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिय अप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः म्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थान, किस्तिलिस विष्ठा कि

श्री जागे राम
मुपुत्र श्री चन्द,
ग्राम—विजवाशन,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती आशा फामजी, पत्नी श्री चिक फामजी, निवासी डी-7: 6 वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिघे ग्रीर 1 बिग्ना, एम० न० 17, किला नं० 11(4-16), 20/1(3-0), 20/2(0-5) ग्राम-मलाहापुर, तहसील-महरीली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूजना

भारत सरकार

कायालय. गहायक आयकर आयक्क (निराक्षण) ग्रर्जन नेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10-83/1191-ग्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा भायकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास - 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269- खु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि प्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० ७ है, तथा जो सीरीफोर्ट रोड, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इसर्ने उपाबद्ध ग्रनुसुची में पूर्व-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्त्वर 1983 को पूर्वेदित सम्परित के उचित याजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुके यह विश्वास करने का कारण ह कि यथाप्वींक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने ये सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवाल नकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा दिल्ला

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० धरम सिंह, द्रस्टी मैं० धरम सिंह फैमिली द्रस्ट, v-2/140 सफदरजंग इनकलेब, नई दिल्ली.

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रोमतो विमला गौतम श्रौर श्री विमल प्रकाश गौतम, निवासी नं 12-सीरीफोर्ट रोड़, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के क्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

अनुस्ची

पलैट नं० 6, प्रो० नं० 12, क्वीरीफोर्ट रोड़, नई दिल्ली, एरीया-950 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 30-5-84.

प्ररूप जाइ.टी.एन.एस.-----

मायकार जांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के जधीन सुभना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, जी-13, प्राउंड सी० आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक, 2 जून 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/ 10-83/1197--श्रत: मुझे, सुधीर घन्द्रा

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्क 25,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या डी०-24 है तथा जो जंगपुरा-बी०, नई दिल्ली-14 में स्थित है (ग्रांग इसमें उपाध्य अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रक्तुबर 83

को पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुम्हें यह जिश्वाम हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ेलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्त चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

शत: बाब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण में. औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) फे अधीन, निस्निजिबित व्यक्तियों, अर्थात् हुं ~ (1) प्रज्निक्षास सुपुत्र स्व० श्री राम लुभाया. निवासी डी०-24 जंगपुरा बी०, नई दिल्ली, द्वारा ग्रटार्नी श्री सरनजीत लाल, सुपुत्र श्री जागीरी लाल, निवासी 7-ए, जंगपुरा बी, नई दिल्ली.

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत काँर पत्नी, श्री तरणजीत लाल, विासी डी०-24, जंगपुरा बी, नई दिल्ली.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूज़ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

प्रो० नं० डी-24, जंगपुरा बी, नई दिल्ली-14।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 2-6-1984.

प्ररूप भार्यः टी. एन. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, जी-13, ग्राउम्ड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्र प्रस्थ स्टेट,

नई दिल्ली दिनांक 30 मई 84

निर्देश सि० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10--83/1201--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपयंसंयधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख अक्तूबर 83

को पुर्धोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित आजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एस रूपमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिश्वित बो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आरि∕गा
- (का) एरेसी किसी अगय या किसी धन या अभ्य अस्तियों को, जिन्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सुविभाके लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मीं, इक्त अधिनियम की भाष 269-भन्की उपभाग (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात :--

(1) श्रीमती कमल जौली पत्नी, एस० गुरचरण सिंह जौली, निवासी 347 जी०, ग्रेटर कैलाश-1, नर्ड दिल्ली.

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एस० राणा सुपुत्र श्री साहिब सिंह, निवासी 5-ए, निजामुद्दीन वेस्ट, नई विल्ली.

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो करको पूर्वाकत सम्पृत्ति के मुर्जन के लिए कार्यवाहिया **श**रू **करता ह**ूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सुकना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियो में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारोक् से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंने।

स्परक्षक्रीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के कृष्याय् 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

कृषि भूमि तादादी 1677 (4—16), 1690 मिन (2-0) ग्राम ग्रायानगर तहसील-महरीली, नई दिल्ली।

> सूधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 30-5-84

मोहर 🖫

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विभीन सूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, जी-13 ग्राउन्ड फ्लोर, सी० आर० बिस्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांतः 30 मई 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/10-83/1205--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सी-43 है तथा जो एन० डी० एच० ई० नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को प्लोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भिक्षः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण क्रों, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (क्री क्रों अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) भूला सिंह सुपुत्र श्री जीवा सिंह, निवासी ग्राम ग्रीर पो० नौरा, तहसील-नथाशहर जलन्दर, पंजाब,

(अन्सरक)

(2) दिवन्दर सिंह सभरवाल और सतपाल सिंह सुपुत्रगण श्री अवतार सिंह सभरवाल, निवासी एम-16, जंगपुरा एक्स०, नई दिल्ली.

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हों।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नगसची

2-1/2 मंजिला मकान प्लाट नं० सी०-43, तादादी 200 वर्गगज नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज--1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 30-5-84

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज-1 जी-13, ग्राऊन्ड फ्लोर, मी०ग्रार० विल्डिंग इन्द्रथम्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 जन 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 10-83/1204-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाज़ार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर तहसील महरौली तई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इममे उपाब अनुमूची श्रौर पूर्णच्य में विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उणिक बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल म, एस उत्यमन प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक कण में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मं क्षुड़ िस्ती आय की बाबत उक्त आंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/६.
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर आंधनियम, 1922 (1922 का (1) या अन्य अविनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट प्रतीं विश्व प्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्थिधा के सिए:

कतः जय, उक्त जीभानयभ, की पारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) क अर्थान, निर्माणिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री अशोक क कड़ श्रीर सुरेश कुमार, सुपुत्र श्री दर्गाहिदास, निवासी ई-20. ग्रेटर कलाश-2. नई दिल्ली.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता मेहता पत्नी, श्री विजय मेहता निवासी-117, जोर बाग, नर्ष दिल्ली.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्टियां करता है।

. उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड भी आअ**ंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास फिसिसत में किए जा सकोंगे।

श्वकरोकरण क्र इसमें प्रमुक्त लक्ष्में भीर पर्यो का; जो हक्स भावित्यम के अध्याद 20-क में विद्याचित है, वहीं ग्रंथ होगा, वा उस अध्याय में विद्या सवा है।

भन्सूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे श्रीर 16 विश्वे, एम० नं० 27 किला नं० 6/1(3-0), 6/2(1-16) ग्राम-जीनपुर, तहसील तहरीली, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षण आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-6-84.

प्रकथ आहें टी.एन.एस. ५-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/10-83/1205—-श्रत: मुझे, सुधोर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १२को पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर, महरोला, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रक्तूबर 1983

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी नाम की नाबत, अक्त जिमित्यम के अधीन कार दोने के अंतरफ दें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/गा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1937 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विज्ञा जाना चाहिए था, छिपाने के स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रो मणोक ककड़ श्रोर श्रो सुरेश कुमार सुपुव श्रो दर्गाहो दाम, निवासी-ई-20, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(°2) श्रोमती सुनोता मेहना पत्नी श्री विजय मेहना, नियासी -117, जोर बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामनीहियां करले हो।

उक्त सम्पत्ति वे ५ र्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया गया है।

नगराची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे श्रीर 16 विश्वे, एस० नं० 27,किला नं० 15, ग्राम जीनापुर, तह्सील महरौली, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोध्यण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

सारीख: 2-6-1984

प्रस्प बाइ . टी. एत. एस .-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)
प्रजीन रेज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 जुन 1984

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० धार०-3/ 10-83/1206--अतः मुझे, सुधीर चन्द्राः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं)।, की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम- जौनापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रस्तुवर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे अयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से खक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उनधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

 श्री अधोक कक्कड़ गौर श्री सुरेश कुमार मुपुत्र श्री दर्गाही वास, निवासी—ई-20, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती सुनीता मेहता पत्नी श्री विजय मेहता निवासी—117, जोर बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थानत ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पढ़ों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

गन्स्पी

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 16 बिश्वे, एभ० नं० 27, किला नं० 5, ग्राम-जीनापुर, तहसील-महरौली, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-1 दि**स्क्री**, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-6-1984

रमोहः:

व्यक्त वरही, दर्जि , एवं , एक , ------

जायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 10-83/1207---श्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर संपरित विस्ता उचित वाजार मृख्य 25,000/-

प्रीच जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जीनापुर, तह सीच-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कृप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्मान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अल्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय गाया नया ब्राह्मक्रम, निम्नितिबित उद्देष्य से उच्त बन्तरण सिचित में बालाबिक क्य से का वृत्य वहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ फिसी आम की मावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

जतः जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री ग्रशोक भनकड़ श्रीर सुरेश कुमार सुपुत्र श्री दर्गाही दास, निवासी——ई—20, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता मेहता पत्नीश्री विजय मेहता, निवासी----117, जोर बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-स्थूभ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गस लिसित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिसमाः ---- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे छौर 9 विश्वे, एम० नं० 16, किला नं० 25, ग्राम-जौनापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

> मुधीर घन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रयंकर श्रायुक्त (जिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-6-1984

त्रक्ष जार्हे , टहे , एन , एस , -----

नायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालव,, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ध्रार०-3/ 10-83/1209—ध्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में बात्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (भ्रं) अन्तरण से हुर्द किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (4957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा की लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिषिक्ति क्वित्वां, अर्थात् ध— श्रीमती कलपना जोशी,
 पत्नी श्री मुकुल जोशी,
 निवासी—1/23,
 सर्वप्रिया विहार,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती धनश्री एस० तलवालकर,
पत्नी श्री श्रीनिवास एन० तलवालकर,
निवासी—डोग्री बिल्डिंग 3-मंजिल,
हिन्दू कालोनी,
ग्रपोजिट—रूईया कालेज,
मैटोगां, बम्बई-19।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की तारांच स 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, को औ अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पर्ध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

नगृत्यी

कृषि भूमि तावादी 4 विभे भौर 12 विश्व, एम० न० 32, किला नं० 18, ग्राम-देवली, तहसील—महरौली, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीच: 30-5-1984

मोश्वर:

त्रक्य वादौ दी एव एस :------

नायका<u>र</u> निर्मातयम, 1961 (1961 का 43) कर्ज धारा 269-व (1) के मधीन सूचमा

भारत ब्रुकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश मं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 10-83/ 1210-8्यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु²), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/-रुट. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-रंगपुरी, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूधी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908, का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) में अभीन,, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात ह——

- श्री जय नारायण,
 राम सिंह,
 कृष्ण कुमार,
 प्रतर सिंह,
 राम रती,
 माया चन्द,
 छोटु राम,
 निवासी—ग्राम—रंगपुरी,
 नई दिल्ली।
- श्रीमती प्रकाण कौर, (ग्रन्तरक)
 श्री सतीन्दरपाल सिंह कटारिया,
 ग्रौर तनमाइता कौर,
 निवासी—ई—516, ,
 ग्रेटर कैलाण,
 नर्ड दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित मों किए आ सकाँगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

कृषि भूमि खसरा नं० 400 ग्राम-रंगपूरी, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

- ग्रर्जंम रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30~5-19**84**

मोहर 🚁

प्ररूप , बाह्र , टी , एन् , एस , -----

नायकर निभित्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (नि<u>र</u>क्षिण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० श्रार०-3/10-83/1211—श्रतः मुझी, सुधीर चन्द्रां,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-रंगपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रक्तूबर 1983

का प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अ्ब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिजित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री जय नारायण,
राम सिंह,
कृष्ण कुमार,
ग्रवसार सिंह,
राम रती,
माया चन्द,
ग्रीर छोटू राम,
निवासी—-ग्राम—रंगपुरी,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

अी इन्दरजीत सिंह, कुमारी कंवलजीत कौर भौर श्री रघबीर सिंह निवासी ——एल—18, साउथ एक्सटेंशन-2. नई दिल्ली।

(म्रन्तरिसी)

को यह स्थान जारी कारके पूर्वीयत सम्पत्ति के वर्णन के लिए! कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख त⁸
 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंर ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति, मों हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्य क्षिरी को पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पट्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 395/1 झौर 395/2, ग्राम-रंगपुरीं - नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-1984

भूक्ष आहाँ. टी. एन. एस. प्राप्त अध्यापकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-रंगपुरी, नई दिस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी माय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः शब उक्त जिम्मियमं की भाग 269-ग के अमुनरण मों, में उक्त ग्रीभीनयमं की भारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निग्नीशिक्त व्यक्तियों, अभीतः--- श्री जय नारायण,
राम सिंह,
कृष्ण कुमार
 जिस्त सिंह,
राम रती,
माया धन्य
ग्रीर छोटु राम
निवासी —-ग्राम-रंगपुरी,
नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्री इन्दरजीत सिंह रघबीर सिंह, कुमारी कंवलजीत कौर निवासी—एल-18, साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(ग्रस्तरिती)

को यह सुचना जारो करके पूर्वोक्त , सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (स) इस स्वना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितनवृथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्यक्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त वास्तों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताधादी खसरा नं० 396, ग्राम-रंगपुरी, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्रिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) -प्रार्जन रेंज-1 बिल्ली, नई बिल्ली-110002

नारीख: 30-5-1984

प्रकप बाइ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/ 10-83/1213--ग्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम---रंगपुरी, नई दिल्लो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रकतुबर, 1983

ही पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम से अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उसने स्थन में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुद्रिया के लिए।

भतः जब उन्त भीभिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री अस नारामण,
राम सिंह,
कृष्ण कुमार,
ग्रतर मिंह,
राम रती,
माया चन्द,
श्रीर छोटू राम,
निवासी—ग्राम—गरपुरी,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री इन्दरजोत सिंह,
 कवलजीत कौर श्रौर
रघवीर सिंह,
 निवासी—एल-18,
 साउथ एक्सटेंशन,
 भाग-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध मा कोक भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खयरा नं० 377 (4-16), ग्राम-रंगपुरी, नई विस्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 30−5-1984

माहर 🛭

क्रम् वादी ही. एवं. एवं.-

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यांत्रयं, सहायक भायकर जायकः (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एम० ग्रार०-3/ 10-83/1214/--ग्रतः सुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर विधितिनम्, 1961 (1961 मा 43) (विश्व श्वासी इसके परवात् 'उक्त विधितिनम्' कहा गया ही, की नास 269-च के मधीन समन शाधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण ही कि स्वामर संपत्ति चितका विश्वत वाचार बृक्व 25,000/- स्त. से जिधक ही

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा, जो ग्राम-रंगपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गहुँ हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखत उद्देश्य से उसत जन्नरण निविद्य में बास्त-विक क्ष से स्विधन नहीं किया क्या हैं---

- (क) जलारण वे हुई किकी बाद की बादस बच्च क्षिन निक्रम के स्थीन कर दोने के जलारक के दासित्य में कभी करने वा स्वची वजने में सुविधा के लिये; और/या
- (ब) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर जिधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः थया, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण वों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग का उपधारा (1) को नगीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:— श्री जय नारायण,
राम सिंह श्रीर श्रन्य,
ग्राम--रंगपुरी,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती प्रकाण कौर, मुतीन्दरपाल सिंह, तनमेयता कौर, निवासी—ई-516, ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

दन्य दम्मरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद ह----

- (क) इस त्यान के राज्यत में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जां भी बनिथ बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकादन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जध्नोहस्ताक्षरी को पास चिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्ष होगा को उस सभ्याय में दिया समा है।

मनसर्ची

कृषि भूगि खसरा त० 468/1, 468/2, ग्राम-रंगपुरं, नई दिल्ली।

सुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-1984

मोह्नर 🚁

प्रकम नाहे,टी एन एस -----

नाथकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंज-1., नई दिल्ली

नर्द दिल्ली, निांक 30 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० प्रार०-3/10-83/1216—-श्रतः सुझे, सुधोर चन्द्रा,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति।, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-रगपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिमस्ट्रांकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारोख ग्रक्सूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिद्यांस करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्/बा
- ण) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----- 17—146GI84

1. श्री अभनसम्ब

राम सिंह,
कृष्ण कुमार,
श्रतर सिंह,
राम रती,
माया त्रन्द
श्रौर छोटू राम,
निवासी—ग्राम—रगपुरी,

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाण कौर, मुतीन्दर पाल सिंह ग्रौर तनमाइता कौर, निवासी—ई-516, ग्रेटर कैलाश, नर्ष दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्स संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिमबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए या सकरेंगे।

स्वत्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

कृषि भूमि खसरा २० ४०१, ग्राम-रंगपुरी, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ख्रायकर ख्रायुक्त (निराक्षण) खर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 30-5-1984

सोहर:

प्रकृत बार्च हो हुन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत शरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, 1, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, विनांक 2 जून, 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०म्रार०-3/ 10-83/1225---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

द्यौर जिसकों सं० सी-1/135 है, तथा जो लाजपत नगर, नई विल्ली में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्याल प्रविल्ली में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अक्तूबर, 1983

को प्वें क्षित सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के अयमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वें क्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसकें द्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चे देय से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मां सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मुक्किया के सिए;

अतः जब; उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मधु सुदन ग्रौर राधेय गोविन्द
 सुपुत्र गण श्री डो० एन० मेहता,
 द्वारा ग्रटानी श्री एम० एम० जफर,
 निवासो सो/74, कालकाओ, नई दिल्लो ।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस० एम० रोयाज सुपुत्र श्री एस० सुलेमान निवासी-सी-1/135, लाजपत नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

का गृह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसाची

प्रो० नं० सी-1/135, लाजपत नगर, नई दिल्ली भूमि तादादी 100 वर्ग गज।

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राग्नधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (क्किरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 2-6-1984 **मोहर**ः-⊹¦्र प्रस्प भाद . टी. एन . एस . -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०-3/ 10-83/1230--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 259-इ के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, नई विल्ली में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण छप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकार के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तुवर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वादेय सं उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किती जाम की बाबझ, जन्त विधितियम के जभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के निए; बार्/मा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः मब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री बंशी एलीयस लेख राम सुपुत साहब सिंह, निवासी-डेरा मंडी, नई दिल्ली द्वारा श्रदानीं श्री सुखबीर सिंह सुपुत श्री डालु सिंह, निवासी-ग्राम-देवली, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रमित भल्ला, सुपुत्र श्री जय रतन भल्ला निवासी-116, जोर बाग, नई दिल्लो।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हों।

उक्त संपति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्वध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जिभिनियम के जभ्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

संसर्व की

कृषि भूमि तादादी, 14 बीचे, श्रीर 12 बिण्ने, एम० मं० 88. किला नं० 4 मिन, (1-12), 10(3-8), 11(4-16), 20(4-16), ग्राम-डेरा मंडी, तहुसील-महरीलो, नई दिल्लो।

> सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **विल्ली**, नई दिल्ली

दिनांक: 30-6-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

शाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 108 है, तथा जो ग्राम पिलोकरी, तहसील महरौली, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक ग्रीक्त्य, 1983

कां पूर्वे ता सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति कल निम्नितिबान उद्देश्य सं उसक्ष अन्तरण लिखित में वास्तविक कप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ग्रा, ग्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिमिक्ति स्विक्तियों अर्थात् —— 4 1. श्री होरा लाल श्रीर शिशपाल सुपुत्र गण श्री लाल सिंह, 1563, कटरा हुसैन वक्स, मैन बाजार, पहाइ गज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 रण जीत सिंह हिवंर सुपुत्र श्री हरीया हिवंर, निवासी 102-ए, ग्राम किलाकरी, तहसील, महरौली, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननसर्ची

मकात नं 108, खसरा नं 732, तादादी, 100 वर्ग गज, ग्राम किलोकरी, नहमील, महरीली, नई विल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, क्लिजी, नई दिल्ली

दिमांक 30-5-1984

प्रकृष बाइं. टी. इन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकार वायुक्त (निर्धिक्षण)

श्रर्जन रेंज, 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1984

निदेश सं० श्राई० ए० मो०/एक्यू/1/एस०न्नार०-3/10-83/ 1233—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देरा मंडो, तहसील-महरीलो, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रांर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालया दिल्लो में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफार को जिए बन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुर्द किसी बाय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण को बाजित्य में कमी करने या उसवे अचने में जुनिया के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, भिन्ह भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजन अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ जन्मीरेही द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के किए;

अत यम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निक्निसिचिक व्यक्तियों, नर्षत् :—

 श्रों सुखबोर सिंह सुपुत्र श्रो वालू सिंह, निवासी-प्राम देवलो, नई विल्लो ।

(भ्रन्तरक)

 श्रा ग्रमात भल्ला सुपुत्र श्रा जय रतन भला, निवासो—116, जोर बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पृथानित सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियों करना हो।

उनत सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किश्वत म विश् का सक्षेत्र ।

स्वक्टीकरणः --इसमें प्रश्वत अव्यां और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्सूची

कृषि भूमि तादादी, 6 वीघे और 4 बिख्ये, एम० नं ० 88, किला नं० 1(4-16), 10 मिन(1-8), ग्राम-डेरा मंडी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर त्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजेन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

' तारीख: 30-5-1984

महिर 🖫

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.------

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक शायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एस्यू०/1/एस०आर०-3/ 10-83/1236—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम--डेरा मंडो, तहसील महरीलो, नई विल्लो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनांक श्रक्तूवर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष , जिन्न लिखित उद्देश्य से उच्त जन्तरण मिलित में बास्त-निक कप से क्षित नहीं विश्वा गया है:----

- (क) अन्तरण से शुर्व किसी आयु की वादत, उपस् अभिनित्य के अभीन कर बोर्च के जुन्तरक की वायित्य में कमी करने या उसके अकृते में तृतिभा जो सिए; शृहरंगा
- (क) ऐसी किसी गाय या किसी भग या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 15) या उनक् अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिकी बुवारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना जाहिए भा जियाने में स्विधा के निए;

नतः अव, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के नन्तरण में, मैं, उन्त निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को नधीन, निस्नसिचित व्यक्तियों, नचित् ह—— मै० रास्ती एण्ड कं०,
 ई-283, ग्रेटर कैलाभ-2, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

पं० शांश राम शर्मा सुपुत्र श्री बुध राम,
 निवासी—-122-ए/8, गौतम नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संस्थान्य में कोई भी गाउनेय :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामीस से 30 दिन की बबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वृक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गल लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त्री

कृषि भूमि तादावी 7 बीघे और 8 बिश्वे, एम० नं० 46, किला नं० 17, मिन (2-16), 25(4-12), ग्राम-डेरा मंडी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख:** 30-5-1984 .

मोहर 🛭

प्ररूप मार्ड.टी.एन.एसं. -----

जायकर जींधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिर्रीक्षण)
यर्जन रेंज 1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

· निर्देश सं अगर्ह ए० सी । / एक्यू । / 1/एस । श्रार । - 3/ 10-83/1237--- श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि हैतथा जो ग्राम डेरा मंडी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाबा गया प्रतिफल, मिम्नसिचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बज़ने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अयः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नसिचित **व्यक्तियों**, अर्थात् ६—- मै० रास्ती एण्ड कं०,
 ई-283, ग्रेंटर कैलाण-2, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. पं शीणराम शर्मा, सुपुत श्री बुध राम , निवासी 122-ए/8, गौतम नगर, नई विल्ली। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्वित्सयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (इ) इस स्वना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रन्सूची

कृषि मूमि तादादी 6 विषे और 16 बिश्वे, एम० नं० 46, किला नं० 14(4-16)17 मिन (2-0), ग्राम, डेरा मंडी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,विल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 30-5-1984 ग**ोहर**: प्ररूप आहाँ दी एन , एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीन भुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, 1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०म्रार०-3/ 10-83/1238—म्प्रत:, मुझे सुधीर चन्त्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' ऊहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचित बाजार मृल्य 25.000/- रूपए से अधिक हैं

भ्रमेर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के बिए; बीप/या
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त औधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— मैं० रास्ती एण्ड कं० ई-283, ग्रेटर फैसास-2, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. पं० शीण राम शर्मा सुपुत्र श्री बुध राम, निवासी 122-ए/8, गौतम नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति वः अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी अप्रक्रेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्फोंगे।

स्पष्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हो।

नगसूची

कृषि भूमि तावावी 5 बीधे ग्रौर 15 विश्वे, एम० नं० 46, किला नंम 16(1-3), एम० नं० 49 किला नं० 5(4-12), ग्राम डेरा मंडी, सहसील, महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन र्रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 30-5-1984 मोहर ः प्रस्प बार्ड. टी. एट. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 930 ए (1) लें गरिन गणना

भारत शरानार

कार्यालय, सहायक वायकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०-3/ 10-83/1239—ग्रत: मुझे सुधीर चन्द्रा

अायकर अधिनियम, 1061 (106) हा 40) तिर्ध हामो इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति जिल्ला अवित ज्ञार क्ष्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो उरा मंडी, तहसील, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इत्रसे उपावद ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और गुफें तह विश्वास करने का कारण हैं कि एशाएबेंग्वित गंगीला न उचित पाड़ा मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हुय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हड़ किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय तायकार अविनियम, 1922 (1920 का 11) या उक्का पिश्वियम, या धन-कार अविनियम, १८७७ (1955 का 27) की व्यक्तियम, १८७७ (1955 का 27) की व्यक्तियम विनियम, १८७७ (1955 का 27) की व्यक्तियम विनियम का सामित्र का सामित्र का या किया जाना का लिए था, कियान मों मृतिधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के लन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की प्पधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—
18—146GI|84

- मै० रास्ती एण्ड कं०,
 ई-283, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरक)
- 2. पं जीश राम शर्मा सुपुत्र श्री बुध राम निवासी 122-ए/8, गौतम तगर, नई दिल्ली। (स्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन सची

कृषि भूमि तादादी 6 बीघे श्रीर 10 बिश्वे, एम० नं० 46, किला नं० 7(1-4), 18(0-10), 24(4-16), ग्राम डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 30-5-1984 मोहरः प्ररूप आहर् . टरे. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०प्रार०-3/ 10-83/1241---ग्रन: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो तृगलकाबाद, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रतुसुची में स्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक स्रक्तूवर, 1983

को प्रतिकत संपत्ति के जिस्त बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके त्र्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हर्न्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण भीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री अन्दर श्रौर अन्य, ग्राम-पो० तुगलकाक्राद, नई बिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री जगढीश चन्दर मुपुत्र श्री सन्त राम, निवामी ग्राम श्रीर पो० तुगलकाबाद, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता 📺

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्णना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्णना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ' निश्चित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है ।

जनस्वी

1/2 भाग कृषि भूमि, तादादी (26-7), खसरा नं० 2476/164121, 2458/1767, ग्राम तुगलकाबाद, नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 30-5-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आह[°]. टी. एन. एस. - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०-3/ 10-83/1243—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 1/6 है, तथा जो लाजपत नगर-4, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान पितफल सं, एगं रूपमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी भाग या किसी धन या अन्य भाक्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर भिष्ठितयमः 1922 (1922 का 11) या वक्त पश्चित्यमः या धन-कर भिष्ठितियमः 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बहादुर चन्द मुपुत्र श्री गुरदीता राम, द्वारा श्रद्धानी श्री सुभाग चन्दर, निवासी 1/14, जयदेव पार्क, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रवनाश जेठी पत्नी स्व० श्री कुलढीप जेठी, नियासी 1/6, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्रो० नं० 4--1/6 लाजपत नगर, सरकारी बना हुय्रा डबल स्टोरी बिल्डिंग, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 30-5-1984

मोहर 🛭

प्रकृष आई टी. एन. एस.- - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की भारा, 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस॰ग्रार०-3/
10-83/1248—ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 158, ब्लाक 'सी' है, तथा जो ग्रोखना इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियन, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्राव्यूबर, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के रत्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जीके तमह, ज अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियंग की धारा 269-म में अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री एत्र करनाय सोमेश कपूर, सुपुत श्री एत० कपूर नियासी ए-62, एत० डी० एस० ई० भाग-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मै० अस्त्राल, ऑटो पार्ट्स प्रा० लि०, द्वारा डाइरेक्टर श्रीमती सुमन कपूर पत्नी करनल सोमेण कपूर, ए-62, एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूच्या करना करक पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

राज्य अस्ट हिंदा को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील से 30 दिन की अनिंध, जो भी अनिध भार में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
- (ख) इस सूरणा के राजधन में अकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संगीत्त में हितवद्ध किया पन्य स्थानित इवारा अधाहस्ताक्षरी के गास निस्तित में किए जा सकेंगे।

ि क्या का उपते अल प्यों का, जो उक्त वौक्षित्यक के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या की

अग्स्ची

प्लाट न० 158, ब्लाक 'सी', श्रोखला इन्डस्ट्रीयल एरोया, भाग-1, नई दिल्ली तादादी, 499.74 वर्ग गज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख: 30-5-1984

प्रस्य बाह' हो . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें -1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 मई, 1984

निर्देश सं० स्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०न्नार०-3/ 1.0-83/1250---म्रतः मुझे सुधोर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर, महरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उराबद्ध अनुमूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्जा त्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली र जिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 कर 16) के ग्रधीन में दिनांक ग्रक्तूवर, 1983

को पूर्वों यत संपितत के उचित दाजार मृल्य से क्ष्म के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर स्मृति का उचित बाजार मृल्य, उसके ट्यमान प्रतिफल से, एमें द्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उच्क अन्तरण विश्वित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बागत, उक्त जीपीन्यम के जभीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती क्रिए या, क्रिया में विद्या जाना क्षित्र या, क्रिया में विद्या जाना क्षित्र या, क्रिया में विद्या जाना क्षित्र या, क्रिया में विद्या कर्ति क्षित्र या, क्रिया में विद्या जाना क्षित्र या, क्षित्र या विद्या जाना क्षित्र या, क्षित्र या व्याप्त क्षित्र व्याप्त क्षित्र या व्याप्त क्षित्र व्याप्त क्षित्र या व्याप्त क्षित्र व्याप्त क्षित्र व्याप्त क्ष्त व्याप्त क्षित्र व्याप्त क्षित्र व्याप्त क्षित्र व्याप्त क्षत्र व्याप्त क्षत्य व्याप्त क्षत्र व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- श्री नन्द राम, दीप चन्द, धर्मवीर, सुपुत गण श्री खुशाली श्रीमती कृष्णा प्त्नी श्री शाम लाल, निवासी-ग्राम, जौनापुर, महरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राजू सुपुत्र श्री नन्द राम, माल्हो पत्नी श्री दीपचन्द, श्रीमती मुन्नी पत्नी श्री धर्मवीर, जगत सिंह सुपुत्र श्री भरत मल, निवासी-जौनापुर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कर तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

सम्बद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में णीरभाषित ह^{र्द}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी एम० नं० 44, िकला नं० 22(3-1) एम० सं० 54, िकला नं० 4/2(1-5), 5(4-16), एम० नं० 55, िकला नं० 1(4-16) 2(2-8), 10/1(2-9), ग्रामं जौनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 30-5-1984

मोहर 🛭

1. gra-

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ছ (1) के सभीन শক্ষা

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एसयू०/1/एस०श्रार०-3/ 10-83/1252--श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

असम्बद्ध अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अप के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नेब सराय, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और अभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एमें द्वयमान प्रतिफल का निन्दू प्रतिशत में अभिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए ने अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अकारण में निम्नित बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- [(क)) अभ्यादण के हुइ किसी जान की बावाय उपक विधिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्र∕या
- (क) ऐसी किसी आब था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आका आहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

 मै० दुगल इन्टरप्राइजेंज प्रा० लि०, 19/21, हमाम स्ट्रीट फोर्ट, बम्बे. द्वारा डाइरेक्टर एस० पी० चोपड़ा,

(ग्रन्तरक)

2. मैं० इलबी दुगल इन्जीनियरिंग कं० प्रा० लि०, ए-12, वेस्ट एण्ड कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की अभील से 30 दिन की अविधि. जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त प्रक्तें और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे और 17 बिश्वे, खसरा नं० 264, ग्राम नेब सराय, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायकत (निरीक्षण) स्त्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधितः—

तारीख: 30-5-1984

14 . 1

मोहर 📳

श्रुक्त आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1,

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून, 1984

निर्देण मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०-3/ 10-83/1254—ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नेव सराय, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितयार्) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में क्थिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक पे अधिनय में कमी अन्ते या उससे जचने मी मोजधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बिधिनियम, शा भनकर बिधिनियम, शा भनकर बिधिनियम, शा भनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रबोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, व्यिपान चें सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, विक्निलिक व्यक्तियों, अर्थात् :-- मै० दुगल इन्टरप्राइजेज, प्रा० लि० 19/21, हमाग स्ट्रोट, फीटे, बम्बे, द्वारा डाइरेक्टर एम० पी० चोपड़ा।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० इलबी दुगल, इन्जोनियरिंग क० प्रा० लि० ए-12, बेस्टेन्ड कालोनी, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथांकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हाँ।

उनत् सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप:--

- (क) इस स्वना के राज्यव में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अवधि या तत्स्वस्वन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कर व्यक्तियों से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी कन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में क्षिए जा सको हो।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्स्यो

कृषि भूमि खसरा नं० 271 (3-4), ग्राम नेब सराय, नई दिल्ली, तसभील महरौली।

> सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्प (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 2-6 -1984

मोहर

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **भायकर मायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजन रेंज 1, न**ई** दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०-3/ 10-83/1256----ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 119/बी-7 है, तथा जो सफदरजंग, निवासीय योजना, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाषार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नीजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित्त में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिषणें को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है— श्रो कृष्ण देव हान्डा, विगामी 27-वी-1, मेरठ कैन्ट,

(ग्रन्तरके)

 श्री राजेण जोगो, निवासी 3/14, पंजाबी वाग (ईस्ट), नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्मात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के शम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना दे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (ख) इ.स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोक्षरणः — इनमें प्रयुक्त घटनों और पदों का, जो उनसे अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

नन्त्रकी

प्लाट नं० 119, बताक बो-7, सफदरजंग, निवासीय योजना, नई दिल्लो ।

> मुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्लो

तारीख : 2-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के कभीन स्चना

भारत सरकार "प्रायनिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-111, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांना 12 जुन 1984

निर्देण सं० आई० ए० - सं(0)एक्यु0/111/37ईई/10-83/24--- अतः मुझे, आर० पी० राजेग

शानकर गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव जी-146 है तथा जो जैना माकिट कमियल कम्पेलैक्स (पश्चिम) नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में और जो पूर्णस्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम

1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनांक अक्तूबर 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिर बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निनिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिविक क्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा ने लिए; ब्रॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भे, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यितिनयों, अधित् :—— 19—146GU84 जैना पोपटींन (पाइनेट) निभिन्ने क अदिनाध श्री हाऊस, ओपोजिट नुपर बाजार धनाट गरक्स नई दिल्ला ।

(भरभरका)

 श्रीमती प्रमला देवी मधान नं 2804 श्रीमार देहली-35

(अन्तर्भात)

स्त्रे यह सूचना चारी करके पूजाँकत सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में दिया जा सकारी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्स्पी

र्जा:-146 जैना माक्तिट् कमणियल कम्पलैक्स पश्चिम बिहार नई दिल्ली:।

> आप० पंति राजेग सदास प्राधिकारी भदापस आयश्य आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोजे III, नई दिल्ली

वारं,ख: 12-6-1984

माहर :

प्रहा. आई³. टी. एन एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय . सहायक अपाकार कार्यवत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, नई दिल्ली

नहींदिल्तीः, दिनादः 12 जून 1984

िर्देण सं० आई० ए० सा०,एक्पु०, Π_j 37ईई $_j$ 10-83 $_j$ 29— अतः मुझे, आर० पं $_i$ ० राजेण

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उवत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक ही

और जिसके: मं० 99 है तथा जो जैना माकिट तमियल कामानियम पिछार नई दिल्ले: में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूत्रे: में ओर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रें, कार्ति अग्रिशारं के कार्यालय नई दिल्ले: में रिजिस्ट्रें करण अग्रिनियम 1908 (1908 का 16) के अग्रेश दिनाक अक्तूबर 1983 को पूर्वोवत मंपित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान में, एसे दश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवद रूप से किथा वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिटान हो सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्ति कितियों, अर्थात:—

1. जैन: प्रोपर्टीज (प्राइवेट) लिमिटेड जिल्लाम था हाउस, जैमेरीजट सुगर बाजार जनस्य सर्थम नई दिल्ला ।

(अन्तरक)

 श्री खुण दयाल फ्लैट नं० 120, मशोजना माकिट विनय मार्ग नई दिल्लं: ।

(अन्तरिर्ताः)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में कितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निधित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इनमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लैट नं० जी-99 जैना माकिट क्रमणियल कम्पलैक्स पण्चिम विहार नई दिल्ली।

> आर० पं:० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेज III, नई दिल्ली

दिनांदः : 12-6-1984

मोहर:

भक्षप् बाह्यु टी. एन्. एच्.-----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मृभन.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनावः 12 जून 1984

निर्देण म० आई० ए० सं२०/एक्यू/3/37ईई/10-83/30---अतः मुझे, आर० पं१० राजेण

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी करें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मं० जा-83 है तथा जो गोपिंग वास्पलैक्स पण्चिम बिहार नई दिल्ला में स्थित है (ऑह इसके उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से प्रणित है) एजिस्ट्रीक्टर्ग अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ला में एजिस्ट्रीकणण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधान दिनांक अक्तूबर 1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य हं काम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त आंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उचन अधिनियम, या धन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिर्ही ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा की लिए;

नतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिश्वित्र अधिक्तरों, अर्थात् :--- गं जैना प्रोपर्टीज (प्राइवेट) निर्मिटेड अदिनाथ थे: हाउस एम० ब्लाबः कनाट सरदाम नई दिल्लाः।

(जन्तरक)

श्रा परमण्डर। रोद्धाः
 शृ92 प्रमेण नगर नई (पल्ला)

(अन्त्रशिती)

का यह सूचना भारी करके पृक्ष कर सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख सं
 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 स्थाना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 कर्मांच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एकों कर
 क्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थानर सम्पत्ति मी हित्यद्रभ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षणी के पास लिखन मी किए का सर्वाण

स्पष्टीकारण:---इसमी प्रयावत शब्दों और पर्दा का, जो उत्तत अधिनिया के अध्याय 20-क मा परिवर्शियत ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

वनस्ची

जी-83 (प्राज्ञात गताः) शहिषेय व्यक्तिसम् पश्चिमः चिहार नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेण नक्षम प्राधिकारी महत्वा आयाचर जत्युक्त (किरोक्षण) अर्थन रोज मी, नई दिल्ले,

दिनाकः : 12-6-1984

भोहर :

प्रस्य अहर्, टी. एन. एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-गा

नई दिल्ली, दिनांबा 12 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एनयू०/3/37ईई/10-83/32---अतः मुझे, आर० पा० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मुख्य 25,000/- फ़. से अधिक हैं

और जिसकें। सें० जें।-89 जैना है तथा जो मार्निट कर्मणियल कम्पलेक्स परिचम बिहार नहीं दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बींगत है) रिजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का नन्द्र प्रतिकृत से बींग क्रिक (अंतरकों) को र अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के निए तय पावा प्रया प्रतिकृत का निम्मतियान उद्देश्य से उच्छ बंतरण निष्ठित में वास्त्रीक का निम्मतियान उद्देश्य से उच्छ बंतरण निष्ठित में वास्त्रीक का के किसत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरभ से हुई किसी जान की बादत उक्त जीन-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/मा
- (ब) इसी किसी साथ या किसी धन ना अन्य नास्तिनों की, विन्हें भारतीय नायकर नीधनियन, 1922 (1922 का 11) या उनत् नीधनियन, या धन- कर नीधनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया नामा चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269 म की जनसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ी जैना प्रोपर्टीज (प्राइवेट) निमिटेड अदिनाथ श्री हाऊस ओपोजिट सुपर बाजार कनाट सरकस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2ृ विनोद मलिक बी० 3-41, पश्चिम विहार, नई दिल्ली । (अन्तरिता)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन की सुविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नमृस्ची

जी-89 जना मार्किट कमिषयत कम्पर्तक्स, पश्चिम , बिहार, नई दिल्ली ।

> आर**्|** पी० राजेश रक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III नई दिल्ली

दिनांक: 12-6-1984

मोहर:

प्ररूप आद्दे टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजनारी, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 जन 1984

निर्देण सं० आई० ए०सं(०)एक्यू /111, 37ईई, 10-83, 33---- अतः मुझे, आर० पी० राजेण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जीर जिसकी मं जी-107 है तथा जो जैना गोपिंग व म्पलैक्स ग्राउन्ड फ्लीर पश्चिम विहार नई दिल्ला में स्थित है जीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से दिणत है) रिजस्ट्रीवार्ता अधिकारों के बार्यालय नई दिल्ला में रोजस्ट्रीवारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उन्त अंतरण कि बिह्न में बास्तिबक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरण वे हुई किसी नाव की बाबत उक्त अधि-ृत्यक के अभीन कर बने के बन्दरक के श्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बीर/वा
- (व) एसी किसी भाव या किसी भन या बन्द बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रीचिनियम था भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बडा बा या किया जाना बाहिए था खिपाने में सुविधा के दिवार

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तिया, अधीत् :—

 जना प्रोपर्टीज (प्राइवेट) लिमिटेड अदिनाथ श्री हाऊक ओपोजिट सुपर बाजार बनाट सहरकस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री दयानन्द ग्रोघर
 6834 नाबी वारीम पहाङ्गाजे नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

मन्त्रची

ी-107 जैना णोपिंग कम्पलैक्स ग्राउन्ड फ्लोर नई देल्ला।

> आर० पं1० राजेश सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज-III विल्ली, नर्ह विल्ली-110002

दिनांक: 12-6-1984

मोहर 🧈

मुक्प, नाइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण). अर्जन रेज . नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनाक 12 जुन 1984

निर्देण सं० स्नाई० ए० मो ०/एक्यू / 37ईई/10-83/42— स्रतः मुझे, स्नार० पी० राजेशः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 102 है, तथा जो नं० 5 में ग्राउन्ड फ्लोर, पर कौशल्या पार्क, हांज खास, नई दिल्लो में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर जो पूर्ण स्प से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, नई दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रवनुवर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में आरहीयक रूप से किथत नहाँ किया गया है :——

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) नेती किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिनायी को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रजन्म नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपानं में स्विभा के निए;

की शल्या एजुकेशनल द्रस्ट,
 11/4, बी पुसा शेष्ठ, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती निलनी,
 एन 1, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो कारक पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उसरा सम्पत्ति के अर्जन के गंबध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्थाध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पन्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्पी

फ्लैट नं० 102, नं० 5, के ग्राउन्ड फ्लोर, पर कीणल्या पार्क, हीज खास, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेंग सक्षम ग्रंधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेज III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

. कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-क की उपभाग (1) के अधीन, निरुप्तिकित व्यक्तियाँ, वस्ति :—

दिनांक: 12-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप. बार्च. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज U.I. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/EH/37ईई/10-83/51— श्रनः मझे आर० पी० राजेण

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-103 है, तथा जो जैना मार्किट गार्षिण कम्पलैक्स, की ग्राउन्ड फ्लोर, पर नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्री-फर्ना श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रक्तूवर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर रंगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, ज्यीत् ध--- जैना प्रोपर्धे (प्राप्तेट) निमितेप प्रदिनाथ थ्रो होऊस, प्रोपोजिट, सुपर बाजार, कनाट सर्कम, नई दिल्ली।

(भ्रास्त्रकः)

 श्री भारत भूगण ए.6/239, पाचिम विद्यार नर्द दिल्लाः ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किही व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ष्टित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह स्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्मध्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित ही, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

जी-103, जैना मार्किट शोधिंग कम्पलैक्स, नई दिल्लो।

श्राट्य गोव राजेण सक्षम श्रधिकारा सहायक श्रायाच्य स्रायुक्त (निर्दाक्षण) श्रजेन टेंज III, दिन्ती, नई दिल्ला-110002

दिनांक :: 12-6-1984

मोहरु 🥲

प्ररूप बाइ. टी एन्. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज-111, तई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश मं० ग्राई० ए०सी०/एनयू०/।)1/37ईई/10-83/ 52—न्य्रतः मुझे, ज्ञार०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

गौर जिसको सं० जी० 60 है तथा जो जैना मार्किट कमणियल कम्पलैक्स, पिचम विहार, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर उसरे उपाबद्ध ग्रनुभूषी में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर 1983 को पूर्वेक्ति मम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का स्थ्यमान प्रतिफल से, एमे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्छ असतियान प्रतिफल से, एमे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्छ असतियान से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निवित्त के बास्तिकल रूप से कियत अहीं किया गया है :—

- (५६) अन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मों कानी करने या उसमें बचने में मृतिभा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- जैना, प्रोपर्टीज (प्रोईवंड) लिमिटेड धादिनाथ श्रो हाउस, ग्रीपोजिट सुपर वाजार, कनाट सरकस, नई दिल्लो ।

(शन्तरक)

2. श्री कमलेण सेठ रोड नं० 20, हाऊस नं० 25, पंत्राबी बाग, नई दिल्लो।

(प्रकास्ति)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननत्त्री

जी०-60. जैना मार्किट कमिणयन कम्पनीनस, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली।

> श्रार्० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-6-1984

मोहर:

प्ररूप माइं.टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज [[]11], नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/10-83/70---श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं कमिशियल फ्लैंट नं 340 है, तथा जो बिल्डिंग नं 9 भीकाजी कामा प्लैस, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार्रा के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती/(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से किंग्स नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उत्तर किसीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—
20—146GI84

 श्री केवल कृष्ण कामरा, एक्सचेंज स्टोर बिल्डिंग की पहली मंजिल, धलीपूर रोड, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री शीश प्रकाश सोनी,
 131, सुभाष नगर,
 गृडगांव ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी वे पात्र लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस ची

कर्माणयल फ्लैंट नं० 340, बिल्डिंग नं० 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई विल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज III विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-6-1984

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन., एस., ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/10-83/71-श्रतः मझे, श्रार्० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० एच-113 है, तथा जो पालम विहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक श्रवतूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह निश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकात में बारतिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्या काना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अय, अवत अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कू- श्री राकेश कुमार श्रग्रवाल, भ्रौर श्री राकेश कुमार गुप्ता सी-24, एन० डी० एस० ई०-ा नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री बिशन सेठ, कमलेश सेठ, ई-79, एन० डी० एस० ई०-I, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षेरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमची

एच-113, पालम विहार, 435 वर्ग मीटर।

श्रार० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-6-1984

:मोहर

प्रकल जाइँछ बी 🗷 एन 🗵 एच 🕬 🕬 🕬

नामकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ग (1) के अभीत स्वता

भारत सरुकार

कार्याज्य , सहायक जायकर जायकर (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-, **मई धिल्**ली

नईदिल्ली, दिनांक 12 जुन 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/10-83/73—— अतः मुझे आर०पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं 11/3, बलाक नं बी है तथा जो झिलमिल ताहिरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, णाहदरा, विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और जो पूर्ण रूप से विण्त है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पून्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के जधीन कार बोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

बतः श्व, उक्त अभिनियम, कौ भारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभार (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ओमअकाश निवासी 27/15, इस्ट पटेल नगर, नई विल्ली ।

(अन्तरक

- 2. (1) श्री जितन्द्र कुमार
 - (2) श्री योगे ब कुमार
 - (3) विनोद कुमार
- (4) रोहित कुमार (श्रन्तरिती) निवासी मकान नं 4, लखनऊ रोड, दिल्ली। को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीं कर ध्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वना के ट्राअपन में पकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींने।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका गमा है।

वन्स्चीं

प्रोपर्टी नं । 1/3, बलाक नं । बी, झिलमिल ताहिरपुर, इन्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली।

> आए० पी० राजेश सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-III, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12 जून, 1984

मोहर 🛭

प्ररूप वाइं.दी.एन.एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/InI/37ईई/10-83/74-अतः मझे, आर०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- उरु से अधिक है

और जिसकी सं० ए-318 है, तथा जो तोसरी मजिल, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितौ की गई और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिक में नास्तिवक स्थ से स्थित नहीं किया गया है 5—

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी जाव की वावत, जक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने वा उससे बचने में तृविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भक्तः जन, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री भनोद श्रोभर्टी एन्ड इन्डस्ट्रीयल लिमिटेड, 102-103, राजा हाऊस, 30-31, नेहरू प्लेस, I.

(अन्तरक)

2. इंजीनियरिंग कन्स्ट्रक्शन , कारपोरेशन लिमिटेड, 32. शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वत्र कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आंक्षेप हन्न-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्ची

पर्लंट नं० ए-318 तीसरी मंजिल निर्माणाधीन 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, 515 वर्ग फुट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

दिनांक : 12-6-1984

मोहुदु 🛭

1 1 1

अपन आर्चा को प्रमुख प्रमुख

भागकर गरिंपानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन सुमृता

BISC STATE

कार्यानय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांकः 12 जून 1984

निर्देशसं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/10-83/78 अतः मुझे,आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, प्रेषसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं शर्माशयलू बिल्डिंग है, तथा जो के 8 4 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 190के (1908 ता 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल हिम्मुक्तिक उद्विष्य है उच्छ बन्दर्स किवित् में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है है—

- हैंक) जन्मरण में हुन्हें हैंकडी जान की नानम्, उनस् विभिन्नम् भी नार्यीत् कर बोर्च मी क्लारण की बाविरक् भी कमी करने ना उन्ने नुमुन्ने में सुनिका भी किस्स अकि/को
- (ब) एेसी किसी नाम या किसी धन या नम्म नास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा स्वतः विधिनयम, वा धन-कर निधिनयम, वा धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिष्ठ;

जतः अव, उक्त विधिनियम, कौ धारा 269-प कौ अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्तृतिकित व्यक्तियों अधीत्—ः

- 1 श्री कैलाश नाथ और एसोसियेटस 18, बारा खंबा रोड नई दिल्ली-1
- श्री हरिकशोर और अशोक कुमार निवासी 136, धासी राम स्ट्रीट चांदनी चौक, दिल्ली।

का यह सूचना चारी करके पृथीयत संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त क्रम्परित में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इत सूचना के उपलप्त्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्यों भी अकृतिय बाद में सजाप्त होती हो, के जीतर पूर्वों कर कावित्यों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वता के राजवृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अभोहरताक्षरी के पास सिमिश्त में किस आ सुकेंगे।

स्पव्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

फ्लैट 500 वर्गफुट, कर्माशयल बिल्डिंग के०-84 की इसरी मंजिल पर ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज III, नई विस्ली

विनांक: 12-6-1984

मोहर 🖫

,प्रक्रम् **आर्ड**ः, टी. **ए**नः **एस**. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/10-83/83

——अतः मुझे, आर० पी० राजेंश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० सी-21 है, तथा जो प्रीत विहार प्रीत नगर, को-ओपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिभिटेड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोक अक्तूबर, 1983

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया ग्या प्रति-फल, निम्नुसिचित उद्वेदय से उच्च बृन्तरण निष्कृत में वास्त्रिक क्या ते कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमीं करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बीडः/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना जाहिए था, रिष्ठपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री सी० पी० मैंध्यू,
 ए-31, इन्द्रानगर, कोटायम,
 केरला ।

(अन्तरक)

श्री अतिल कुमार जैन,
 और श्री सुनील कुमार जैन,
 2878, जलपुरी, किनारी बाजार,
 दिल्ली-6

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उसत सम्युत्ति के वर्षन् के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेष् ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से .45 विन की सविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूजना की तामील से 30 विन की सविभ, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थित व्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की सारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

. स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

नम्सूजी

प्लाट नं० सी-21, प्रीत बिहार, प्रीत नगर, को-जोपरेटिब हाउसबिल्डिंग सोसायटो लिमिटेड, 462.5 वर्ग गज।

> आर०पी० राजेश सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज III, न**इदिल्ली**

दिनांक 12-6-1984 **मोहर** 5 प्ररूप आहु. टी. एन, एस. -----

नामकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III.

नई दिल्ली, दिनां का 12 जुन 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य o-III/37ईई/10-83/

87--अतः मुझे आर० पी० राजेश

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- हर से अधिक है

और जिसकी सं एयर कंडी शन है तथा जो स्पेस नं एफ-5, ग्राउन्ड फ्लोर और निर्मित बिल्डिंग, रजिन्द्र प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिख्ली में रिज स्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यविषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबुत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा केलिए; और/या
- ं(च) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः---

 नेहा दीप कन्स्ट्रक्शन्स, 1. रजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री के० एल० कपूर, डी-11/268, विनय मार्ग, चाणक्यपूरी, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त **म्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति ववाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पच्छीकर्ण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ शोगा, जो उस अध्याय में दिया गया 🕫 ।

मन्सूची

एयर कन्डीशन स्पेस नं० एफ-5, ग्राउन्ड फ्लोर, बिह्डिंग निर्माणाधीन 1, रजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

> आर०पो० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, नई दिल्ली

तारीखा 12-6-1984 मोहर :

प्ररूप शाहुरे. दी. पुन. पुस. = = :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/III/37ईई०/ 10-83/89--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० स्पेस नं० 6 हैं तथा जो दूसरी मंजिल, सत्या नेणनल प्लाट, ए→1 श्रार० ए−2, नई दिल्लो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रम्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे ब्रंबने में सृविभा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क्रं, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीत, निम्नीमिक्त व्यक्तियों, अर्थात् र्यू-- '

(1) श्री शांति स्वरूप,
 6ए/21, डब्स्यू० ई० ए०,
 करौल बाग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै॰ डिस्ट्रिक्ट कर्माणयल लि॰; 27, बराबोरन रोड, कलकत्ता ।

(ग्रन्तरिती)

सा यह स्वना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के</u> वर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुट करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पक्तींकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हों।

अनुसूची

स्पेस नं० 6, दूसरी मंजिल, क्षेत्रफल 592 वर्ग फोट सत्या नेशनल प्लाट्स ए-1, श्रौर ए-2, रणजीत नगर, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

> स्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

तारीख : 12-6-1984

गोहुरु 🗅

शरूप आईं. टी. एन. एस.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुद्धत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० श्राई० ' ए० सी० | एक्यू०/3/37 ईई०/ 10-83/93--श्रक्षः मझे, श्रार० पी० राजेश,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 309 है तथा जो पद्मा टायर II, 22, राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में आस्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत., उथल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; वरि/या
- (क) एमी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतिय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिसित स्यमितयों, अधीत्:—— 21—146 GI/84

(1) श्री भाटिया सहगल कन्स्ट्रक्शन्स कारपोरेशन, 48~ए, जोर बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुदर्गन सूरी. 4-बी/3, गंगा राभ हास्पीटन मार्ग, नर्ष दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उपत, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ष होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सची

पलैट नं० 309, प्रधा टावर-II, 22, राजिन्द्रा प्लेस, मई दिस्ली । 611 वर्ग फुट ।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 12-6-1984

भोहर 🏚

प्ररूप आवर्ष , द्वी . एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त निरिक्षण)

धर्जन रेंज-111, दई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुन 1984

निदेश मं० प्राई० ए० मा०/एकाू०/UI/37 ईई०/10-83/96—-ग्रतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का अध्य है कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु, से अधिक है

शौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 106 है तथा जो पद्भा टावर—][, 22, राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धन्यूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर, 1983

को प्यंक्ति गम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रांतफाल के लिए अन्तरित की गद्दों हैं और मुफ्ते यह विक्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्दृह प्रतिकान से बिधक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफाल. निम्नतिबित्त उच्चेद्य से उचत अन्तरण जिल्लिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या लगसे अचने में सर्विधा के निए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से मुविभा के लिए:

अतः अब, उत्कत्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, विक्तिनिक्त अधिकायों, सर्थातः :---- (1) गै० प्राध्या कार्य्यक्षास्य कार्योक्षम,
 48-ए, जोर बाग,
 नई दिल्लो ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रो कुलबोर सिंह सेठी, श्रोर शरजिन्द्र कौर, जे-2, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सक्तों।

स्पच्छोकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दियर शया है।

अन्त्सी

फ्लैंट नं ० 106, पर्वमा टावर--[1, 22, राजिन्द्रा प्लेस नई दिल्लो । 52) वर्ग फीट ।

> श्रारः पो० राजेण सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

तारीख : 12-6-1984

म्रुंहर 🕝

प्ररूप आइ^र्टी. एस. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-[[], न ई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्पू०/111/37 ईई०/10-83/101-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202 है तथा जो कौशल्या अपार्ट— मेंट्स, 5, कौशल्या पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण अधिनयम,

1908 (1908 का 16) के प्रधान, नारी ख प्रवन्त कर, 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अध्यक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त मंतरण लिखित में नास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयद्ध नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भं, मंं: उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्धात् :--- (1) कौशस्या ऐजुकेशनल ट्रस्ट, मधुबन करनाल।

(यन्तरक)

(2) श्री म्रानिल कुमार गर्ग, डी-300, विवेक विहार, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह मृजना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसिद में किए जा सकींगे।

स्थष्टीकरणः ---इसमी प्रयुक्त ग्राब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषि । ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विका गया है।

अनुस्ची

पत्नैट नं० 202, कीणस्या प्रपार्टमेट्स, 5. कीणस्या पार्क, नई दिल्ली ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी राहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज- , नई दिल्ली

नारीख: 12-6-1984

भोहर:

प्रकपः नार्षः टी. एनः एसः, -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आय् $\frac{1}{2}$ (निरीक्षण) $\frac{1}{2}$ प्रजिन रेंज-III, नई दिल्लं। नई दिल्लं। दिनांक 12 जुन 1984

102—श्रतः मुझे, ग्रार० पो० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुं कि रक्षात्रर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हुं

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो० /एक्यू०/III/37 ईई०/10-83/

स्रोर जिसका मं० फ्लैट न० 114~122 है तथा जो 3, भीकाजी कामा फ्लेस, नई दिल्लो में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में रजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधान, तारोख सक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है द्रि—

- (क) असरण स हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आम या किसी धन या अन्य आरिलयों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, क्षिपान में सचिया के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित स्पिक्तयों, अधीतः :— मैं० श्रंसल प्रोपर्टीज श्रौर इण्डस्ट्रोज प्रा० लि०, 115, ग्रंसल भवन, 16, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ले।

(ग्रन्तरक)

(2) स्टेट बैंक आफ ट्राबनकार, 203, 204, पहली मंजिल, म्युनिसियल मार्किट बिल्डिंग, सरस्वती मार्ग, करौल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सबंध में कांई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्नान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक एण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विगा रसा ही।

मन्सूची

फ्लैंट न० 114 में 122, 3, भीकाओं कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रंज-III, नई दिल्लो

तारोखा : 12-6-1984

भाक्षर :

बार्स मरकार

कार्यालय, सङ्घयक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 जुन 1984

निर्देश स० ग्रम्बाला/48/83-84--ग्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-छ के संधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9542-9543, बार्ड नं० 6 है तथा जो कीतवाली बाजार, प्रम्बाला ग्राहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रमुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधि—नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एमे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर्/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी भन वा अन्य जास्तानी करें, जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्त अधिकारण, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या सिन्या जाना चाहिए जा, कियाने में क्विया के किए;

अकः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- (1) सर्वश्री पदमजीत रोशा पुत्र श्री जोती प्रसाद रोशा, निवासी 82, गंसफिल्ड रोड, ग्रम्बाला छावनी, स्वयं व मुख्त्यारे ग्राम ग्रजीत रोशा पुत्र डा॰ के॰ पी॰ रोशा, निवासी जो-93, राधा स्वामी कालोनी, डेरा वाबा जैमल सिंह (श्रावा व काला) पंजाब, श्रशोक रोशा पुत्र डा॰ के॰ पी॰ रोशा, निवासी 47, कारवे रोड, पूना भिंश रोशा पुत्र श्री जोती प्रसाद निवासी 82, मंसफिल्ड रोड, श्रम्बाला वर्तमान 32 एम, न्यू रोड, कलकत्ता, रिव रोशा पुत्र श्री जे॰ पो॰ रोशा निवासी 13 ए, शनाज, 90 नपीनसीया रोड, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री सुराज नारायण कपूर पुत्र श्री रामचन्द्र, निवासी 614, न्यू माडल टाऊन, कालोनी, अम्बाला णहर, श्याम सुन्दर मेहरा पुत्र श्री पन्ना लाल , निवासी 2, सामने प्रेम नगर, अम्बाला णहर।

(स्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सम्ब किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तासरी से पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया क्वा है।

- जन्त्रची

सम्पत्ति दुकान न० 9542-9543 वार्ड नं० 6, कोतवाली बाजार, ध्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्याजय, ग्रम्बाला में, रिजस्ट्री सं० 4369, दिनांक 3 ग्रक्तूबर, 1983 पर दिया हुग्रा हैं

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीय : 6-6-1984

्मोहरुः∄

प्रकल आहे. टी. एन्. एस. --

शायकार सांधिनियण, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकार आयुक्त (निर्देशका) ग्रजीन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 जून 1984

निदेण सं० वल्लभगढ़/121/83-84----म्रतः मुझे, म्रार० के० भयाना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० प्लाट नं० 8, ब्लाक नं० बी-1, सेक्टर 11, (क्षेत्र 1132-7 वर्ग गज) है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के नीच ऐसे नन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिषत उद्देशों से उक्त अन्तरण निनित्त के वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविभा के सिए; जीऱ/या
- (क) एंग्री किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिम्ह भारतीय बाय-कार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, क्रिपाने में सुविभा के जिए;

बतः। जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्हरण जो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभादा (1) कुंशभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सुर्भात् ४---- (1) सर्वश्री जय प्रकाश गुप्ता, सत्य स्वरूप गुप्ता, पुन्नान श्री हरकिशन गुप्ता, निवासी 40, स्ट्रांड रोड, कमरा नं० 30, प्रथम मंजिस, कलकता~1 ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री जय प्रकाश राजिन्द्र प्रसाद पुत्रान श्री अनन्त राम , निवासी सुखपुरा, रिवाडी, श्रीमती साविती देवी पत्नी श्री आर० के० विरमानी, एल० आर० विरमानी पुत्र श्री विशन दास, विरमानी, निवासी 289, माडल टाऊन,

(अन्तरहा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त झाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्दर किसी मृन्य स्थावर द्वारा जभाहस्ताकरी के पाद दिवस में किए या सकीं ।

स्वकाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पूर्वों का, जो उनके किएनियम के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, बहुी कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति प्लाट नं० 8, ब्लाक बी-1, सेक्टर 11, फरीदाबाद (क्षेंक्षफल 1132~7 वर्ग गज) में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री सं० 8081 दिनांक 12 अक्तूबर, 1983 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रो**इ**तक

तारीख : 6-6-·1984

माहर:

प्रकप आइ. टी. एन. एस.-----

भागकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

भारत करकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (दिरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश मं० बल्लभगढ़/124/83-84--अतः मुझें, आर०के० भयाना

कानकर निर्मानवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त निर्मिनयम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का कारण है कि स्थानर संपति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं० भूमि 2583 वर्ग गण है तथा जो अनंगपुर, तहसील बल्लभगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौरपूर्ण रूप में वर्णित है),रजिस्ट्राकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख अननुवर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा पदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उधन अन्तरण बिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के सिए; नार्/मा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा की विष्:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुहरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के स्पधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर प्रक्र (1) मैं ० देहली फाइनेंगर्स (प्रा०) सि०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली द्वारा: श्रीआर० एस० खुराना पुत श्रीचया जीत्र सिंह, निवासी 11, मथुरा रोड, फरीदाबाद ।

(अन्तरक)

- (2) 1. सरदार जोगिन्द्र सिंह वर्ल्द स० हिम्मत सिंह,
 - 2. सरदार अलबीर सिंह वर्ल्द सरदार जोगिन्दर सिंह, निवासी सी-28, नेहरू ग्राउण्ड, न्यूटाऊन शिप, फरीदाबाद ।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

बनत सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपर्तित में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकत्ये।

स्वव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगुत्की

सम्पत्ति भूमि 2583 वर्ग गज अनंगपुर, त० वल्त्रमगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बस्लभगढ़ में रजिस्ट्री मं० 8283 दिनांक 19 अक्यूबर, 1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना ाक्षम प्राधिकारो महायक अध्यक्ष आयुक्ष (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

तारी**ख** : 11-6-1984

मोहर:

्र प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

अरत सरकार

कार्यालय, गहायय आयतर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहत्व

रोहतक दिनांक 12 जून 1984 निर्देश सं० बल्नभगढ़,125,83-84--अतः मुझे आर० के०

भयाना

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसे की सं० मकान नं० इ ए 6 क्षेत्रफल 311 वर्ग गज है तथा जो न्यु टाऊनिशप फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ओर पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय वल्लभगढ़ में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अर्थात नारीव अन्त्वर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त कि बिधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों की, किसी आप काय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए:

(1) सरदार फर्कार सिंह पुल सरदार देवा सिंह निवासी 5ए 6 नेयु टाऊन णिप फरोदाबाद हाल 4210 कुचा उस्ताद नाग, वादनी चौक, दिल्ली।

(अव्रतम्बः)

(2) अभितं करूणा रानं। गोयस पर्ता श्री धर्मपाल गोयल प्रोपराइटर: मै० राज आयरन फाउण्ड्री 26/1 मुलतान गंज आगरा (यू० पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति सकान नं० 5-ए-6 रक्षवा 311 वर्ग गज टाऊनिणप फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिय विवरण रजिस्ट्रीशर्ता के शार्यातप वस्त्रभगढ़ में रजिस्ट्री सं० 8369 विनांग 20 अक्तुवर 1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अत्युक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 12-6-1984

मोहर:

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, राह्तिक

राहितक, दिनांक 11 जून 1984

िन्दिंश सं. बल्लभगढ़। । 126 । 83-84——अतः म्फो, आर. के. भयाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा

क्षत परचात् उत्तत आयानयम कहा गया हृ ।, का यार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उपित बाजार मुल्य 25.000/- रु. मे अधिक है

25.000/- रु. में अधिक हैं
और जिसकी सं. नेशन हट नं. 4 नेबर हुड नं. 5 क्षेत्र 362 वर्ग गज हैं तथा जो न्यू टाऊन फरीदाबाद में स्थित हैं, और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी अध्यान अक्तूबर 1983 को पूर्वेक्स संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्ण) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्ट क्य रे उक्द अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इया अन्तरित्य था। किया गया धा या किया जाना नाहिल्ला था। किया जाना नाहिल्ला था।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---22 ---146GI|84 (1) श्री मन्ति लाल खन्ना प्र श्री तुलसी दास सन्ना निवासी 2 बी, बिजनी रांड कनकत्ता-14।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री पृथ्वी राज खन्ना प्ष श्री गोवर्धन् दास खन्ना पुत्र श्री लखराम्
- श्रीमित उर्मिला खन्ना धर्मपस्ती श्री पृथ्वी राज खन्ना पृत्र श्री गोवर्धन दास निवासी 193 करनपूर दोहराद्रून (यू. पी.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धी और पर्वीका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्सूची

सम्पत्ति नेशनहृट नं. 4 नेबर हुड नं. 5 क्षेत्र 362 वर्ग गज न्यू टाउउनिशाप फरीवायाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीं सं. 8472 दिनांक 24 अक्तुबर 1983 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्कम प्राधिकारी सट्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज रोहरूक

ता**रील:** 11-6-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० बल्लभगढ़/130/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना

मायकार मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शाप प्लाट नं० 124 की टाईप है तथा जो नेत्रक पार्क टाऊनशिप फरीबाबद में स्थित है (और इससे उपाध्व अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्राकर्ती अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ताराख असूक्वर 1983 को पूर्वोंक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान शितकल के लिए बन्तरित की गई है बौर मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिवक कप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिस्तित्व मा कमी करने या उससे बचने मा सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिनह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तेरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तिक व्यक्तिरों, अर्थात् रे—— श्री राजेन्द्र कुमार पृत्र
श्री विश्वान वन्द्र पुत
 श्री गंगा राम
निवासी सी~5 नेहरू ग्राउण्ड
न्यू टाउन फरीबाबाद ।

(अन्तरका)

(2) श्री धर्मवीर मर्मा पुत श्री मंत्रर लाल गर्मा पुत श्री गोबिन्द राम नियासी 3-ए-28 न्यु टाऊन मिप फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यां कत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्चि

सम्पत्ति शाप पताद न० 124 वी टाइप नेहरूपार्क टाऊन-शिप फरंखाबाद में स्थित है िनक्षा अधिक विवरण पिकस्ट्रें-शर्ता के व्यायीकि वक्षाभगढ़ में पिक्स्ट्री सं० 8530 दिनींग 25 अन्युवर 1983 पर दिया है।

> अार० के० भयाना यक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

मारीख: 11-6-1984

मोहर:

श्रक्य वा**इं.टी.एन्.एस**.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नुधीन सुभूना

मारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 6 जून 1984

निदेश सं० बल्लमगढ़। 134, 83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जसकी सं० भूमि 18 कनाल 19 मरले (ग्यारह हजार तीन सौ तेरह वर्ग गज) है तथा जो मेबला महाराजपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विज्ञ है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1983

को प्रांक्त संपरित के जीवत बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्वने में सृविधा के लिए; बीट्र/मा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यवित्यों, अर्थारः ∵— (1) मैं० सर० साहब जी महाराज मिल्स लि० दशाल बाग आगरा बजरिए: श्री आर० एस० मेहता सेकेटरी पुत श्री राम स्वरूप मेहमा निवासी दयाल बाग आगरा।

(बन्सरक)

(2) मैं० जोतिन्द्रा स्टील एण्ड ट्यूब्स लि० 14/3 मथुरा रोड मेवला महाराज पुर फरीदाबास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां झ्रूक करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गयर है।

मन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 18 कनाल 14 मरले (11313 वर्ग गज) मेवला महाराजपुर, त० बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लभगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्री सं० 8598 दिनांक 27 अक्तूबर, 1983 पर दिया हुआ है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, रोहतक

तारीख: 6-6-1984

मोहर 🕽

प्ररूप आर्ष: टी. प्रमु: एस<u>:</u>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहराक, दिनांक 6 जून 1984

निदेश सं० बह्लभगढ़/139/83-84-अतः मुझें, आर० के० भयाना

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्त. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 7 कनाल 9 मरले है तथा जो ईसमाइलपुर, तहसील बल्लभगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्ति को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी लाय या किसी भन या बन्य जान्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अभकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मीं, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिनरथों, अधीन र—

(1) मैं० कला महल प्रा० लि०, ई-445, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली बजरिए:
श्री गोविन्द राम सिहल सुव श्री भाग मल , नि० ई-445, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं ० पंचशील को० आपरेटिव हाऊसिंग बिल्डिंग सोसाइटी लि०, 17/3, मथुरा रोड, फरीदाबाद बजरिए: श्री चन्द्र पालपुत श्री प्यारे लाल निवासी 2245/16, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रं कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पस्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त क्याबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

सम्पत्ति भूमि 7 कनाल 9 मरले, ईसमाईलपुर, तहसील बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री सं० 8721, दिनांक 31 अक्तूबर, 1983 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख** : 6-6-1984

मोहर :

अरूप् **बाइ^{*}्, टी., ए**न**्, एब्**.-----

आयकर गीर्भानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहाय्क अायकर नायुक्त (निर्धिक्ष)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 6 जून 1984 निदेश सं० गुडगांव/87/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रसिक्त परिचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० भूमि 20 कनाल है तथा जो गांव झाजसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है),रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय,गुडगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख अक्तूबर, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अग्दरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्दरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्याया ग्या प्रतिकात, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाय, की बायत उक्त अभिनियम के अधील कर दोने के बन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया जा भा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रतन सिंह पुत्र श्री तोही राम निवासी गांव झाडसा, तहसील गुडगांव।

(अन्तरक)

(2 मै० बार मास्ट इण्डिया प्रा० लि०, गांव झाडसी त० गुडगांव, बजरिए:श्री पूरन चन्द वस्द सेठ डाल चन्द. निवासी 78 आर, न्यू कालोनी, गुडगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वास अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 20 कनाल गांव झाउसा, तहसील गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजम्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में रिजस्ट्री सं० 3283 दिनांक 28 अक्तूबर, 1983 पर दिया है।

हैं। आर**ं** के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, रोहतक

तारीख: 6-6-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **बायकर बायक्त** (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, बिनांक 11 जून 1984 निदेश सं० गुडगांव/184/83-84---अतः मुझे, आर० के० भयाना

कायकर अधिनियम, 1961 रं1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 13 कनाल 9 मरले है तथा जो सिवाना सलोखरा, तहसील गुड़गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप् वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरक कं दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गर्याश्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री श्रेष्यर चन्द्र शर्मा पुत्र पण्डित राम निरंजन प्रसाद पुत्र श्री भोला राम, निवासी न्यू रेलवे रोड द्वारा: श्री अनिज चन्द्र शर्मा पुत्र श्री बी० डी० शर्मा, निवासी गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मैं० रूरत हार्आसंग एण्ड वंत्रकेयर सोसाइटी, चन्द्र नगर द्वारा : श्री सुषील कुमार, मेम्बर सोसाइटी

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस स्वना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मभूस्ची

सम्पत्ति भूमि 13 कनाल 9 मरले सिवाना सलोखरा, तहसील गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री सं० 3145 विनांक 19 अक्तूबर 1983 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज, रोहतक

तारीख : 11--6--1984

मोहर 🛭

प्रकल बाइं. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक भायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, रोहसक रोहतक,दिनांक 11जन 1983

निदेश सं० रोहतक/93/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मूल्य 25,000/--रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी 4-1/22 ए (पी) है सथा जो निकट दुर्गा भवन, मन्दिर, रोहतक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्स संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अन्हरण बो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन ५—- (1) श्री वीर भान पुत्र श्री सुन्दर लाल पुत्र श्री लाला राम, निवासी मुकान नं० 759, बार्ड नं० 12, रोहतक।

(अन्तर्क)

(2) सर्वश्री गहादुर चन्द सीताराम सुत्रान श्री गुरदित्ता मल, नियासी मकान नं० 213, वार्ड नम्बर 6, प्रताप मोहस्ला, रोहतक।

(श्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति मकान नं० वी 4-1/22 ए० पी० निकट दुर्गा भवन मन्दिर, रोहतक में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री नं० 3592 दिनांक 6 श्रमतुगर, 1983 पर दिया है ।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्थन रेंज, रोहनक

तासेख: 11-6-1984

माहर 🖫

त्ररूप नार्षे, दौ. एन्. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के वभीन् सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 12 जून ० 984 निदेश सं० रोहनक/61/83-84--ग्रत: मुझे, ग्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 2,5,000 / - रह. से अभिक हैं।

ग्रौर जिसकी संवक्षार्टर नंव 91 का दक्षिणी हिस्सा क्षेव 500/ वर्ग गज है तथा जो माडल टाऊन, रोहतक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रन्यूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियस, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूख्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं **किया गया ह**ै:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सविधा के निए; बरि/वा
- (इस) एोसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अगस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या डक्त अर्धिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1**957 का 27**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया समाधा था किया जाना चाहिए था क्रियाने में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती कौशस्या देवी पत्नी श्री नन्द किशोर. श्रीराज कुमार, रोहतक ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री उदय वीर मिंह पुत्र चौ० पहलाद सिंह, नियासी गांव/ड० बवेजा, तह०/जिला हिसार ।
 - 2. श्री रणबीर सिंह पुत्र चौ० हरी सिंह, ृ गांव/धिमामा, तह० /जिला हिसार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर मंपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

जक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🛦 ---

- (क) **इस स्प**ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पर्वाकत **स्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से **45 दिन के भीतर उ**वत स्थानर सम्बन्धि में डिटाइक्स किसी अन्य स्थापित द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

सम्पत्ति क्वार्टर नं० 91 का दक्षिणी हिस्सा क्षे० 500 वर्ग गज माडल टाऊन, रोहतक में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्द्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रजिस्दी संव 3628 दिनांक 10 श्रम्तूबर, 1983 पर दिया है।

> स्रार० के० भंपाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज रोहतकः

तारीख: 12-6-1984

मोहर :

प्ररूप आई... टी. एन.. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 12जून 1984

भयाना

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 302.50 वर्ग गज है तथा जो मण्डी रोड, कनीना सें में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, महेन्द्रगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर, 1983

को पृत्नोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वों न मन्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिकत्र है, ऐसे दृश्यमान प्रतिकस का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निचित सहेश्य से उच्त अन्तरण निधित में आस्तरिक स्थाने कथित नहीं किया क्या है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयु की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री चांद सिंह पुत्र श्री सूण्डा राम, निवासी कनीना खास, तह०/जिला महेन्द्रगढ़।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती मोबाई पत्नी श्री रणजीत सिंह, निवासी कनीना खास, जिला महेन्द्र गह ।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभि, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपुतुची

सम्पत्ति प्लाट 302.50 वर्ग गज मण्डी रोड, कनीना में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, महेन्द्रगढ़ में रजिस्ट्री सं० 914 दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1983 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 12-6-1984

मोहर 🗈

इस्य बाह् . टो. एट एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० महेन्द्रगढ़/2/83-84--- अतः मुझे, श्रार० के भयाना

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करों का अधिक है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 453.75 वर्ग गज है तथा जो मण्डी रोड, कनीना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुश्रूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्य लग्न महेन्द्रगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 । (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूचर, 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के जिए तय गया गया प्रात्र फल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उदत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री चांदा सिंह पुत्र श्री सूण्डा राम, निवासी कनीना खाल।

(अन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री रामचन्द्र, गांव/डा० कनीता खास, जिला महेन्द्रगढ़।

(ग्रन्तरिती)

का यह भूजना जारी करके प्रोंक्त गंगीन्त के अर्थन के तिस नार्थियोग्नियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तस्वन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर रूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिवृद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यी

सम्पत्ति प्लाट 453 75 वर्ष गज मण्डी रोड, कनीना में स्थित है जिसका अधिक बिवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, महेन्द्रगढ़ में रजिस्ट्री सं० 912 दिनांक 28 अक्तूबर, 1983 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 12-6-1934

मोहर:

त्ररूप बाइं. टी. एन. ६स. =----

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० हिसार/91/83-84---प्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पन्दात् 'उन्दा की धारा कि नियम के अधीन स्थान प्राधिकाणी को, यह विश्वास करने का कार्य ही कि स्थाप संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक ही

श्रीरिजिसकी सं० प्लाट नं० 1210 पर बना हुआ मकान है तथा जो अर्बन इस्टेट, नं० 2, हिसार में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से अप के दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अन्तरित से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरित) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किस्टिलिट उन्हें कर से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त किस्टिलिट उन्हें कर से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त किस्टिलिट उन्हें कर से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त किस्टिलिट उन्हें कर से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त कर से उत्तरित हों। किया गया है ——

(क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती कृष्णा पत्नी श्री बूटा, निवासी 1318-डी, ग्रर्बन इस्टेट-2, हिसार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दीपक भल्ला पत्नी श्री महेन्द्र मोहन भल्ला, मकान नं० 1210, ग्रबंन इस्टेट-2, हिसार।

(ग्रनरिती)

अहं यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ व्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्जीय पाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थितकों में से किनी पावित द्वारा;
- कि इस क्षत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाहरू के किए जा शकेंगे।

ह्यस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 1210 पर बना हुस्रा मकान, ग्रर्बन इस्टेट नं० 2, हिसार में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्री सं० 3074 दिनांक 20 ग्रक्तूवर, 1983 पर दिया है।

> म्रांर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) , ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 12-6-1984

मोहरः

प्रस्त बाह्य, टी., एव., एड.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुन्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 जून, 1984

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 153 सी क्षे० 485 वर्ग गज है तथा जो सेक्टर नं० 11, डी० एल० एफ० भाँडल टाऊन, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, वल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख भक्तूगर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत स्रो अधिक ही और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कत निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक क्ष से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अभ्यारण से हुए किसी बाद की बादक अथल, जिथितियम के अभीत कर दोने के जल्तरक के दायित्व में अपनी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; आर्/या
- (व) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्दरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के जिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती शांता क्षिपाठी पत्नी श्री पी० एन० विपाठी , निवासी 21, बहुखण्डी भवन, विद्या भवन, लखनऊ , हाल द्वारा: एस० पी० रेलवेज, गोरखपुर (यू० पी०) ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमंती सुमन साहनी पत्नी श्री घ्रशोक साहनी, निवासी 9/27, कालका जीएक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारौ करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन् के सिए कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी क्यांक्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआए;
- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तार्टीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मरित में हितनकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तींकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं धर्य होगा जो उम ध्रष्टयाय में दिया दवा हैं ।

मनसर्ची

सम्पत्ति प्लाट नं० 153, ब्लाक सी, क्षे० 485 वर्ग गज, सेक्टर नं० 11; डी० एल० एफ० माडल टाऊन, फरीदाबाद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री सं० 8667 टिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1983 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

ता**रीख : 12-6-1**984

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन् . प्रस .,----

भायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निवेश सं० म्राई०-1/37 ईई०/1190/83-84---म्रतः मुझे, बी० जी० भ्रग्रवाल

स्रायंकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्रौरिजिसकी सं० फ्लैट नं० 601, छठवीं मंजिल, "श्री राम कृष्ण सदन, प्लाट नं० 63, स्किम नं० 52 ग्राफ वरली हिल, पोचखान वाला रोड के बाजू में वरली, बम्बई—18 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जो भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पेचूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया एवा है :——

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आयकी वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा हो सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निषित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० श्री लक्ष्मी कन्स्द्रवशन्स कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीवी० एन० खन्ना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्णन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूर्ची

फ्लैंट नं० 601, छठवीं मंजिल, 'श्री रामकृष्ण सदन', प्लाट नं० 63, स्किम मं० 52 श्राफ वरली हिल, पोचखान वाला रोड, के बाजू में वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसािक कम सं० ग्राई०-1/37ईई०/1263/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 ग्रक्तूबर, 1983 को रिजस्ट्री किया गया है ।

बी० जी० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-6-1984

मोहर 🛭

प्रस्प बार्ड .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०-1/37 ईई०/1241/83-84—स्रतः मुझे, ए० लिहरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 3 बी ग्रउण्ड फ्लोर है तथा जो विजय चेम्बर्स विभुवन रोड, ड्रिमलैण्ड सिनेमा के सामने, यम्बई-400004 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), ग्रौर जो श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 ग्रक्तुगर, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिश्व से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसं अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्त्विक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण के हुई किसी बाय की बाबत, उथल कीधीनयम के बबीन कर दोन के अन्तरक के साम्बदल में कमी करने या उससे नचने में सूबिक। के सिए; बॉर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा मुकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० साईनाथ ट्रेडिंग कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० सुनिल एजेंसीज।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(4) बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर
 सूबना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थानर सपित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क के परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

बन्स्ची

शाप नं० 3, वी प्राउन्ड फ्लोर, विजय चेंबर्स, ति भुवन रोड, ड्रिमलैण्ड सिनेमा के सत्प्रने, वस्प्रई-400004 में स्थि है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० प्राई०-1/37 ईई०/993/ 83-84-- प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिनांक 14 अक्तूबर 1983 को रिजस्टिंड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

तारीख: 5-6-1984

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1984

ं निदेश स० श्राई० 1/37 ईई०/1062/83-84--श्रपः मुझे, बी० जी० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी संज श्राफिस नंज 1006, तथा जो दालामल टावर्स, प्लाट नंज 211, ब्लाक 111, बको रेक्लेमेणन नरीमन पाईट, वम्बई-21 में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रृतुन्ते में श्रौर रूप से विणित है), श्रौर जो आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क ख के अशोन वम्बई स्थित सअम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों 3 अक्तूबर, 1983

को पृवांकत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांकत संपत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्ति में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-रिन्धा की क्षीन अह होने की अन्तरण की बादित में क्षी करने हा अलने एकले में स्विका के जिल और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय अध्यान्कर अधिनियम, 19?2 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, उर्धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (१) के अभीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रो प्रशोक एल० दर्यनानी

(ग्रन्तरक)

(2) मै० हगे भेयर ट्रेडिंग कस्पनी प्राइवेट लिमिटेड,

(म्रन्तरिती)

(3) श्रें डी० पी० दादलानो ।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत यिक्तयों में में किसी करीकत द्वारः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति से हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िरिचित् में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राफिस नं० 1006, दालामल टावर्स, प्लाट नं० 211, ब्लाक न० 111, बकत्रे रेक्लेमेशन नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-1/37 ईई०/1050/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, वस्वई द्वारा दिनांक 3 ग्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है:

बी० जी० म्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 12-€-1984

मोहर 🗓

प्ररूप आई. दी. एन. एस. .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-ष (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०-1/37 ईई०/1090/83-84—ग्रतः मुझे, बी० जी० श्रग्रवाल,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उस्ते अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक हैं

धौर जिसकी म० पलैट ० 55 है तथा जो पांचवीं मंजिल, है 'बेसू ब्यू', 85, भूला भाई देसाई रोड, बम्बई—36 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुस्चो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जो श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 को धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रो तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

का पृथिक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रितिफान के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फा निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; और्/बा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण गों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् ३(1) श्रीमती परभेशवरी बाई सुगनोमल राजपाल।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती शाला दासवानी।
 - 2. कुमारी लक्ष्मी दासवानी ग्रीर
 - 3. श्री सुनिल दासवानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएं जा सकरेंग।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा मुबा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 55, पोचवीं मंजिल, 'बेसू व्यू', 85 भूलाभाई देसाई रोज, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/1079/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तुबर, 1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

बी० जी० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-6-1984

मोहरु 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० धार्ड०-3/37 ईई०/3578/83-84--धतः मझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सी 401, शांति नगर, चौथी मंजिल, दत्त मंदिर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान मितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 24—146 GI/84

(1) श्रीमती पृष्पा एव० नायक ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीरमेश एल० दयामा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सी/401, शांति नगर, चौथो मंजिल, दत्त मंदिर रोड, मालाड (पूर्व), ब्रम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कम सं० आई०-3/37 ईई०/1409/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बर्ड द्वारा दिनांक उन्नक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बस्वर्ध

तारीख 12-6-1984

ं **प्रकृप साह^र, टी. एम. एस्**स्तान क्रांच न क्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमृता

भारत सरकार

--- बालिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई, 1984

निदेश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/3317/83-84---- श्रतः मझे, ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25.000/- क. से अधिक है

धौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल यूनिट इन गुरू नानक उद्योग भवन इण्डस्ट्रीयल प्रीमिसेस, पहली मंजिल, एल० बी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झार पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख उग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के देश्यमान प्रितिक के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके प्रश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में त्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कती, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मै० के० ग्रार० इजीनियरिंग।
- (भ्रन्तरक)
- (2) मै० श्रोजी० पैकेजिंग इण्डस्ट्रीज ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मै० श्रीजी० पैकेजिंग इण्डस्ट्रीज ।(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिनींग सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्वाराः
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित को किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रवॉ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में प्रिभाषित है, बही अर्थ हींगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

हण्डस्ट्रोयल यूनिट इन गुरु नातक उद्योग भवन हण्डस्ट्रोयल प्रिमिसेस, पहली मंजिल, एन० बो० एस० मार्ग, भांडूप बम्बई~78 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/1364/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी, सहा**ग**क आयकर <mark>आयुक्त (निरीक्षण</mark>), श्रर्जन रेंज–3, बम्बई

तारीख: 28-5-1984

(1) मै० सेठ इन्टरप्राइजेस। प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

(भन्तरक)

काब्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी ई० थामस ।

(मन्तरिती)

धारत सर्वाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश स० आई० 3/37 ईई०/3335/83-84-- मतः मुसे ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पथचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 🖛 रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 229 है तथा जो 'मालिनी' बिल्डिंग दूसरी मंजिल, एलं बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 268 कख के मधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 प्रक्तूबर, 1983 को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूच्य, उत्तके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी कर्ने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या थन-कर स्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना भाहिए था, कियाने में सुनिधा ने सिए:

वतः वव, उचत विधिनयमं की भारा 269-गंके ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् ६--

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के क्वीन के सिक् कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, अरे भीतर पूर्वों बत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त बिधीनमम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

भनुसूची

फ्लैट नं० 229, 'शालिनी' बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, एल० बी० एस०, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है। म्रानुसूची जैसा कि ऋम सं० म्राई० 37 ईई०/1379/83--84 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ध्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 4-6-1984

मोहर 🛭

प्रकर् वाद् .टी .एव . एव . ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत बुरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० श्राई०3/37 ईई०/3348/83-84-श्रतः मुझे, ए० लक्षिरी

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है')., की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तका अवित् वाचार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 3. पांचवीं विग, बिल्डिंग नं० 4, 'दामोदर पार्क', एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पिश्चम), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधि—नियम, 1961 की भारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, में रिजस्ट्री तारीख 3 ग्रक्तूबर, 1983 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरच तं हुई किसी बाय की बाबत उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, अधीत क्ल (1) मै॰ पारुल इन्टरप्राइजेस ।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती सविता बेन नानिदास मेहता श्रीर श्री नाबिदास वी० मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरें।

स्वव्यक्षिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ मुरेगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

बतस ची

फ्लैट नं० 3, पांचवीं मींजल, 'सी' विग, विल्डिंग नं० 4, 'दामोदर पार्क', एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई–400086 में स्थित हैं।

श्रनुमूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-3/37 ईई०/1374/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी स**क्षम प्राधिका**री स**हायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 4-6-1984

मोहर ः

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मू (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1984

निर्देश सं आई० -3/37 ईई/3320/83-84--यत: मुझें, ए० लहिए।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैटनं० बी-26, चांथी मंजिल, हित निकेतन को० श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, कोण नगर, भांडूप (प), बम्बई-78 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधि-नियम 2961 की धारा 169 क ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रो है तारोख 3 ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उस्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे भावने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिसित व्यक्तिवों, अधीत् ह— (1) श्रीमती नोरा बी० अग्रवाल।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीसम्पत्तराज पी० सुराना ।

(प्रन्तरिती)

(3.) अन्तरिती

(बह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके श्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप रे-

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्तुची

पर्लंट न० बी-26, चौथी मंजिल, हित निकेतन को० भ्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी, कोंकण नगर, भांडूप (पश्चिम), बम्बई--78 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/1366/ 83-84-- श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ग्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 28-3-1984

मोष्टर:

प्ररूप बार्द .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1984

निदेश स० ग्राई-3/37 ईई० /3326/83-84---- ग्रतः मेस्रो, ए० लहिंगी

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० इण्डस्ट्रीयल रोड नं० 17-(3), ग्राउण्ड फ्लोर शिष शिक्त इण्डस्ट्रीयल इस्टेर्ट, एल० बी०,एस० मार्ग, धाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारो बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) को कथीक निम्निनिक्ति व्यक्तियों अर्थात्ः— (1) श्रीरघुनाम राय।

(श्रन्तरक)

(2) मै॰ मैथूलाजिलक सर्विस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षाद्वी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

मन्स्ची

इण्डस्ट्रीयल शेंड न० 19-ए (3), ग्राउण्ड फ्लोर, शिव शक्ति इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/1368/ 83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रन्सूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख : 28-5-1984

मोहर ॥

प्रस्प वाइं.सी.एन्.एस.,------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सङ्घायक जायकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-III, बस्अई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० श्राई०-3/37 ईई०/3328/83-84----ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर आसम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल शेंड नं० 17-ए (II), ग्राउण्ड फ्लोर, शिंव शिंकत इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, प्लाट न० 199, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पिचम), बस्वई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्प से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अस्य आस्तियाँ की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्ता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिदाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भीं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीरष्नाथ राय।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मेटा टेस्ट लेबोरेटरी प्राइवेट निमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूजा कर सम्हित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास सिक्ति में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स ऑंध-निक्स के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनस्ची

इण्डस्ट्रीयल योज नं० 17 ए-(III), याउण्ड फ्लोर, शिव शक्ति इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई० 3/37 ईई०/1368/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-III, बस्बई

तारोख : 28-5-1984

वस्य काई हो हो वया प्रकार

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-III, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/3313/83-84---- प्रतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परकात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 23, दूसरी मंजिल, हिस्सा नं० 17, सर्वे नं० 364, कोले कल्याण, वाकोला क्रिज, बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रमयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाम की सावत, उच्छ जिमितियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में अधिका के सिए: वहिं/बा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि मा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

(1) मैसर्त व द्वाशा कस्स्ट्रक्शस्य ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० मॅकनेस श्रौर कुमारी जेनी मॅकनेस।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना बारी करके पृश्तित सम्मित् के वर्षन के सिष् कार्यनाहियां करता हूं।

चनत् सुम्पत्ति को वर्षन् को सम्बन्ध् में कोई भी काक्षेप 🚈

- (क) इस स्थान के राजभन्न में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रम्बाकिरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, वा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

नन्स्ची

फ्लैट न० 23, दूसरी मंजिल, हिस्सा नं० 17, सर्वे नं० 364, कोले कल्याण, वाकोला ग्रिज, सांताऋ्क (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1363/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> गृ० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–III, बम्बई

तारीख: 28-5-1984

प्रक्रम भार्षः ही पुन ु एस 🧽

कायुक्षु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

भारत मरकार

कायिकय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनांक 11 जून 1984

निदेश मं० आई०3/37 ईई०/3588/83-84--अतः मुझे. ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० ए-226, दूसरी मंजिल, प्लाट्ट नं० 5 और 6-ए, सर्वे नं० 20, एच० नं० 7 (पी), मर्वे नं० 7(पी), 8 विलेज दीनदोशी गीरेगांव, बोरीवली तालुक स्थित है (और इसमे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिक को लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल को अन्तर प्रतिकल को अनुस्क है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कि निम्निसिखत उद्वर्ष से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अनरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भोएम० जाक्वभेहता ।

(अस्तरक)

(2) मै॰ एल्बं।न फार्मास्युटिकल्म।

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पदः सूचना की तामील से 30 विन की ब्रव्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तित् व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास निस्ति में किये जा सकींगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और एवों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० ए-226, दूसरी मंजिल, प्लाटनं० 5 और 6-ए, सर्वे नं० 20. एच० नं० ७ (पी), सर्वे नं० ७ (पी), 8 बिलेज दीनदोशी, गोरेगांव, तालुका बोरीवली मेंस्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1417/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 2 अक्तूबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3; यम्बई

तारीख : 13-6-1984

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.-----

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/3513/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 330, 'शालिनी' बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, एवं० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), वस्बई--86 में स्थित हैं (और इससे उपाबंद अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयवर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबंर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण ने हुई किसी शय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तम बचने में सुविधा ने लिए; ब्रॉर/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) म० गेठ इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीजार्न अश्राहम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती. हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त ज्ञब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ। क

बन्स्ची

पलैट नं० 330, 'शालिनी'' बिस्डिंग उसरी मंजिल, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1397/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनाक 3 अक्तूबर, 1983 को रिजिस्टई रियागिया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक अन्यक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्तन रेंत∽3, अस्बई

विनांक : 4-6-1984

प्ररूप नाइंं. टी. एन त एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जनः रेज-3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांनः 12 जून 1984

निदेण सं० आई०-3/37 **ई**ई /3669/83-84---अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसको संव फ्लैंट नव 206. दू तरी मंजिल, निलंजना कोव आपरेटिय हाऊसिंग सीसाइटी लिमिटेड, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), वम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ऑर पूर्ण चय से विणित हैं), और जिसका दौरारनामा आयवार अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अर्धान, सक्षम प्राधिकारों, वम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्रा हैं तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्रीटी० माधवन राजन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोभा अयवन्द ठाकुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विद्या गया है।

भनसमी

पलैंट नं० 206, दूसरी मंजिल, निलंजन को० आपरेटिय हार्जिसंग सोसाइटी लिमिटेड, मार्थे रोड, मालाङ (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1401/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तुबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

भारी**ख** : 12-6-1984

अरूप वार्षं,टी.एन..एस.,-------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई

वम्बई,दिनांक 11जून 1984

निक्षेत्रा **स**० आई०→3/37 ईई०/3476/83**--**84---अतः म्स्रे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंसि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 3, फिरदोश अपार्टमेंट, 822 न्यू हाल रोड, कुर्ला, बम्बई -70 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूचों में और पूर्ण कर ने विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिशारी, वम्बई के कायलिय में रिजस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्स्रण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (।) अब वधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः .-- (1) मन्द्री अन्स्ट्रवशन्स कम्पणी ।

(अन्तर्वः)

(2) श्रांएस० ए० माँजिंद शेखा अब्दुल करीम। (अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह भ्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथींकर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बहरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

णाप नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, फिरदोश अपार्टमेंट, 822, न्यृहाल रोड, कुर्ला, बम्बई--70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1309/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3 अक्तूबर, 1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सं<mark>क्षम प्राधिकारी</mark> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीय : 11-6-1984

प्रकल भार', टी. एन. एक.-----

भागकर निर्भानियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/3592/83-84--अनः

मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शॉप नं० 10, ग्राउंड फलोशर, बिल्डिंग नं० ए...4, ''हायवे व्ह्यू'' स्कीम, मालाष्ठ (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 3 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में बास्तिवक रूप से कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में बास्तिवक रूप से कि भित्त नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

लनः अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भो, में उत्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्ट (1) मै० अग्रवाल कन्स्ट्रकशन कं०।

(अन्सरकः)

(2) श्री मोहम्मद हुसेन कुर्बान हुसानी सादीवाला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के सूर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पारत को गर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क).इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औ पास लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया हैं।

वम्सूची

गाप नं० 10, ग्राउण्ड फ्लोर बिस्डिंग नं० 4, ''हायवे व्हयू'' स्कीम, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1413/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्टूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी गन्नम न्राधिकारी सहायकाः आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, बम्बई

सारी**ज** : 11⊸6—1984

मोहर 🌡

प्ररूप **नाई<u>.</u> टी. एन. एस.---**--

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालंय, सहायक आयकरं आयक्त (निरीक्षणं) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विताल 28 मई 1984

निदेश मं० आई०--3/37 /3324/83-84---अत: मुझे,

ए० लहिंगी

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

अार जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल शेड नं० 17 ए (1), ग्राउण्ड फ्लोर, शिव शिक्त इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, आगरा रोड, घाटक पर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है तारीख 3 अक्सूबर, 1983

को पूर्णोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की कावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीरघुनाथ राम।

(अन्तरक)

(2) श्रीएस० पी० पारीख, एच० यू०एफ०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में कियो जा सकारी।

स्पच्दोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

द्ण्डस्ट्रीयल शेंड नं० 17-ए (1), प्राउण्ड फ्लोर, शिव शक्ति इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, आगरा रोड, घाटकोपर (प) बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई/1367/ 83~84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

तारीख : 28-5-1984

मोहर 🖫

परूप आई .टी.एन.एस. -----

भायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्धीन सुवना

धारत बर्कार

कार्यास्त्र , सङ्घायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, अम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1984

निर्देश सं० श्राई०-3/37 ईई०/3331/83-84--मतः

मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 131, इन बिल्डिंग 'शालिनी', पहली मंजिल, एल०बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पिष्चम), बम्बई-86 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रमत्वर, 1983

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-क्ष विम्नितियों विद्यार से उच्त हन्तरण निवित में बास्तविक क्ष से कि चित्र नहीं किया नवा है है ---

- (क) अन्तरक से हुई किसी शाय की शायस, अक्स विधिनियस के वधीन कार दोने के अन्तरक के शायित्य में कभी कार्यने या उससे अवने में तृष्यिश के बिए; ब्रीट/या
- (क) एती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना चाहिए भा, छिपाने में हुनिधा के किए;

अतः जब, उक्त बीभीनयम की भारा 269-म की बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० सेठ इन्टरप्रायजेंस।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जी० वी० केलशीकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारक;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के जनस निविक्त में फिए जा सकोंगे।

स्वृच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित्त है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 131 इन बिल्डिंग 'शालिनी', पहली मंजिल, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्राह्र०-3/37 हर्ह०/1370/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ह द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-3, बस्बर्ध

सारीखा: 28-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें.डी.एन.एस. ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं०

प्राई०-3/37 ईई/3351/

83-84---श्रतः मुझे, ए० लहिरी

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 10, ग्राउण्ड फ्लोर 'बी' विंग, बिल्डिंग नं० 3, दामोवर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकीपर (पिश्चम), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करार— नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 3 श्रम्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उधित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का विश्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नंतरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त निमित्यम के सभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने भें संविधा के लिए;

अतः अधः, उच्तः आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गैं, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) कै अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अधितः— (1) मैं। पाकल इल्टरप्राहरीय (

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पोंपापथी एच्० सरला।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

न्तृत्यी

भाप नं० 10, ग्राउण्ड फ्लोर, 'बो' विंग, बिल्डिंग नं० 3, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, चाटकोपर (पश्चिम); बम्बई-400086 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क्रम सं० श्राई० 3/37 ईई०/1383/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बस्बई

तारीख : 4-6-1984

मोहर 🗈

प्रक्ष बार्ड ्र टी ्र एत ्र एस , व्यवस्थान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज- , बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं प्रई०-3/37 ईई०/3576/83-84—म्रतः मझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, दूसरी मंजिल, ''साकेल'' बिल्डिंग 18, स्कूल रोड मालाड (पिक्सि), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, श्रम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 3 श्रक्सूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योग्य, से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशःजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब:, उक्त अभिनयम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वित व्यक्तियों, अधीत् हिन्स 26—146 G. I.184 (1) को जि॰ एन० कोटारी।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० कपूर फैमिली ट्रस्ट।

(भ्रन्तरिशी)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनस सम्पत्ति ने नर्पन ने सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत् ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

फ्लैंट नं ० 5, दूसरी मंजिल, साकेत बिल्डिंग, 18 स्कूल रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बर्ड-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० प्रई०-3/37 ईई०/1415/ 83-84 ग्रीर को सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ग्रक्तूबर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , बम्बई

तारीख : 11--6-1984

मोहर 2

भूषम् अष्टिः ठीः पुत्रः पुत्रः भागानामान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन स्चना

बाइक बरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-III, बम्बई
अम्बई, दिनांक 4 जुन 1984

निदेश सं० ग्रई०-3/37 ईई०/3338/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अभीन संभाम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसको सं० फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, बालाजी अपार्टमेंट वेथीवयाल रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रो है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क्र) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त निपित्तम के अधीन कर वीने के नम्तरक के चायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; न्त्रिं/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त मधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थान

- (1) श्रीमती राज कुमारी ग्रोम प्रकाश, ननराग्रोम। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वेलजी जोवराज शाहा। (श्रन्त

(भ्रन्तरिती)

क्षा यह सूचना चारी करके पूर्वों कर सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्रतः बन्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाउ लिखिल में किए जा सकर्ग

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसुधी

पलैंट नं० 101, पहली मंजिल, बालाजी श्रपार्टमेंट, देवी-दयाल रोड, मुलुंड (पश्चिम), यम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कम सं० श्रई०3/37 ईई०/1377/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--III, बम्बई

तारीख: 4-6-1984

मोह्नर:

श्**रूप बार्च**्य**ी_श्न_एस्**यानगरनगरनगरनगर

नायकड मुस्तियम्, 1961 (1961 का 43) की वादा 269-म् (1) के मुसीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 28 मई 1984

निर्देश सं० भाई०-3/37ईई/3334/83-84—ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 231, 'शालिनी' बिल्डिंग, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (पिक्सि), बम्बई-86 में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मं विणित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 क ख की धारा 269 के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-10-83

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितिक स के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान श्रितिक से एसे क्यमान श्रितिक का पन्तर श्रीतिक के विश्वास से प्रसे क्यमान श्रीतिक का पन्तर श्रीतिक से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम पाया ग्री प्रिक कन्, निम्मिनिष्ठ उद्भवेष्य हो उसके बन्तर्ण निम्मिनिष्ठ ने बास्ट निक क्या प्राप्त हैं क्या प्राप्त है क्या प्रा

- (क) जन्तरूच से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक के दाियल में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम ना किसी धून मा नन्य नास्तियों का, धिनह भारतीय नामकर मुध्यिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनता निभिन्यम, मा धुनकर निधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादिन ने स्वादित ना किसले ने स्विभा के लिए:

वतः वर्त् उक्त अभिनित्य की भाषा 269 के वृत्यस् क्रिंत में ति उक्त अभिनियम की भाषा 269 म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तिकों, अभीत् ह—— मैसर्स शेठ इण्टरप्राइजेस।

(मन्तरक)

2. श्री जार्ज इपेन और श्रीमती ग्रलिस इपेन।

(भ्रन्तरिती)

को नह नुजना भारी करके पृथ्मिक सम्परित के अर्थन के हिन्ए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधित्यमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

प्लैट नं० 231, 'शालिनी' बिल्डिंग, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सिं ग्राई-3/37ईई/1372/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज•३, अम्बई

दिनांक: 28-5-1984

मोहर 🖫

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-3, बम्बई
अम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निर्देश सं० श्राई०-3/37ईई/3337/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वृष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- हर से अधिक हैं

सं० पलैट नं० 30,5 वी मंजिल, सिद्धी विनायक अपार्टमेंट, मिठानगर कास, रोड, मुलुंड, (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी वम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-10-83

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह बिरबास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिति उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी अन्तरने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- ्ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः अब, उक्त बॉधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कें, मैं, उक्त बॉधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बभीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :----

1. श्रीमती विद्यादेवी श्रशोक महाजन।

(ग्रन्तरक)

 श्री सुअह्मण्यम राजगोपालन, शीतलक्ष्मी राजगोपालन और श्री कुमार राजगोपालन।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कड़के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां कड़ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्षान के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्स्वस्त-भी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दित-नद्भ किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, नभांहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए या सकेंने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गगसची

फ्लैट नं 30, 5 बीं मंजिल, सिद्धी विनायक श्रपार्टमेंट, मिठागर कास, रोड, मूलुंड, (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ई-3/37ईई/1378/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 3-10-83को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोक : 4-6-1984

प्रस्य आइ. हो. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 12 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई०-3/37ईई/3586/83-84—-श्रत: मुझे, ए॰ नहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० ए-225, व्हिलेज दोनदोशी, गोरेगांव तालुका, सर्वे नं० 20, एच० नं० 7 (पार्ट), गोरेगांव (पूर्व). बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रवोन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिक्त को लिए बन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिक्ति से, एसे स्थयमान प्रतिक्ति का पन्तर प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के बिए तथ पाया म्या प्रतिक्ति, विस्वितिष्ठित उब्देष्य से स्वत बंतरण निवित् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंदरण ते हुई किसी जान की नाव्यः, उन्तः, जिल्लीनयम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व के कसी करने ना उससे महाने में सुनिभा के लिए; खर्र ना
- (च) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्स जास्तियों की, चिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए वा कियाने में स्विधा के लिए,

अतः अवः अक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नुसिश्चितं स्पन्तियों के अर्थात् है— 1: मैसर्स, बी० ग्ररुणकुमार एण्ड कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स ट्रेन्स फार्मा

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यवितयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या नवा है।

वनसूची

यूनिट नं॰ ए॰ 225, व्हिलेज बीददोशी, गोरेगांव, तालुका, सर्वे नं॰ 20, एच॰ नं॰ 7 (पार्ट), सर्वे नं॰ 7 और पार्ट 8, गोरेगांव (पूर्व). बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/37ईई/1412/83-84 श्रार जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बस्बई

दिनांक: 12-6-1984

मुक्तप जाह⁴. ट<u>ी.</u> पुन_ु पुत्त₋₋₋₋₋₋

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निडिक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/3481/83-84—श्रतः मुझे; ए० लहिरो,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, 2री, मंजिल, शिक्त, शॉपिंग श्राकेंड, जैन मंदिर रोड, भॉडूंप, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ही है दिनांक 3-10-1983

कों पृष्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्मलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी क़रने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा निकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

ज्तः जन, उच्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उचत अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) अर्धे अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मैसर्स तोला राम एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती राजकुमारी, श्रो० नंदराजोग।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैंट नं० 201, 2री मंजिल, शक्ति शॉपिंग श्रार्केड, जैन मंदिर रोड, भाडूंष, बस्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/2391/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० नहिरी सक्तम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण); ग्रर्जन रेंज-III, बस्बई

विनांक : 4-6-1984

प्रस्प आहें हो हुन एस ,--=---

नायकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

अम्बई, दिनांक 4 जून 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 29, ग्राउन्ड फ्लोर, भाडूंप, विशाल इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस, को-ग्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड, व्हिलेज रोड, भाडूंप (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पर्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त 'अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अलारण सं हुई किसी नाम की नावत उक्त नींध-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्म जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा के सिए:

जतः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्मलिखित स्पिक्तयों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स मिश्रीलाल नवाजी

(ग्रन्तरक)

2. जयन्त कुमार मनहरलाल गहा।

(म्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

को **यह मुचना जारी क़रके प्**र्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपन्न में प्रक्राकान की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

यूनिट नं ० 29, ग्राउन्ड फ्लोर, भाडूंप, विशाल इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ग्रापरेटिय सोसायटी लिमिटेड व्हिलेज रोज, भाडूंप (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कर संरु आई-3/37ईई/1381/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बस्बई

दिमांक: 4-6-1984

प्रस्प बार्". टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, बस्बई

बम्बई, दिांनक 11 जून, 1984

निर्देश सं० श्रई०-3/37ईई/3575/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरो,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी/106, 1 की मंजिल, "बी" विंग, विना नगर, भिंचोली, मालांड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रुनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विंगत है) भीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्विद में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जान की बाबता, उक्क बीधनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में मुविधा के निए,

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थातुः— "तिमती निर्मेशा देनी गिल्हा।

(अन्तरक)

2. कपूर फैमिली ट्रस्ट

(भ्रन्तरिती)

3. बिल्डर्स

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग में ग्रम्थिन है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संस्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपरित के गर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप हु----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

ममुस भी

प्लैट नं० बी/106, 1 ली मंजिल, "बी" विंग, विंना नगर भिंचोली मालाङ (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37ईई/1410/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 11-6-84

मोहर 🖫

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

कामफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना । भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० आई०-3/37ईई/3332/83-84--अतः मझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 129, "शालिनी" विल्डिंग, एल०बी०एस० मार्ग, द्याटकोपर (पिष्चम) वम्बई-400086 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिक्ट उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों मृविधा के लिए; बीर/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्यांत्रतार्थ अन्तिरती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था राज्या जाना साहिए था, जिपाने के मृविशा के लिए;

अत: अब, उक्त रिधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
27—146 GI/84

(1) मैंसर्स शेठ इण्टरप्रायजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डा० कदम पी० भिकाजी।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांधत सम्प्रतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में ्रेट्ट का सकता।

स्वस्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 129, "शालिनी" बिल्डिंग, एल०बी०एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), वस्वई-400 068 में स्थित है।

यनुसूची जैसािक क०सं० यर् $\pm 3/37$ ईई/1371/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, वस्बई

नारीख: 28-5-1984

प्ररूप बाह्ं. टी. एन. एस. -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेंज-111, बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० ग्रर्ड-3/37ईई/3599/83-84---ग्रत: सुझे। ए० शॉहरी

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्त्राम करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्योर जिसकी सं० 205-बी, 2री मंजिल, विना नगर, गोविन्दनगर रोड, श्रॉफ एम० ब्हि० रोड, मालाड (पश्चिम), वस्वर्ड-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्वर्ड के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्शिक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्ने यह विश्वाम वाने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसती दृश्यमान प्रतिफल तो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचन उद्देश्य से उक्त अन्तरण विख्तिन में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम की अधीन कर दोने को अन्तरक की दामित्य में कमी करने या उससे भचने में सुविधा को निष्; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स विद्या व्हि॰ भावनानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रमण कुमार एम० जोगानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगराची

205-बी. विना नगर, 2री मंजिल, गोविंद नगर रोड, ग्रॉफ एस० व्हि० रोड, मालाड (पण्चिम), ब्रम्बई-64 -में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ०सं० श्रई-3/37ईई/1418/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रिजस्टडं किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयश्द आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-111, दस्बई

तारीख: 11-6-1984

मोहुर 🖺

प्ररूप काइ . टी. एन . एस . ------

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जून 1984

निदेश मं०ग्रई-3/37ईई/3478/83-84--ग्रनः मुझे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- र. सं अधिक ही और जिसकी संव पलैट नंव 9, प्रानंद नगर बादल की-प्रापव हाउमिंग गोयायटी, विहलेंज रोड, भोडूंप, बम्बर्ड-78 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क. खं के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 3-10-83 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित साजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित साजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एसे दश्यमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें जंतरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अंतरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की नागत उक्त जीभ-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दःयित्य में कभी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; भरि/या
- (क) ऐसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना भाष्टिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

जन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के ब्जीब थॉमस थाराकन ग्रीर श्रीमती मेरी थॉमस थाराकन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० चंद्रना

(यन्तरिती)

को यह स्वाना आरो करकं पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन क लिए कोर्यवाहियां कारता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म काई भी आक्षप .- ~

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियी पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा अक्ष.हरूताक्षरों क पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पष्टोकारण: --- इसमी प्रयावत शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषिए हैं, वहीं अर्थ होंगा, जा उस आयाय में दिया गया है।

नन्त्रची

प्रकट नं ० । प्रानंद नगर बादल का-म्राप० हाउणिस विलेज रोड, भाड्प, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कर्नरुप्रई--3/37ईई/1390/83--84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3--10-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारो सह(यक प्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेंज-⊞, बम्बई

वारीख: 11--6-1984

प्ररूप् नाइ .टी. एन. एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के अभीन स्वना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/3472/83-84—श्रत: मुझे, ए० लिहरी,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, श्रह्मिना रण्मी को-ग्राप० हार्जीसम सोसायटी लिमिटेड, नाहर रोड, मुलूंड (पण्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीय-कर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्ति संपित्त का उचित बाजार मूख्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्त में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शासल, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः उषा, उपल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तितयों, अर्थात्:—

(1) श्री सेतूरामा लक्ष्मीनारायणा ग्रययर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नारायणन एम० रामास्वामी।

(श्रन्तरिती)

अन्तरक

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पृत्कद्वीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, अल्पना रश्मी को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिनिटड, नाहुर रोड, मुलूंड-पश्चिम, बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क०मं० अई-3/37ईई/1388/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सञ्जम प्राधिकारी सहाजक जायसर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 4-6-84

माहर :

प्रक्य भाइ . टी. एत. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III. वस्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं०ग्नई-3/37ईई/3502/83-84--ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रा. सं अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० प्लैंट नं० 203, 2री मंजिल, शक्ति शॉपिंग श्राकेंड, आग्रा रोड, भाड़्ंप (प), बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी.

बम्बई के कार्यालय में रिषास्ट्री है नारीख 3-10-83 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्ट मम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति या वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेंसर्म तोलाराम एण्ड कंपनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कन्हैयालाल भोगीलाल पारेख।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील .सं 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारांख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमं प्रयुक्त बब्दा और पर्दो का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया हैं।

सन्मृत्ती

फ्लेंट नं० 203. 2री मंजिल, णक्ति णांपिंग श्रार्केड, ग्राग्ना रोड, भाडंप (पश्चिम), बस्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसांक क०सं० श्रई-3/37ईई/1395/83-84 श्रार जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज~[11, बस्बई

तारीख: 4-6-1984

मोहर ३

प्ररूप मार्ड टी. एन. एस. -----

कायकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∏!, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निदेश म० प्रई-3/37 ईई/3498/83-84---ग्रतः मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्म इसके पश्चात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 38, 4थी मंजिल, जलाराम नगर, नंव 3, बल्लम बाग लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्टी है, तारीख

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रथमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफाल सं, एसं स्रयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बंतरण नै हुए किसी बाब की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में, एक्न अधिनियमं की धारा 269 घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिसिक व्यक्तियाँ, अर्थास् क्र-- (1) श्री वसनर्जी गोविदजी, ग्राटर्नी स्रांफ श्री कांतीलास वसनजी ठक्कर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमनी उक्षमनी तृलमीदास रायमंगीया । (ग्रन्तरिनी)

की यह सूचना जारी करक पृत्रांत्रत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

चक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्पत्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अना व्यक्ति थ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में थिए जा सकोगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 38, 4थी मंजिल, जलाराम नगर नं० 3, बल्लभ बाग लेन, घाटकापर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची, जैसाकि क०मं० ग्रई--3/37 **ई ई** /83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~III, धम्बई

वारीख : 11~6~1984

प्ररूप नाइ. टी. एन्. एस्.----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—!, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37 ईई/3587/83-84--श्रतः मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

थौर जिसकी मं० यूनिट नं० ए-227, 2 री मंजिल, प्लॉट नं० 5 थौर 6-ए, सर्वे नं० 20, एच०नं० 7पी, व्हिलेज दीनदोशी, गोरेगांव, तालूका बोरीयली में स्थित है (थ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उष्वित बाबार मृस्य से काम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टां यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उषित बाजार भूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिक्ति उद्वर्षय से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की वावस सकत जिथिनियम के जभीन कर वोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उसने बचने से संजिधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग ना किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया भागा चाहिए था, कियाने में सुनिशा वे किया;

अतः वयः, यक्त अधिनियम की भाषा 269-त के अनुसरभ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स बी० श्रुरुणकृमार एण्ड कंपनी ।

(अलारक)

(2) पारीजात फार्मास्यृटिकल्य ।

(ग्रन्तरिती)

(3) (अन्यरिती)

(बह व्यक्ति जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

को यह सृष्यना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

MARKET PARTY

यूनिट नं० ए-227, 2 री मंजिल, प्लांट नं० 5 श्रीर 6-ए, सर्वे नं० 20, एच०नं० 7 (पी), व्हिलेज दीनदोणी, गोरेगांव नालुका, बोरीबली में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र॰गं॰ शई-3/37ईई/1416/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार्यु, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रिलस्टर्ड किया गया है।

ए० तहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्थन रेंज-111, सम्बर्ध

तारीख: 11-6-1984

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुख्ता

भारत सरकार

हायनिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-III, बम्बई

धम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निदेण गं० श्र5-3/37ईई/3647/83-84:--श्रतः मुझे, ए० निहरी,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् ं उपत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शॉप नं० 1, ग्राउंड पलोर, राजेंद्र विहार श्रणार्टमेंटम्, प्लॉट नं० 28, मर्थे नं० 26, वालन।य व्हिलेज, मालाड सर्वे रोड, मालाट (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83।

को पूर्वाक्त सम्परित के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या द्भात अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) अ अधीन, मिस्नलिखित व्यक्तियां अर्थात् :--- (1) मैसर्स मेहता बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वैशाली ब्हि गायकवाड ग्रौर व्हि० एम० गायकवाड ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन् की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो औ उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसुची

शॉप नं० 1, ग्राउंड फ्लोर, राजेंद्र विहार श्रापर्टमेंट्स, व्हिनेज बालनाय, मालाड (पण्चिम), बम्बई- में स्थित है।

श्रनुमूची जैसाकी क्र०मं० श्रई-3/37 ईई/3647/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83, को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) दार्जन रेंज–III, बम्**बई**

नारीख: 11-6-1984

प्ररूप आहे .टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक श्रर्जन रेंज-III, अम्बर्फ

वम्बर्ड, दिनांक 4 जून 1984

निदेश मं० प्रई-3/37 ईई/3505/83-84--प्राप्त: मुझे ए० लहिरी

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसक मं० फ्लेट नं० 102, 1लीं मंजिल, "साई ग्रपार्टमेंट", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (ए), बम्बई—में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3 श्रब्टूबर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त बन्तरण लिखित में यास्त्रिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से.हुई किसी आय की बाबत उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गंशा था या किया जाना नाहिए था, ष्टिपोने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं करिधारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् ;—— 28—146GI|84 (1) पै० महेरी बिलंडसे ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भरविंदकुमार मणिलाल गहा।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूंचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की बविभ या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च औधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

पलेट नं० 102, 1 ली मंजिल, "साई ग्रपार्टमेंट", एल० बी०एस० मार्ग, बांटकोपर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। ग्रनुमूची जैसाकी क०सं० ग्रई-3/37ईई/1396/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ग्रक्टूबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंत- , बम्बई।

तारीच : 4-6-1984 :

मोहर:

प्रकर जादी,दी प्रत प्रत राज्या

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 4 जून 1984

निदेश सं० अई-3/37 ईई/3499/83-84--अत:, मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर सम्मित, विश्वक दिवस वाचार मुक्व 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लेट नं 603, 6वी मंजिल, "पूजा" बिल्डिंग, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चें से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की काबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरके के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंगी किसौं आस या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्हारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में कृतिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह— (1) मैसर्स नहार एसोशिएटस्।

(अन्तरक)

(2) श्री अंगोक कुमार गुप्ता ग्रौर श्रीमती मध्मती ए० गुप्ता।

(अम्तरिती)

को यह स्थान जारी करके प्रवेक्ष संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तौरील से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में श्रक्षाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लेंट नं० 603, 6 वीं मंजिल, "पूजा" बिल्डिंग, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-400~071 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि० सं० अई-3/37 ईई/1394/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/10/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

तारीख: 4-6-1984 मोहरू 🖁 प्रकल बाह्र : दी, एन ् एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निवेश सं० अई--3/37 ईई/3572/83-84-अतः, मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्नीर जिसकी सं० फ्लेंट नं० 405, 4थी मंजिल, "बी" विंग, रत्ना-प्रांत की-प्रांप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेंड, बिल्डिंग नं० 28-ए, शिवाजी नगर, दफतरी रोड. मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है)ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, 3 अक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (न) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः तथा, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री प्रविण के० सहा।

(अन्तरक)

(2) श्री रमणलाल एम० शहा ग्रौर श्रीमती हंसाबेन आर० शहा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वद्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ाहै.।

ननसूची

फ्लेट नं० 405, 4थी मंजिल, "बी" विंग, रत्ना-रूपल को-श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बिल्डिंग नं० 28-ए, शिवाजी नगर, दफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि॰ सं॰ अई-3/37ईई/1419/83-84 क्रीर जो सक्तम, प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिन्। क्रिक्स्य ११-४४-१४४४ मोहरु प्रस्य 'नार्ष'ः टील स्मार्लस्यः,-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बाधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-111, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुन 1984

निवेश सं० अई--3/37ईई/3384/83--84--अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 को 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, 4धी मंजिल, "सिरुपथी" विल्डिंग, सी०टी०एस० नं० 3005, कोले करूपाण, वाकोला, सांक्षाकूझ (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, 3 अक्तुबर' 1983

को पूर्वोवत सम्पृतित के उणित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृति का उणित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिकत से, एसे द्यम्बान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिक्रत से विध्यक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के लिए त्य पामा गया प्रतिकत निम्निलिखित उत्वर्षम से जन्त जन्तरण कि बिक्त में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उपत मांभ्रीनव्य के क्सीय कर बाते के बन्दरसः के शायत्य से क्सी करने वा कब्ब क्यने में सुनिप्रशृक्षे किए; बीट/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या बन्य बारितयां को, जिन्हों भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुसारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

जतः अव, उक्त विभिनियम की भाष 269-ग के, अनुसरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भाष 269-मा की उपधाराः (1) के वधीन, निस्निजिबित व्यक्तियों, क्योंत् हरू— (1) श्री हरामिद्ध कॉपॅरिंगम ।

(अन्सरक)

(2) भी लेनी डिसोझा।

(मन्तरिती)

च्चे बहु सूचना चारी करके पृश्लेंबत सम्मृतित के मर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त बन्गीता के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिधात में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याम 20-का में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

सनसंची

फ्लेट नं० 1, 4थी ,मंजिल, "तिरुपर्था" बिस्डिंग, सी॰टी॰एस० नं० 3005, कोले कल्याण, वाकोला, सांताक्स (पूर्व), बम्बई–55 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि० सं० अई-3/37ईई/1384/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 गो रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज--III, बम्बई

विनाम : 4-6-1984

मोहर:

प्रकृप वार्ष: टी. एन . एवं ...----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्धीन स्वना

HIGH STORY

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/3389/83-84--अत:, मुझे, ए० लहिरी:

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकरित 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० णांप नं० 3, ग्राउंड फ्लोअर, "ए" विंग, बिहिडंग नं० 3, "दामोदर पार्क" एला॰बी०एस० मार्ग, घाटकोपर (पिश्चम), में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अशीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 3-10-1984।

को पूर्वीक्त सम्परित के उणित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अंद्धिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उणित बाजार मृत्य, उसके पश्यमान प्रतिकल से, एसे पश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक कन निम्नसिवित उद्देश्य से धनत अन्तुरण निवित में बास्तिवृद्ध कप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त् विभिन्नियंत्र के वभीन कर दोने के बन्तरक का दायित्व में कमी करने या बबसे वचने मे सुविधा के बिए; बार/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनयम, 1922 (1922 कके 11) या उनत अभिनियम, या बनकर अभिनियम, वा बनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बृजारा-प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आहिए था, कियाने में ब्रिया के जिए?

अतः, अन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुस्तरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) की अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अभित् क्र- (1) पारुल इण्टरप्राइज।

(अन्तरक)

(2) श्री लालमणी रामनवल कुरमी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक को 45 दिन को भीतर उत्कत स्थायर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए या सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धन्स्ची

गॉप नं० 3, ग्राउंड फ्लोअर, "ए" विंग, बिल्डिंग नं० 3, "दामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, बाटकोपर (पश्चिम), बम्बई~86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि संव अई-3/37 ईई/1386/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख**: 4--6-1984

मोहर:

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० अई--3/378\$/3570/83-84---अतः मुमे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० बी-6, मथुरा बिल्डिंग, 1ली मंजिल, एवरशाईन नगर, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अर्धात सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 3 अक्त्वर 1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त मंतरण लिखित् में गास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम को धारा 269-क को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सारा राणी।

(अन्सरक)

(2) श्री शिव नारायण।

(अन्सरिती)

- (3) अन्तरिती
- (4) (यह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

फ्लेट मं० बी-6, मथुरा बिल्डिंग, 1ली मंजिल, एवर-शाईन नगर, मालाड (पश्चिम), बम्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. घाई-3/37ईई / 1411 /83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई व्वारा दिनाँक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

मोहर

ता**रोख**: 11-6-1984

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

त्रम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37 ईई/3392/83-84--प्रतः, मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उधित बाजार मूल्य 25,000/-स्ट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फलेट नं 3, 2री मंजिल. "" बी" विंग, विल्डिंग नं 3, "दामोदर पार्क", एल एस मार्ग, घाटकोपर (पिष्चम,) बम्बई – 86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं । श्रीर जिसके करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिक (री. बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं तारीख 3 श्रक्तुबर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अगिरितियों) के शिक ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मानिक्त उद्देश्य से उन्त पग्वरण लिखित में बास्तर किक इप से इचित गई किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर्थ की बाबत अन्त प्रधि-बिबम के सभीन कर देने के सन्तरक के बाबित्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के बिका और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को जधीन, निम्नसि**वित स**रवितयों, कर्षात :--- (2) भैसर्स पाठल इन्टरप्राइज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री व्हि० एन० राजनू।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परिश के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसम अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, 2री मंजिल, 'बी' बिंग, बिल्डिंग नं० 3 "दामोदर पार्क; एस० एल० बी० मार्ग, धाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रर्ह-3/37 ईई/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 4-6-1984

मोहर 🧓

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस. -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (१) के अभीन सुचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, मद्रास बम्बई, विनांक 4 जून 1984

निदेश मं ॰ श्रई-3/37ईई/3482/83-84--श्रन:, मझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से **मधिक हैं**

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 5, ग्राउंड फ्लोर, गौतम उधोग भवन, भाष्टंप, बम्बई-78 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रेकम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंसरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किली बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/या
- (स) एेसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकार जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थं अन्तरिती वृकारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त मौधनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में सकत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बधीम, निम्नतिबत व्यक्तियों, वर्षात् 🖾 🗝

(1) मैंयर्न मोतीराम तोलाराम ।

(अन्तरक)

(2) श्री चंपकलाल उमेदमल जैन, श्रीर श्री कांतीलाल उमेवमल जैन ।

(अन्तरिती)

- (3) ध्रन्तरक
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जद के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (**व**) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा स**क**णे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में दिया नमा है।

अनुसूची

शॉप नं० 5, ग्राउंड फलोर, गौतम उद्योग भवन, भांडूप, बम्बई-778 में स्थित है।

भ्रन्सूची जैसाकि क॰सं॰ ग्रई-3/37 ईई/1392/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

मारी**ख**: 4-6-1984

मोहर :

प्रकम् बाई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निवेश सं० ऋई-1/37 ईई/1196/83-84--ऋतः मुझे, ए० लहिरी,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० गाँप नं० 9, नितिन विकास विशाल केतन, जंक्यन स्रांफ चिक्पोकली क्रांस लेन स्रौर स्रनंत गणपत पवार लेन, बम्बई-27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जो स्रायकर क्षिप्तिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, 14 श्रक्तूबर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्या से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए: और/या
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने धें स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भो, भो, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात ए— 29—14601/84 (1) धार्क हो। प्रहता सन्दर्भगत संस्पती।

(भ्रन्सरक)

(2) कुमारी चंपाबाई फेमिली ट्रस्ट।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्य्रप में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्त्रची

शांप सं० 9, नितिन विकास विशाल केतन, जंकशन ग्रांफ चित्रपोकली कास जैन ग्रीर ग्रापत गणपत पनार लेन, बम्बई-27 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० संश्रम् - 1/37 ईई/1013/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 14-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1, अस्बई

नारीख: 5-6-1984

मोहर :

प्ररूप आर्थाः भ्यो । एन । एस , :-----

मायभार मधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) ं श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुन 1984

निवेश सं० अई-1/37 ईई/1144/83-84--- अत:, मुझे, ए० लहिरो,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' ऋहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕-रुज. से **अभिक ह**ै

श्रीर जिसकी सं० शांप नं० 12, विशाल बिल्डिंग, जंबशन श्रांफ श्रनंत गणपत पवार लैन श्रौर चिचपोकली कास रोड, बम्बई-27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जो श्रायकर ग्राध-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13 प्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उन्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के नायित्य में कभी करने या धन्ते वचने में शुनिभा के सिए; **और/वा**
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) याउक्त अधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में त्रीयभाके सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् 🖫

(1) भार० टी० मेहता कन्स्ट्रवशन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स इराणी एण्ड कम्पनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता 🚛 🛊

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकर्णः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया है।

मग्स्पी

शांप नं ० 12, विशाल बिल्डिंग, जंबशन ग्रांफ ग्रनंत गणपत पवार लैन श्रोर चिचपोकलो क्रांस रोड, बम्बई-27 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं० श्रई-1/37ईई/1256/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-6-1984

मोहर ४

प्ररूप आहे, टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

- भारत सरकार

कार्यालव, सह्यवक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निदेश सं० अई०-I/37 ईई०/1110/83-84---अतः

मुझें, ए० लहिरी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, चौथी मंजिल, किस्मत-इ-खीश को०-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, किस्मत बिल्डिंग, 122-ए, शहीद भगत सिंह रोड, ससून डाक के सामने, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण कृप से विणित है), श्रौर जो आधकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 13 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुक्द से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक उपयमान प्रतिफल से एसे उपयमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकृत से अधिक है और अन्तर्क (जन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निक्तिविकत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निकित में वास्तिकक रूप से कीं, अत नहीं किया गया है दि—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के विभिन्न में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निए;

बतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसुरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तिस्यों, अधीत् अ— (1) श्रीमती पी० एफं० कर्न्द्रैक्टर

(अन्सरक)

- (2) वि एसोसिएटेड सीमेंट कम्पनी लिमिटेड (अन्तरिती)
- (3) श्रीएच० जी० आए० राव।

(बह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वेक्स सम्मंति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्वी

फ्लैट नं 4, चौथी मंजिल, किस्मत-ई-खीश को ०-आप-रेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, किस्मत बिल्डिंग 122-ए, गहीद भगत सिंह रोड, ससून डॉक के सामने, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है

अनुसूची जैंसा कि कम सं० अई०--I/37 ईई०/1230/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-अक्तूबर, 1983 को रजिस्टुई किया गया है

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, बम्बई

तारी**ख** ं 5∸6-1984 मोहर ध

प्रथम मार्थ दी, यह , एक . -----

भाक्तर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के संबोध सुमेश

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). धर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, विनांक 5 जुन 1984

निर्वेश सं० म्राई०-1/37 ईई०/452/83-84---म्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की भारत 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० ध्राफिस सं० 713, सातवीं मंजिल, दालामल टाबर, प्लॉट नं० 211, नरीमन पण्डंट, बम्बई—21 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दिवसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दें है और मुझे वह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे अन्तमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्त से अधिक है और जंतरिक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देक्य से उच्त अन्तरण निकित में वास्वीक कम से स्थित स्वा का

- (क) क्लारण वे हुए फिली बाव की बावड कवड अरिय-नियम के नवीन कर दोने में अन्यक्षक के दावित्य में कमी करने या उत्तरों कवने में सुविधा के लिए ऑर/या
- (च) ऐसी किसी अाग या किसी भन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम का भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, जिनाम में सुविधी के खिदा

अतः अव, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के जनूसर्ग भी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित म्युक्तियों, मर्थात् :--- (1) श्री एम० एस० असवानी ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1.. श्रीमती नवाझ भ्रर्च गोंडा ।
 - 2. मास्टर फिदान ई० गोंडा ग्रीर
 - 3. मास्टर शाहमांथ ई० गींखा ।

(ग्रन्तरितीं)

को वह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्णन् के किए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय वे 45 दिन के भीतृर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी से पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीक रजः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विष्टित्वज के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राफिस नं० 713, सातवीं मंजिल, दालामल टाॅबर, प्लांट नं० 211, नरीमन पण्डंट, बम्बई-21 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रा०-1/37 ईई०/862/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 भक्तूबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–J, बम्बई

तारीख: 5-6-1984

महिर:

प्रकथ नार्षं .टी . एन . एस 🖟 🕬 ------

मायकर् मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन स्थन।

भारत सरकार

कार्यालय . तहायक मायकर मायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-- । बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निवेण सं० ग्रई०-1/37ईई०/1197/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- का से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० णाप नं० 3, नवशांति नगर को० श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 98 नेपियन सी, रोड बम्बई—400006 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बणित है), श्रौर जो श्रायकर अधिनियम 1961 की धार, 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम, प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 14 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एमें स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (७) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, उबका अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक कें वासित्स में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रमीन मोहस्मद इशाहिम बरदाई।

(मन्तरक)

(2) श्री जिनराज घेलाभाई छेड्हा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबूत, उन्नत 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्मान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्व क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पत्रक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उंक्ल अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशासिक हैं, यही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विवा गया है।

सरसंघी

शाप नं० 3, नवशांति नगर को० श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 98, नेपियन सी रोड , बम्बई-6 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई०/1268/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 14 श्रक्तुबर, 1983 को रिजर्स्टेड किया गया।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज:1, बम्बई

तारीख: 5-6-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

थ्रजंन रेंज-[[], बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निदेश सं० श्राई०-I/37 ईई0/1066/83-84--श्रतः मुक्को, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, बिल्डिंग फिरदौँस, 10 मोटलीबाई स्ट्रीट, ग्राग्रीपाड, बम्बई-11 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ग्रौर जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बहैंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 17 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफार से, ऐसे दूरयमान प्रतिफाल का पन्नाह प्रतिशात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्रे) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- र्क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ब) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसर्प में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत है—

- (1) श्री हुसेन भ्रली जी० मर्चेंट झरीना एच० मर्चेंट। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री झोहरा ए० जी० एन० रेडियोबाला श्रीर शबिन ए० ए० एन० रेडियोबाला।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरकों और अन्तरितीयों (जो व्यक्ति जिसके द्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरको और मन्तरितीयों (बह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जानदा है कि वह सम्पत्ति में हितबह है)

को यह सूचना वा<u>री कर</u>के पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे!

स्पष्टींकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4, बिल्डिंग फिरवॉस, 10 मोटलीबाई स्ट्रीट, आग्रीपाड, बम्बई-II में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई०-1/37 ईई०/927/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 ग्रक्तूबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीम : 5-6-1984 मोहर ॥ प्ररूप आहे. टी. एम. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वान

भारत सरकार

काशंसय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्त) प्रजीन रेंज-I, सम्बर्ध

वम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० श्रार्ह०- $\tau/37$ ईई०/1194/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमध कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० II, नितिन विकास विशाल केतन, जंक्शन श्रॉफ विचपोकित कॉस लेन ग्रीर धनन्त नगपत पवार लेन, वम्बई—27 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है),श्रीर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है 14 श्रक्तूबर, 1983

क्ये पूर्विक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसि दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण तं हुई किसी आय की बाबत, उपल अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शबत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत्तः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिशित व्यक्तिसों, वर्षात् ः— (1) मैससं भ्रार० टी० मेहता भन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० एफ० ए० फैमिली ट्रस्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इसं सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्माब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप नं ाा, नितिन विकास विशाल केतन, अंकशन श्रॉफ विश्वपोकली कास लेन धौर ग्रनन्त गणपत पवार लेन, बम्बई-27 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई-1/37 ईई०/1266/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 श्रक्टूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, बम्बई

तारी**व** : 5—6—19**8**4

मोहर 🖫

प्ररूप जाद्रै.टी. एन. एख. -----

नायकार नीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसयः सहायक नायकर नायुक्त (निर्माक्षक)

भ्रजेंन रेंज-I, बम्बf s

बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निदेश सं० श्रार्ह०-1/37 ईई0/1116/83-84—श्रतः मझे, ए० लहिरी

कायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उरु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० रूम नं० 3, पहली मंजिल, 'धर्म पैलेस', ह्यूजेस रोड, बम्बई-400007 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जो श्रायकर प्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 13 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिफल निम्नृतिधित उद्वेश्य से उच्च बन्तरण निवित् में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया न्या है देन

- क) जन्तरण वे हुई हैकवी नाव की नावत उनक नीथ-नियंत्र को अधीन कह दीने के बन्तरफ को दावित्य में कनी कहने ना उसके नचने में सुविधा के निए; शोर/मा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी वन था अन्य वास्तियों की, चिन्हों भारतीय वासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्स अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, किया में बृतिधा के सिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीसिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीसुधीर मंगलवास झनेरी।

(थ्रन्सरक)

(2) मैसर्स ब्रार्० किर्ती एण्ड कम्पनी

(भ्रन्तरिती)

(3) धन्यरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

को वह सूचना चारी करके पृवाँक्ष संपरित्र के वर्चन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेय 💵

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-वक्ष किसी जन्म व्यक्ति इवार अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था सकोंने।

स्थानकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त निभिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस मध्याय में दिया गया है।

नगुची

रूम नं 3, पहली मंजिल, 'धर्म पैलेसू प्रिमिसेस को० भापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, ह्यूजेस रोड, बम्बई 400007 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-1/37 ईई०/1236/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13 ग्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आमुक्त (निरीत्रण) ग्रजन रेंज-1, **ब**म्बई

तारीख : 4-6-1984

मोहार 🗯

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-- । अम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुन 1984

निर्देश सं० ग्रई०--1/37 ईई०/1073/83-84---ग्रनः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, पहली मंजिल, ''सुन्दर टावर्स'' ठोकरशी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जो ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

जतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) गै० सुन्वर बिल्डर्स।

(ग्रस्तरक)

(2) श्री चुन्नीलाल मुरजी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्ध होगा, जे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

फ्लैंट नं ० 101, पहली मंजिल, ''सुन्दर टावर'', ठाकरसी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई०-1/37 ईई०/933/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 6 ग्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 4-6-1984

मोहर:

हरूप भा<u>र .</u> टी. पुनु, एस. ----

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन स्थान

पाइस सहस्वतु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (। गरावाण)
प्रार्जन रेंज-1, बम्बर्ड
बम्बर्ड, दिनांक 5 जून 1984
निर्वेश सं० ग्रर्ड-1/37ईई/1068/83-84--ग्रत: मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्राप नं० 42, पहली मंजिल, भागवाडी शापिंग कार्केंड बिल्डिंग कालवा देवी रोड, बम्बर्ड-2 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है श्रौर जो ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तुबर, 1983

को पृथं अस सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के रिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृष्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवळ कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के हारित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
 - (क) एसी किसी आय या किसी पंत या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आया हर अधिनिषम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ जन्मीरिटी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था का का का का गया या किया के निए;

कतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-य के, जन्सरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म उपधारा (1) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मै० इन्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बाबू लाल गोपीराम गोयेका ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी बिल्डर (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थिक्त में में से किसी स्थिकत ब्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बहुभ किमी जन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वारेगा. जो उस अध्याय में दिया गय।

नग्स्ची

शाप नं० 42, पहली मंजिल, भागवाडी शापिंग आर्केड बिस्डिंग, कालबा देवी रोड, बप्बई-2 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि क्रम सं० याई०-1/37 ईई०/1054/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 3 धन्तू-बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख : 5-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत बरकार

कार्याजय, सङ्घायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

अम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निदेश सं० श्रई०-1/37 ईई०/1195/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 10, नितिन विकास विशाल केतन, जंक्शन श्राफ चिंचपोकली कास लेन ग्रौर भ्रान्त गणपत पवार लेन, बम्बई—27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 श्रवत्वर, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योग्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उपल अभिन नियम औं अभीत कुछ दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री धार० टी० मेहता कस्ट्रकणन्स कं०।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं • मोतीलाल फैमिली द्रस्ट।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्की

णापुनं 10, नितिन विकास विशास केतन, जंक्शन ग्राफ चित्रपोकली क्रांस लेन भ्रौर अनन्त गणपत पवार लेन, बम्बई-27 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/83-84 श्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रैंज-1, बम्बई

तारीख : 5-6-1984

मोहरू 💈

प्रचम बाह्र . टी . एन . एस . ------

नाम्कर निप्तियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की नधीन सूचना

शास्त शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निर्देश सं० प्रर्ह०-1/37 ईई०/1171/83-84—प्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 22, इस्मालिया को० ग्रापरेटिय हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मिर्जा गालिब मार्ग, भायखला बम्बई—400008 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जो ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 श्रक्तुबर, 1983

को पृथेक्शि सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्निलिखित उद्वेध्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए बौर/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती व्याश प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—- (1) श्री तुरुद्दीन जुमा मामाद ।

(ग्रस्तरक)

(2) श्रीमती हमिदा सुवतान मर्चेंट ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया अया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, इस्मालिया को० श्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मिर्जा गालिम मार्ग, भायखला, गम्बई— 400008 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अईसे 1/3 7ईई०/1077/83-84 औग्र जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 14-10-83 से रॉजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अम्बई

तारीख : 4-6-1984

मोद्घर ः

प्रक्य आहे, दी. प्रनः एस.,-----

बायकर बिधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० म्रई०-1/37 ईई०/1078/83-85---म्रतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कार्रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- उ. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 293, दूसरी मंजिल, 'सुन्दर टावर', ठाकरणी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई--15 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में स्थित है तारीख 6 अन्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उत्थित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सो, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया एका प्रतिफल, निम्निलिखित उत्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अभीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में अभी करने या उन्हों बचने में सृविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

भतः अभ, उक्त मिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मधीत् :— (1) मै० सुन्दर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री फर्नाडीस क्रांसिस जान ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ववसर्थ

फ्लैंट नं० 203, दूसरी मंजिल, 'सुन्दर टावर', ठाकरणी जीवराज सिवरी रोड, बम्बई-15 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-1/37 ईई०/940/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 ग्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-6-1984

गोहर:

प्रकृ नार्च, दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, त्रद्धायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निदेश सं० श्राई०-1/37 ईई०/1041/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ५१जात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- जी. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 61, वार्डन कोर्ट, 79-81, प्रॉगस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई-400036 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जो श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं 6 ग्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण कि सिवत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किती आय कर्त वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर योगे के अंतरक के दायित्व में कभी करणे या उससे वचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (ण) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. छिपाने में सुविधा के निए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन े निस्तिविक्त स्पित्यों के स्पत्ति है— (1) श्री चन्द्र लाल हिम्मतलाल दीक्षित धौर श्रीमती चन्दन बेन चन्द्र लाल दीक्षित।

(अन्तरक)

(2) श्री छोटाभाई प्रेमा भाई पटेल।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री छोटाभाई प्रेमाभाई पटेल, ग्रीर श्रीमती कांचनबेन रमेश भाई पटेल। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के मुर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वंविध थो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विनु के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अधिहस्ताकरी के पास सिहित में किये वा सकेंथे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुसूची

फ्लैट नं० 61, बार्डन कोर्ट, भ्राँगस्ट क्रांति प्रिमायसेस को० आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, 79-81, श्राँगस्त क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-1/37 ईई०/935/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 श्रक्तुबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीखा: 5--6-1984

मोहर 🚁

प्रकप् बाद्यः दी. एन् . एत् . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के भंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, अम्ब ξ वस्ब ξ , विनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/1074/83-84—ग्रत: मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं् फ्लैट्नं 702, सातवीं मंजिल, "सुन्दर टॉबर", ठोकरणी जीवराज रोड, सिघरी, बम्बई—16 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है 6 श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वा वित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्परित का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनसम, के बधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, िक्याने में सविधा के निए;

कतः वय, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-म के अनुसर्भ में, में उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मै० सुन्वर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीरमेश कुमार धनजी।

(भ्रन्तरिली)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उपत संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामीस से 30 दिन की जबिंध, को भी
 जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताकाड़ी को एउस लिकित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकस्यः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उन्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया भवा है।

जन्स्ची

फ्लैट नं० 702, सातवीं मंजिल, ''सुन्दर टॉबर'' ठोकरशी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०/1/37 ईई०/932/

अनुसूचा जसा कि कम सर्व आइ०/1/37 इइ०/932/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1, बस्बई

तारीख : 5-6-1984

मोहर :

प्ररूप आहाँ. टी. एव. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीत रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

ग्र**ई**०-1/37ईई०/1226/83-84--श्रन: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रतः, से अभिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० हैं 103, "वेस्ट क्ह्यू" बिल्डिंग, वीर सावरकर मार्ग, प्रभा देवी, बम्बई-400025 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जो श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है 29 अन्द्बर, 1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 🥏 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ. अर्थात् :---

(1) श्रीकाले सुरेन्द्र दीपचन्द।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री सुरेणचंद एन० बंसाल और सुमन एस० बंसाल। (भ्रन्तरिती)
- (3) प्रगति इन्ब्हेस्टमेंटस् ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि,, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

ुफ्लैट नं० 103, ''वेस्ट व्हयू'' बिल्डिंग, **वी**र सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-400025 में स्थित है । श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई०/303/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 29 भ्रक्टूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 5-6-1984

मोहर 🛭

प्रारत्प बाह्र टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ष्प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुन 1984

श्रई-1/37 ईई/1134/83-84--- श्रत: निर्देश सं० मुझे, ए० लहिरी,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 32, भ्राठवीं मंजिल, पेंटाकल को०-ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड 12 जाराजभाई लेन. श्रॉफ वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाधद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जो ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 13 प्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संप्रति का उचित बाजार मृल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करते या उससे वचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किल्या जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ।:----31—146GI|84

(1) श्री पंगादन सुकुमारन्।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती पन्ना शैलेन्द्र पटेल।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पुरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुई ।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ्गया है।

वनसर्वी

फ्लैट नं० 32, ब्राठवीं मंजिल, पेंटाकल को-बापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 12 जाराजभाई लेन, ऑफ वार्डन रोष्ट, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनसुची जैसा कि कम सं० ग्राई−1/3*7* ईई/1145/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-6-1984

मोहर :

प्रकप् बाह्री, दी, एन. एस..-----

जासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज—^I, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1984 निदेश सं० श्चर्ड०—1/37 ईई/1060/83-84——श्चतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं०

पलैट नं० 41, है तथा जो सन फ्लावर कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (ब्रॉर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ब्रॉर जो आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, 3 अक्तूबर, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण सिवित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बलारण में हुए किसी बाय की सावत उक्त बीध-गियम के बुधीन कर दोने के बलाउक के दायित्व में कभी करने या जससे वचने में सुविधा के लिथे; और या/
- (क) ऐसी किसी लाय मा मिनसी पन या अला कास्तिसों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-ज़र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की निष्ह;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कांता मजूमदार।

(ग्रन्तरक)

- . (2) 1. श्रीसीताराम श्रग्रवाल।
 - 2. श्रीलक्ष्मी नारायण अग्रवाल।
 - 3. श्रीमती पुष्पा देवी प्रग्रवाल श्रौर
 - 4. श्रीमती राज कुमारी स्रग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो कर के पूर्वोक्स सर्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः----इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशापित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 41, सन फ्लाबर, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-1/37 ईई/1049/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, बम्बई

तारीख : 5-6-1984

मोहर:

प्ररूप बाई, ही, एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई०--1/37 ईई/1193/83-84---ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं शाप नं 4, नितिन विकास विशाल केतन, जंक्शन स्राफ चिंचाोकली काम लेन ग्रौर अनन्त गणपत पवार लेन, बम्बई—27 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), स्रौर जो स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है 14 स्रक्तूबर, 1983

को धूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की। जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ः— (1) ब्रार० टी० मेहता कन्स्ट्रक्शन कं०।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती करूपना बनवारी लाल बंसल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वीक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगसची

शाप नं० 4, नितिन विकास विशाल केतन, जंक्शन श्चाफ चिंचपोकली कांस लेन श्रीर अनन्त गणपत पथार लेन, बम्बई-27 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-1/37 ईई/1265/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 14 ग्रक्नुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–I, बम्**ब**ई

तारीख : 5--6-1984

मोहर 🛭

मुक्ष्य **मार्व**्य द्<u>रोत</u> पुत्र तु पुरातुन न ४ हत्त्वन

नामकड मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, बिनांक 5 जुन 1984

निर्देश सं० श्रई०-I/37 ईई/1187/83-84-श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० बी-305, पूनम श्रपार्टमेंट्स, शिव सागर इस्टेट, बरली, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है 14 श्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के व्यथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके व्यथमान प्रतिफल सं, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तुरण से हुइ किसी शाय की बाबत्, उक्त बुधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तुरक के वादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के पित्र और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

 श्री राम कृष्ण अग्रवाल भ्रौर श्रीमती कुसुम श्रग्रवाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लालजी ग्रार० मर्मा ग्रौर श्रीमती कुगालराणी शर्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिन्धित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-305, पूनम श्रपार्टमेंट्स, शिव सागर इस्टेंट, वरली, बम्ब $\xi-18$ में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई/994/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 श्रन्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, जें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 5-6-1984

मोहर 😉

प्ररूप आहु^{*} हो. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० प्रई०-1/32 ईई/1037/83-84—प्रतः मझे, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' उहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारा को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं आफिम प्रिमिसेस नं 1401, चौदहवीं मंजिल, 'दालामल टावर', प्लाट नं 211, ब्लाक III, वैंकबे — रेक्लेंमेणन, नरीमन पाइंट, बम्बई—21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जो श्रायकर प्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है 1 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बच्चन में सूर्विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं ॰ लक्ष्मी डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा॰ लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) मै॰ श्रमरीत श्याम प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर गुजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि श्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

श्राफिस प्रिमिसेस नं 1401, चौदहवीं मंजिल, 'दालामल टायर', प्लाट नं 211, ब्लाक III, बैंकबे रेक्लेमेशन, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-1/37 ईई/820/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 ग्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--I, बम्बई

तारीख : 5-6-1984

मोहर ः

प्रस्प भार्यः दी एन . एस . ------

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट श्रान छठवों मंजिल, सागर दर्शन, 81– 83, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रौर जो ग्रायंकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है 14 श्रम्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए तय गया गणा प्रतिफल निम्नलिखित उब्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मं हुई किसी जान की बावत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के इन्तरक के दावित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और√वा
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शैला भेहले।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिनश नारा चन्द कोठारी ग्रीर श्रीमती चन्द्रा ताराचन्द कोठारी।

(भ्रन्तरिती)

(3) (श्रन्तरक) (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूजना जारी कारके पूर्वीक्त सपिल के अर्थन के सिए कार्यवाहिया कारता हो।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकर्ष।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त दाखों और पदों का, जो उक्त जियाम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

पलैट ग्रान छठवी मंजिल, सागर दर्शन, 81-83, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-ां/37 ईई/1012/ 83-84 श्रीर जो लक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 14 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

नारीख: 5--6-1984

महिराः

(भ्रन्तरिती)

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----1. अहिया एण्ड आसोसिएटस् ।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० भ्राई०-2/37 ई०ई०/7398/83-84--- प्रतः मझे, एस० एच० अब्बाय अखिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- एउ. से आधिक ही

ग्रीर जिसकी सं 0.2 फ्लैंट नं 0 1, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रंकर बिल्डिंग, प्लाट नं० 38, टी० पो० एस०नं० 11, ग्रन्धेरो (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) धौर जिसका करारनामा ब्रायकर श्रिध-नियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधोन बम्बई स्थित म्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०±1/37 ईई०/7998/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है

को पूर्वोग्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं बार मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि ग्रभायदेक्ति सम्पत्ति की उचित नाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल निम्नलि। भर उद्बंश्य से छवत अंतरण जिलिक में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किली जाय की दावल, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में शतिया केलिए: और/या
- (स) एंसे किसी त्राय था किसी धन या अन्य आरितस्य को जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर आधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता पाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अर्थाः अक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधार्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यष्ट सचना जारी कारके पूर्वीक्ता सम्पृत्ति के गर्जन के सिए। कार्यवाहियां करता हुं।

2. भागवान जे. अलीम चंदानी ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 विन की अवधि, आे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्**र्वीक्त** ब्दक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्थित में किए का सकीगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया नधा 🕫 🕡

अमुमधी

फ्लैंट नं. 1, ग्राउंड फ्लोअर, अंकूर बिल्डिंग, प्लाट नूं. 38, टी. पी. एस. 11, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

जैसा कि क. सं. आई-2/37ई ई/7398/83-84 और जो सक्षम प्राधिकार्री, बम्बई दुवार दिनांक 14-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बर्ड

तारोख: 11-6-1984

मीहरः

प्रस्य आहें. टी., पुन., पुस., ------

मायक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई ।

बम्बई, दिनांक 25 मई 1984

निदेश सं० स्नाई०-2/37 ईई०/3556/83-84------प्रतः मुझे, एस० एघ० स्रब्बास स्नाबिदो

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें दिन्दों (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित योजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, माको श्रपार्टमेंट्स, एस० नं० 218, हिस्सा नं० 17 श्रीर 20, सी० टी० एस० नं० 697 श्रीर 701, कृपा नगर रोड, टेलीफोन एक्सचेंज के बाजू में, बिले पालें (पिण्चम), बम्बई—56 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण इप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 5 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वो क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमून प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाब्त, उक्क जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए: आरि/या
- (य) ऐसी किसी शाय या किसी भन या अन्य आस्टियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

जतः अत्र उकत अधिनियम की भार 269-ग के अन्सरण में, भें, उकत अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) जो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) मै० शाको कन्स्ट्रक्शन्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पंकज शांति लाल शाह श्रौर 2. श्री कांतां शांति लाल शाह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवाध या सुरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, शाको श्रपार्टमेंट्स, एस० नं० 218, हिस्सा नं० 17 श्रौर 20, सी ०टी० एस० नं० 697 श्रौर 701, कृपा नगर रोड, टेलोफोन एक्सचेंज के बाजू में, बिले पार्ले (पश्चिम), बम्बई-56 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई०/3556/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई ब्रारा दिनांक 5 श्रक्तूबर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० म्रब्बास म्राबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्राायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-2, बस्मई

तारोख : 25-5-1984

मोहर :

श्रुष्य आश्रुः .टी . एन . एस . --- ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 6, लीला श्रपार्टमेंट्स, गुल मोहर गार्डन के सामने, यारो रोड, वर्सोवा, श्रन्धेरी (पिण्चम), वम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं तारोख 28 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्वह प्रतिगत से मिन्न है भीर प्रस्तरक (पस्तरकों) और अस्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बाल्तविक कर में क्यान नहीं कि ए सार है :---

- (क) मन्तरण महुई किया मध्य का बायत, उक्त माछ नियन के पंचीत कर दें। के प्रश्तरक के दायित्व म कमी करते या उथा बचने के नुविधा के लिए। भीर/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा जाना बाहिए था, छिणाने में सजिया के जिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ध के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधितः—
3 2—11531/31

(1) मैं ० एसियन कन्स्ट्रक्शम्स कम्पनी ।

(अन्तरक)

कुमारी प्रितीमोहन

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस् सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अप्रीध या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अप्रीध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पानः जिसित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भाप नं० 6, लिखा भ्रपार्टमेंट्स, गुल मोहर गार्डन के सामने, यारो रोड, वर्सोता श्रन्धेरो (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचो जैगा कि कम सं० श्राई०/2/37 ईई०/7586/ 83-84 श्रीर जो भक्षम प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अध्वास माबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज−2, बस्बई ।

तारोखा : 8-6-1984

मोहरः

प्ररूप बाहु े, टी ु एन ु एस

्बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निर्धिमण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं श्राई०-2/37 ईई०/7254/83-84-अतः मुझे, एस० एच० अध्यास ग्रविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का बारज है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० गाला नं 2 ए-12, प्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग ए, गिरीकुन्ज इण्डस्ट्रोयल प्रिमिसेस को० श्रापरेटिव सोसाइटी, लिमिटेड महाकाली केका रोड, ग्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीविनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7 श्रक्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अभीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मै० भ्रालोक इण्डस्ट्रोज।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० शैलेश इन्जीनियरिंग कम्पनी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पथ्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

गाला नं ० ए-12, ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग ए, गिरी कुन्ज, इण्डस्ट्रीयल प्रिमिसेस की० ग्रापरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, महाकाली केव्ज रोड, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम् सं० आई०-2/37 ईई०/7254/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 7 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एन० प्रज्वास ग्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारोख : 8-3-1984

मोहर:

प्ररूप शाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निर्रोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निवेश सं० आई०-2/37 ईई०/7492/83-84---अतः सुभे, एस०एच० अञ्जास आजिदी,

सायकर किंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000 ं- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ०/502 विशाल एंपार्टमेंटस, श्रीर शार्पिंग सेन्टर, अन्धेरी कुर्ला रोड, अन्धेरी (पूर्व), अम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सेवर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 क धारा 269 क ख के अधीन अम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास अर्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रममान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बेक्ष्म एसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्या प्रतिफल, निम्नितिशत उद्विष्य से उक्त अन्तरण कि बिल तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।
- बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभादा (1) के अभीत्, विमालिकिय अधितर्में अभीत्, विमालिकिय अधितर्में अधित हैं

- (1) श्रीमती अनिला बिपिन वेसाई ग्रीर विपिन वलपत भाई देस है। (अलारक)
 - (2) श्री केतन मनहर लाल पारेख भौर श्री मयूर मनहर लाल पारेखः। (अन्तरिती)
 - (3) दीपक बिलडर्स प्रा० लिं०। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

प्रनुसूची

एफ/ 502 विशाल अपार्टमेंट्स श्रीर शापिंग सेन्टर; अन्धेरी-कुर्ला रोड, अन्धेरी (पूर्व), अम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37ईई०/7492/83-74 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 22 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एघ० अब्बास आबिदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख: 8-6-1984

मोहर 🛭

भूक्य बाइं. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत शरकार

कार्यालयं, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं॰ आई०-2/37 ईई०/3743/83-84--अतः मुझे, एस॰ एच॰ अब्बास आबिदी

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जसकी सं विलिंडग, ''अमर कुंज'' प्लाट नं 2 के (1) आफ पी नं 2 आफ टी जी एस तं 1, सांताकूज (पश्चिम), वेंसंट स्ट्रीट, बम्बई—54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्बलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक एस से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (का) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

शतः त्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्≟—ः

- (1) 1. श्री कांचनबेन कालीदास रावजी।
 - 2. श्री विरेंद्र कालीदास जसानी।
 - 3. श्री रजनीदास कालीदास जसानी।
 - 4. श्री दीपक कालीवास जसानी।
 - 5. श्रीमती भारती बेन रमेश शाह ग्रौर
 - 6 श्री रती लाल खिमजी,

(अन्तरका)

(2) मैसर्स गोवानी बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिकों

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में का हैं भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग 'अमर कुंज' प्लाट नं० 2-के(1) आफ 'पी० नं० 2 आफ टी० पी० एस० नं० 1, सांताकूज (पिण्चम), बेसंट स्ट्रीट, बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/3743/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास आबिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-6-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनोक 4 जून 1984

निदेश सं अर्ध-2/37 ईई०/3649/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ज्यां से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एलैंट नं० 204-ए, 2 री मंजिल, ''कल्पना अपार्टमेंटस्'' ए शेरली राजन रोड, बाढ़ा (पिश्चम), बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची है ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय है रजिस्ट्री है तारीख 17 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में ूरिबधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आखितां को, जिन्हा भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :—

(1) मै॰ नवभारत डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री सिसिल फेड्रिक फर्नाडीस ग्रौर श्रीमती मार्गारेट फर्नाडीस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना क' राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास , लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 204 ए, दूसरी मंजिल, ''कल्पना अपार्टमेंटस'', 'ए' शेरसी राजन रोड, बाढ़ा (पिष्पिम), बम्बई-50 में स्थित है ।

जैसा कि कम सं० आई-2/37ईई०/3649/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 17 अक्सूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 4-6-1984

मोहर 🖫

प्रकृष् वार्षे. टी. एन . एस . व्यवस्थानगरण्य

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बचीन सुचना

भारत बरुकार्ड

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांफ 2 जून 1984

निर्देश सं० आई०-2/37ई०/3545/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास आबिषी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उभत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

गौर जिसकी सं० पक्षेट नं० 102, पहली मंजिल, 'एक जाटिक'' बिल्डिंग, प्लाट नं० 515 और 516, सलहवां रास्ता, खार, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 अक्तुबर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूबोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बन्तरित्वां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिकल का निम्नसिवित उद्वंश्य से उक्त बन्दरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-भन-कर अधिनियम, या भन-भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिर्देशी ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया थाना वाहिए था, जियाने भें स्निया के निए;

क्तः जब, उन्त अधिनियम की भारा 269-म के वन्तरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, मर्भात् :-- (1) मै० यास्मिन कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री वासू भोजोमल हीरानन्दानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूजींक्य सम्पृतित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिखित में किए था सकोंगे।

अनुसूची

प्लैट नं० 102, पहली मंजिल, ''एकझाटिक'' बिस्डिंग, प्लॉट नं० 515 भीर 516, 17वां रास्ता, खार, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० आई०-2/37 ई०/3545/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक अअक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास आबदी सक्षम प्राधिकारी सक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 2-6-1984

मोहर 🛭

अल्य काई.टी. एत. एव .------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सुमना

नार्व चंद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० आई०-2/37ई०ई०/3616/83-84-अतः, मृझे, एस० एघ० अञ्चास आबिदी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलैट नं० 302, एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, मालवीय रोड, विले पार्ले (पूर्व) बम्बई—57 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 17 अक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफास के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफास का पन्सह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के मीच ऐसे अंतरण के लिय तम पाया न्या प्रतिफास निम्निसित उद्देश्य से अकत अन्तरण मिचित में सास्त्विक क्य से किया नहीं किया गवा हैं:--

- (क) जनसरण से हुई फिसी जान की बानसा, उनस अभिनित्रम को अभीन कर दोने के अन्तरण को सहित्य में कनी करने या उत्तसे नचने में सुनिधा के सिक: बोह्य/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नमा था वा किया जाता चाहिए था, कियाने में सावभा के निए:
- नत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मो, उक्छ अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) मैं जयश्री बिल्डर्स (इण्डिया)।

(अन्तरक)

(2) श्री विलीप द्वारकानाथ शिवेश्वरकर, श्रीर

श्रीमती रजनी दिलीप शिववेश्वरकर । (अन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं !

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भैं, वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त ध्यक्तियों में से किसी स्पक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिद्यात में किस् जा सकोंगे।

स्युक्तीकरणः --इसमें प्रयूक्त श्रम्यों आँर पदों का, जो सकत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्स्यी

फ्लैंट नं० 302, एफ़ पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, मालवीय रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ई०/3616/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 17 अक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण): अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा : 4-6-1984

मोहर 🖫

प्रकृष बाइ .टो. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

क∧र्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरो**क्षण**)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० श्रई०-2/37ईई/7114/83-84—श्रतः सुझे, एस० एच० अञ्चास श्रबिदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शॉप नं० 7, ग्राउन्ड फ्लोर, "ए" विल्डिंग, मुन्दर पार्क, वीरा देसाई रोड, श्राफ श्रंधेरी, वर्सोवा रोड, श्राविवली, प्रधेरी, (पिष्चम), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रन्सूचो में श्रीर जो पूर्ण क्ष्प से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 3-10-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिकत उद्योग्य से उक्त अन्तरण निश्वत में शास्त्रिक ध्रम से कथित नहीं किया गया है अ

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या फिसी अन या अन्य गास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में., मैं, तक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, सर्थात् :--- 1. मैसर्स सुन्दर कन्स्ट्रक्शन कपनी

(ग्रन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र श्रार० मिश्रा,

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कांडे भी वाक्षंप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

वन्सूची

शॉप नं० 7, ग्राउन्ड फ्लोर, "ए" बिल्डिंग, सुन्दर पार्क, वीरा देसाई रोड, ग्रॉफ संधेरो, वर्सोवा रोड, श्रांबिवलो, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्र श्रई-2/37ईई/7114/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एंस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 8-6-1984 मीहर: प्रमुष् साइं.टी.एन.एस.

बायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यजन रेंज-2, वस्त्रई वस्त्रई, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं श्र प्रदे 0-2/37ईई/3535/83-84--श्रतः म्झे, एस० एच० श्रक्यास श्रबिदी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाश, 'उत्तरा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन शक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का फारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उन्तित बाजान मून्य 25,000/-रु. से अधिक है

यौर जिसको सं० फ्लैट नं० 9, 2रो मंजिल, लवली होम, सब-फ्लॉट नं० 8, आफ प्लॉट नं० 5, नार्थ आफ इर्ला नाला, जे० वो० पी० डी० स्किम, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 3-10-1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्दोश्य से उकत अंतरण निम्नलिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबस, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दीन के अंतरक के धायित्व मी कभी करने या उसमें बचने मा श्रीयण के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने धा सीक्षण के लिए;

भतः अस, उन्नर अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, जन्म अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीर जिम्मिलिल अधिरायों, अधीरा:— 33—1460184

- 1. वापनी सन्भोतिकौर क्ट्राल सिंग प्रशेश
 - (भ्रन्तरक)
- श्री मतमोहन महामवाल श्रीर श्री मोतोलाल महामवाल श्रीर प्रवीण महामवाल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वेवित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्प्राधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिय। गया है।

मनुस्धी

प्लैट नं० 9, 2रो मंजिल, लबलो होम, सब-प्लॉट नं० 8, प्रॉफ प्लॉट न० 5, नॉर्थ श्राफ इली, नाला, जे०बी०पी० जी० स्किम, बम्बई-49 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2/37ईई/3535/83-84 श्रोप जो सक्षम श्रीधकारो बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रक्कास श्रक्कितो सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रोज-३, बस्बई

दिनांक: 7-6-1984

मोहरः

प्रकार वाहा. टी. एन. एस. -----

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिलांक 8 जून 1984

निवेण सं० अई०-2/37ईई/7566/83-84---अत: मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदो,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उवस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावन संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० गाला नं० की-217, हिंद सौराष्ट्र ,सिवस गण्ड इण्डस्ट्रियल को-धाप० सोसायदी लिमिटेड, मरोज नाका, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा धायकर धिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 27-10-83

को प्योंक्श सम्परित के उचित बाजार मृत्य से क्षम के स्वयमान प्रतिफाल की लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके उन्यकान प्रतिफाल सं एक इन्यकान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ति तियों) के बीच उसे अलारण के विश् तय एका गया। प्रतिक कब निम्नोनिकत सद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित मो वास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिन्यम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्य मों कभी अपने या उसरों बलने में मुनिया के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्त्र भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती पूप्पा डी० माथार

(ग्रस्तरक)

2. मालीक सन्स डाङ्ग एण्ड कैमिक्टम ।

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधि तेग में सम्पन्ति है)

भी यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवा**हियां करता ह**ें

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को**एं** भी आक्षेप ह

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की लारीका से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी कर्नी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्विधतयों में संकिसी क्यों कर देवारा;
- (स) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति बुबारा अभोहस्साक्षरी के पास विकास में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इतमें प्रयासत शब्दों और पत्ती का, जो उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया। गता है।

मन्स् ची

गाला नं० वी-217, हिंद सौराष्ट्रं सर्विस इण्डस्ट्रियल को-श्रापरेटिव सोसायटी लिभिटेड, मरोल नाका, श्रंशेरो (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुपूची जैना कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/7536/83-84 श्रीर जो सजन गांधिक रो जम्बई हारा दिनांक 27-10-83 को रिजस्टर्ड किया गर्धा है।

> एम० एम० श्रव्यास श्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीम रेंज-2, सम्बर्ध

दिनांक : 8-6-1984

माहर:

प्रारूप भाइ.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० श्रई०-2/37ईई/7279/83-84—-ग्रतः मुझे, एस० एच० श्रुब्बास श्रविदी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल शेंड नं० 149, शिव शिक्त इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, एस० नं० 79, प्रार० नं० 16, एस० नं० 80, एच० नं० 1, प्राप्त मरोल व्हिलेंज, प्राप्त प्रधेरी, कुर्ला रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 7-10-1983 की

पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसितित 'उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में वास्तिक रूप से किया गया है। —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्का अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अस, उत्कत मीधिनियम की धारा 269-ग की, जनसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:---- 1. मैसर्स शिव शक्ति बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आक्स बिझनेस वेंचर्स।

(भन्तरिर्मा)

हो यह सूचना जारी करके प्वींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 विन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या ग्या हैं।

मन्स्ची

इण्डस्ट्रियल शेंड नं० 149, शिव शिक्त इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, ग्रार० नं० 16, एस० नं० 80, एस० नं० 1 श्राफ मरोल व्हिलेज, श्राफ ग्रंथेरी, कुर्ला रोड, ग्रंथेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैपा कि कि० सं० अई-2/37ईई/7279/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 7-10-83 को रिजस्टर्फ किया गया है।

> एस० एच० भ्रव्यास प्रविदो सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 8-6-1984

मोहरः

प्ररूप भार्द .टी.एन.एस. ------

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 7 जुन 1984

निदेश सं० ऋई०-2/37ईई/3588/83-84——ग्रतः मुझे, एस० एच० श्रज्यास श्रविदी.

ायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की धारां 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है:

श्रीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल गाला, उद्योग मंदिर प्रिमायसेस, को-ब्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड, नं० 1. 7 मो, पिताम्बर लेन, माहीम, बम्बर्ध-16 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूचों में ग्रीर जो पूर्ण खप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिन्यम 1961 के की धारा 269 क ख के श्रीन सक्षम प्राधिकारी श्रम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रों है दिनांक 5-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिद्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बातरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप में करियत से नहीं किया गया है : ...

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उना मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कर दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुशरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीत १--- 1. श्री भागोक नारायण कदम।

(मन्तरक)

2. मैसर्भ विमसन्स प्रिटर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अदिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए आ सकोंगे।

स्पस्त किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भन्स्ची

दृण्डस्ट्रियल, गाला, उद्योग मंदिर प्रिमायसेस को-श्रापरेटिय सोसोयटी लिमिटेड, नं० 1, 7 सी, पितास्वर लेन, माहीम, यम्बई-16 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2/37ईई/3588/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्धास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनाक : 7-6-1984

गांहर:

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भा<u>रत</u> सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/3571/83-84---अत:, मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं शांप नं 6, शिरीन सोहराब पलैसं, विलिंडग, प्लॉट नं 225, नरीमन रोड, विले पालें, (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनायम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीधिन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 5-10-1983 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं, और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिश्वत से बाधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया ग्या प्रतिफल, निम्नुनिवित उड्डवेय से उक्त बन्तरण निवित में बास्तविक स्पू से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से झूर्य किसी याय की वाबस उक्त निध-निध्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे यचने में तुनिधा के लिए; भोर/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम् या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तृत्विचित व्यक्तियों, अर्थात् ं— 1. थी सवानी फैमिली, ट्रस्ट।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मनी संब्स कारपोरेणन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिकत कर किन्द्री में से किसी क्यक्ति व्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रगुपत शब्दों और पदों कार जो उक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्वी

शाप नं० 6, 'शिरीन सोहराब पूर्लस'', बिल्डिंग प्लांट नं० 225, नरीमन रोड, विले पार्ले, (पूर्व). बम्बई-57 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-2/37ईई/3571/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1983 को रजिस्ट्री किया गया है।

एस० एच० अञ्जास श्रविदी
सक्षम श्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज 2, बम्बई

विनाक **३** 8-6-1984 मोहर ३

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुपना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० प्रई०-2/37ईई/7961/83-84→-प्रतः, मुझे, एस० एच० प्रज्वास प्रजिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० णाप नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, 'ट्वीन टॉवर्स', प्लाट नं० 8-ए, ग्रीन 8-बी, एस० नं० 41(पार्ट), व्हिलेज ग्रोणिवरा, ग्रंधेरी, (पिण्चम), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रयाकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क्खा, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 14-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित माजार शृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में श्राम्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संहुई किसी आयुका बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वर 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :-- 1. इंदरजीत प्रापर्टीज प्राईवेट लिमिटेड।

(ब्रन्तरक)

2 (1) श्री सिरजे ए० सिमेंटवाला, ग्रौर

(2) श्रो कैसर ए० सिमेंट वाला श्रौर

(3) श्री लोलाशी के० हैजनमाडी ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उसत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विये जा सकने।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

गाप नं० ६, ग्राउन्ड फ्लोर, "ट्वीन टावर्स", प्लाट नं० 8-ए, भौर 8-बी, एस० नं० 41 (पार्ट), व्हिलेज श्रोशिवरा, श्रेधेरी (पश्चिम), बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/7961/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्बास ग्राबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 8-6-1984

मोहरू 🗈

प्रस्प बाह'. टी. एन. एस. -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

स्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जून, 1984

निर्देश सं० ग्रई०-2/37ईई/7530/83-84—- ग्रत, मुझे, एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/34, 3 री मंजिला गिता किरपा को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जे० पी० रोड, श्रंधेरी (पिग्चम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका कर्ररानामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क खके श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-10-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्पास की स्था सा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी झार्य की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ब्रन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयतार करिनियम, 1922 र (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ जनरिती ज्यारा प्रयट नहीं जिया गया था सा किए। है एता चित्रण था, किए। में सुविधा की सिहर,

भतः वद. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वन्तरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :-- 1. श्री युनुस डी० वंकड।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती हबीबा एस० फाझलभांय, ग्रौर श्रीमती नूरजहांन एम० फाझलभांय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्**यी**

पलैट नं० /34, 3री मंजिल, गिता किरपा को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जे०पी० रोड ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-2/37ईई/7530/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 23-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, बम्बई

दिनॉक: 11-6-1984

मोहर :

अरूप बाह^{*}. टी. **ए**व्. एस.-----

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के नभीत सुभना

भारत सरकाड

कार्याज्य, बहायक मायकर माय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्ोंग सं० श्राई०-2/37ईई/7512/83-84--श्रतः मुझे, एस० एच० श्रव्वास श्रविदी,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उत्पित बाजार मृस्य 25.000/- रह. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 2. ए-विंग, 2 री मंजिल, मिन् मिनार, धीरा देसाई रोड, श्रंघेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 21-10-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बे यास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंगी किसी अप या किसी भन या अन्य अधिसयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा अकट नहीं किया गया था या किन्या जाना चाहिए था, छिपाने या सित्रधा के चिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण थों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, अर्थास् म्राम्स 1. मेसर्ग मिन् चिरूपर्य ।

(ग्रन्तरक)

2. प्रेरणा विपिन लोहाना ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रुंभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्यव्दीकरण: इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 2, ए-विंग 2 री, मंजिल, मिनू मिनार, वीरा वेसाई, रोड, श्रंधेरी, (पूर्व) बस्बई में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्चाई-2/37ईई/7512/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-10-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० ए**च० श्रब्धास श्रविदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक : - 8-6-1984

मोहर 🖫

प्रकृष वाद् .टी. एन्. एस् , अवस्त्र स्थान

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के बाधीन संघत

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जून 1984

निदेण सं० श्रई-2/37ईई/3558/83-84—श्रतः मुझे, एस० एच० भ्रब्बास श्रबिदी,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूनके पृष्टपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, 1ली मंजिल, श्री ईंग्यर सदन को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, टी० पी० एस० 111 16, वारस्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-10-1983

को पूर्वोंक्स सम्परित के उभित बाजार मूस्य से कम के क्ष्यमान प्रसिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (बम्दरितियाँ) के बीच एसे अन्दरण के निए तम पाम गया प्रतिकृत का निम्नितियाँ उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किया भया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे वचने में सूर्तिभा के सिए; औद्वर्णमा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्रीमती रजनी चन्द्रचूड़ ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मनोहर बालचन्द सखरानी ग्रौर श्री बालचन्द के० सखरानी।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यष्ट्र सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सबिभ या तरसम्बन्धी स्थित्तयों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित स्वारा;
- (क) इत् सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए वा सकोंगें।

अनुसुची

फ्लैट नं० 3, 1ली मंजिल, श्री ईश्वर सदन को-ग्रापरेटिय हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, टी० पी० एस० 111, 16वाँ रस्ता, बांद्रा, बम्बई -50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-2/37ईई/3558/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० भ्रब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-6-1984

मोहर ः

34-146GI|84

प्ररूपः बाह् .ट्री.एन्.एसः.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1984

निवेश सं० अर्द०-2/37ईई/3572/83-84-- अत: मुझे, एस० एच० श्रब्बास अबिदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित दांबार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० णाप नं० 14, विणा विणा आंपिग सेंटर, प्रिमायसेस, को-श्रापरेटिव सोसायिटी लिमिटेड, बांद्रा (पश्चिम) बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी बम्बई स्थित कार्यालय में रजिस्टई किया है दिनांक 5-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक इप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आप की वाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के हारित्व में अभी करने मा उससे बचने में स्वीवधा के तिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. (1) श्री भ्रमिरमली डी० कारेडिया,
 - (2) श्री प्यारमली डी॰ करेडिया
 - (3) श्री करीमभा डी० करेडिया।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) मैसर्स एस० भ्रार० व्हि॰ पी० गणेश एण्ड एडबरटाइजिंग सर्विसेस भ्रौर
 - (2) श्री नंदलाल चेलाराम कटारा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष-कर्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्था के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी स्मिन्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नगत्त्वी

शाप नं० 14, विणा, बिणा गापिंग सेंटर, प्रिमायसेंस, को-ध्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड, बाद्रा (पश्चिम) बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/3572/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्बास श्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 28-5-1984

महिर:

मुक्तु नार्व <u>,हर्वे ,युव्, युक्तु ,</u>जनवन्त्रवन्त्रव

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

भारत चर्चार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/3531/83-84---श्रतः मुझे, एस० एच० श्रब्धास श्रबिदी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी/26, शिव श्रस्थान (खार), को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 31, टी०पी० एस० 111, 16 वा रस्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबता, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा जो लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1') के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सुरजीत के० गुजराल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जैनाब मोहम्मद खारुफी ।

(ग्रन्तरिती)

भा बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

फ्लैट नं० सी/26, शिव श्रस्थान (खार), को-श्रापरेटिय हार्जिसम सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 31, टी०पी० एस० III, 16 वा रस्ता, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं०श्रई/०-2/37 ईई/3531/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्बास श्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-11, बस्बई

दिनांक : 8-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप नाहें.टी.एन.एस_, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुन 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/7291/83-84--श्रतः मुझे, एस० एच० भ्रब्बास श्रबिदी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं इण्डस्ट्रियल णेड नं 147, 1ली मंजिल, पीठ नं 111, शिव शिक्त, इण्डस्ट्रियल, इस्टेट, मरोल व्हिलेज, ग्राफ ग्रंधेरी कुर्ला रोड, ग्रंधेरी (पूर्व) वस्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269 कला के ग्रंधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीला 8-10-1983

को प्वांक्त सम्पर्ति के उचित बाबार मृत्व से कम के क्रयमान प्रितिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिस उद्वेष ये उसे बन्तरण सिवित में बास्तिवक क्ष्य से सिवत नहीं किया वया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्या अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् !:--- 1. मेसर्स शिव शक्ति बिल्डर्स !

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स व्हि० के० इंजीनियरिंग कम्पनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्रित के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनसभी

इण्डस्ट्रियल शेंड नं० 147, 1लीं मंजिल, पीं० नं० III, शिव शिक्ति, इण्डस्ट्रियल इस्टेट मरोल व्हिलेज, ब्राँफ अंधेरी, कुर्ला रोड, ब्रंधेरी, (पूर्व). बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37ईई/7291/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1983को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्वास ग्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-6-1984

मोहरू 🛭

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत बरकाड

कार्यास्य, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

अजन रज-2, बम्बाइ

वम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० आई० -2/37ईई/7236/83-84—अतः, मुझे. एस० एच० अब्बास अबिद् ℓ ,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्जार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 2 माला नंबर्स 24 और 25 एट श्री नाथ इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली, केंब्ज रोड, अंघेरी (पूर्व), बम्बर्ड- 93 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अंधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-10-1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से क्षिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश से उक्त संतरण निवित्त में बास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से धुड़ां किसी जान की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्र्योजनार्भ अन्त्रिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में त्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्र—

- 1. मैंसर्स स्टार फूट प्रोडक्ट्स (प्राइवेट) लिमिटेड । (अन्तरक)
- 2. मैसुमें अमी प्लास्टिक्स (प्राइवेट) लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना आ<u>री करके पूर्वोक्स सम्परित</u> के अर्जन के सिए कार्यमाहियां करता हूं।

उसत् सम्पृतित के वर्णन के स्म्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्विक्तयों में से किसी स्विक्त बुवारा।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयोक्त शब्दों और पृदों का, जो जनस जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मनुसूची

2 माला नम्बर्स 24 और 25, एट श्रीनाथ इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केब्ज, रोड, अंधरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/7236/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एन० अब्बास ग्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 8-6-1984

मोहरः

प्रकल कार्ड. टी. एन. एसं. a - - ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नेभीन सूचना

प्रायुक्त सहस्राह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

ानर्देश सं० आई०-2/37ईई/3639/83-84---अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 208-बी, माहीम सर्विस इण्डस्ट्रियल (इण्डस्ट्रियल यूनिट), आफ मोरी रोड, मःहीम, बम्बई-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की द्यारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांक 17-10-83

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है जार मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि---

- (क) अन्तरभ से हुइ कि की जाव की वायता, उपते अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सर्विभा के जिए अक्टि/या
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी भग वा अन्य शास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- ा श्री भगवानदास, ए० जानी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कांचन डी० राव.

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत . अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

माला नं ० 208-बी, माहीम, सर्विस इण्डस्ट्रियल (इण्डस्ट्रियल युनिट), आफ मोरी रोड, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

अमुसूची जसा कि क० सं० आई-2/37ईई/3639/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अन्त्रास अविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

विनोक: 11-6-1984

मोद्धर:

प्रकार कार्य .टी .एन .एस .------

भायकार आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मार्ख बरकार

कार्यालय, सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का स्थारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 407, सीं० टीं० एस० 1067, सागर तरंग, जय प्रकाण रोड, पिकनिक काटेज वसींवा के सामने बम्बई—61 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजा मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से **हुई किसी आय की बाबत,** उक्त **अधिनियम के अधीन कर दोन**े के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिकियमः की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातुः—

श्री राधा नाथ श्रज्ञप्पा कुड़वा,
 श्रीर श्रीमती प्रिती राधानाथ कुड़वा।

(भ्रन्तरक)

2. कैंप्टन मेहेरनोण बी० इरानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो ।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बर्भ में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

फ्लैंट नं० 407, सीं० टी० एस० 1067, सागर तरंग, जय प्रकाण रोड, पिकनिक काटेज वर्सोवा के सामने, बम्बई 61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्र\$-2/37 \$\$/7142/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब\$ द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० ग्रन्बास ग्रबिदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-6-1984

मोहर:

ं प्ररूप आर्ड ० टी० **ए**न० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ?69-च (1) के अधीन स्थना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1984

निर्देश सं० श्रई-2/37 ईई/3560/83-84—-श्रतः मुझे, एस० एच० श्रद्भास श्रविदी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, 4थी मंजिल, पिनहे अरो, श्रपार्टमेंटम, सेंट जान बाप्टीस्ट रोष्ट, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-10-1983 को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के सिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण मिबित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुः किसी नाम की नामत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी कहने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भव या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गदा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सर्विधा के लिए;

बतः बतः, उक्त अधिनियम कौधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री मोहन एच० लालवानी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मेरलेन इलिजा बेथ पिरेस।

(भ्रन्तरिती)

अन्तरिती

(त्रह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप ा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

वनुसूची

पलैट नं० 403, 4थी मंजिल, पिनहेग्ररो श्रपार्टमेंटस, सैंट जॉन बाप्टीस्ट रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/3560/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० ग्रब्झास श्रबिदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1984

मोहर :

प्ररूप_ः आ**र**्, टी. एन्ः, एसः, -----

आयभ्रंप अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देक्षण)

स्रजीन रोज-2, बम्बई सम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/3554/83-84---- प्रत: मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-तः से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 401, 4थी मंजिल, एफ० पी० नं० 611, टी० पी० एम० III, माहीम, 147, एल० जे० रोड माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 26 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है नारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में भामतिक रूप में अधित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आधत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः कात्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः---35---146GI|84 1. मैसर्स सुहेल धन्स्टुनगन ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जहिंद याकूब अबली।

(ग्रन्तरिती)

3. भाडूत।

(बह् व्यक्ति, जिसके <mark>श्रधिभोग</mark> में सुम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें अयुवत शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होंगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, 4वी मीजिल, एक शो० नं० 611, टी० पी० एस० III, माहोम, 147, एल० जे० रोड, माहोम, बस्बई—16 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क० मं० म्रई-2/17ईई/3554/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी, सक्षम प्राधिकारो. सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

नारोख: 8-6-1984

मोहर:

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

यार्थानयः, सहायाक आयकार आय्कतः (निरिद्याण) अर्जन रोज-2, त्रम्बर्ध

वम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं ० प्रर्थ $-2/37/\frac{25}{5}/7582/83-84$: — प्रतः मुझे एस० एस० श्रद्धास श्रदिदी,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 ए, पिकनिक ग्रपार्टमेंट्य को-श्रापरेटिव हाउसिंग मोसायटी, सर्वे० नं० 56, वसींक्षा, प्रत्येरी (पिच्चम) बम्बई—61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कल के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 28-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिघात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में भास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए:

अतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निस्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्रीमती जिन्दू मधन।

(भन्तरक)

 श्रीमती मुकनविका, श्रौर श्री मुंदरामा णेट्टी ।

(अन्मरिती)

3. श्रीमती विदु माधव श्रौर उनकी फैमिली। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्परविकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया हैं।

फ्लैट नं० 3 ए, पिकनिक श्रपार्टमेंटस को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, सर्वे० नं० 56, बर्सोवा, श्रन्धेरी (पण्चिम) वस्बई~61 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क० मं० अई-2/37ईई/7582/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 28-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० श्रव्वास श्रविदी, सक्षम प्राधिकारो, सहायक धायकर श्रायुक्त (निराक्षण), श्रर्जन रेंज-2, श्रम्यर्ष

तारीख: 8-6-1984

मोहर:

प्ररूप बाई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बस्बई बस्बई, दिनांक 5 जून 1984 निर्देश सं० ग्रर्ड-1/37ईई/1109/83-84----ग्रतः मुझे, ए०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं ग्रौर जिसको मं० फ्लैंटनं० 201, 2री मंजिल 'संगीत 51-डो. श्राफ भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-400026 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जो श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्टो है, तारीख 5-10-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं ए'से इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री गोबिन्द कालीयनदास दर्धनानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एल० फकी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

मन्भूची 🤛

फ्लैट नं० 201, 2री ''मंजिल; संगीत सरोता'' 51-डी, ग्राफ भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-400026 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37 ईई/1030/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजंन रेज-1, बम्बई

गार्गाम: 5-6-1984

मोहर 🕄

प्ररूप गाई. टी. एन. एस. -----

भाग्क इ कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० प्रई—1/37ईई/1133/83—84——्प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी पलैट नं० 20, 3री मंजिल, "पिटर मार्केल", प्लाट नं० 941 श्रीर 941 ए, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रार जो श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 13-10-1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

्बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) ग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसर्स काश्रीहोम बिस्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

श्री रमणिकलाल गोपालजी महता
 श्रीर श्री विजय रमणिकलाल महता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ट क्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगं।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 20, 3 री मंजिल, "पिटर मार्केल", प्लॉट नं० 941 ग्रीर 941 ए, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित

श्रनुमूचो जैसा कि अरु सं श्रिष्ट मा अर्थ । अर्थ ।

, ए० नहिरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5 -6-1984

भोहर 🖫

प्रस्थ बाइं. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जान रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० ऋई-1/37/ईई/2373/83-84--ऋतः मुझे, ए० लिहरी,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको पेलैट नं 72, विंग "डी" 7 वी मंजिल, ममता अपार्टमेंट, प्लाट नं 926, टी पी एस नं 4, माहिम, न्यू प्रभादेवी रोड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जो स्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज्स्ट्री है, तारीख 10-10-1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मृभों यह निश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है

- (क) मस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्च बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे न्यने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. मैसर्स गृदेचा बिल्डर्स।

(भन्तरक)

 श्रीमती उमिलादेवी एम० भारतीया श्रीर श्री मोहनलाल बी० भारतीया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितम्ब्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार तिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया म्या है।

असस ची

पलैट न० 72, विग ''डी'', [7वी मंजिल, ममता श्रपार्ट-मेंट, प्लाट नं० 926, टी० पी० एस० नं० 4, माहिम र न्यू प्रभावेथी रोड, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-1/37ईई/3591/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 10-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

गु० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बस्बर्ड

तारीख: 5-6-1984

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज 1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश स० श्रई-1/37/ईई/1075/83-84--श्रत: मुझे ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह जिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 15. विजय चेम्बर्स, विभ्वन रोड, ड्रिमलैंड सिनेमा के सामने, वम्बई-400004 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-10-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) रैन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् के-- 1. मैसर्म वैस्टोन इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2. नन्दलाल कन्हैयालाल पंजाबी।

(अन्तरिती)

3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाञन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंशारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए जा सकींगे।

रपष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

15, विजय चेंबर्स, त्रिभुवन रोड, ट्रिमलेंड सिनेमा के सामने, बम्बई-400004 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क मं० ग्रई-1/37ईई/1006/83–84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिक(री, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10–1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-I बम्बई

तारीख: 5-6-1984

मोहर 🛚

प्रक्ष वार्षः टी. एन्, एव, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज- बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० थर्द-1/37/ईई/1072/83-84---ध्रतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 707, 7वी मंजिल, "मुन्बर टावर" ठोकरणी जिवराम रोड, सिवरी, बम्बर्ड-15 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रीर जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रीन बम्बर्ड स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 6-10-1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित नाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उजित बाजार मृत्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय शवा गया प्रतिफल निम्निश्चित उद्यवस्य से उक्त अंतरभ निवित् में वास्तिष्क कम से कामित् नृहीं किया गवा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाद की नावत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों करें जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्ग गुन्दर बिल्डर्म।

(भ्रन्तरक)

2. केवल चन्द्र बी० जैस ।

(धन्तरिती)

को यह स्थना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-इस् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होगर जो उस अध्याय में विया शबा है।

ममुस्ची

पलैट नं० 707, 7वीं मंजिल, "सुन्दर टावर" ठोकरणी जिवराज रोड, सिवरी, वम्बई-400015 में स्थित है। स्रतुमूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37/ईई/941/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनाक 6-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० नहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजन रेज-िबस्बई

तारोख: 5-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप नाइं.टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, यम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश स० प्रर्ड-I/37/2 1076/83-84 अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 704, 7वीं मंजिल, "मंगल कुज" माउन्ट प्लेझेंट रोड. मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्रों है, तारीख 3−10−1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल के एसे रूपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्का , निम्निशिखन उद्दोप्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाव की वासक, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दाशित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;
- तः अन्, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण के उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उग्धारा (1) ्निस्तिखित व्यक्तियों, कर्भातः :---

1. श्रीमती वन्द्रकला प्रसनचन्द्र जी मेहता।

(ग्रन्तरण)

 श्री प्रवीणभाई मी० णाहा थौर श्रीगती गीभना पो० गाहा श्रीर मास्टर विरेन पो० गाहा।

(ग्रन्नरिती)

3. श्रन्तरितियों

(यह ब्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता क्ष्मां।

चन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्चना के राजपश में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कीधीनसम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में सिसा प्रया है।

मनुष्यी ।

फ्लैंट नं० 704, 7वी मंजिल, "मंगल कुंज" माउन्ट प्लेझेंट रोड मलमार हिल, वम्बई-6 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-1/37 ईई/1064/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा जिसके दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्श किया गया है।

ए० लहिरो, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई 1

नारीख: 5-6-1984

मोहरः

प्रारुप आहुँ, टी. एन. एस. ------

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज~ा, बम्बई

अम्बई, दिनांक 5 जुन 1984

निर्देश म० प्रई-I/37ईई/1077/83-84-- प्रत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हाँ

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 701, 7वीं मंजिल, "सुन्वर टॉवर" ठोकरणो जिवराज रोड, सिनरी, बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जो भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सबिधा केलिए।

अतः अम, उमत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---36--146GI/84

1 भैसर्स सुन्दर जिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

ं 2. •श्री मणिलाल दामजी शाही।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्णीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितववुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो उसस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

नम्सूजी

फ्लैट नं० 701, 7वीं मंजिल, "सुन्दर टॉवर" ठोकरशो जिवराम रोड, सिवरो, बम्बई-15 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० भ्राई—I/37ईई/931/83−84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-10-1983 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर म्रायक्त (निरीक्षण), ब्रर्जन रेंज-I, **बम्ब**र्ड

तारीख: 5-6-1984

मोहर:

प्रकृप बाइं..टी. एन. एस,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश स० अर्ड-3/37ईई/3343/83-84--- अतः मुझे, ए० लहिरी,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 504, 5वीं मंजिल, "पूजा" माहूल रोड, घेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसक करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पति के उत्पत बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रिक्त के लिए ग्रंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्पत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से प्रधिक है और खन्तरक (अन्तरकों) और खन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे खन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजिति उद्देश्य से सन्तर भन्तरण निश्चित में बास्तविक कप से स्वित नहीं। किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी. करने या उससे बचने मे तृधिशा के सिए; और /या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नलिखित व्यक्तिः में, अर्थात ६—- ा श्री कल्पेश श्रार् जैन।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स श्रहसार इन्क्हैस्टमेंटम।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राज्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पक्कीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 504, 5वीं मंजिल, "पूजा" बिल्डिंग, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-3/37ईई/1449/83-84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया।

> ए० ल**हिरो,** सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्राजैन रेंज-III, यस्बई

दिनाक : 4-6- 1984।

महिर:

प्ररूप बाइ¹.टी.एग्.एड_{.,}------

जायकार ब्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत बरकार

कार्याक्रम, सहायक गायकार गायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 जून 1984

मं० आई-3/37ईई/3489/83-84:--अतः मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जो/7 सी० टी० एस० नं० 5785 एण्ड अदर्स, विलेज कोन कल्याण. कालीना, बम्बई—29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 रुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) नौर अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त मन्तरण निवित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था. जिनामें में सूर्विधा के लिए;

जतः। अव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीन, निम्नीसिवत व्यक्तियों, जमति ह---- 1. मैंसर्स गोल्डन कन्स्ट्रक्णन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री हेनरी डिसोजा और श्रीमती डी॰ डिसोजा।

(अन्तरिती)

की यह तुचना कारी करकी पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत संपत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेष् :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की नवीं या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी वर्षीय वाद में समास्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवात में किए वा सकने।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, भी उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिना स्वा है।

वनसूची

पलैंट नं० जी/7, सी० टी० एस० नं० 5785 एण्ड अदर्स, बिलेज कोले कल्याण, कालीना, बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कसं० आई-3/37ईई/1447/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर-आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्मई

दिनांक : 14-6-1984

मोहर :

प्रका बाह्री, डी., हुन्, एव ,-----

शायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीत सुचना

मारत संस्कार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० अई--3/37ईई/3354/83-84---अतः मुझे. ए० लहिरी, !"

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/-क. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट मं० 63 पंकज, "बी" बिल्डिंग, 2री मंजिल, इन्द्रिय सोसायटी लिमिटेड के बाजू में, एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है। (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वदेय से उक्त अन्तरण किखत में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त जीधिन्यम के जधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे जधने में सुजिआ के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं सिक्;

अत: अथः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की स्वभारा (1) के अभीत, निव्यक्तिस स्वक्तियों, अर्थात् ः--- 1. श्री सुधीरचन्द्र जे० खारा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हेमलक्षा एल० ठक्कर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितः के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की टारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए था सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^त, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुषी

प्रतिट नं० 63, पंकज, ''बी'' बिल्डिंग, 2री मंजिल. इन्द्रदिप, सोसायटी लिमिटेंड के बाजू में, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कल्सं अई-3/37/ईई/1424/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 3-10-83 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

रिमांक: 14-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहर्. टरे. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून, 1984

मं० अर्ड-3/37र्हेर्ड/3640/83-84:——अन्ः मुझे; ए० ं लिहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा-269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव ग्राउण्ड फ्लोअर ऑर 1ली मंजिल, मालडा इण्डस्ट्रियल, यूनिटस को आपरेटिय सोसायटी, लिमिटेड, 8, शक्ति निवास, रामचन्द्र लेग विस्तारित, मालाड (पिष्टम), वस्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आवकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3-10-83

कां प्रविक्त संपत्ति के जाचत बाजार मृल्य में क्य के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह निक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संस्पत्ति का जाचित जावार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घट-कर अधिनियम, या घट-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भों, भों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः— श्री मोहन लाल एल. चित्रोडा।

(अन्तरक्)

2. मेनर्भ वर्णा इण्डांस्ट्रज ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त संपरित **के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हों:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस लूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की सविध, जो भी जबधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित री, पद्रिक्षर्य होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

याउन्ड प्रतापर और 1लो मंजिल मालाड इण्डेस्ट्रियल वृतिहानो आपरेटिय नोजायटो लिमिटेड, 8, शक्ति निवास, रामचन्द्र लोग विस्तारित, मालाड (पश्चिम), बम्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/1438/83-84 ऑर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~3, **बस्बर्ध**

दिनाक - 14-6-1984 मोहर प्रकार मार्च , की., एवं : एस : - - - - ---

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरस 269-न (1) के नभीन चुमना

भारत वहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/3628/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, 1ली मंजिल ऋषभ छाया फ्लॉट एस नं० 74, सी० टी० एस० नं० 564, ब्रॉफ 90, रोड, डी० पी० रोड, मुलंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूसों में और पूर्ण चप में बिणित हैं), और जिसका जारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के अधीन सक्षम प्राधिनारी, बम्बई के दार्यालय में रिजस्टों है, तारीख 3~10-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिबत उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सभने में सृविधा के सिए और/या
- (ब) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन है निम्निसिस्त म्युक्तियाँ हैं । विस्ति हैं— 1. श्री अजय बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता रवी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यमाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीच रं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 6, 1लों मंजिल, ऋषभ छाया, प्लॉट नं० एस नं० 74, सी० टी० एस० नं० 564, ऑफ 90 रोड, डी पी० रोड, मुल्ड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ सं० अई 3/37ईई/1439/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ण्० लहिरी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 14-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आध्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्य्यल्य, सहाय्क भायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून, 1984

निर्देश सं० अई---3/37ईई/3470/83--84---अत: मुझे, ए० लहिरी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० ए० 4, मानव कल्याण हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, बांगूरनगर, गोरेगांव, (प), बम्बई-90 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्का अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री मुरारी प्रसाद शर्मा (मधुप)।

(अन्तरक्र)

2. श्री विजय कुमार खंडेलवाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पत्नैट नं० 3, ग्राउण्ड प्लोअर, बिल्डिंग नं० ए० 4, मानव कल्याण को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटो लिमिटेड, बांगूर नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-400090 में स्थित है।

अनुसूची जैया कि ऋ सं० ग्राई-3/37/ईई/1435/83_ 84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, वम्बई

दिनां कः : 14-6-1984

मोहर:

प्रस्पं आहें. शी. एन , एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन ग्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-प्रा, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून, 1984

निर्देश मं० ग्राई०-3/37ईई/3643/83-84—-प्रतः मुझे, ए० लहिरी

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - उसे अभिक है

श्रौर जिसकी सं० शॉप नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर, मॉलाइ ग्रंबिका प्रिमायसेस, को-आपरेटिव मोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 29, श्रप्पर गोविन्द नगर, मालाड (पूर्व), बम्लई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कखके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिपक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हाई किसी अध्य की शांधितयम के अधीन कर दाने के नामरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी बन या अध्य सास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था विभान में वृष्टिधा के लिए।

जतः अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उच्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1 ए० ३० विवामी,

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुलाबी देवी कमला प्रसाद दुवे

(श्रत्तरिती)

3 जन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह भूषमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति हवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा भकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्वी

शॉप नं० 1, प्राउन्ड फ्लोर, मालाड श्रंबिका प्रिमायसेम को-प्रापरेटिय सोसायटी लिमिटेड प्लॉट नं० 29, प्राप्पर गोबिन्द नगर, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-3/37ईई/1405/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 3-10-1983को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक: 14-6-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. धुन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

भार्यालय, महायक भायकर भायक (निरीक्षण)

धर्मन रेंग 3, बम्बई

वस्त्रई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश मं० श्रर्द०-3/37र्दर्द/3371/83-84---श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० यूनिट नं० 46, प्लाट नं० 10-वी, सबर्बन, स्कीम, नं० 11, सर्वे नं० 26 (पार्ट), ट्रॉम्बे. नॉर्थ ईस्ट में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका करारतामा स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ही है दिनांक 3-10-1983

कां प्वोंकत सम्परित के उणित बाजार मृन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का आरण है कि सथाप्वोंकत सम्परित का उण्जित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देष्य में उक्त अन्तरण कि सित में वास्तिवार स्प में कि भी तथीं विद्या गया है:--

- (क) अन्तरण से तृर्इ िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उसमें वचने मों सृद्धिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट सहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुजिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री नरनणा सोमप्पा कोडिकाल श्रीर उमेण, बाबूसानिल (ग्रन्तरक)
- श्रीमनी केठ सौदा किनी रामन ।
 (य्रनारिती)
- अन्तरको

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 णहा इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को-ग्रापरेटिक कोसायटी लिमिटेड ।

> ('वह व्यक्ति, जिसके सारे में अधोहस्तारी जानना है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे

स्यक्षिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसभी

यूनिट नं० 16, प्लॉट नं० 10-बी, सबर्बन किस्म नं० 11, सर्वे नं० 26 (पार्ट), ट्रॉम्बे नॉर्थ ईस्ट में स्थित है।

ग्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई- 3/37ईई/1442/83-84 ग्रारै जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को राजस्टिई किया गया है।

> ्र लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहाथ हे अध्यक्षर आधुक्त (निरीक्षण) प्राप्तेन रेजि-!!!, बम्बर्ड

दिनांक : 14-6-1984

प्रका नाही. थी. एन. एस.----

बासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नामुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० ए० लहिरी:

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधितियमें कहा गया हैं), की भारा 269 स में अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/~ रह. से अधिक हैं

थौर जिसकी सं० मालाड गाँपिंग सेंटर, एस० व्हि० रोड, मालाइ, (पण्चिम), बम्बई-६। में स्थित है (और इसमे उपावछ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम, 1961 की धारा 269 कखके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-83 को पुर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रर्गुमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त मन्पत्ति का उचित बाजार मृल्य., उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का वेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के शीथ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिपाल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निवित में मास्त्रविक स्था से कथित नष्टी किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के वायित्व में कभी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः वब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 📽 अधीन , निस्तितिखत स्वयुक्तियों , अर्थात् :----

1. भी मोहन जाल देवी चन्द्र शहा

(श्रन्तरक)

2. श्री जयन्त कुमार बाबू दास शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्तत सपरित के कर्जन के सर्वाभ मा काड़ी भी बाक्षांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख सं** 45 विन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियाँ पर सचना की सामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्भा और पद्यों का, जो मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्यास से दिया

अनुस्ची

मालाङ, भौषिंग सेंटर , एय० व्हि० रोड, मालाङ (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37ईई/1426/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी गक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-111, बम्बई

दिनांक : 14-6-1984

मोहर 🖫

पुरूष बाह्य, टी., एन., एस.,- - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज 3, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक (४ जून, 1984

निर्देश सं० ग्रई०-3/37 ईई/ $3\hat{6}31/83-84$ —-ग्रतः मुझे, ए० लिहरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

द्यौर जिसकी सं० फ्लैंट तं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, ''साईवाबा पार्क,'' श्राणिल बिस्डिंग, मिथ चौके, मार्वे रोड, मालाड (पिच्चम) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब अतुसूची में और जो पूर्ण रूप मे विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी वम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वेक्त सम्पृष्टि के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पृष्टि का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल के पद्रष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरित्यों) के बीभ एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ता) एस कियो आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती हजार प्रकट नहीं किया गया या तिया जाना सहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए;

अत अब उकत अधिनियम की धारा २६९-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-थ की उरधारा (1) के अधीन, जिस्तिवित्त व्यक्तियों, जर्भात् :--- 1. मैंसर्स धरण कुमार एण्ड एमोशिएट्स

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरांबर कोर बिन्द्रा।

(ग्रन्तरिती)

3. विकेता

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन क सम्बन्ध में काई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अवधि या तत्साम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्पछ्योकरण .— इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं 2, प्राउन्ड फ्लांर, "गाईबाबा पार्क", श्राशिश बिहिंडग, मिथ चौके, मार्वे रोइ, मानाड (पश्चिम), बम्बई-त्य में स्थित है।

भ्रमुसूची जैसा कि अ० सं० अई-3/37ईई/1399/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० जाहिंगी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजेन रेज-III, बस्बई

विगांक : 14-6-1984

प्रकृष आई. टी. एन्. एस्. ----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज•3, बम्बई बम्बई, दिनाक 14 जून, 1984

निर्देश मं० श्रई०-3/37ईई/3636/83-84——श्रतः मुझे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उबत अधिन्यमं कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा स अधिक ही

ग्रीर जिसकी सुं नं 205, 2री मंजिल, कोपासी निवास को-ग्रापरेटिक हाउसिंग सीस यटी लिमिटेड, एस० व्हिं० रोड, मोरेगांव (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण कप स विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिन्यम, 1961 की धारा 269 कस्त्र के ग्राधीन सक्षम प्राधिक री बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की वाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सिव्धा के लिए।

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कन्सरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्षत व्यक्तियों. अधीत :—— 1. श्रीमती णानाबाई मोहम्मद साले पारकर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री धिरजलाल जेथा हारीया,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

पर्कट नं० 205, 2 री मंजिल, कपासी निवास को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिसिटेड, एपर० व्हि० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क॰ सं॰ अई-3/37 ईई/1406/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई हारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिंगी गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-3, बस्बर्ष

क्सिंग : 14-6-1984

अरूप आर्ड.टी.एन.एस:-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्वेश सं० ग्रई०-3/37 ईई०/3614/83-84—ग्रतः मुझे, ए० लिहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० टी-1/13, मालाइ तिशूल को० श्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेइ, फ्लाट नं० 14 सी, सुन्दर नगर, एस० ब्हि० रोइ, मालाइ (पिश्चम), बस्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 श्रवतूवर, 1973 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से बाम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्चेत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बासत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे अचने मों सुविशा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां. अर्थात् :--- (1) श्रीमती माकुन्तला देवी खेरिया ग्रीर श्रीमती ऊषा देवी खेरिया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीण चन्द्र सर्राफ श्रीर श्री काशी प्रसाद सर्राफ ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रंतरकां (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास तिस्ति में किये जा सकींगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० टी-1/13, मालाइ त्रिशूल को० ध्रापरेटिब हार्ऊसिंग सोसाइटी लिगिटेड, प्लाट नं० 14 सी, गुन्दर नगर, एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई० - 3/37 ईई०/1398/83-84 द्यार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० वहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज∸3, बम्बर्ध

ारीख : 14−6−1984 **मोहर** : शरूपः **नार्द**ः टी. एन्. एतः -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरुक्तिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनोंक 14 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई०-3/37 ईई०/3444/83-84--ग्रत: मुझे, ए० लहिरी,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० णाप नं० 1, बिल्डिंग 'बी'' मालाङ णापिंग सेन्टर, एस० बी० रोइ, मालाङ (पश्चिम), बम्बई--64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तुबर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उनुदेश्य से उक्त संतरण लिक्तित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचनकी प्राणिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या थिया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सृविधा के लिए;

बतः वयः, उत्तरं जीवनियमं की भारा 269-गं के जनुकरणं में , में , उक्त अधिनियमं की भाग 269 मं की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नलिखितं व्यक्तियों , अर्थात् :--- (1) मैं नरीमन एण्ड कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निलेश ए० विरानी ।

(श्रन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वीकत सक्यीत्त से वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकांगे।

स्वक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप मं० 1, बिल्डिंग ''बी'' मालाङ शापिंग सेन्टर, एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम मं० ग्रई०-3/37 ईई०/1434/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 3 श्रक्तूबर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, बम्बई

तारीख : 14-6-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुन 1984

निदेश सं० म्रई०-3/37 ईई०/3668/83-84---म्रत: मुझे, ए० लहिरी,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 309 सी, तीसरी मंजिल, मालाड समीर को० स्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, ऊष्मा नगर, मार्घेरोड, मालाड (पश्चिम), बग्बई-64 में स्थित है (स्रौर इसमे उपायद्व स्रन्मूची में द्वार पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा, श्रायकर स्रधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 स्रवतूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वाम्निक मण से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय लाइकर अन्यतिषयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधितियम, वि १८८७ (1937 का १७७ के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री डिसोजा फेडिक ।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल भाल्ला।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां सुरू करता हू।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारां अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

पलैट नं० 309 सी, तीसरी मंजिल, 'समीर'' बिल्डिंग, मालाड समीर को० ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी , ऊष्मा नगर, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम मं० ग्रई०-3/37 ईई०/1400/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बारीख: 14-6-1984

भ्रम्, बाइ, डी. एन. एत. -----

आयकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के समीद मुमना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० ग्रर्ड०-3/37ंईई०/3447/83-84--ग्रतः मुझे, ए० लिहरी,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एलैंट नं० एस० 8, तीसरी मंजिल, हरिद्वार विश्विम नं० 1, एवर शाइन नगर, श्राफ मार्वे रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 के ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के खबमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उव्दोध्य से उक्त अन्तरण लिक्षित में यास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वासित्य में कामी कारने या खल्ल वक्ते में सुनिधा के निए; और/बा
- (क) एंसी कि.मी आय या कि.मी भन या अथ्य जास्तियों नवे, जिन्हों भारतीय आय-५.२ अधिनियस, 1922 (1922 का 11) था उकत अधिनियस, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्तरिती इनारा प्रवाद रहीं किया गया था या विकास जन्म चीहिए था, स्थिपतं औं विकास की सिक्ष

नतः अन उन्त अभिनियम की भारा 269-ग में अनुनरण भा, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जमाति ३── (1) श्रीकुमार एच० सल्ला श्रीर श्रीवी० टी० रहेजा ।

(मन्तरक)

(2) शीमनी कृष्णा गुप्ता ।

(ग्रनरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वाबस सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की बारांस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, कं भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित है. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसूची

फ्लैटनं एम०-8, तीमरी मंजिल, हरिद्वार बिस्डिंग नं 1 एवर शाइनि नगर, ग्राफ मार्वे रोड, गालाड (पण्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/1432/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ग्रक्तूबर, 1983 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-3, बम्बई

तारीख: 14-6-1984

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.: ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० भ्रई०-3/37ईई2/3582/83-84--भ्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० बी-108, विरवानी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वैस्टर्न एक्सप्रेस, हाई वे श्राफ सिबा, गोरे गांव (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क खके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हम से कृथित नहीं किया नया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत स्यक्तियों, अर्थात् क्ष---38—146GI/84

- (1) श्री रमणीक दाम जी धारोड
 - श्रीप्रफुल्ल दाम जी धारोड ।

(अन्तरक)

(2) मै॰ जितेन्द्र पेपर इण्डस्ट्रीज ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरितः के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध भी कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के यास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, पहीं अर्थ द्वोगा जो उस अभ्याय में दिया नवा हैं।

नगुत्तुची

यूनिट न० बी-108, विरवानी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस, हाई वे आफ सिबा, गोरे गांव (पूर्व), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम |सं० ग्रई०-3/37 ईई०/1428/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 14-6-1984

प्रकृष बाई. दी. एन. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ना (1) के अधीन सूचना

HIGH WEEKS

कार्बांचय , सहायक मायकर माय्क्त (निरुक्तिण)

ं भ्रर्जेन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 14 जून 1984

निदेश स॰ ग्राई०-3/37 ईई०/3375/83-84---श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

प्रायकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत प्रश्नितियम' कहा गया है); की खारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25;000/- क से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 201, दूसरी मंजिल, 'डी' विंग, तोलाराम श्रपार्टमेंट्स, चेंबूर कैम्प, बस्बई—74 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, बम्बई सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के धर्यमान् प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रशिक्षल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के सिए स्य पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृधिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी थाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने यो स्विभा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) अदे अधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों, अर्थात् स्र⊸ं (1) मै० कुकरेजा कन्स्ट्रनशन्स कं०।

(ग्रंतरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह श्रमोलह सिंह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति अरा;
- (ख) इस सुचता क राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य स्थावत द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भर्केंगे।

स्पटकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रशिवाद के पटनार 20-नर्ने परिभाषित हैं को सर्वे होगा, जो उस अध्यान में त्या गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 201, दूसरी मंजिल, 'डी', विंग, तोलाराम ध्रपार्टमेंट्स, चेंबूर कैंस्प, बस्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-3/37 ईई०/1444/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई -द्वारा दिनांक 3 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारोख : 14-6-1984

मोहर 🌣

मुझे, ए० लहिरी,

प्ररूप बाह्रं, टी. एन. एस.-----

बास्कर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्देशिण)

भ्रजीन रेंज-3, बम्बर्ष बम्बर्द, दिनांक 14 जून 1984 निदेश सं० अर्द०-3/37 र्ष ई०/3573/83-84--अतः

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाकार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 7, पहुली मंजिल, 'प्राण बिन्दू', फिल्मीस्तान स्टुडियो के बाजू में, श्राफ एस० वी० रोड, दिघे वाडी, गोरे गांव 'पश्चिम), बम्बई—62 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से क्वित तहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को खिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनक र अधिनियम, या भनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गुया भा या किया जाना आहिए था, जिन्मा में सुनियम के लिए;

अतः अस्त, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में , में , उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन्, निम्नक्षिकित व्यक्तियों हा अर्थात् ध— (1) कुमारी मंजु एल० गुप्ता।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कौशस्या विनोद रायशाह।

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वों क्त स्म्यति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता 🕼 (8)

उन्तर सम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वार्षप्ड∽

- (क) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्थित्यों में से किसी स्थित्त द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पलैट न॰ 1, पहली मंजिल, 'प्राण बिन्दू', फिल्मीस्तान स्टुडियो के बाजू में प्राफ एस॰ बी॰ रोड, दिये वाड़ी, गोरे-गांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम स० ग्राई० न 3/37 ईई/1427/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 3 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 14-6-1984

प्रकृत बाहु . टी. एम., एक.,------

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-म (1) के मधीन स्थान

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० श्रई • 3/37 ईई • /3364/83-84---श्रतः मुझे, ए० नहिरी;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० पलैंट न ० 12 बी, तीसरी मंजिल, शीतल श्रपार्टमें ट जंगल मंगल रोड, भांडूप, बम्बई - 78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है ता॰ 3-10-83

को प्रवेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अन्तरितिरों), के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (का) एती किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किस्स गया था या किया जाना चाहिए था कियाने सुविधा के सिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्त्रसिचित स्पिनस्यों, अधीर :--- (1) भी एम० वेलयनधन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जयन्ती लाल बी० खाटेड -श्रीर श्री अमुरीत लाल बी० खाटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यो

फ्लैट नं ० 12-बी०, तीसरी मंजिल, शीतल श्रपार्टमेंट, जंगल मंगल रोड, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/1423/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तुबर, 1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-III, सम्बर्ध

तारीख : 14-6-1984

मोहर 🖫

प्र**क्ष्य जाद**ै । टी., एम्., एक _{प्रत्य}-----

नायकर ग्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के ग्रीन हुम्स

शारव चरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई०-3/37ईई०/3644/83-84---ग्रतः

मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाबार मृस्व 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, तीसरी मंजिल, राधा कुंज 'ए' विंग, निवेतिया रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को प्योंक्त संपत्ति के उचित नाकार नृस्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते वह विकास करने क्य कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्परित का उचित नाकार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से बिक्त है और बंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनों में सिविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी अब वा किसी धन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया का पाहिए था जिना में बृधिया के लिए;

जतः अब उन्सर जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्सर अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निचित व्यक्तियों, अभीत्ः— (1) श्रीमती ग्ररूणा सतीयाकुमार गाह ग्रीर श्रीसतीयानींगनदास भाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दयामन्ती नवीनचन्द्र शाह।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह[े]।

छक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध् में कोई भी कैक्शिप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी विध वाद में समान्त होती हो, के भीतर पृथीं कर स्वितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कृत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्क स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शस निवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योक्करणः ---- इसमें प्रयुक्त कक्यों मरि पदों का, जो उक्त विधिनयम्, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अन्स्थी

अनुसूचो जैसा कि कम सं० अई०-3/37ईई०/1437/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप मार्दं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० अई०-3/37 ईई०/3634/83-84--अतः मृझे,ए०लहिरी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 40, दूसरी मंजिल, हिरेनन शॉपिंग सेम्टर, यूनिट नं०4, एस० बी० रोड, गोरे गांव, (पश्चिम) बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), प्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारी ख 3 अक्तूबर, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक

-रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के सिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :--- (1) श्रीपी० एच० नेनसी लैण्ड डेबलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजया बेन प्रेमजी गाडा और श्रीप्रेमजी लाधा गाडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जा<u>री करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए</u> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

बन्स्ची

पलैट नं 40, दूपरी मंजिल, हिरनेन गापिंग सेंटर, यूनिट नं 4, एस० क्ही० रोड, गोरे गांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई० 3/37 हई ०/1404/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3 अक्तबर, 1983 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० नहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बम्बई

तारीख : 14-6-1984

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की धारा 269-भ (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज~3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्वेष नं ० आई०-3/37 ईई०/3632/83-84/अतः मुझे. ए० लहिरी;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिस इसमें इसम

और जिसकी मं० माला नं० 66, पहली मंजिल, दि यूनिवर्सल इण्डस्ट्रियल इस्टेट ईप्वर भाई पटेल रोड गोरे गांव (पूर्व), वम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी वम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिकित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्किथा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---- (1) श्रीमती कौशिका एच० कौशिका।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा श्रीकांत प्रभू।

(अन्तरिती)

(3) श्री की डी नाबिया

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन के संबंध के कोई भी आक्षेप हिन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें अयुक्तं शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

माला नं ० 66, पहली मंजिल, दि यूनिवर्सल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, ईश्वर भाई पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई--63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1403/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्टूबर 1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयगर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीखा: 14-6-1984

प्रकल बाही, दी, हुम, हुक, """

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० आई--3/37 ईई०/3624/83--84---अत: मुझे, ए० लहिरी

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं । गालान । 9, ग्राउण्ड फ्लोर, गौतम उद्योग भवन, भांडूप, बम्बई – 78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करा रनामा आयकर अधिनियम. 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को प्योंक्त संपत्ति के उणित बाधार भूक्य से कम के अध्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंभाप्बोंक्त संपत्ति का उणित बाजार भूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निसिवत उच्चेक्यों से स्वतः अन्तरण नितिवित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वायत, उपत बाधिनियम से अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वायत्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वाँ
- (क) ऐसी किसी जाम वा किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विभा के लिए;

जतः नध उक्त निभिनयम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीर निम्निजित व्यक्तियों, वर्षातः (1) मैं ० मोती राम तीला राम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अरुणा अशोक शहा।

(अन्तरिनी)

(3) मन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्चन को सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी वन्य व्यक्ति ब्वाय विभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों आहि पकों का, को सकत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा की उस अध्याय में दिका गुवा है।

अनुसूची

गाला नं० 9, ग्राउण्ड फ्लोर, गौतम उद्योगभवन, भांडूप बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1440/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3 अक्सूबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीखा : 14-6-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्यु 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

वम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश स**ँ** आई०-3/37 ईई०/3461/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 769-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लेट नं० 503, पांचवीं मजिल, राजेन्द्र रस्त को० आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड महेग नगर, एस० वी० रोड, गोरे गांव (पिष्चम), बम्बई -62 में स्थित (और इसमे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 अक्टूबर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य उसके रूरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; लौर/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए:

क्षतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 39-146 GI[84

(1) आरोडी० के० कथा।

(अस्तरक)

(2) श्री श्याम सुन्दर मुध्रां।

(अन्तरिती)

(3) धन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्सूची

पनैटनं ० 503, पांचधीं मंजिल, राजेन्द्र रहन को०आपरेटिक हा उसिंग सोसाइटी लिमिटेड, महेश नगर, एस०वी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1431/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांव 3 अक्टूबर, 1983 कोरजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी गक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, **बम्ब**ई

तारीख: 14-6-1984

प्रकप आहे.टी.एव.एस.-----

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

मिदेश सं० धार० ए० सी०/205/84-85--म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहत,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यति बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हुं

मौर जिसकी सं वी-102/18 है तथा जो नामपल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कि) नंतरण से हुई किसी नायू की वावत्, उन्हें जिमित्रम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के सिए; जोड़√या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कों सधीन,, निस्तिसिस व्यक्तियों, वर्धीत ह— (1) मै० नन्दनम कन्स्ट्रक्शस को०,
 5-8-42, फ्तेह सुलतान,
 नामपल्ली,
 हैदराबाद ।

(प्रस्तरक)

(2) श्री बी० सरस्वती, काजीपेट, बरंगल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया गया हैं।

जन्स्ची

फ्लैट ग्रौर गैरेज नन्दन ग्रभार्टमेंट्स, फतेह सुलतान, लेन हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5486, 5488 भीर 5490/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-6-1984

मोहर 🥝

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म्(1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निवेश सं० ग्रार० ए० सी०/206/84-85-श्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जसकी सं० बी 402/30 है तथा जो फतेह सुलतान, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार जुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या निसी छन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय पायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिक्षियम, या भ्रम-कर प्रधितियम; 1987 (1987 का 27) के प्रयोजनार्व श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए का, क्रियाने में सुविका के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— . (1) मैं ० नन्धनम कन्स्ट्रक्शन्स को०, 5--8--42, फतेह सुलतान, नामपल्ली, हैदराबाद।

(गन्तरक)

(2) श्रीमती डी॰ एष॰ राधा वेबी, नारायण गुडा, हैदराबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त, बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं बी०-402/30, नन्दनम अपार्टमेंट्स, नामप्रेल्ली, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 5481/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: I--6-1984

प्ररूप् आर्ड्-दी.एन्.एस. - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निर्काण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984 निदेश सं० भार० ए० सी०/207/83-85---भ्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जी-15 है जो नन्दनम श्रपार्टमेंट्स में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारों के कार्यालय, हैदराबाद में राजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन, तारीख श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उनत विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकार की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयो अनार्ध अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के लिए;

बेत: अब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) मै० नन्दनम कन्स्ट्रक्शन्स को०,
 5-8-42, फतेह सुलतान,
 नामपल्ली, हैदराबाद ।

(ग्रन्सरक)

(2) भी बी० संघ्या पिता डा० बी० एम० रेड्डी 5-8-42, फतेह सुलतान, लेन, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यानतयों में से किसी क्यांकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगत्त्रची

गैरेज नं० जी 15, ग्राउंड फ्लोर, विस्तीर्ण 200 चौ० गज फतेह सुलनान लेन, नामपल्ली, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5491/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख**: 1-6-1984

श्रुक्ष नाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्त) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी०/208/84-85--ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० सी 306/48 है तथा जो नन्दनम श्रपार्टमेंट्स नामपंत्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारो के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाम की गामस, उन्स्थ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के रामित्व में कभी करने के उससे बचने में सूर्विभा के लिए; बीट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय जाय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छियाने में बुविधा के सिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन विकालिकियम अधिकतयों, अर्थात्:--- (1) मै॰ नन्दनम कन्स्ट्रक्शन्स को॰, 5-8-42, फतेह सुलतान, लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० के० कमलम्बा, लक्ष्मी नगर, मेदक जिला, ग्रान्ध्र प्रदेश।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पृवाँकत संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष्:--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

फ्लैंट न० सी 306/48, तीसरा, मंजला, 5-8-42, फतेह सुलतान लेंन, नामपल्ली, हैदराबाद विस्तीर्ण 1000 चौ॰ फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेंख सं० 5487/83, रजिस्ट्रीकर्त्त प्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-6-1984

मोहर ह

नायकर निधितियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् (1) के न्धीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यास्य, सहायुक आयकारु बायुक्त (निर्दाक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निवेश स० श्रार० ए० सी०/209/84-85--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जे इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीम सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सुस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जसकी सं० सी-205/41 है तथा जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसत उद्वेदिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कृषित नहीं किया ग्या है :——

- (क) नंदरण से हुइ किसी नाय की नावत, उक्त समितियन के न्यीन कर दोने के नंदरक के दासित्य में कभी करने या उद्देश क्यने में सुनिधा के निए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तिनों को, विनहीं भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के निए;

शतः क्षत्र, उत्तर अभिनियम कौ भारा 269-ग कौ जनुसरण मैं, मैं, उत्तर अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के सभीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अभीत् हु--- (1) मैं० नन्दनम कन्स्ट्रक्शन्स को०, 5-8-42, फेतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० लक्ष्मी कुट्टी पति श्री एन० बी० के० मेनन, 3-5-813, हैदरगुड़ा, हैदराबाद ।

(भन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं
 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पाकातिकरण: --इसमें प्रयोक्त शब्दों आहे. पदों का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

प्लैट नं० सी-205/41, दूसरा मजला, फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1000 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5445/83, रजिस्ट्रीकृती प्रधिकारी, हैदराबाद । एम० जेगन मोहन

एम० जगन माह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 1-6-1984

स्थान आहे त्यों स्व ्यूक्य व्यवस्थान

शायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) औं मधीन सूचना

मारत त्रकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्द्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव, विनाक 1-6-84

निक्षेश सं० भार०ये०सी० नं० 210/84--85----भ्रतः मुझे एम० जेगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी० 103/35, है, जो नामपल्ली हैदरा-बाद स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रवट्वर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की बद्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिताों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर योगे के जन्तरण के दावित्य में कमी करने वा उन्नेसे नचने में सुविधा के दिए; क्षेर/वा
- (स)- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रे, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित व्यारा प्रकट नहीं सिमा गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में हिंचा के किए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थास् :— (1) मैसर्स नंदनम कन्स्ट्रकशन को॰ 5-8-42, फतेह सूलतान लेन, नामपरुली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० नागेस्वर राव, 229/बी, एस० आर० नगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

न्द्रं सृष्ट्रमा जारी न्युक्तं पृत्रां नयः स्वयाद्रियः के वृत्रम् के सिए कार्यमाहियां करता हूं।

बक्त सम्पृतित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप ए--

- (क) इस स्वान के राजपन की प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या तत्संजंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सके गे।

स्वच्यीकरण्:--इसमें प्रयुक्त सन्धी और वर्षों का, यो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही कर्थ होगा को उस सध्याय में दिया गया है।

नगुसुची

फ्लेट नं० सी-103/35, प्रथम तल, विस्तीर्ण 1000 चौ० फूट, 5-8-42, फतेह सूलतान लेन, नामपल्ली, हैवराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 54.84/83, रजीस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-6-1984

श्रुक्य वाह्र⁴्टी . पुन् . पुन् . ----------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० भ्रार०ये०सी०नं० 211/84-85--म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- त. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 504/60 है, जो नामपरूलो, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिन्द्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, हैदरा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1983, श्रवट्वर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मणाप्वोंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके रहयमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया इतिफल, निम्नितियत उच्हें स्य से उस्त मन्तरण कि कि वि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्षत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्षत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्षितयों, अर्थात् :----

(1) मैसर्स नंदनवन कन्स्ट्रकशन को०
 5-8-42,
 फतेह सूलतान लेन,
 नामपल्लो,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० चेन्ना रेड्डी, 5/8,बालाजी कालूनी, तीरुपती, चीतूर जीला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- स्थावर संपत्ति में हित- स्थावर संपत्ति में हित- स्थावर संपत्ति में किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साम निधित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० सी-504/60, पांचवा मजला, विस्तीर्ण 1000 चौ० फूट' 5-8-42, फतेह सूलाान लेन, नाम-पल्ली, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5483/83, रजीस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी हैदराबाद।

एप० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~I, हैदराबाद

तारीख: 1 जून 1984

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 260 थ (1) के अधीन सचान

भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकर आय्क्त (निर्रीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, तारीख 2 जून 1984

निदेश मं० म्रार०ये०सी० नं० 212/84-85--म्रातः मुझे, एम० जेगन मोहन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं परनाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 502/58 है, जो फतेह सूलतान हैदरा-बाद स्थित हैं (श्रंप इससे उपायद्व श्रनुसूवी में श्रौण पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजर्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रक्तुबर, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान रितफल के िए अन्तरित की गद्दें हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृह प्रतिचात सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-कल निम्नलिखित उच्टेक्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तःरण सं हुई किसी जाय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अधः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रें, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) है सधीयः, निम्निसि**धित व्यक्तियों**, व्यक्षीतः १००-146GI|84

(1) मैसर्स नंदनम् कन्स्ट्रकणन को० 5-8-42, फतेह सूलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) डां० मेहर सूलताना, 16-2-49/1. अकबर बाग, मलक्ष्पेट, हैदरायाद।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूजना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकाशों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममसची

फ्लेट नं० 50०/58, फतेह सूलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5482/83, रजीस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्तण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-6-1984

प्रकम बार्ड. टी. एन., एम्.,----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, चहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 1 जून 1984

निदेश सं० भ्रार०ये०सी० नं० 213/84-35--प्रनः मुझे एम० जेगन मोहन,

बायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उवत अधितियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधित सक्षण प्राधिकारों को यह विज्ञास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० है, जो नंदीयाल स्थित है (भ्रौर : इससे उपाबद्ध ग्रनुमुची में श्रौर पूर्णरूप से में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्राक्टूबर, 1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से जिथा गया है :---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आग की वाबत उक्त अधि-निवम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसपे बचने में सुविधा की लिये; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ कर्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अश्रीन, निम्नुलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् :— (1) श्री छगनलाल, नंदीयाल,

(श्रन्तरक)

(2) श्री बि० वेंकटा रेड्डी श्रीर श्रन्य, नंदीयाल

(अन्तरिती) 🖫

को यह सूचना जारी करके पूजांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुएं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं
 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्युक्तियों पर स्थाना
 की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी नविध
 बाद में नेमान्स होती हो, के भीतर न्योंसा
 स्यक्तिया में से किसी स्यक्ति बवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपालत में हिस के बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा भक्तेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वन्स्वि

संप्यती नंदीयाल, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 4177/83, रजीस्ट्रीकृति म्रिधकारी नंदीयाल ।

एम० जेगन मोहन र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

सारीख: 1-6-1984

प्रकथ् बाद् ः श्री प्रमृत्यः - नाम-ना-ना-न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

नारव वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद, तारीख 1 जून 1984

निदेश सं० ग्रार०ये०मी०नं० 214/84-85 -- ग्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा यहा हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित वाजार प्रूच्य 25,000/- रह से अधिक हैं

भ्रौर जिसको सं० एस 4952 है, जो वालानगर, हैदराबाद, रंगारेड्डी स्थित है (भ्रीर इससे उशाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णक्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, वीला रेगारेड्डी जोता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1983

को प्वोंकत संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तर्रित को गर्य हैं नौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उशके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिसत उद्यंग्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तद्रण से हुई कियी आम की बाबत, उक्त गीपीन्यम के गपीन कर वाने के अस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अ तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता साहिए था, छिपाने में मूर्विधा कालिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री एम० शवंती राजेस्वर 8-2-416, बंजारा हीलस्, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स इंडस्ट्रीयल वर्कस् श्रीर विकर सेक्शन को-श्रोपरेटीव हाऊसींग सोसाइटी, टीयपी 113, एस०श्रार०टी० 805, सनतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना आरो करके पूर्वेक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में जाई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बक्षि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्थाध्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

मन्स्ची

भूमो एस० नं० 4952, कूल 9103 चौ० गज० बाला-नगर विलेज, वल्लभनगर तालूक रंगारेड्डी जीला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7953, 8205 ग्रीर 7308/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी रंगा रेड्डी जीला।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

तारोख: 1-6-1984

भाहेर 🥲

शक्त नार्दं ही , एन . एस 🕶

बार्कार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-71 (1) का क्योन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 215/84-85--यत वे मुखे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन मक्षम प्राध्किली को तह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका खींचत बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक बी है, जो पंजागुट्टा हैदराबाद में स्थित है ('श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक हम से कृथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम को जभीन कर देने के अन्तरक के बामित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए; और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियोः अधीत् दन्न-

(1) मेसर्स विरगा कन्स्ट्रवशन्स 6-1-1063/बी०/3, बंजाराहिल्स, राजभवन रोड, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० विजयमलक्ष्मी पति के० कृष्णमराजू 1-10-72ए, चीकोटी गार्डन, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूजा मित अस्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबािभ मा तत्सम्बन्धी स्मित्तमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त स्मित्तमां में से किसी स्पेक्त ब्वाराः
 - (च) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति प्यारा अधोहस्ताक्षद्वी के शतः विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया वसा है।

नतसर्ची

पहिला, दूसरा श्रीर तीसरा मजला जिनका प्रत्येक का प्र्लीय एरिया 2620 चौ० फुट है, ब्लाक नं० बी० कांती सिकारा स्रपार्टमेंटस,, पंजागुट्टा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6096/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी हैदराबाद।

एम० जेगृन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **हैदरा**बाद ।

दिनांक : 1-6-1984

.प्ररूप आ**इं**.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984 निदेश संब्र्यारव्यम्बर्धात्वे सीव्यंत्र २१६/८४--यतः मुझे, एमव् जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को, यह विश्वास करते कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से शिधक है

ग्रार जिसकी सं० 526 है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ह्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक नवम्बर, 1983,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तर्क के वायित्व में किमी करने था उत्तर्से अचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) मेसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-56, एम० जी० रोड, रानीगंज, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुनीलकुमार ग्रग्नवाल 1-1-20, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद ।

. (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हो।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काइ भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इतः सूचना के राधपण में प्रत्यक्षत की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हित किसी तथ व्यक्ति द्वारः अधाहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसर्वी

दुकान नं० 5 श्रौर 6, 5-4-86, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5959/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहनः सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 1-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निदेश सं० 217/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 5, है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदरावाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नथम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिश्वित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण **से हुई किसी बाव की** बावल उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; की दु/या
- (ख) एशी बिल्ली आय या किसी धन ना अल्प बास्सिनी अप, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्ति ती द्वारा प्रकट नहीं किन गरा का वाहिए था, क्रियान में मुविधा के लिए;

बतः सन्त, उक्त वाधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण में, में, उक्त काधिनियम की धारा 269-ध की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मेसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
 5-4-86, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती कमलादेवी श्रग्नवाल, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई गाक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जिन्नाल से 30 दिन की अविधि. जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, निवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

दुकान नं० 5, मेसर्से आयूखान बिल्डर्स, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5957/83, ≅जिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांके : 1-6-1984

प्रस्प आई., टी., एन., एस्.,-----

कायकर लिधिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के मधीन सुभ्ना

भारत सरकार

चार्बासय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 1 जून 1984

निदेण सं० भ्रार० ए० सी० नं० 218/84-85-यतः मझे, एम० जेगन मोहन,

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'लक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 446 ग्रौर 447 है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजोर मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहृद्दिकसी आय क्री वादत उक्त आर्थि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में नृतिधा के लिए;

अतः त्यव, उकत अधिनियम, की भारा 269-ग की अनुसरण मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स बाबूखान बिल्डर्स 5-4-86, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रहमद माइनुद्दीन, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्माक्तिरणः --- इतमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का, जो उधार जिथितम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्तुची

दुकान नें० 446 श्रौर 447, बाबूखान बिल्डर्स, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5958/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैवराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद्य

दिनांक : 1-6-1984

प्रम्प आइ^६.टी.एन.एस. -----

अभाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ंकार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निदेश मं० ग्रार० ए० मी० 219/84~85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निज्ञास करने का कारण है कि अधीन सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० 2-4-513 है, जो रामगोपाल पेट सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचीमें और पूर्णहप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 के। 16) के अधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्धे आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, राधन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उका अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उन्ता अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री मदनलाल मोदी, 472/3, रामगोपालपेट, सिकन्दरायाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री रूपचन्द सीताराम दन्नी, 4/110, फर्स्ट ब्लाक, बंगलौर-10

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

घर नं० 2-4-513, रागगोपाल पेट, सिकन्दराबाद, रजि-स्ट्रीकृत विलेख नं० 174/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 1-6-1984

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस , ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महारक जायजार आयुवत (निरक्षिण) प्रजीन रेजि, हैदराजाद

हेदराक्षाय, दिनांक 1 जुन 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 220/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 105. 106 श्रीर 107. है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिशिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिशिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पृष्णिकत सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्णे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का अवित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिकल, मिम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) जनगरण से हाई किसी जाय की बायत, अवत बाधिनियम के बधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचसे में स्किश के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिएाने में सिर्धा के लिए:

अतः सब, उक्त बीधीनयम की भारा 269-म के अनुमरण मों, मों, जबत अधिनियम की धारा 26%-च की प्राप्तारा (1) के अधीन, निर्मालिकत अधिनत्यों, अर्थात :---- (1) मेसर्म नानूखान बिल्डर्स 5-4-86, एम० जी० रोड, सिफल्यायाः ।

(सन्तरक)

(2) श्री णाहात्रहां,1-8-322, वेगगपेट,हैदराबाद ।

(अनासिदी)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोन्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

कार्यालय, नं० 105, 106, धौर 107, सिकन्दराबाद , रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 9551/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहागक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्वन रोत, हैदराबाद

दिनांक : 1-6-1984

प्रकृप आहे, टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, १५६१ (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चमा

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक आधकार आयुवत (निरीक्षण) श्राचेन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक । जून 1984

निदेश में श्रीर ए० मी० नं 221/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), बती भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- स संक्रांक है

श्रीर जिसकी सं० ए.०-5/3, है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपागढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्णध्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बढ़लभनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बह निद्यास करने का कारण है कि यंभापवाँकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्रियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल जिम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तीयक कप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी काम या किसी भन या अन्य आस्तिकों कारे, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—∹

- (1) शीमती कुम्द एमक शाहा,
 व्यायः गंक 13, चन्द्रलोक,
 काम्प्लेक्स, एसक डीक शेड, सियन्दरायाद ।
 (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती धारचन्द भी० णाहा, चन्द्रलोक काम्प्लेक्स, रिकन्दराजाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बनिध, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतए उक्त स्थावर संपत्ति में हिट-व्यथ किसी कत्य स्थावत व्वार अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकत्ये।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधे होंगा दा उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुसूची

ब्लाक 45/3, एमं० डी० रोड, सिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3193/83, रिजस्ट्रीकर्ता ख्रिश्चनारी बल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हेदराबाद ।

दिनांक : 1-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप भाष². टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, टैदराबाद

हेदराबाद, दिनांक । जून 1984

निर्देश में श्राप्त एवं सीव नंव 222/84-85--यतः मुझे, एमव जेंगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं णॉप नं 14, है, जो सियन्दराबाद स्थित हैं (श्रीर इपसे उत्तर क्रि प्रतुम्दी में श्रीर पूर्णना से विणा है),रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्याजय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर, 1983.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण संहुदंकिसी आध की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं विजया गया था या किया जाना आहिए था छिपान में स्विधा के सिए;

अत: जब, अबत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, अबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ■ अधीन, निकालि खित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मेसर्स बाबूखान विल्डम, 5-4-86, एम० जी० रोड. सिकट्दरावाद । (ग्रन्तरक)

(2) श्री जीव एवं रेड्डी.6-3-1219, बेगमपेट.हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिया)

को यह स्थान जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीय से 45 विन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकीगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय मी दिया भया हो।

मन्त्र वी

द्रुकान नं 44, 5-4-86 सिकन्यशबाब, रिनस्ट्रीकृत विलेख नं 5960/83. रिजस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन भोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, हैदराबाद

जिनांक : 1-6-1984

मोहर 🥉

प्ररूपः आर्दः, टीः एन्, एस्⊴ + = - - -

जायकर अभिनिमस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, हैदराबाद

हंदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 223/84~85—यतः मुझे, एम० जेगन मीहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० दुकान 541 है, जो सिकन्दराबाद स्थित है (श्रीद्ध इससे छपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्णस्य से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार सूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभो, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ब्न्तरण निखित में बास्तिवक रूप से विशित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दाग्रिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था. छिपान में सुधिन्य के सिए;

अतः अव, उक्न अधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्तिलिका व्यक्तियों, अधीन :---

(1) मेसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86, ए.म० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) साहेमलकान खन्नी, मलकपेट, हैंदराबाद ।

(अन्तरिता)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स थी

कार्यालय नं० 541, 5-4-86, सिकन्दराबाद, राजस्ट्री-छुत विलेख नं० 5956/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद ।

> एमन जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) ग्राजन रेंज, हैदराबाद ।

विनांक : 1**-6-198**4

प्ररूप आहूर. टी. एन एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्देण सं० ग्रार० ये० मी० नं० 224/84-85--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- छ के अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लेट नं० 14 है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमं अन्तरण के निए तय पाना गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुन्हों किसी माय की बाबत, उक्त मीधनियम को अधीन कर दीने को अन्तरक को दायित्व मों कमी करने या उससे नचने में सुनिधा को लिए; कार/या
- (स) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनपर अधिनियम, या धनपर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय जन्मिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

मत: नव, उक्त अधिनियम, की धारा 260-व के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात्— (1) मेसर्स विरगा कन्स्ट्रक्शनस्,
 6-1-1063/बी०/3,
 बंजाराहिलम, राजभवन राड,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्राजीज सादत श्राली, नारायणगुडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा की उस अध्याय में देशा गया हैं।

समसची

प्लैट नं । 14, पजागुट्टा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीफ़ुत बिलेख न । 9540/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्लायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तिमांक : 1-6-1984

मोहर .

प्ररूप बाइं. टी. एन ् एस ु-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश सं० ब्रार० ए० सी० नं० 225/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 2, है, जो मलकाजिंगिरि, सिकन्दराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एसं दश्यमान प्रतिफाल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिका स्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण नं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीद/बा
- भ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) शामिला श्रीदोल्फ श्रीर श्रम्यं,
 8-2-400/2, बंजारा हिल्स,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० बालाकृष्णा10→30/2, मलकाजगिरी,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कांई भी अक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

समयकी

प्लाट नं ० 12, श्रीर गाँरीयज, 6-3-1216/99 से 101, मलकाजगिरी, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3373 श्रीर 3375/83 रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी बल्लभनगर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांप : 1-6-1984

महिर 🍍

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

जायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक जून 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 226/84-85---ग्रतः मुझे जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भृमि है, जो बूरनपूर नेलोर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नेलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रवतूवर, 1983

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफाल से, एसे दरयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफाल, निम्निलिखन उच्चोदय से उच्क अन्तरम निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं.—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे वचने में मृक्शिं। के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के सिए;

जतः .गर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :--- श्री पी० नरपू रेड्डी श्रौर श्रन्य, बूरनपूर विलेख, चेमुडी-गुटा, नेगौर नालुक श्रीर जिला।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स रामक्रल्णा द्रेष्टर्ग वाई श्री जे० लक्ष्मीरायणा मनेजींग पार्टनर, घर नं० 13/332, शालार्थ स्ट्रीट, मेलौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मंबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोह्म्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्यी

भूमि त्रिस्तीर्ण 10.57 सेंट्स, ब्रुस्तपूर विलेज, नेलीर जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 5126, 5188, 5129, 5353, 5214, 5213, 5091, 5082, 8315, 5172, 51899, 5173 धौर 45177/83 रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी नेलीर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्राथकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्राजन रेंज, हैवराबाद

मा**रीख**: 1-6-1984

प्रहम आहें . टी, एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन नूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

शर्जन नेंज, हैदराबाद हैदराबाद, **दि**नांक 1 जुन - 1984

निर्देश सं० श्राट० ए० सी० न० 227/84-85—श्रनः मुझे एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

स्रीर जिस की सं० भूमि है, जो रसूलपूरा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय मारेश्वपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नयम बर 1983

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा ग्रा प्रतिफल निम्निजिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित अं जस्तिक हम से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाव की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एंसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री पी० नाय, 1-5-276/1; कांचीगृहा, हैदराबाद।

(सन्दरक)

 मैसर्स मार्गदर्शना को० प्रापरेटीव हाउमिंग मोसापटी 15-6-618/9, कारनान, हैस्राबाद ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि जिम्तीण । एकड, 32 गूठे, रमुलपूरा, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1922/83, बलज 1896/83, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिश्विकारी मारेडपाल्ली ।

एम० जेगत मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, हेदराबाद

नारीख: 1-6-1984

मोहर 🥲

प्रकृष बाइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 1 जन 1984

निर्देश सं० भ्रार. ए० सी० 228/84-85----ग्रपः मुझे एम० जोगन मोहन

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि श्रौर घर है, जो भीलं स्नेहपुरी, किन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावड धनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ऊप्पल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख प्रक्तूवर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कार्या नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुन् किसी नाय की वावस, उपत किमिनियम के स्थीन कर दोने के बंतरण के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भविधा की लिए।

 श्री जे० माधवरान, 1-43, स्नेहपूरी, नाचाराम, हैदरानाद ।

(भ्रन्तरक)

2. द्यी एल० एस० प्रकाश भीर श्रीमती एल० श्रानता लक्ष्मी, 26श्री/1, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिह कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविकत द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थळार्जेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

बर सम्पत्ति, नं० 1-43, स्नेहपूरी, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3855/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ऊप्पन ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकप्री सहायक धायकर धाप्^{वत} (निरीक्षण) धर्मग रेंन, हैदराबाद

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के सबीन, निम्निसिनित व्यक्तियों, अधीन् :~ -

ता**रीख**: 1-6-1984

प्ररूप बाइं. टी. एम. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून, 1984

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 229/84-85---- प्रनः मुझे एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० घर है वो जयप्रकाणनगर, हैदरागाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची ग्रीर में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वियत सम्पत्ति के उण्यत आजार मृत्य से कम के ध्ययणन प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उजित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायल, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रुविधः के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, क्ष्म-कर अधिनियम, क्ष्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृदिका के लिए;

(1) सौराय काइणेयर राव टी^ कालानी, सीतम्सादारा, वैझाम।

and the control of th

(भ्रसरक)

2. द्यी कोटेस्वर राव, 8-3 903/5ए, गागारजूला नगर, हेदराबाद,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूब्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दोकरणः — इसमे प्रथ्वत शब्दौ और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्सी

घर संपति जप्रकाशनगर, हैयरागाद, विस्तीर्ण 417 चौ० गज, ग्रीर 1581 ची० भूट टॉजिस्ट्रीक्रव विलेख नं० 3078/83, रजिस्ट्रीक्रवर सांधकारी खैरताबाद।

> एस० जेगन भोहन सक्षम अधिकारी भहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रॅंज, हैदराबाद

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1-) के अभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों. अर्थात :----

तारीब: 1-6-1984

मोहर

प्ररूप आ**इ**ं. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन भूकना

भारत सरकार

कार्यासय, सहाधक आगकर आयुक्त (निरक्षिण) निरीक्षीय सहायक श्रायकर ग्रायुझ्न श्रजन रेंज, हैदराबाद अम्बर्स, दिनांक 1 जुन 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 230/84-85—ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, जो तामालगृडू सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से जीधक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल का, भिम्निलिस्ति उद्देश से दृश्य अन्तरण लिस्ति में धास्त-विक कप से क्थित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; स्रोद्ध/या
- '(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को गिन्हों भारतीय आय-कार की प्रतियम , 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम , या भनकर अधिनियम , या भनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के निए;
- प्रश्न अक, ाक्ष्र अभिनियम की भारा 269-थ के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः——

 श्री ग्रार० पांडूरां राव, 11-1 529-1-1, महलार गङ्क, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री व्ही० गोपालकृष्णा, 12-11-179, नागालगूंडू, सिकन्यराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के अम्बन्ध में कोई भी गार्क्ष द-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस तुमना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

घर संपत्ति , नामालगूंडू, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 252, चौ० गज, भूमि 520.5 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2108/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मारेडपल्बी।

> एम० जेगन मोहन सिक्षम प्रधिकप्री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरासाव

तारीख: 1-6-1984

प्ररूप नाइ.वी.एन, एस. ------

नायकर निभ्नियम्, 1961 (1961 का 43) की जारा 289-व(1) के प्रवीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आध्वत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्वेश सं० मार०ए० सी०नं० 231/84-85—मत: मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दूकान नं० 37है, जो रांनिगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृज्ञे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त बाधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शावित्व के कमी करने या उससे क्वने में श्रीविधा के किए; बीप/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जावकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जीवनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती युवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियान में यूनिधा है जिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं. मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत :--- मैसर्स वाबूबान बिरुर्डस, 6-4-86, एम० सी० रोड़, सिकन्वराबाद।

(म्रन्तरक)

2. श्री मोहमद नाझीमुद्दीन, 34 बी, नूरखां गण्झा, हैदरा-बाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति वा अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी मानीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राष्प्रम में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पाकतिकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, यही वर्ष होता, वो उस अध्याय में दिवा गया है।

जन्त्वी

दूकान नं० 37, एम० नं० 5-4-86, से 92, रानीगंज, सिकन्यराबाद, विस्तीर्ण 256 चौ० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5279/83, रजिस्ट्रीकृती श्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

विनांक 1-6-1984 मोहर :

प्रकष् नार् टी. प्र. प्रकु------

जाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज , हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 232/84-85—ग्रातः मझे एम. जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/- राजसे अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो ही दूपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ही दूपूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योच्य से उच्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ये हुई किसी आव की वावत, उक्त जिथितियम के अधीन कुछ देने की अन्तरक के यहिंग्स में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की सिए; बॉट/या
- ्ष) एंसी किसी नाय यां किसी भन वा अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक,र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के सिए,

कतः वयः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ए के बनुतरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) के वधीनः निस्तिविक्त व्यक्तियों, वर्षात् हु— 1. श्री बी॰ ई॰ कुणामूर्ती श्रीर श्रन्य दो, खां॰ तीरूपती टाऊन, चीत्र जिला।

(ग्रन्तरक)

2: श्रीमती बी० एस० रामरत्ना पति बी० भीमय्यागारी श्रीनिवा सन, घर नं० 4-2-55, बि० नानेप्पानगर हिंगुपूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सक्ति।

स्यब्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

भूमि हींबूपूर मूनिसीपालीटी, विस्तीर्ण 1 एकड़ 20 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3078/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हींबूपूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीबः 1-6-1984

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 233/84-85—श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो कलूरू विलेज करनूल में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय करनूल में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन, तरीाख ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ने यह निक्जास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्

जेत. अब उक्त अधिनियः की श्राप 269-ण के अनुसरण के दें जनत अधिनिक्ष की एक 150-व की व्यापक हैं के एकि निक्रियोक्त व्यक्तियों, अथितिक 1. श्री जे० चीनय्या श्रौर ग्रन्य 46/518, बुधावरपुपेट, करन्ल।

(ग्रन्तरक)

 भैससं दि० करनूलडोस्ट, कमरीसियल ट्रक्स यम्प्लायीज को०-श्रापरेटीव हाऊस बिल्डीग सोसायटी, लि०, करनूल।

(श्रन्तरिती)

को यहर रूचिना जारी करने पूर्वोक्त संपर्ित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त च्यक्तियों में से किसीश्व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

भूमि, विस्तीर्ण 12 एकड़, 12 सेंटस, कल्लूरू, करनूल, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5847/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी करनूल।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी हायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखः '-१-1984

and the same

The all of the recommendance substant

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाट

हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 234/84-85—म्प्रतः मुझे, एम**० जेगन** मोहन

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), ते बारा 289-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- हु। अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो मेडचल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मेडचेल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1983

को प्वोंक्त नंति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधित है और श्रन्तिश्ले (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब सामा अति फल निम्नलिखित उद्देश से तल्ल अन्तरण जिल्हित व अस्तिविक हम्मतिविक हम्मतिविक सम्मतिविक सम्मतिविक

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बावत, उक्त ग्रिधि नेष्टक के प्रशीन कर देन के खन्तर के के बायिस्य से कमी करते के प्रशीन क्या विचल के पृष्टिक के लिए। और/या

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा.(1) छे अबीन, निक्तिसित व्यक्तियों, नर्भात :-- जी । एतः लक्ष्मीतरसय्य और अन्य आल्याल, सिकन्दरा-वाद ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स वेकटेस्वरः इंडस्टीयल को-म्रापरेटीव सोसायटी, म्राई० वी पी० रतनलाल जैन, 23-6-58/6, हारी-बावली, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के विष् कार्यवाहियां शरू करता हो।

इक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के ब्राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या लत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रयाही।

बन्सची

भूमि, विस्तीर्ण 42. 249 एकड़, मेडचेल, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4638/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी मेडचल ।

> ् एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर ब्रायुक्ता (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, हैट्टराबाद

तारीख: 2-6-1984

प्रकृत नाहर् , द्री , एव , एवं ,-------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जाय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, विनांक में जून 1984 निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 235/84-85---ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचातः 'उनत अधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति जिसका उचित वाजीर मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है जो मूसापेट, हैवराबाक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उषित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उषित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुइं किसी शाय की बाबता, उबता विभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कामी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; वौर/या
- (का) एसी किसी अय या किसी धन या जन्य अस्तियों की जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

वतः वतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ह 1. श्री श्राई० वेंकटेश्वर राय, इन्स्पेकग्रर, बो० सी० क० एष० एक एल० हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० रप्मलक्ष्मी 8-4-403/13, एराग्रहा, हैदराखाद।

(श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ें भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पट्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त्री

घर संपत्ता नं० 7-22, मूसापेट, विलेज, रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेज नं० 7880/83 रजिस्ट्रीकर्ता रंगारेड्डी जिला।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाइ

सप्रीख: 1-6-1984

प्ररूप आर्थे.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, हैदराबाद

हैदरागाव, दिनांक 1 जून, 1984

निर्वेश स० आ२० ए० मी० नं० 24084/74—यत मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रहे. स अधिक है

स्रीर जिसकी म० प्लाट है. जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावत स्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन अलहभनगर स्रक्तुबर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नतिवित्त उच्चेश्य से उच्चत अन्तरण निमित में नास्तिवक रूप सं कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मीधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंगरा प्रकट कही किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग कें, अमुखरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् ——

43-146 GI/84

(1) श्रीनिासाइ बिल्कर्म प्रामुल, 1-2-593/4/ए, रामचद्राः मीशन रोष्ट, हैदराबाद

(श्रन्तरक)

(2) श्रोमित यल ऊषा रानी, प्लैट न० 705, श्रोनियास टांवर्स, 'ए' ६-3-1187, बेगमपेट, हैवराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जविश्व या तत्संबंधी व्यक्तिनों दर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपीक्ष में हिसक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा जभोहस्ताक्षरी के पात्र लिकित में किए जा सकरी।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्सत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्द्रवी

फ्लाट न० 705, श्रीनियास टांबर्स, 'ए', 6-3-1187, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1600 चौ० फूट, र्राजस्ट्रीकृत विलेख न० 3142/83, रिजस्ट्रीकर्स प्रधिकारी बल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, हैदराबाद

नारीख : 1-6-1984

प्ररूप बार्ड. टी, एन. एस. -----

कावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

. भ्रजीन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश स० ग्रार० ए० सी० नं० 242/8485—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या पर्लंट है, जो रेड हीलम्, हैवराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का, 16) से अग्रीन नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विकास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य हसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण कि कित व नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपस जीभीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या जिसी धन या जम्य आहितकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर स्थिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में स्थिभा के लिए;

सतः अन, उस्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, अस्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ■ जधीन, निम्निसिस स्यक्तियों, नधीत :——

- (1) मैसर्स भगयनगर कन्स्ट्रकशन, को० एम० सी० एच नं० 11-4-656/1, रेड हीलस, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रनसर श्रहमद बिलगरामी, 3-5-596, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्याय;
- (वा) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम तिवित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वतिकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के खध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

समसंबी

फ्लैट न० 201, बिदायन श्रापर्टमेंट,स रेड होसस, हैदराबाद, ' बिस्सोर्ण 874 च० फूट, रॉजस्ट्रीकृत निलेख न०, 3084/83, रॉजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारो खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहत सक्षम अधिकारी सहायक स्रायकर श्रायक्ष (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-6-1984

मोसर:

प्ररूप नाइ. दी. एस. एस. ------

भायतर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की ारा 269-च (1) के सबीय सूचना

भारत सरकार

कावस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैरबादाब

हैदरबाद, दिनांक

1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 243/84-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात उक्त अधिनियम कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृज्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो बेगमपेट, हैं सराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्णे से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन नवस्थर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकृत के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुखे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उनके वृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वश्वमान प्रतिकृत का पन्यह प्रतिकृत से मिष्ठक है भीर अन्तर्का (जन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरम निक्तित में वास्त्रविकृत कप से किलत नदी किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) रेसी किनो प्राप या जिसी प्रन या प्रस्य घाषितयों को, निम्हें भारतीय प्राय-कर प्रिवानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिविनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रमोजनाणं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में मुविधा के जिए;

(1) श्रीनियास बिल्डर्स प्रा०लि० 1-2-593/4/ए, राम-चद्रामीणन रोड, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स राजशील, घर न, 3-6-478, हीमायतनगर, हैवराभाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के किए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त संपति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में पकाशन की तारी का से 45 किन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 कि कि भीतर उक्त स्थायक सम्पत्ति में दिवस्य किसी प्रत्य व्यक्ति वारा, प्रश्लोहरूवाकारी के पास विवित में किये जा सकेंगे।

रपब्दीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों भी र पदों का, जो उक्त श्रीकि-नियम के बहुयाय 20-क में परिभाषित है, बहुी प्रथ होता, जो उन प्रकाय में विया नयां है

नग्सूचीं

फ्लैट न० 601, श्रीनिवास टाक्सं, 'ए', बेगमपेट, हैवरराबाद वितीर्ण 1600 चौ० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख न3 3234 83, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी बल्लभनगर।

> एम० जेहन मोक्नन सक्षम श्रविकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अतः अतः अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरग में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-जाकी उपभारा (1) '' के अभीन, निम्मीसिकत व्यक्तियों, अभित् उक्त

तारीख: 1-6-1984

प्ररूप काइ". टी. एन. एस. -----

बायकार वर्षिणिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

TIST SECTION

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैयराबाद -

हेंघराबाद, दिनांक 1 जून, 1984

निर्देश स० सी० न० 244/84-85---यतः मुझे एम० जोगम मोहन,

कार्यकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे के तर्वे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंद है जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उवाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर 1983 ।

को पूर्विक सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्त प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंगरण के लिए गय पाया गया प्रतिक्ष कि विश्वितियाँ दृष्ट्यस्य वे स्वच्छ अन्वरण विश्वित में बाद्धिक क्या क्या कि विश्वित में बाद्धिक के स्थाप स्थाप क्या कि विश्वित के स्थाप स्थाप क्या कि विश्वित के स्थाप स्थाप क्या के स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप क्या कि स्थाप स्याप स्थाप स

- (क) जन्तरुष से हुई किसी नाय की वावत, उक्त निधिनयन के अधीन कर दोने के बन्तरक के वावित्य में कुमी करने मा उससे बुचने में सुनिधा के देशप; नौर/वा
- (क) एंबी किसी बाद का किसी धन वा बन्ध आस्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनक विधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

नतः नेच, उन्त निर्मियमं की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उन्त निर्मियम की धारा 269-च की उपभाग (1) के नभीग, निर्मित्रिक व्यक्तियों, सर्थात् रे—— (1) श्रीनिवास बिल्डर्स प्रार्वलं । 1-2-593/4/ए. राम-चन्द्रामीशन रोड, हैदरबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० एस० बेंकटरेड्डी, फ्लैंट न० ₹204. श्रोनिवासा टांबर्स 'ए', 6 3-1187, बेगमपेट, हैदरबाद। (धन्सरिती)

को कु कुन्ता चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सिद कार्यमाहियां करता हो।

उन्त सम्पृतित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्से वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति विषक्ति व्यक्ति विषक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विषक्ति विषक्ति व्यक्ति विषक्ति विषक्ति
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट तं० 204, श्रीनिवास टांबर्स 'ए', बेगमपेट, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1600 चौ० फट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3280/. 83, रजीस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी बलल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदरबाद

तारीब : 1+6-1984

प्ररूप नाइं . टी. एन. एस. -----

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. हैदर्गाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० गं० 248/84-85—-प्रतः मुझे एम० जेगन भोहन.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपय से अधिक हैं

स्रीर जिसकी मं० पर्लेट हैं, जो बसोरद्राम, हैदरबाद में स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबद्ध स्रनुसूबों में स्रीर पूर्णहण से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सिवकडारला। में भारतीय रजिस्ट्रकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन सक्तुबर 1983।

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रज्ञह प्रतिघत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) अर्थ अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एय अन्तर्भ ये लिए स्य पाया गया इतिफल, निम्निलिखित उच्चांच्य सं उक्त अन्तर्भ लिखित में शास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण सं हुए फिसी जाय की बाबल, उपल अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कामी कारने या उपसे बचने में सुविधा क सिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के विद्

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तिस्त्यों. अर्थातः

- (1) प्रोग्नेसीव्ह बिन्डर्स, 3-6-309, बासोरबाग, हैदरबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमाडा रसेण, फ्लैट नं० 12 'बि' फर्स्ट फ्लोर, स्काय लार्क आपर्टमेंटस, बसीरबाग, हैदरबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, तो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ची।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पश्चों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैट नं ० 12, 'बि', प्रथम तल, 3-6-309, बसीरबाग हैवराबाद, विस्तीर्ण 1635, चौ० फूट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं ० 695/83, रजीस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी चीक्कडपल्ली ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम ग्रिधकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 11-6-1984 मो**ह**र: मरूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 16 जूद 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 249/84-85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. संअधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० फ्लेट है, जो वसीरवाग है बराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रमुमूची में ग्रीर पूर्णकप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय चिक्कडपन्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का)16 के श्रधीन ग्रम्कतूबर 1983।

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्जास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिल्लाने में सविभा को लिए;

अतः अव , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ﴿, मैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, तुनम्नुलितिक व्यक्तियों, अभीत् ः—

- (०) प्रोग्नेसीव्ह जिल्डसं, 3-6-309, बसीरजाग, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री असादूल्ला गरीफ, 21-4-018, चग चार महल, हैवराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अब्धि या तत्संबंधी स्मित्यमें बुद्ध स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत इयक्तिमें में से किसी स्मित्य बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वगत्तर्य

पसेट नं० ०3, प्रथम तल, बसीरनाग, हैदरानाद, एम० नं० 3-6-309, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 712/83, रजीस्ट्री-कर्ता श्रिकारी चीकडपल्ली।

> एम० जेगन मीहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

ता**रीया** : ० 1-6-1984 ।

प्ररूप बार्च टी. एन. एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरबाद

हैदराबाद, दिमांक 11जूम 1984

निर्देश सं० म्रार० ये० मी० नं० 250/84-85—यतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट है, जो असीरबाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री- किती प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विक्कडपल्ली दिनांक अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गईं है और मुफे यह निष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपरित का उचित वाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल सी., ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वोच्य से उक्त जन्तरण तिचित में बास्तिक रूप से क्रीथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभय के लिए; जौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सृतिथा असे लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधी न, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः —

- (1) श्रोग्नेसीव्ह बिल्डर्स, \3-6-309 बसीरचाग, हैवराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती टी० सूलोचना श्रीर ई० एस० भगीरथीराव, 32 डी, कंचन बाग, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनः के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नंपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकागे।

स्पच्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

अन्स्ची

पलेट नं० 31, 'बि' ब्लाक, तीसरा मंजला, एम० नं० 3-6-309, बसीरबाग : हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 718/83, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीमकडपल्ली ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज, हैदराबाय

तारीख 11-6-1984 मोहर: प्रकृष और टी.एन एस .-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० ए० सी० नं० 251/84-85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

सं० फ्लेट है, जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रन् सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्मा ग्रिधकारी के कार्यालय, चिक्कलडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष सम्मिलिक उद्वेग्य में उक्त अनारण निकित में वास्तविक रूप को कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्दारण से हुए किसी बाब की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाकित्व में कभी करने या उन्नसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा वा या किया धाना धाहिए चा, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नोसिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री आयेगीक जिल्लामं, 3-6-309 बसीर जाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एस० मास्ती, बि-7/5, स**फदरजंग** एक्टेमन, न्यू दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कि अविकत्यों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पोक्त में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अक्छ, विधिनियम, के वश्याय 20-क वें प्रिभावित ह⁵, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फलेट नं० 41. (बी) ब्लाक चौथी मंजिल, 3-6-309 बसीरबाग, हैदराबाद, वितीर्ण 1384 जौ० फूट, रजीस्ट्रीक्रन विलेख नंग 719/83, रजीस्ट्रीकर्ना श्रीयकारी जीवकल्पस्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 11-6-1984।

मोहरः

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

कार्यालय , महायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) ग्राजेन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश श्रार्० ए० सी० नं० 252/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 26,000/- राज्ये अधिक है

श्रीर जिसकी संर फ्लैंट है, तथा जो बसीर, बाग हैदराजाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के गार्थालय चिक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक श्रक्तूबर 1983

भे प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिंखत उद्देश्यों से उकत अन्तरण निम्मित प्रतिफल में अम्तिक है किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हु, इंकिसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा २०० ग वं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २००-घ की उपधारा (1) के अधीन, सिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

44-146GI/84

(1) श्री नामेसोय्ट् चिल्डर्न, 5-6-309, **पसीरबाग,** डेस्ट्रायाद।

(प्रकारक)

(2) श्री नरेभकृषार कंजानी स्रोर श्री भगवानदास, पलेट नं० 44, स्काईलार्क, श्रपार्टमेंट बसीरबाग, हैदराबाद। (प्रान्तिनी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित्बद्ध जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

प्लैट तं० 44 चाया मंजला, 'ए' व्यॉक, 3-6-309, वसीरवाग, हैदराबाद, वितीर्ग 1384 चौ० कृट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 694/83, रजीस्ट्रीकर्चा अधिकारी चीक्कडफ्ल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो महायक स्रायकर स्रायुक्त (निराक्षण) स्रजेन रेज, हैदराबाद

नारीख: 11-6-1984

माहर:

प्रकथ बार्च. दी. मृत. यस.

नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ध (।) के अधीन सुभाग

धाराहा सहकार

कार्यान्य, सहायक कायकर नायक (निरीक्तक)

सालंग रेज हेदराबाद

हैदराबाद, दिला ह 11 जून 1984 ू

निर्देश मं० ग्रार० ए० मी० नं० 253/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसमें इसमें प्रथम प्रकात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं) की पास 269-स से अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीता दिस्का उचित वाकार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं नं 27 है जो पूतली बावली, हैवराबाद स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्था से विणित है), रिजम्हीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजम्हकरण श्रीधिकारी 1908 (1908 का 16) के श्रीम श्रक्तुबर 1983।

कां प्रोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कक्ष निम्नीनिधित उद्योग में उसत अन्तरण कि छित में शस्त-विक क्ष से कथित नहीं किया पना हैं:--

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाब की बाबस सकत सीध-निमंत्र के जभीन कर दोन के बस्तरक के वाधित्य मी खानी करने वा समझे बचने मी सुविधा के निम्ने; शौर/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अपन, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उवत अधिनियम की धारा 269-य का उपधारा (1) के अजिन, जिल्लीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) भगवनगर कल्ल्यान पाठ ति०, गाई श्री बाह्दूर मल दोनामीया, 3-4-207. सिकंदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मोहनज़ाल सी शांश्वीति तिता चंदूलाल एम० सांधिव, नं० 18, रेंडाल#रोड, मद्राम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

नमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नामचे ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितिसयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, सांभी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीता पृथित्स स्थितियों में किसी व्यक्ति ब्राया ;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के शीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए वा सकींगे।

स्पर्ध्वीकरण: ---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में विधा पत्रा हैं।

वग्त्यी

दूकान नं० 27. पष्पांजलोकोम्प्लेक्स, 5-1-908, पूतली बायली, हैदराबाद, विसीर्ण 131 चौ० फूट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5352/83, रजीस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुवत (निराक्षण) श्रयीन रींग हैदराबाध

तारीख : 11-6-1984

प्ररूप बाद'. टी. एन. एस., ए-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (१) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक नायकर शाबुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैडरबाद

हैदराबाद, दिनांक 30-5-1984

गार० ए० सी० न० 254/84-85—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के. में अधिक हैं

स्रोर जिसकी स० दुकान हे, जो पूतली बावली, हैदराबाद स्थित है (ग्रार इससे उत्रापद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय र जस्ट्रकरण ग्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन श्रक्तूगर 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के भीच एसे अंतरण के लिए सय पाया स्या प्रतिफल, निम्निलिशत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (भ) जनसरण से हुई किसी बाय की बाबत; उक्त अभिनियम के अभीन कर दीने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था. छिपान में मुविधा के लिए;

् अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिसिस क्यॉक्तयों, अर्थात् :---

- (1) श्री भव्यतगर करस्ट्रङ्शन प्रा० लि०, बार्ड श्री बहादूरभल दोवमीया, 3-4-307, सिकंदराबाद। (श्रस्तरक)
- (2) श्री वार्ड० वेकटेस्यर राज घर न० 4-8-117, गवलीगुडा, हेदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अप्रंत के भिन्छ कार्यवाहियां करता हो।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी श्राक्षण .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराल स 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाय में समाप्त हाती हो, क भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इंदासा अथोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकींगे।

स्यक्टीकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाणित है, बही अधि हागा को उस अध्याम भा-धिया। गया है।

बन्स्यी

दूकान नं० 28, पूष्पांजलही, कांम्प्लेझ्न, पूसली बाबली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 189395 ची० फूट० रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5353/83, रजीस्ट्रीकली अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन माहल मक्षम अधिकारी सहायक स्रा**यकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रे**ज, हैदरबाद

नारीखाः । 11-6-० १८४

भाहर :

प्रकप भार्च . टी . एन् . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन हेज, नागपूर

नागपुर, दिनाक 14 जुन 1984

निदेश सं० आर्० ए० सी० एक्यी० 6/12/84—85—यत: मझे, ए० एम० खर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मार्ग ना 778, एनं ग्रारं पीर प्लैंट है, जो 165, स्माल स्केल फैंक्टरी एरिया सर्कल नं 11/16 में स्थित है (श्रीर उसके उपावद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नागपुर (डाक्सेट सं 4930/पीर) में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम्, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28-10-81

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अप्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अंतोरितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नितिस्ति उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण म हाई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिन्यम के अभीन कर दोन के बन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन मा बन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अथ, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अधीत्: --

श्री भोम प्रकाश.
 श्री ब्रिजमोहन सूरी.
 रा० कानपुर।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती सुनीना देवी जाम मुन्दर अग्रजाल
 - (2) भी० रेखा देनी किणोर कुमार अग्रवण्त
 - (3) श्री राजेन्द्र मोहनलाल श्रग्नयात रा० श्रनाज बाजार इतवारी, नागपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करकं पृवां क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित मो हितस्त्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति मो किए जा सकरों।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्भत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मनस ची

मकान नं० 778 एन० ग्रार० पी० क्लैट नं० 165, जी० की० स्माल फैबटरी एरिया सर्कल नं० 11/16 वाई नं० 23 नागपुर में स्थित है। जिसका लेन्ड एरिया 14000 स्क्बे॰ फीट है।

ा्० ०स० खेर सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, नागपृर

तारीख: 13~6-1984

महिद:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 11th June 1984

No. A. 32014/3/80-Admn.H.—In continuation of this office Notification of even number dated 31-3-1984, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to the posts of Superintendent (DP) on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a further period of 3 months w.e.f. 1-6-1984 to 31-8-1984 or until further orders whichever is earlier : -

Shri O. P. Sud
 Shri J. J. Chakrabarty

3. Smt. S. Sardana

The above mentioned persons should note that their ad-hoc appointment to the pest of Superintendent (DP) will not automatically entitle them to regular promotion or seniority in the grade.

> VIJAY BHALLA Section Officer for Secy. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

New Delhi, the 21st June 1984

No. A/19014/4/84/AD.—The President is pleased to appoint the following Deputy Superintendents of Police, CBI/SPE to officiate as Superintendents of Police in the CBI/SPE in a temporary capacity with effect from the date mentioned against each until further orders: -

S. No.	Name of the Officer	Branch to which posted	Date from which appoint- ment as SP/AD
_1	2	3	4
1. S.	/Shri Seshadri . I.B. Joshi	. Interpol (Coordination Division) GOW/Bombay	11-6-84 (FN) J2-6-84 (FN)

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E), Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 20th June 1984

No. O. II-1774 83-Fstt.—The Director General, CRPF, 18 pleased to appoint Dr. Surender Kumar parimal as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 30th May, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O. II-1903|84-Estt.--The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Surender Kumar parimal as Junior cer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 11th May, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 21st June 1984

No. O. II-966|72-Estt.-The President is pleased to accept resignation tendered by Shri A. A. Khan, Dy. S. P. ot CRPF wef. 08-12-1983 (AN).

> M. P. JAKHMOUN Assistant Director (Esti)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPTT.

OFFICE OF THE COMPTROLLER

AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 18th June 1984

No. 1473 CAJ171-74.—On his attaining the age of superannuation Shri S. D. Srivastava, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General (Audit)-II. Uttar Pradesh, Lucknow has refired from service with effect from 30-4-1984 A.N.

No. 1475 CA.1|90-80. -On his attaining the age of super-annuation, Shri R. G. Khattri, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General (Audit) 11, Uttar Pradesh, Lucknow has retired from service with effect from 30-4-1984 AN.

> K. P. LAKSHMANA RAO Asstt. Comptr. & AR. Genl. (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-110002, the 22nd June 1984

No. Admn.I/O.O.No. 115 .- The Director of Audit, Central Revenues, has ordered under 2nd proviso to the FR 30(I), the proforma promotion of Shri B. R. Joshi, a permanent Section Officer of this office, to the grade of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 18-5-83 (F.N.) until further orders.

The 26th June 1984

No. Admn. I/O.O. No. 117.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints Shri H. C. Khatri an officialing "Audit Officer" of this office in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs, 840-1200 with effect from 1-6-1984.

No. Admn. I/O.O. No. 117.-The Director of Audit, Cening Audit Officer of this office, has been absorbed permanently in Maruti Udyog Limited Gurgaon, with effect from 29-2-84 (A.N.) on the terms and conditions contained in the enclosed statement.

This has the approval of the Government of India Conveyed vide C.A.G's letter no. 1249-GEII|1-84 dt. 11-6-84.

> (Sd.) ILLEGIBLE Joint Director of Audit (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I, M. P.

Gwalior, the 22nd June 1984

XI/Gr.II-A/A.A.O.-S.O./1984-85/Promotion/12/ 98—The Accountant General-I(Audit)-I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Section officers as Assistant Audit Officers in an officiating capacity in the scale of 650-30-740-35-880-EB-40-1070 with effect from the dates noted against each :---

S.I No.	Name				Permanent No.	Date of joining as A.A.O.
1	2	-		- '	3	4
S/S	Shri					
					02/	
I. V	'.S. Kawade				.304	1-3-84 FN
2. R	LS. Verma				300	**
3. C	I.P. Agrawal				312	,,
4. T	.C. Gupta				325	,,
5. C	L. Kashyap				327	, ,
6. k	.G. Dighe		,		329	,,
7. J	3.V. fyer			,	330	. 12
8. J	.P. Sharma				331	*1
9. [D.S. Jhakmola				336	••
10. T	B. Mathur				337	

1	2		3	4		2	- 	3	4	
S/Sh				·						
11. R.C.			338	(-3-84 FN		. M.R. Sachdev		. 513	2 1-3-84 FN	
	sh Kumar .		341	12		. B.M. Somani	•	. 51		
13. D.D.		•	342	2.2.04.551		. N.P. Mathur	•	. 51		
14. S.N 15. R.K.	•	•	344 347	3-3-84 AN 8-3-84 FN		. V.G. radiikai . Ramosh Chandra /	Agrawal	. 51	0	
16. J.L. S			348	1-3-84 FN		B.D. Agrawal		52	• •	
17. D.N.		•	352	11		B.L. Gour		. 524		
	Bhandakkar .	•	356	**		S.R. Dharkar	•	. 52:	* * * * * * * * * * * * * * * * * * * *	
19. K,V,			358	**		T.L. Sharma	•	. 52	**	
20. B.C. 21. S. Sei	Vishampayan .	•	365 367	11		R.V. Shajapurkar	•	. 52	n	
22. C.M.			368	11		S.G. Muley	· ·	, 53-		
23. M.C.	Dube		369	**		Banwari Vasudeo		. 535		
	Srivastava		375	11		A.S. Yadav .		. 537		
25. S.K.		•	* 376	11		R.N. Garg , B.P. Kapoor .	•	. 539		
26. K.L. 27. Jogin		•	377 378	••		A.K. Shrivastava	•	. 543	1	
28. A.S.	•		379	8-3-84 FN		Inayat Ali		. 540	.,	
29. R.C.			380	1-3-84 FN		V.B. Pande		. 547		
	shwar Dayal .		382	19		M.C. Agrawal .	•	. 549	**	
31. U.C.	•	•	383	11		K.B. Saxena . G.P. Saxena .	•	. 554	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	
32. K.B. 33. Prem		•	384 386	., 12-3-84 FN		G.K. Sethia .	•	555		
	. Deshpande .	•	387	1-3-84 FN		Devi Singh .		564		
	akrawarty .	• .	389	1,	102.	R.B. Upadhyaya		. 560		
	Khandelwal .		392	**		N.C. Sharma		. 570		
	Bhatnagar .	•	394	,,		A.J. Vyas . ,	•	. 571	• • •	
38, V.D. 39, S.R. S		•	395 397	**		S.N. Kashyap H.C. Gupta .	•	. 574		
	Khandelwal ,		398			D.G. Pande .		578	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	
	Choudhary .	•	402	"	108.	P.N. Verma .		. 579		
42. G.J. J	lhala	•	403	,,		A.A. Siddiqui .	ر ٠	. 582		
43. H.N.			404	**		S.K. Gadkari .	•	. 587		
44. K. Ja; 45. S.N. S			412 414	,,		D.K. Pande . N.C. Chaturvedi	•	. 590 . 594	.,	
45. S.N. S		•	417	11 ,		S.K. Saxena	· ·	. 597	#1) 1	
47. S.K. S		·	418	**		R.N. Chaturvedi		. 601		
48. V.B. I			42Î	**		S.C. Saxena		. 604	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	
49. S.B. B		•	422	31-3-84 FN		R.A. Tripathi , P.N. Shrivastava	•	. 610	15	
50. V.C. \$		•	424	1-3-84 FN		V.K. Chaturvedi		611 612	19	
51. R.C. I 52. K.K.		•	425 429	,,		D.L. Kaushik	• •	613	11	
53. H.B. I			432	33 31		G.P. Sharma .		614	,,	
	ıwar Prasad .		433	11		P.P. Shrivastava		. 615	**	
55. Lallan			440	"		Y.K. Sharma		1384	,,	
56. K.L. I			442	17		V.N. Singh H.C. Shrivastava	•	1401 1480	••	
57, R.K. (58, V.M.		•	443 447	*1		Purushottam Sharm	a.	1512	17	
	hottam Shrivastavi	a .	449	,,	126.	B.N. Dixit .		1520	1)	
60. V.V.	Am balkar .		456	••		M.L. Gupta .		1531	**	
_	gannath Rao .		458	11		G.S. Shoran		1540	,,	
62. J.P. S		•	460	,,		S.K. Gupta U.S. Mishra		1583 1595	,,	
63. R.S. M 64. K.P. S	Mehrotra	1	464 465	,,		K.D. Mishra .		553	>7 >9	
	adavarte	•	468	"		R.V.S. Parihar		562	,,	
66. R.S. S			471	11		R.P. Nigam .		575	13	
67. U.D.			473	**		G.C. Kulshreshtha		588	***	
68. M.K.			480	**		V.R. Gupta J.P. Sharma .		591 598	11	
69. S.S. K			488 486	9-3-84 FN		P.R. Gurg .		1358	,,	
70. M.C. (71, V.R. F			460 497	1-3-84 FN		R.P. Sharma .	•	1380	"	
72. R.S. N			499	1-3-04 1 14		A.K. Pathak	. ,	1441	**	
73. S.M. 7			502	**		S.C. Das		1687	*1	
74. B.K. §			504	26-3-84 I N		3.L. L., Shriyastava		1710	7 7	
75. P.S. D		•	506	1-3-84 FN		Ranveer Singh Rajendra Prasad		1759 1781	••	
76. V.S. SI	harma (dyashankaran	•	507 511	2-4-84 FN 1-3-84 FN		Kajendra Frasad K.C. Vaishya .		1857	33	
11. 5.3. VI	myasuankaran .		J11	T-2-04 T.14			·—	-		

1						
145. V.K. Choudhary 1905 1-3-84 F.N. 146. H.J. Naware 778 147. V.S. Kulshreshtha 746 148. M.Y. Deole 798 149. R.S. Arondekar 818 150. K.K. Pradhan 788 151. Shrinath 822 152. G.S. Thakur 827 153. G.P. Gupta 1236 154. G.S. Nigam 887 155. B.G. Godbole 930 156. K.B. Saxena 962 157. N.C. Upasani 967 158. Jethanand 984 159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 1005 161. P.M. Modawel 1007 162. B.P. Mishru 1020 163. T.S. Shankaran 1047 164. J.L. Verma 1056 165. Bhoodeo Prasad 1235 166. Tribhuvan Lal 1253 167. S.K. Sen Gupta	1					4
145. V.K. Choudhary			,_	1-1		
146. H.J. Naware 778 147. V.S. Kulshreshtha 746 148. M.Y. Deole 798 149. R.S. Arondekar 818 150. K.K. Pradhan 788 151. Shvinath 822 152. G.S. Thakur 827 153. G.P. Gupta 1236 154. G.S. Nigam 887 155. B.G. Godbole 930 156. K.B. Saxena 962 157. N.C. Upasani 967 158. Jethanand 984 159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 1005 161. P.M. Modawel 1007 162. B.P. Mishra 1020 163. T.S. Shankaran 1047 164. J.L. Verma 1056 165. Bhoodeo Prasad 1235 166. Tribhuvan Lal 1253 167. S.K. Sen Gupta 1253 168. S.K. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1276 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gupta 1291 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agtawal 1308 174. Ramsnehila						
146. H.J. Naware 778 147. V.S. Kulshreshtha 746 148. M.Y. Deole 798 149. R.S. Arondekar 818 150. K.K. Pradhan 788 151. Shvinath 822 152. G.S. Thakur 827 153. G.P. Gupta 1236 154. G.S. Nigam 887 155. B.G. Godbole 930 156. K.B. Saxena 962 157. N.C. Upasani 967 158. Jethanand 984 159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 1005 161. P.M. Modawel 1007 162. B.P. Mishra 1020 163. T.S. Shankaran 1047 164. J.L. Verma 1056 165. Bhoodeo Prasad 1235 166. Tribhuvan Lal 1253 167. S.K. Sen Gupta 1253 168. S.K. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1276 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gupta 1291 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agtawal 1308 174. Ramsnehila	145. V.K. Choudhary				1905	1-3-84 F.N.
147. V.S. Kulshreshtha 148. M.Y. Deole 149, R.S. Arondekar 150. K.K. Pradhan 151. Shvinath 162. G.S. Thakur 153. G.P. Gupta 154. G.S. Nigam 155. B.G. Godbole 157. N.C. Upasani 159. R.S. Muley 159. R.S. Muley 1500 161. P.M. Modawel 159. R.S. Muley 159. R.S. Muley 1600 161. P.M. Modawel 162. B.P. Mishra 164. J.L. Verma 165. Bhoodeo Prasad 165. Bhoodeo Prasad 166. Tribhuvan Lal 167. S.K. Sen Gupta 168. S.K. Sharma 170. R.N. Gupta 172. R.N. Mishra 170. R.N. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.S. Agrawal 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 170. R.S. Sagrawal 171. B.K. Sagrawal 172. R.S. Supta 173. Rambabu 174. Ramsnehilal 175. R.S. Gupta 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Sagrawal 179. R.S. Gupta 181. S.C. Kulshreshtha 1504 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 1590 184. S.P. Sharma 1590 184. S.P. Sharma 1590 184. S.P. Sharma 1590 184. S.P. Sharma 1591 185. V.D. Agrawal 1667 178. R.G. Banwasi 1678 179. R.G. Banwasi 1679 189. R.B. Sharma 1718 1718 1719. R.B. Sharma 17118 1719. R.B. Sharma 17118 1710 1718 1718 1719. R.B. Sharma 1718 1719. R.R. Sagnawal 1719. R.B. Sharma 1718 1719. R.R. Sagnawal 1719. R.R. Sagnawal 1719. R.B. Sharma 1718 1719. R.R. Sagnawal 171	-		•	•		
148. M.Y. Deole 798 149, R.S. Arondekar 818 150. K.K. Pradhan 788 151. Shripath 822 152. G.S. Thakur 827 153. G.P. Gupta 1236 154. G.S. Nigam 887 155. B.G. Godbole 930 156. K.B. Saxena 962 157. N.C. Upasani 967 158. Jethanand 984 159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 1005 161. P.M. Modawel 1007 162. B.P. Mishra 1020 163. T.S. Shankaran 1047 164. J.L. Verma 1056 165. Bhoodeo Prasad 1235 166. Tribhuvan Lal 1253 167. S.K. Sen Gupta 1255 168. S.K. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1281 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gupta 1291 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agrawal 1308 174. Ramsnehilal 1328 175. R.K. Pandey 1336 176. Budha Prakash			•	•		11
149, R.S. Arondekar 150, K.K. Pradhan 788 151, Shripath 822 152, G.S. Thakur 1236 153, G.P. Gupta 1236 154, G.S. Nigam 887 155, B.G. Godbole 930 156, K.B. Saxena 962 157, N.C. Upasani 967 158, Jethanand 984 159, R.S. Muley 1000 160, B.D. Narang 1005 161, P.M. Modawel 1007 162, B.P. Mishra 1020 163, T.S. Shankaran 1047 164, J.L. Verma 1056 165, Bhoodeo Prasad 1235 166, Tribhuvan Lal 1253 167, S.K. Sen Gupta 1281 170, R.N. Gupta 1281 170, R.N. Gupta 1281 170, R.N. Gupta 1281 172, R.N. Mishra 1304 173, Mahendra Bhusan Agrawal 1308 174, Ramsnehilal 1328 175, R.K. Pandey 1336 176, Budha Prakash Gupta 1359 177, B.K. Saxena 1439 177, B.K. Saxena 1439 177, B.K. Saxena 1439 178, R. gambabu 1454 179, R.S. Gupta 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504			•	•	-	••
150. K.K. Pradhan 788 151. Shripath 822 152. G.S. Thakur 827 153. G.P. Gupta 1236 1236 154. G.S. Nigam 887 155. B.G. Godbole 930 156. K.B. Saxena 962 157. N.C. Upasani 967 158. Jethanand 984 159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 1005 161. P.M. Modawel 1007 162. B.P. Mishru 1020 163. T.S. Shankaran 1047 164. J.L. Verma 1056 165. Bhoodeo Prasad 1235 166. Tribhuvan Lal 1253 167. S.K. Sen Gupta 1281 170. R.N. Gupta 1281 170. R.N. Gupta 1281 170. R.N. Gupta 1281 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agrawal 1308 174. Ramsnehilal 1328 175. R.K. Pandey 1336 177. B.K. Saxena 1439 177. B.K. Saxena 1439 177. B.K. Saxena 1439 177. B.K. Saxena 1430 178. Rambabu 1454 179. R.S. Gupta 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504 1504				•		**
151. Shrinath			•	•		11
152, G.S. Thakur						**
153. G.P. Gupta 154. G.S. Nigam 155. B.G. Godbole 156. K.B. Saxena 157. N.C. Upasani 158. Jethanand 159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 161. P.M. Modawel 162. B.P. Mishra 164. J.L. Verma 165. Bhoodeo Prasad 166. Tribhuvan Lal 167. S.K. Sen Gupta 168. S.K. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1281 170. R.N. Gupta 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 177. B.K. Saxena 1439 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 1590 184. S.P. Sharma 1591 175. R.B. Banwasi 1689. R.B. Sharma 1680 1791 1792. R.S. Gupta 1793 1794 1795. R.S. Gupta 1795. R.S. Gupta 1796 1797. B.K. Saxena 1797. R.S. Gupta 1798. Rambabu 1799. R.S. Gupta 1790 1791 1791 1792. R.S. Gupta 1793 1793 1794 1795 1796 1796 1797 1797 1798 1799 1798 1799 1799 1799		•	•	•		51
154. G.S. Nigam 155. B.G. Godbole 157. N.C. Upasani 158. Jethanand 159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 161. P.M. Modawel 162. B.P. Mishra 164. J.L. Verma 165. Bhoodeo Prasad 165. Bhoodeo Prasad 166. Tribhuvan Lal 167. S.K. Sen Gupta 169. G.R. Sharma 170. R.N. Gupta 171. H.C. Gopta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Agrawal 170. R.S. Agrawal 170. R.S. Agrawal 170. R.S. Agrawal 171. S.C. Gupta 172. R.S. Agrawal 173. Rambabu 174. Rambabu 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 170. R.S. Agrawal 171. S.C. Gupta 170. R.S. Agrawal 171. S.C. Gupta 172. R.S. Agrawal 173. Rambabu 174. Rambabu 175. R.S. Agrawal 176. R.S. Agrawal 177. R.S. Gupta 178. R.G. Gapta 179. R.S. Gupta 1790. R.S. Gupta 1790. R.S. Gupta 1791. B.S. Raghuvanshi 1791. R.B. Sharma 1792. N.N. Chaturvedi 1793. N.M.R. Khan 1865 1794. K.B. Agrawal 1995. R.K. Vaishya 1995. R.K. Vaishya 1995. R.K. Vaishya 1997. N.S. Calledon 1997. N.S. Calledon 1998. R.K. Vaishya 1998. R.K. Vaishya 1997. N.S. Calledon 1998. R.K. Vaishya 1998. R.S. Vaishya 1990. R.K. Vaishya 1997. N.S. Calledon 1998. R.K. Vaishya 1997. N.S. Calledon 1998. R.K. Vaishya 1998. R.B. Sharma 1990. R.K. Vaishya				•		* *
156. K.B. Saxena 962						*,
156. K.B. Saxena 962	154. G.S. Nigam		٠	•		,,
157. N.C. Upasani 967 158. Jethanand 984 159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 1005 161. P.M. Modawel 1007 162. B.P. Mishru 1020 163. T.S. Shankaran 1047 164. J.L. Verma 1056 165. Bhoodeo Prasad 1235 166. Tribhuvan Lal 1253 167. S.K. Sen Gupta 1255 168. S.K. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1281 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gupta 1291 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agrawal 1308 174. Ramsnehilal 1328 175. R.K. Pandey 1336 176. Budha Prakash Gupta 1359 177. B.K. Saxena 1439 178. Rambabu 1454 179. R.S. Gupta 1507 181. S.C. Kulshreshtha 1507 181. S.C. Kulshreshtha 1524 182. M.C. Gupta 1534 183. S.K. Agrawal 1590 184. S.P. Sharma 1594 2-4-84 F.N. 185. V.D. Agrawal 1667 187. R.G. Banwasi 1668 187. R.G. Banwasi 16697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967					930	,,
158. Jethanand 159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 161. P.M. Modawel 162. B.P. Mishru 162. B.P. Mishru 164. J.L. Verma 165. Bhoodeo Prasad 165. Bhoodeo Prasad 166. Tribhuvan Lal 167. S.K. Sen Gupta 169. G.R. Sharma 170. R.N. Gupta 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 170. R.S. Gupta 171. B.K. Saxena 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 170. R.S. Gupta 171. B.C. Kulshreshtha 1507 181. S.C. Kulshreshtha 1524 182. M.C. Gupta 1534 183. S.K. Agrawal 1590 184. S.P. Sharma 1594 12-4-84 F.N. 185. V.D. Agrawal 1668 187. R.G. Banwasi 1697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 195. R.K. Vaishya 195. R.K. Vaishya 1967					962	**
159. R.S. Muley 1000 160. B.D. Narang 1005 161. P.M. Modawel 1007 162. B.P. Mishru 1020 163. T.S. Shankaran 1047 164. J.L. Verma 1056 165. Bhoodeo Prasad 1235 166. Tribhuvan Lal 1253 167. S.K. Sen Gupta 1255 168. S.K. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1281 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gupta 1291 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agrawal 1308 174. Ramsnehilal 1328 175. R.K. Pandey 1336 176. Budha Prakash Gupta 1359 177. B.K. Saxena 1439 178. Rambabu 1454 179. R.S. Gupta 1476 180. R.S. Agrawal 1507 181. S.C. Kulshreshtha 1524 182. M.C. Gupta 1534 183. S.K. Agrawal 1590 184. S.P. Sharma 1594 185. V.D. Agrawal 1607 186. P.N. Goswami 1668 187. R.G. Banwasi 1697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	157. N.C. Upasani				967	,,
160. B.D. Narang 1005 161. P.M. Modawel 1007 162. B.P. Mishru 1020 163. T.S. Shankaran 1047 164. J.L. Verma 1056 165. Bhoodeo Prasad 1235 166. Tribhuvan Lal 1253 167. S.K. Sen Gupta 1253 168. S.K. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1281 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gopta 1291 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agrawal 1308 174. Ramsnehilal 1328 175. R.K. Pandey 1336 176. Budha Prakash Gupta 1359 177. B.K. Saxena 1439 178. Rambabu 1454 179. R.S. Gupta 1476 180. R.S. Agrawal 1507 181. S.C. Kulshreshtha 1524 182. M.C. Gupta 1534 183. S.K. Agrawal 1590 184. S.P. Sharma 1594 185. V.D. Agrawal 1607. 1-3-84 F.N. 186. P.N. Goswami 1668 187. R.G. Banwasi 1697	158. Jethanand				984	,,
161. P.M. Modawel 162. B.P. Mishru 162. B.P. Mishru 163. T.S. Shankaran 164. J.L. Verma 165. Bhoodeo Prasad 165. Bhoodeo Prasad 166. Tribhuyan Lal 167. S.K. Sen Gupta 168. S.K. Sharma 169. G.R. Sharma 170. R.N. Gupta 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. R. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 170. R.S. Agrawal 171. B.C. Kulshreshtha 172. R.S. Agrawal 173. R.S. Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.C. Buhsan 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 170. R.S. Agrawal 170. R.S. Agrawal 171. B.C. Kulshreshtha 170. R.S. Agrawal	159. R.S. Muley				1000	, ,
161. P.M. Modawel 162. B.P. Mishru 162. B.P. Mishru 163. T.S. Shankaran 164. J.L. Verma 165. Bhoodeo Prasad 165. Bhoodeo Prasad 166. Tribhuyan Lal 167. S.K. Sen Gupta 168. S.K. Sharma 169. G.R. Sharma 170. R.N. Gupta 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. R. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 170. R.S. Agrawal 171. B.C. Kulshreshtha 172. R.S. Agrawal 173. R.S. Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.C. Buhsan 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 170. R.S. Agrawal 170. R.S. Agrawal 171. B.C. Kulshreshtha 170. R.S. Agrawal	160. B.D. Narang				1005	11
162. B.P. Mishru					1007	
163. T.S. Shankaran 164. J.L. Verma 165. Bhoodeo Prasad 165. Bhoodeo Prasad 166. Tribhuvan Lal 167. S.K. Sen Gupta 168. S.K. Sharma 169. G.R. Sharma 169. G.R. Sharma 170. R.N. Gupta 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 170. R.S. Agrawal 171. H.C. Gupta 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 1850 184. S.P. Sharma 1850 187. R.G. Banwasi 188. P.N. Goswami 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	162. B.P. Mishru			-	1020	
164. J.L. Verma 165. Bhoodeo Prasad 165. Bhoodeo Prasad 166. Tribhuvan Lal 167. S.K. Sen Gupta 168. S.K. Sharma 169. G.R. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1281 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 170. R.S. Agrawal 171. H.C. Gupta 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 1850 187. R.G. Banwasi 188. P.N. Goswami 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967						<u>,,</u>
165. Bhoodeo Prasad 166. Tribhuvan Lal 166. Tribhuvan Lal 167. S.K. Sen Gupta 168. S.K. Sharma 169. G.R. Sharma 1281 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gupta 1291 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agrawal 1308 174. Ramsnehilal 1328 175. R.K. Pandey 1336 176. Budha Prakash Gupta 1359 177. B.K. Saxena 1439 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 180. R.S. Agrawal 1507 181. S.C. Kulshreshtha 1524 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 1590 184. S.P. Sharma 1668 187. R.G. Banwasi 167 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 1718 1719. N.N. Chaturvedi 1853 1719. N.N. Chaturvedi 1853 1719. N.M.K. Khan 1865 1719. R.K. Agrawal 1915 1715 1717 1717 1718 1718 1719 1718 1719 1718 1719 1718 1719 1719				•		
166. Tribhuvan Lal 1253 ,, 167. S.K. Sen Gupta 1255 , 168. S.K. Sharma 1276 ,, 169. G.R. Sharma 1281 ,, 170. R.N. Gupta 1289 ,, 171. H.C. Gupta 1291 ,, 172. R.N. Mishra 1304 ,, 173. Mahendra Bhusan Agrawal 1308 ,, 174. Ramsnehilal 1328 ,, 175. R.K. Pandey 1336 ,, 176. Budha Prakash Gupta 1359 ,, 177. B.K. Saxena 1439 ,, 178. Rambabu 1454 ,, 179. R.S. Gupta 1476 ,, 180. R.S. Agrawal 1507 ,, 181. S.C. Kulshreshtha 1524 ,, 182. M.C. Gupta 1534 ,, 183. S.K. Agrawal 1590 ,, 184. S.P. Sharma 1594 2-4-84 F.N. 185. V.D. Agrawal 1607 ,1-3-84 F.N. 186. P.N. Goswami 1668 ,, 187. R.G. Banwasi 1697 ,, 188. D.K. Jain 1712 ,, 189. R.B. Sharma 1718 ,, 190. A.K. Gupta 1738 ,, 191. B.S. Raghuvanshi 1829 ,, 192. N.N. Chaturvedi 1853 ,, 193. N.M.K. Khan 1865 ,, 194. K.B. Agrawal 1915 ,, 195. R.K. Vaishya 1967 ,, 195. R.K. Vaishya 1967 ,, 195. R.K. Vaishya 1967 ,, 196. R.R. Vaishya 1967 ,, 196. R.R. Vaishya 1967 ,, 197. R.R. Vaishya 1967 ,, 198. R.R. Vaishya 19	165 Bhoodeo Prasad	Ĺ		'		11
167. S.K. Sen Gupta 168. S.K. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1281 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gupta 1291 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 1328 175. R.K. Pandey 1336 176. Budha Prakash Gupta 1359 177. B.K. Saxena 1439 178. Rambabu 1454 179. R.S. Gupta 1476 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 1524 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 1590 184. S.P. Sharma 1590 185. V.D. Agrawal 1607 186. P.N. Goswami 1668 187. R.G. Banwasi 1697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967			•	•		**
168. S.K. Sharma 1276 169. G.R. Sharma 1281 170. R.N. Gupta 1289 171. H.C. Gupta 1291 172. R.N. Mishra 1304 173. Mahendra Bhusan Agrawal 1308 174. Ramsnehilal 1328 175. R.K. Pandey 1336 176. Budha Prakash Gupta 1359 177. B.K. Saxena 1439 178. Rambabu 1454 179. R.S. Gupta 1476 180. R.S. Agrawal 1507 181. S.C. Kulshreshtha 1524 182. M.C. Gupta 1534 183. S.K. Agrawal 1590 184. S.P. Sharma 1594 185. V.D. Agrawal 1607 186. P.N. Goswami 1668 187. R.G. Banwasi 1697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967 <td></td> <td></td> <td>•</td> <td>•</td> <td></td> <td>*,</td>			•	•		*,
169. G.R. Sharma 170. R.N. Gupta 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 189. R.B. Sharma 1718 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 1748 1759 1768 1779 1770 1771 1771 1772 1772 1773 1774 1775 1775 1777 1777 1777 1777 1777	168 S.K. Sharma	•	•			* *
170. R.N. Gupta 171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Agrawal 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 189. R.B. Sharma 1718 1719. R.B. Saghuvanshi 189. R.B. Raghuvanshi 180. R.B. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 186. P.N. Goswami 186. P.N. Goswami 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967		•	•	•		7.1
171. H.C. Gupta 172. R.N. Mishra 173. Mahendra Bhusan Agrawal 174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 179. R.S. Gupta 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 189. R.B. Sharma 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 1718 1719 1718 1719 1718 1719 1718 1719 1718 1719 1719			•	•		
173, Mahendra Bhusan Agrawal 174, Ramsnehilal 175, R.K. Pandey 176, Budha Prakash Gupta 177, B.K. Saxena 178, Rambabu 179, R.S. Gupta 180, R.S. Agrawal 181, S.C. Kulshreshtha 182, M.C. Gupta 183, S.K. Agrawal 183, S.K. Agrawal 184, S.P. Sharma 185, V.D. Agrawal 186, P.N. Goswami 187, R.G. Banwasi 189, R.B. Sharma 1712 189, R.B. Sharma 1718 190, A.K. Gupta 1738 1718 1718 1719 1718 1719 1718 1719 1718 1719 1719	170. K.N. Gupta	1	•	•		**
173, Mahendra Bhusan Agrawal 174, Ramsnehilal 175, R.K. Pandey 176, Budha Prakash Gupta 177, B.K. Saxena 178, Rambabu 179, R.S. Gupta 180, R.S. Agrawal 181, S.C. Kulshreshtha 182, M.C. Gupta 183, S.K. Agrawal 183, S.K. Agrawal 184, S.P. Sharma 185, V.D. Agrawal 186, P.N. Goswami 187, R.G. Banwasi 189, R.B. Sharma 1712 189, R.B. Sharma 1718 190, A.K. Gupta 1738 1718 1718 1719 1718 1719 1718 1719 1718 1719 1719	171. H.C. Oupta	•	•	٠		* *
174. Ramsnehilal 175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 183. S.K. Agrawal 1850 184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 189. R.B. Sharma 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 1711 1712 1718 1719 1719 1719 1719 1719 1719 1719						* *
175. R.K. Pandey 176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 180. R.S. Agrawal 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	173, Manendra Binis	an P	vige (i v	VHI		• •
176. Budha Prakash Gupta 177. B.K. Saxena 178. Rambabu 178. Rambabu 179. R.S. Gupta 180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 1718 1719. A.K. Gupta 1738 1719. N.N. Chaturvedi 1853 1731 1745 1751 1752 1753 1753 1754 1755 1755 1755 1755 1755 1755 1755	174, Rumsnennar	٠	•	•		**
177. B.K. Saxena 1439 178. Rambabu 1454 179. R.S. Gupta 1476 180. R.S. Agrawal 1507 181. S.C. Kulshreshtha 1524 182. M.C. Gupta 1534 183. S.K. Agrawal 1590 184. S.P. Sharma 1594 2-4-84 F.N. 185. V.D. Agrawal 1607. 1-3-84 F.N. 186. P.N. Goswami 1668 187. R.G. Banwasi 1697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967 1967				•		*1
178, Rambabu 179, R.S. Gupta 180, R.S. Agrawal 180, R.S. Agrawal 181, S.C. Kulshreshtha 182, M.C. Gupta 183, S.K. Agrawal 184, S.P. Sharma 185, V.D. Agrawal 186, P.N. Goswami 186, P.N. Goswami 187, R.G. Banwasi 189, R.B. Sharma 1712 189, R.B. Sharma 1718 190, A.K. Gupta 1738 191, B.S. Raghuvanshi 1829 192, N.N. Chaturvedi 1853 193, N.M.K. Khan 1865 194, K.B. Agrawal 1915 195, R.K. Vaishya 1967						* *
180. R.S. Agrawal 1507 181. S.C. Kulshreshtha 1524 182. M.C. Gupta 1534 183. S.K. Agrawal 1590 184. S.P. Sharma 1594 2-4-84 F.N. 185. V.D. Agrawal 1607. 1-3-84 F.N. 186. P.N. Goswami 1668 187. R.G. Banwasi 1697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	177. B.K. Saxena			•		**
180. R.S. Agrawal 181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Gupta 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 188. D.K. Jain 189. R.B. Sharma 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 191. B.S. Raghuvanshi 192. N.N. Chaturvedi 193. N.M.K. Khan 194. K.B. Agrawal 195. R.K. Vaishya 1967	178, Rambabu			•		19
181. S.C. Kulshreshtha 182. M.C. Guptu 183. S.K. Agrawal 183. S.K. Agrawal 184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 189. R.B. Sharma 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 191. B.S. Raghuvanshi 192. N.N. Chaturvedi 193. N.M.K. Khan 194. K.B. Agrawal 195. R.K. Vaishya 1967	179. R.S. Gupta	•				3.7
182. M.C. Gupta 1534 1590 183. S.K. Agrawał 1590 184. S.P. Sharma 1594 2-4-84 F.N. 185. V.D. Agrawał 1607. 1-3-84 F.N. 186. P.N. Goswami 1668 187. R.G. Banwasi 1697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawał 1915 195. R.K. Vaishya 1967 11590 11590 11590 1150 1150 1150 1150 1	180. R.S. Agrawal				1507	**
184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 188. D.K. Jain 189. R.B. Sharma 190. A.K. Gupta 191. B.S. Raghuvanshi 192. N.N. Chaturvedi 193. N.M.K. Khan 194. K.B. Agrawal 195. R.K. Vaishya 1967					1524	••
184. S.P. Sharma 185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 188. D.K. Jain 189. R.B. Sharma 190. A.K. Gupta 191. B.S. Raghuvanshi 192. N.N. Chaturvedi 193. N.M.K. Khan 194. K.B. Agrawal 195. R.K. Vaishya 1967	•					**
185. V.D. Agrawal 186. P.N. Goswami 187. R.G. Banwasi 188. D.K. Jain 189. R.B. Sharma 190. A.K. Gupta 191. B.S. Raghuvanshi 191. B.S. Raghuvanshi 192. N.N. Chaturvedi 193. N.M.K. Khan 194. K.B. Agrawal 195. R.K. Vaishya 1967					1590	,,
186. P.N. Goswami 1668 187. R.G. Banwasi 1697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	•				1594	2-4-84 F.N.
187. R.G. Banwasi 1697 188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	185. V.D. Agrawal				1607.	. 1-3-84 F.N.
188. D.K. Jain 1712 189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	186. P.N. Goswami				1668	,,
189. R.B. Sharma 1718 190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	187. R.G. Banwasi				1697	
190. A.K. Gupta 1738 191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967					1712	**
191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	189. R.B. Sharma				1718	
191. B.S. Raghuvanshi 1829 192. N.N. Chaturvedi 1853 193. N.M.K. Khan 1865 194. K.B. Agrawal 1915 195. R.K. Vaishya 1967	190. A.K. Gupta					••
192. N.N. Chaturvedi		shi				
193. N.M.K. Khan						• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
194. K.B. Agrawal	193, N.M.K. Khan					**
195. R.K. Vaishya 1967 .,		_		,		
40.5 G 5 t G	195. R.K. Vaishva			•		**
			•	•		**
		·.	-		–	

M. DEENA DAYALAN, Dy. Accountant General (Admn.)

DFFFNCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE

CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 2st June 1984

CORRIGENDUM

No. AN|II|2603|84.—In this department's notification No. AN|II|2603|84 dated 15-2-84 published in the gazettee of

India Part III, Section-1 dated 10-3-84 regarding appointment of permanent Section officer (Accounts) as Accounts officer in a substantive capacity, the following amendments are made:

- (1) At page No. 5616, Against Sr. No. 84 Shri Balwani Singh Foi 1-4-82 Rend 1-4-83
- (2) At page 5619, Against Sr. No. 314 For K. Mohanarangam Read R. Mohanarangam

A. K. GHOSH Add. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION LABOUR BUREAU

Simla-171 004, the 7th July 1984

No. 23|3|84-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by three points to reach 562 (five hundred sixty two) during the month of May, 1984. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of May, 1984 works out to 683 (six hundred eighty three).

A. S. BHARDWAJ Director, I abour Bureau

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 19th April 1984

No. G 3(34)1.—The following amendments are hereby made in Schedule I of the Gas Cylinders Rules, 1981 under the powers conferred by rule 3(1) (a) of the said rules:

- 1. Under the types and standards of cylinders of Indian Origin, the following names of the approved manufacturers shall be added after item 4(a) (ix):—-
 - "(x) Faridabad Metal Udyog Pvt. Ltd., Faridabad.
 - (xi) Intel Appliances Pvt. Ltd., Nasik.
 - (xii) U. P. Cylinders & Containers (P) Ltd., Agra.
 - (xiii) Midco Containers Ltd., Ahmedabad.
 - (xiv) Nagpur Fabriforge Pvt. Ltd., Nagpur.
 - (xv) Sri Balaji Cylinders Pvt. Ltd., Madras.
 - (xvi) Prashanth Cylinders Pvt. Ltd., Bangalore.
 - (xvii) Associatd Chemicals & Mechanical Engineers (P) J.td., Madras,
 - (xviii) Verny Containers Ltd., Jedimetla (AP).
 - (xix) Bharat Brakes & Valves Ltd., Calcutta.
 - (xx) lay Cylinders Pvt. Ltd., Sikanderabad (UP).
 - (xxi) Hindusthan Wires Ltd., Faridabad.
 - (xxii) Larsvin Appliances Pvt. Ltd., Hyderabad.
 - (xxiii) Badopalia Industries Ltd., Ghaziabad (UP).
 - (xxiv) Mullar Engineers Pvt. Ltd., Distt, Pauchmahal (Gujarat).
 - (xxv) Balaji Pressure Vessels (P) Ltd., Hyderabad.
 - (xxvi) J. R. Fabricators Pvt. Ltd., Panchmahal (Gujarat)
 - (xxvii) Industrial Oxygen Co. (P) 1td., Gobindgarh (Punjab).
 - (xxviii) Mullur Cylinders Pvt, Ltd., Belgaum (Karna-(taka).
 - xxix) Pankaj Gas Cylinders Ltd., Sahibabad, Ghaziabad (UP).
 - (xxx) Gurera Gas Cylinders Pvt. Ltd., Faridabad.
 - (xxxi) Bilva Pressure Vessels, Begumpet, Hyderabad.

- (xxxii) Sahuwala Cylinders Pvt. Ltd., Visakhapatnam.
- (xxxiii) Raj Cylinders & Containers Pvt. Ltd., Mathura.
- (xxxiv) Prestige Fabricators Pvr. Ltd., Dewas (MP).
- (xxxv) B.T.P. Structural (India) Pvt. Ltd., Belgaum (Karnataka).
- (xxxvi) Vecjay Metal Products Pvt. Ltd., Dundigal village R. R. District 'AP);
- (xxxvii) Punjab Gas Cylinders Ltd., Malikpur village Distt. Sangrur.
- (xxxviii) Bharat Wagon and Engineering Co., Ltd., Muzaffarnagai (Bihai).
- (xxxix) Rajasthan Cylinders & Confainers Ltd., Jaipur (Rai).
- (XL) Sahu Cylinders & Udyog Pvt. Itd., Chingleput (TN).
- (XLi) Malav Metal (P) Ltd., Indore (MP).
- (XLii) Muria Udyog Ltd., Faridabad.
- (XLiii) Balmer Lawrie & Co. Ltd., Mathura.
- (XLiv) Dessma Engg. Pvt. Ltd., Secunderabad (AP).
- (XLv) Kanyak Parameshwari Engg. Pvt. Ltd., Hyderabad (AP).
- (XI.vi) Southern Cylinders Pvt. Ltd., Medak (AP).
- (XI.vii) Shakti Cylinders Pvt. Ltd., Hyderabad (AP).
- (XI.viii) Suburban Industries (Kalinga) Pvt. Ltd., Bhubaneshwar.
- (XI ix) Shreenivas Cylinders Pvt. Ltd., Madras.
- (L) Expo Gas Containers Pvt. Ltd., Bombay."
- 2. Under the types and standards of cylinders of Indian origin, the following name of the approved manufacturer shall be added after the item 4 (c) (i):-
 - "(ii) Asco Industrial Corporation, Sonepat."
- 3. Types and standards of cylinders of Japanese appearing under item 6 shall be substituted by the following: "6. Japanese origin
 - (a) Seamless steel cylinders conforming to specification BS: 399, BS: 400, BS: 401, BS: 1045, BS: 1287, BS: 1288, Home Office 'S' and 'T', DOT: 3A DOT: 3AA (Service Pressure 1800 psi and above at 70°F), and JIS: B: 8241 inspected and certified by KHK or Lloyds or Bureau Veritas, manufactured by the following as approved by the Chief Controller of Explosives:

 (i) Showa Koatsu Kogyo Co. Ltd., Japan.

 (ii) Sumikin Kiko Co. Ltd., Japan.

 (iii) Nihon Koatsu Yoki.
 - (b) Seamless steel cylinders conforming to specification DOT: 3A|3AA (Service Pressure 1800 psi and above at 70°F) inspected and certified by KHK or Lloyds or Bureau Veritas manufactured by the following as approved by the Ch'ef Controller of Explosives:
 - (i) Totsuka High Pressure Gas Cylinder Co. Japan.
 - (ii) Kanto Koatsu Yoki Manufacturing C. Ltd..
 - (iii) Nippon High Pressure Cylinders Co. Ltd.,
- 4. Under the types and standards of cylinders of U.K. origin, the following shall be added after the item 9(b) thereof--
 - "(c) Seamless steel cylinders conforming to BS: 5045:
 Part I manufactured by TI Chesterfield Ltd., of U.K. Inspected and certified by Company's own inspector or Lloyds as per following drawings as approved by the Chief Controller of Explosives.
 - (i) Drawing No. 1167 MIA for permanent gas service except Methane and Hydrogen-Material Cr. MO,

- Yield 720 N,mm2 minimum, elongation 14% minimum. Th-11.6 mm, minimum, working pressure 276 Bar at 15°C and test pressure 516 bar.
- (ii) Drawing No. 46374 P for permanent gas service, material Cr. MO. Yield 680 N|mm2 minimum, elongation 13% minimum. 216 mm ild x 6.20 mm. minimum Th. working pressure 172 Bar at 15°C and test pressure 311 Bar."
- 5. Types and standards of cylinders of Austrian origin appearing under item 1 shall be substituted by the following-
 - "(1) Austrian origin:
 - (a) Seamless steel cylinders conforming to specification BS: 399. BS: 400, BS: 401, BS: 1045, BS: 1287, BS: 1288, Home Office 'S' and 'T', DOT: 3A DOT: 3AA (Service Pressure 1800 psi and above at 70°F.), inspected and certified by Bureau Vertas, manufactured by M/s Jos Heiser of Austria.
 - (b) Seamless steel cylinders conforming to German Pressure Gas Regulations for permanent gas service as per drawing No. N-6800 267 7611—Material YP 840 N mm2 minimum, elongation 14% minimum, Th. 7.7 mm. minimum, working pressure 250 Bar at 15°C and test pressure 375 Bar, inspected and certified by Lloyds or Bureau Veritas or TUV. manufactured by Jos Heiser of Austria as approved by the Chief Controller of Explosives."
- 6. Types and standards of containers of Indian origin appearing under "B containers" —item 1, shall be substituted by the following —

"1. Indian origin:

- (a) Tonne containers for low pressure liquefiable gas service conforming to BS: 1500: Part I: Class I vessels—manufactured by the following manufacturers and inspected and certified by Lylods Register Industrial Services or Bureau Veritas or Indian Register of Shipping etc., as approved by the Chief Controller:
 - 1. Amp Engineering Co. Ltd., Ahmedabad,
 - 2. Bharat Heavy Plates & Vessels Ltd., Visakhapatnam.
 - 3. Indian Sugar & General Engineering Corpn., Yamunanagar (Haryana).
 - 4. Kaveri Engineering Industries Itd., Golden Rock. Tiruvchirapalli.
 - 5. Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Laxmi Insurance Bldg., Sir P. M. Road, Bombay.
- (b) Tonne containers for low pressure liquefiable gas services conforming to BS: 1515 manufactured by the following manufacturers and inspected and cer-tified by Lloyds' Register Industrial Services or Bureau Veritas or Indian Register of Shipping etc. as approved by the Chief Controller.
 - 1. Bharat Heavy Plates and Vessels Ltd., Visakhapatnam.
- 7. Under Types and Standards of Dissolved Acetylene gas cylinders -
 - (a) The word "Austrialian" appearing against item 1 should be corrected to reads "Austrian".
 - (b) Items 2, 3, and 7 shall be substituted by the following, respectively,
 - "2. Japanese origin --

Cylinders conforming to 18: 7312 filled with monolithic norous mass of 90—92% norosity inspected and certified by Bureau Veritas and manufactured by the following parties as approved by the chief Controller of Explosives:

- (i) Mls Kanto Koatsu Yoki Manufacturing Co. Japan Covne Cylinder Co.
- (ii) Mis Showa Koatsu Kogvo Co. Ltd. Kanto Acetylene Industry Co. Ltd.

3. Indian origin —

Cylinders conforming to IS: 7312 filled with monolithic porous mass porosity 88% minimum, inspected and certified by ISI and manufactured by the following parties as approved by the Chief Controller of Explosives:

- (i) Bharat Pumps & Compressors Ltd., Naini, Allahabad.
- (ii) Acetylene and Industrial Gas Cylinders Ltd., Madras.
- 7. Yugoslavian origin -

Cylinders manufactured by Duro Dakovic to BS: 401 and filled with "POR 92" monolithic porous mass of 90—92% porosity inspected and certified by Yugoslavian State Authority as approved by the Chief Controller.'

- 8. Types and standards of valves appearing under item "D Valves" shall be substituted by the following --
 - 1. Indian origin ----
 - (a) Valves conforming to IS: 3224 specification manufactured by the following manufacturers in India, inspected and certified by ISI or appropriate authority as approved by the Chief Controller of Explo-
 - 1. Vanaz Engineering Pvt. Ltd., Punc.
 - 2. Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Bombay.
 - Ramniklal Jivanlul Kinariwala & Co. Ahmedabad. Tekno Valves, Calcutta.

 - Karnataka Oxygen Ltd., Bangalore.

 - Indian Oxygen Ltd., Calcutta.
 Precision Forging, Allahabad.
 - (b) Valves conforming to IS: 8737 specification manufactured by the following manufacturers in India. inspected and certified by ISI or appropriate authority as approved by the Chief Controller.

 1. Vanaz Engineering Pvt. Ltd., Pune.

 2. I. P. Gas Equipment Pvt. Ltd., Bharuch, Gujarat.

 - Ms Primeval Industries, Madras.
 Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Bombav.
 - Jagdamba Engineering (P) Ltd., Hvderabad.
 - Batra Associates Pvt. Ltd., Faridabad.
 - Ideal Engineering Hyderabad Pvt. Ltd., Hyderabad Power Fabricators, Dombivli (E), Bombay.
- 2. Netherland origin -

Valves conforming to 1S: 8737 specification, manufactured by Kosan, Denmark, inspected and certified by Bureau Veritas as approved by the Chief Controller.

3. Japanese origin -

Valves conforming to IS: 3224 BS: 341 specification inspected and certified by Lloyds or Bureau Veritas manufactured by the following parties as approved by the Chief Controller:

- 1. Hamai Manufacturing Co. Tokyo, Japan.
- 2. Neriki Valve Manufacturing Co. Amagasaki, Japan."

B. R. DAVE Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLIER OF IMPORTS & EXPORTS

> New Delhi, the 2nd July 1984 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

> > (ESTABLISMENT)

No. 1|2|84-Admn(G)|5439.—The President is pleased to appoint Shri P. Venkatesan. Controller of Imports & Exports as Dv. Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports & Exports. New Delhi for a period of 48 days from 14th May, 1984 to 30th June 1984.

> M. L. JAYANT Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 23rd June 184

No. 12(227) 61-Admn(G) Vol.III.—Consequent on his reversion from deputation with the Leather Industries Development Corporation of Andhra Prodesh Limited, Hyderabad as Manager (PQCT) Shri R. K. Bose, assumed charge of the post of Deputy Director (L|F) at SISI, Hubli on the forenoon of the 7th June, 1984.

> S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (Admn).

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION—6)

New Delhi-110001, the 22nd June 1984

No. A-17011|277|84-A 6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri S. N. Das, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 22-5-1984 until further orders.

No. A-17011|281|84-A.6.—The Director General of supplies and Disposals is pleased to appoint Shri O. P. Tuteja, Examiner of Stores (Engineering) in the Bombay Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorute General with effect from the forenoon of 31-5-1984 until further orders.

The 23rd June 1984

No. A-17011|280|84-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri N. R. Pai, Examiner of Stores (Engineering) in the Bombay Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 31-5-1984 until further orders.

> S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration) for Director General, Supplies & Disposals

New Delhi-110001, the 20th June 1984

No. A6[247(492).—The President is pleased to appoint Sha R. C. Sharma, Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, (Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engineering) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2nd June, 1984 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri R. C. Sharma is also subject to final decision on the three L.P.A.s Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 in Civil Writ Petition Nos. 1457/81, 1590/81 and 1973/83 pending in the High Court of Delhi ding in the High Court of Delhi.

- 3. Shri R. C. Sharma relinquished charge of the post of bestow on him any right or claim for regular appointment & ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri R. C. Sharma relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) on the forenoon of 2nd June, 1984 in the Office of Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Fings.) on the forenoon of 2nd June, 1984 in the office of Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 20th June 1984

No. 4763 B|A-32013(4-Driller)|83-19B (Vol.II).—Shri R. K. Chakraborty, Sr. Tech. Asstt. (Drilling), GSI, has been appointed on promotion notionally to the post of Driller in the Geological Survey of India by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200|- in a temoprary capacity with effect from the forenoon of the 24th July 1980, until further orders. Shri Chakraborty has actually taken over charge of the post of Driller in G.S.I. w.e.f. 22-5-1984 (E.N.).

A. KUSHARI Director (Personnel) Geological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22nd June 1984

No. 17/7/84-S IV—Consequent upon their promotion, the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineer in ad-hoc capacity at different offices of AIR/Doordarshan from the date shown against each:

S/Shri			
1. B.N. Uniyal		LPTV, Ajmer	31-5-84 (FN)
2. L.N. Murthy.	. ,	LPTV Warangal	2-6-84
3. K. Balasubramanie	ın ,	HPT, AIR, Avadi Madras	(FN) 25-5-84
4. M.L. Godhinho		LPTV, Belgaum	(FN) 31-5-84
5. P.N. Biswas		LPTV Farrukhabad	(FN) 28-5-84
6. S.N. Jha		CE(NZ), AIR, Delhi	(FN) 7-4-84
7. S.S. Iyer .		LPTV, Mangalore	(FN) 26-5-84
8. S. Rajaram		MC, Surat	(FN) 30-5-84
9. S.K. Kapoor .		CE(NZ), AIR, Delhi	(FN) 30-4-84
10, H.R. Digra		CE(NZ), AIR, Delhi	(FN) 16-5-84
11. S.S. Bhalla ,		HPT, AIR, Kingsway,	(FN ₎ 30-4-84
12. Bibekanand Ray		Delhi LPTV Balurghat	(FN) 11-5-84
13. A.K. Mishra		AIR, Imphal	(FN ₎ 23-4-84
14. R. Ramachandran	•	LPTV, Surat	(FN) 16-5-84
			(FN)
15. D.S. Srivastava		LPTV, Rae Bareli	29-5-84 (FN)
16. P. Sucershan		LPTV Nanded	9-5-84 (FN)
17. V.V.S. Sarma	• •	LPTV, Anantpur	26-5-84 (FN)
18. A.C. Chalak		LPTV, Sagar	21-5-84 (FN)
19. A.R. Chandra Sekl	nar .	LPT, DDK Adoni (A.P.)	14-5-84 (AN)

MARKS, N. ELLIAS, Deputy Director of Administration (E) for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 13th June 1984

No. A. 22012[1]83-S.L.—On transfer Shri V. K. Saxena relinquished charge of the post of DADG (St.) Directorate General of Health Services on the afternoon of 28th April, 1984 and assumed charge of the post of DADG(MS). Govt. Medical Store Depot, Karnal on the afternoon of 30-4-1984, vice, Shri B. R. Srov.

On transfer Shri B. R. Sroy relinquished charge of the post of DADG (MS), Govt. Medical Store Depot, Karnal on the afternoon of 30-4-1984 and assumed charge of the post of DADG (St.) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 11th May, 1984 vice Shri V. K. Saxena.

R. C. GULATI
Deputy Assistant Director (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE DEPIT. OF AGRI. & COOPN. DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 31st May 1984

No. F. 5-84-Estt.(I).—On attaining the age of superannuation, Shri K. R. Vij. a permanent Superintendent (Gr. I), General Central Service (Group 'B') (Gazetted) (Ministerial) in the Directorate of Extension, (Deptt. of Agri. & Coopn.), Ministry of Agriculture is hereby retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st May, 1984.

R. G. BANERJEE Director of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 21st June 1984

No. D|470|Estt|II.3274.—Shri Reuben Phillip de Souza relinquished charge of the post of Asstt. Personnel Officer on 30-4-1984 AN consequent on Superannuation.

R. L. BATRA Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township-202389, the 18th June 1984

No. NAPP|Rectt|12(3)|84-S|4530.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Shri Vijay Pal Singh, an officiating Assistant Security Officer to officiate as Security Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from March 19, 1984 to May 19, 1984, afternoon.

R. K. BALI Administrative Officer

CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 14th June 1984

No CED|A|2(16)|4171.—Further to this office Notification No. CED|A|2|16 dated November 23, 1983, Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy approved the continuance of Shri R. B. Pillai, to the post of Asstt. Accounts Officer for a further period from 4-12-83 (FN) to 23-12-83 (AN) vice Smt. N. S. Rajadhyaksha, granted leave.

B. V. THATTE Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 16th June 1984 CORRIGENDUM

No. RAPS|Rectt.|7(8)|84|S|200.—The date of appointment in respect of Shri R. K. Chopra, Assistant Personnel Officer may be read as July 1, 1983 instead of June 1, 1983.

A. N. KATTI Administrative Officer (E)

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-8, the 19th June 1984

No. Ref. 05012|Feb.84|2503.—Chief Eexecutive, Heavy Projects appoints Shri Harjinder Singh Ahuja, Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Projects (Manuguru) to officiate as Scientific Officer|Engineer (Grade SB) in the same project wef the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Dolhi, the 4th June 1984

No. A-32013/6/82-EC(.)—In continuation of this Department's Gazette Notification No. A-32013/6/82-EC dated the 5th Jan., 84 and A-32013/9/82-EC dated the 11th Jan., 1984, the President is pleased to continue the ad-hoc apointment of the following officials as Communication Officer in the Civil Aviation Department upto the period shown against each or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

Sl. Name No.			•		Pe	riod
140.				,	From	To
1 2					3	4
S/Shri	•, ~-				- -	
1. T.S. Pragasam	_				1-1-84	30-6-84
2. S. Krishnamurth	у				Do.	Do.
3. K. Gopalakishna	п				Do.	Do.
4. D.P. Chohan		,			Do.	Do.
5. S.K. Neogi					Do.	Do.
6. K.V. Vasudevan					Do.	Do.
7. V.R. Srinivasan					Do.	Do.
8. K.D. Tuli				-	Do.	Do.
9. C.L. Khera					Do.	Do.
10. S.S. Chowdhary					Do.	Do.
11. G.S. Vedi ,					Do.	Do.
12. K.C. Biswas		,			Do.	Do.
13. P.R. Nair .					Do.	Do.
t4. P.K. Dutta			,		Do.	Do.
15. J. Bhattaharjee					Do.	Do.
16. N.S. Paul ,					Do.	Do.
17. P. Ramadoss .					Do.	Do.
18. M.S. Sachdev					Do.	Do.
19. V. Ranganathan					Do.	Do
20. Ramji Singh					Do.	Dø.
21. S.K. Sen ,				·	Do.	Do.
22. K.C. Sengupta					Do.	Do.
23. S. Basu .					Do.	Do.
24. R.V. Khare					Do.	Do.
25. P.N. Malick					Do.	Do.
26. S.N. Sen .					Do.	Do.
27. C.R. Narayan					Do.	Do.
28. Saibal Gupta	·				Do.	Do.
29: A.K. Mukherjce	-				Do.	Do.
30. K.S. Gopalan	_	·			Do.	Do.

1		2		3	4
			 	1-1-84	30-6-84
31. B.N. Karanjai				Do.	Do.
32. K. Rajagopalan				Do.	Do.
33, G.K. Rao .		-		Do.	Do.
34. M. Subramaniam				Do.	Do.
35. S.N. Dutta				Do.	Do.
36. M.P. Kulkarni				Do.	Do.
37. R.N. Mukherjee				Do.	Dc.
38, P.N. Kuppuswam	i	-		Do.	Do.
39. S. Sarkar .				Do.	31-1-84
40. K.K. Siddharta				Do.	31-5-84
41. B.B. Dutta .				Do.	31-1-84
42. H. Deb				Do.	29-2-84
43. S. Govindarajan				Do.	31-5-84
44. S.S. Dutta				Do.	31-3-84

O.P. AGGARWAL, Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 18th June 1984

No. 12/3/84-EST—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints the following officiating Deputy Traffic Managers as Deputy Traffic Managers, in substantive capacity, with effect from the date indicated against each under column No. 4:—

S. Name No.		Date from which Appointed as Deputy Traffic Manager in a sub- stantive capacity
S/Shri 1. P.P. Pillay .	. Madras	1-9-81
2. R.R. Nalkur	. SWC, Bombay	1-12-82
3. D.P. Naskar	. Calcutta	1-5-83
4. H.J. Karamally	Bombay	1-6-83
5. R. Krishnamurthy	. Bombay	1-10-83
	נ	D. KULKARNI Director (Admn.) rector General

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the June 1984

No. 12|1|84-ECIX.—The President is pleased to confirm Shri Rajeshwar Prasad, since retired as Additional Director of Horticulture, Shri Radhey Shyam, retired as Dy. Director of Horticulture and Shri P. C. Ghosh, presently officiating as Additional Director of Horticulture, in the posts of Deputy Directors of Horticulture, C.P.W.D., Group 'A' posts in the General Central Services, with effect from 15-9-79.

PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Kalinga Enterprises Private Limited

Hyderabad, the 15th June 1984

No. 868[TA.HI]560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kalinga Enterprises Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved:

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Srl Padma Transport Private Limited

Hyderabad, the 15th June 1984

No. 1431 TA.III 560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sri Padma Transport Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pemmaraju Publications Private Limited

Hyderabad, the 15th June 1984

No. 1431 TA.III 560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pemmaraju Publications Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rasavahini Electricals Private Limited

Hyderabad, the 15th June 1984

No. 2106|TA,III|560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rasavahini Electricals Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh Hyderabad In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rana Electron Laboratories Private Limited

Kanpur, the 20th June 1984

No. 4965/3814-I.C.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rana Electron Laboratories Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pankaj R.C.C. Pipes and Allied Industries Private Limited

Kanpur, the 20th June 1984

No. 4964|3872-L.C.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pankaj R.C.C. Pipes and Allied Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. P. KAPOOR Registrar of Companies U.P., Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Maavlek Refrectories Private Limited

Bangalore-9, the 23rd June 1984

No. 4039|560|84-85.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Maaviek Refrectories Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd|- ILLEGIBLE Registrar of Companies Karnatak Bangalore

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 15th June 1984

No. F.48-Ad(AT)|1984.—Shri P. B. Bodhare, Assistant Superintendent Income-tax Appellate Tribunal, officiating as Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay, on ad-hoc basis is appointed to as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Indore Bench, Indore on regular basis (against promotion quota) with effect from the forenoon of 29th May, 1984 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- until further orders.

Shri P. B. Bodhare will be on probation for two years with effect from the 29th May, 1984 (FN).

T. D. SUGLA President

FORM ITNS-

(1) Shri Omprakash Brijmohan Suri Rlo Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 (2) 1. Smt. Smitadevi Wo Sham Sunder Agarwal.
 2. Smt. Rekhadevi Wo Kishore Kumar Agarwal.
 3. Shri Rajendrakumar So Mohanlal Agarwal All Rlo Anaz Bazar Hwai Nagpur. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR,

Nagpur, the 14th June 1984

Ref. No. IAC. ACQ 6 12 83-84. Whereas, I, A. M. KHER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 778 N.I.T. plot No. 165. Small Scale Factory Area, Circle No. 11|16 Ward No. 23, Nagpur Land area

14000 sq. ft.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Nagpur on 28-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period acress lates: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 778 NOT Plot No. 165, Small Factory Area, Circle No. 11|16 Ward No. 23, Nagpur Land area 14000 sq. ft.

> A. M. KHER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-6-84

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE COCHIN-662016

Cochin-662 016, the 8th June 1984

Ref. No. L.C.690|84-85.—Whereas, I. B. RAVIBALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ayyanthole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ayyanthole on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. V. K. Sathy Minor Sumathi Represented by Govindankutti Menon, Vinayalayam, Ayyanthole, Trichur. 2. Shri Achuthan. Represented by Shri Balakrishna Menon, Prem Villa, Ayyanthole, Trichur-4.

(Transferor)

(2) Shri P. S. Rajagopalan. Padinjarethalakkal House, Trichur-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the seid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8.750 cents of land in Sy. No. 887[1, 888]2 of Ayyanthole village, registered in SRO, Ayyanthole, as per document No. 3102 83 dt. 1010-1983.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following process process. ing persons, namely:---

Date: 8-6-1984

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE COCHIN-662016

Cochin-662 016, the 8th June 1984

Ref. No. L.C.693[84-85.--Whereas, 1, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ayyanthole (and more fully described in the Schedule annexed herto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ayyanthole on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Shir M. B. Menon, Prem Villa. West Fort—Trichur-4.

(Transferor)

(2) Shri P. S. Rajagopalan S'o P. N. Sankaranarayanan, Padinjarethalakkul House, Trichur-4.

(Transferee)

(3) Shri K. M. Kuttan (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 cents of land in Sy. No. 887|2, of Ayyanthole Village, registered in SRO, Ayyanthole, vide document No. 3100|83. dt. 10-10-83.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-6-1984

Scal:

FORM ITNS-

 Shri Unnikrishna Menon,
 Smt. Suscelamma, Wo Unnikrishna Menon, Naduvile Srambiyil, "Vinayalayam" Ayyanthole. Trichur-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Rugmani Sankaranarayanan, Wo Sri P. N. Sankaranarayanan, Padinjarethalakal House, West Fore Trichur-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE COCHIN-662016

Cochin-662 016, the 8th June 1984

Ref. No. L.C.691 84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN.

b. RAVIBALAIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ayyanthole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer.

at Ayyanthole on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15,500 cents of land in Sy. No. 888|1 887|1 of Ayyanthole village registered in SRO, Ayyanthole, as per document No. 3097 and 3098 dt. 10-10-1983.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date: 8-6-1984

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. B. Menon, Prem Villa. West Fort-Trichur-4.

(Transferor)

(2) Shri P. N. Sankaranarayanan, Padinjarethalakkal House, Trichur-4. GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **COCHIN-662 016**

Cochin-662 016, the 8th June 1984

Ref. No. L.C.692|84-85.-Whereas, I. B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ayyanthole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisertin gOfficer

at Avvanthole on 10-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely t-46—146GI|84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

15 cents of land in Sy. No. 887|2 of Ayyanthole Village registered in SRO. Ayyanthole, vide document ... o. 3099 dated 10-10-1983.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ernakulan

Date: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th June 1984

Ref. No. L.C.694|84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ayyanthole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ayyanthole on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ict, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the soresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1.Shri M. B. Menon Shri W. K. Mukundan
 Shri V. K. Achuthan
 Shri V. K. Venugopal
 Smt. Sudha B. Menon, Prem Villa, 3.

West Fort, Trichur-4.

(Transferor)

(2) Shri K. D. Baby Slo K. P. Devassy Valia Angady Aranattukara Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 cents of land with a machinery shed and a small office room in Sy. No. 887/2 in Ayyanthole Village registered in SRO, Ayyanthole, as per document No. 3101, Dt. 10-10-1983

B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ernakulam.

Date: 8-6-1984

(1) Shri Lachman Das Bajaj

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Minakshi Kaira2. Shri N. C. Kaira

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. M-190|Acq.—Whreas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 46|1 situated at Wazir Hasan Road, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority

at Lucknow on 1-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE,

First floor construction excluding the room over the garage measuring about 3200 sq. ft. in respect of building bearing House No. 46|1, situated at Wazir Hasan Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10401, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 14-10-1983 (as per 37G form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow.

Date: 13-6-1984

(1) M|s. Halwasiva Properties (P) Ltd. Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar Markanda

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. 18|37EE|83-84|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office Nos, 18 and 19 situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at Lucknow on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 18 and 19 on the 3rd floor measuring 549.12 sq. ft. i nthe "Commece House situated at 11 M.G. Marg. Habroulla Compound, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the agreement and Form No. 37EE. The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Lucknow, under G.I.R. No. 18|37EE|83-84|Acq. dated 5-10-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1984

(1) M[s. Halwasiya Properties (P) Ltd. Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. 21|37EE|83-84|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Office Nos. 16 & 17 situated at 11. M. G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority

at Lucknow on 1-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 od 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) 1. Smt. Pratibha Rastogi 2. Dr. G. S. Rastogi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 16 and 17 on the Vth floor, measuring 550 sq. ft. in the "Commerce House". situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the agreement and Form No. 37EE. The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Lucknow, under G.LR. No. 21|37EE|83-84|Acq. dated 1-10-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow.

Date: 13-6-1984

FORM I.T.N.S.—

(1) Eldeco Construction Pvt. Ltd., Regd. Office: Bagh Muzaffar Khan, Agra. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gyan Garima Shukla,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. 20|37EE|8384|Acq.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 39C, Floor-Ground I situated at Kapoorthala Commercial Complex, Aliganj, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority, Lucknow

on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 39C, Floer-Ground I, size 12'-6"x21'-0". Block No. 3 in Kapoorthala Commercial Complex, Aliganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the Agreement and Form No. 37EE. The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Lucknow, under G.I.R. No. 20|37EE|83-84|Acq. dated 10-10-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

G.I.R. No. 19|37EE|83-84|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Unit No. 9-M, Ground 11 situated at

Kapoorthala Commercial Complex, Aligani, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority

on 10-10-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Eldeco Construction Pvt. Ltd., Regtd Ofilce: Bagh Muzaffar Khan, Agra. (Transferor)

(2) Smt. Gyan Garima Shukla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 9-M, Ground II. sive 12' -6" x 23)' -6" Glock No. 3 in Kapoorthala Commercial Complex, Alfganj, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the agreement and Form No. 37EE. The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Lucknow, under G.I.R. No. 19|37EE|83-84|Acq. dated 10-10-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow.

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashesh Kumar Kapoor.

Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow. (Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TÎRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

G.I.R. No. 22|37EE|83-84|Ocq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office Nos. 2 and 3 situated at 11, M.G. Marg, Habibula

Compound Lucknow

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority

on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have of reason to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely-:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 2 and 3 on the IVth floor measuring 470 sq. ft. in the "Commerce House" situated at 11, M. G. Marg, Habibulla Compound Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the Agreement and Form No. 37EE. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range, Lucknow, under G.I.R. No. 22|37EE|83-84|Acq., dated 1-10-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow.

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPLAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,

LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. S-315/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 4 (Old) No. 214) situated at Bahadurgani, Allahabad

Inderpuri, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in het office of the competent Authority

at Lucknow on 1-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons. namely — 47—146GI[84]

- (1) 1. Smt. Ishwari Devi Alias Ishwari Dai,
 - 2. Shri Rajendra Prasad Jaiswal,
 - 3. Shri Ram Chandra Jaiswal,
 - 4. Shri Prem Chandra Jaiswal.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sohan Lal Jaiswal.
 - 2. Shri Girish Chandra Jaiswal.
- (3) Vendees.

(Transferec)

(Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period of papires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4 (Old No. 214) with land measuring 102-10 sq. mtrs., situated at Bahadurgani, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 379 No. 6247, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income to
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-6-1984,

FORM ITNS---(1) Smt. Swarn Kaur.

(Transferor)

(2) Smt. Gurvinder Kaur.

(Transferor)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.J.R. No. G-69 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 61(B)A situated at Krishna Nagar, Kanpur Road. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority

at Lucknow on 22-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall how the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 61 (B)A, measuring 11400 sq. ft. situated at Kr hna Nagar, Kanpur Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10482, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 22-10-1983

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.J.R. No. J-68|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Land situated at Mauza-Jangal Beni Madhab & Bargdwa. Gorakhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act 1961 in the office of the competent Authority

at Gorakhpur on 12-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the cardes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Aiit Kumar Baneriee.
 - 2. Dilip Kumar Baneriee.
 - 3. Pradeep Kumar Baneriee,
 - 4. Sudeep Kumar Banerice.

(Transferor)

- (1) 1. Jagdish Kumar,
 - 2. Ashok Kumar,
 - 3. Satish Chand.

(Transferor)

(3) Vendees.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mauza-Jangal Beni Madhab and Mauza-Bargdwa, Tappa-kasba, Pargana-Haveli, Tehsil-Sadar, Gorakhpur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8368, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur, on 12-10(1983 (as per 37G form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-6-1984.

(1) Dr. Krishna Kant Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 12th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. K-132|Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Land situated at Kisrol (Deputyganj), Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar

at Moradabad on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 145-97 sq. mts. situated at Kisrol (Deputyganj), Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5858, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad in October, 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1984

Scal:

FORM I.T.N.S. -

•(1) Shri Mohan Chandra Joshi.

(Transferor)

(2) Major Govind Punwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Nanital Hotel Co. Pvt. Ltd., Nainital. (Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th June 1984

Rcf. No. G.I.R. No. M-186 Acq.—Whereas. I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excceding Rs. 25,000 - and bearing No.

Plot of land situated at Norton House Estate Royal Hotel Estate, Mallital, Nainital and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar

at Nainital on 21-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gerette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 221.80 sq. mtrs. in Norton House Estate Royal Hotel Estate. Mallital, Nainital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 527, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Nainital, on 21-10-83 (as per 37G Form).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-6-1984 Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. M-187 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Land No. 180, 181, 183 & 184 situated at Kalyanpur, Distt.

Lucknow

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Sun-Registrar

at Lucknow on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Badlu,
 - 2. Ram Dayal.
 - 3. Ganesh, Amber.

(Transferor)

- (2) !. Mohd, Irshad Hussain,
 - 2. Mohd, Izhar Hussain,
 - Mohd. Iftikhar Hussain.
 Mohd. Israr Hussain.

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the samt meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 180, 181, 183 and 184, measuring, 2 Bighas 19 Biswa 10 Biswansi situated at Kalyanpur, Distt. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10326, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 10-10-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. M-188 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Mohalla-Naumahla, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar

at Bareilly on 24-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Ajwar Ali,

. Shri Nadim Ajmar,

3. Shri Suhail Ajwar.

(Transferor

(2) 1. Smt. Mubaraq Begum,

2. Shri Parvez Siddiqui,

Smt, Salma Siddiqui,
 Shri Wasi Anwar Siddiqui.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House with land measuring 390 sq. mtrs. situated in Mohalla-Naumahla, near Kasturba Girls' Inter College, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9017, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Barcilly.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta-Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-6-1984.

Scal

(1) Shri Maluk Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd, Ismail.

(Transferee)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. M-189 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herelaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Land situated at Seegankhera, Distt, Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908), in the office of the Sub-Registrar

at Rampur on 22-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 101 Bighas, 18 Biswansi, situated at Seegankhera, District Rampur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2329, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Rampur.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

OFFICE OF THE INSPECTING

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. S-316|Acq.--Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500- and bearing No.

Land situated at Mauza-Jangal Beni Madhay and Mauza-

Baradwa, Gorakhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar | Sub-Registrar

at Gorakhpur on 12-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby instante proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

(1) I. Priya Ranjan Chatterjee,

2. Partha Sarathi Chatterice, Through Attorney Shri N. R. Chatterice.

 Sanjay Chatterjee (Minor), Through Mother & Guardian, Smt. Busanti. (Transferor)

(2) 1. Suresh Chandra, 2. Radhey Shyam,

(Transferee)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the lespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mauza-Jangal Beni Madhab and Mauza Bargdwa, Tappa-kasba, Pargara-Haveh Tehsil-Sadar, District Gorakhpur and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8369 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar. Gerakhpur, on 12-10-1983 (as per 37G form).

> A. PRASAD Competent Authority Inspection Assir, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknew

Date: 13-6-1984.

Scal:

48--146 GJ|84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. S-317/Acq.—Whereas, I, A.PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One house situated at Mohalla-Kisrol (Deputyganj), Morada-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). Its been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registrar

maisfer with the object of :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(I) Dr. Krishna Kant Gupta.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Kumari

(Transferce)

(3) Self.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A house with a total area of land measuring 145-96 sq. mtrs. situated at Mohalla-Kisrol (Deputyganj), Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 5857, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad in October, 1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-6-1984, Seal:

(1) 1. Shri Charan Singh, 2. Shri Harbans Singh,

3. Shri Ajaib Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. S-314 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land situated at Scegankhera, District Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar at Rampur on 22-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the "ansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Kum. Shama Praveen.

(Transferce)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used beloin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14-3|4 Bighas, I Biswa and 7 Biswansi, situated at Seegankhera, District Rampue, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2330, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Rampur on 22-10-1923 (as per 37G form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I neknow

Date: 13-6-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-221/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storcyed house situated at Nai Basti, Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar at Sitapur on 18-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Mohini Nigam,

- 2. Subhash,
- <u>3</u>. Sandeep,
- 4. Bibhu, 5. Sunil,
- Sanjay. 7. Kum. Chitra.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Prasad Rastogi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house with land measuring 2520 sq. 11. situated at Nai Basti, Sitapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3031, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Sitapur.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12.6.81

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 200D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Lachhman Das Bajaj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Rekha Kalra, 2. Smt. Ram Pali Kalra,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THER INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. R-222/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 46|1 situated at Wazir Hasan Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registrar at Lucknow on 14-10-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 6368 sq. ft. with building on the ground floor including the room over the garage bearing House No. 46|1 situated at Wazir Hasan Road, Lucknow, and all that description of the property of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G Nofl 10400, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 14-10-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesent property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. A-137 Acq.---Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

House property No. 78A situated at Darbhanga Colony,

Allababad

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registrar at Allahabad

on 11-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Smt. Shankari Tripathi,

Kum. Mira Tripathi,
 Kum. Mini Tripathi,
 Shri Ackaj Tripathi.

(Transferor)

(2) Shri Ashutosh Pandey.

(Transferce)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used never as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 78-A comprising of 7 rooms, 3 kitchens, 3 latrines, bath rooms including verandah and open yard, situated at Darbhanga Colony Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5954, which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Allaabad.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of a aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-6-1984.

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 26PD(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNO

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. C-40 Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing Plot Nos. 25, 26, 27 and 28 situated at Mohalla-Ramai Patti, Distt. Mirzapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar

at Mirzapur on 17-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Amresh Chand Pandey

(Transferor)

- (2) M/s. Carpetwal, Ramai Patti, Katcheri Road, Mirzapur Through its Partner, Shri Uma Shanker Chaube (Transferce)
- (3) Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot Nos. 25, 26, 27 and 28, situated at Mohalla-Ramai Patti. Distt. Mirzapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3923, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Mirzapur.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Ironme-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 13-6-1984 Seal_e:

(1) 1. Shri Naveen Chand Pandey 2. St. . Harsh Chand Pandey

3. Shri Narendra Chand Pandey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. C-41/Acq --Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Plot Nos. 25, 26, 27 and 28 situated at Ramai Patti, Disti. Mirzapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar at Mirzapur on 17-10-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Carpetwal, Ramai Patti, Natcheri Road, Mirzapur Through its Partner, Shri Uma Shanker Chaube (Transferce)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of thu notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 25, 26, 27 and 28, situated at Ramai Patti, Disti, Mirzapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3922, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Mirzapur.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1984

Scal:

FORM ITNS——

(1) Smt. Jayshri Devi Pant

(Transferor)

(2) Shri Gopal Kishan Pandey

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th June 1984

Ref. No. G.I.R. No. G-68/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
House No. 144 situated at Mamfordganj, Allahabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Sub-Registrar
at Allahabad on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—146 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 144, situated at Mamfordganj, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6101, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad on 14-10-1983 (as per 37G form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-6-1984

 Sh. Subhdarshan Kumar Suri 24-B|6, Desh Bandhu Gupta Road, Dev Nagar Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ravi Puri M-13|13 Deepak Building, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|393.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra 25,000|- and bearing Flat No. 1413 situated at 89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar I.A.C. Acq. I Range-I

at New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1413, Building No. 89 Nehru Place, New Delhi. Measuring 444 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|394.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 301, situated at 88 Nchru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Sub-Registrar

at New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- (1) Shri O P Khullar, M-8, Greater Kailash II New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Gandhi, Sh. Murari Lal Gandhi Smt. Vidya Gandhi R|o 30|20, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of nance on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of tize publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfert andlor

Flat No. 301 in building No. 88 Nehru Place, New Delhi. Measuring 591 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1083|395.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 604-A, situated at 29. Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar I.A.C. Acq. Range-I

at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Kishan Gupta, Plot No. 5, New Subzi Mandi, Azadpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Neeru Kaushal, 4-Birbal Road, Jangpura Extension, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

压铁

THE SCHEDULE

Flat No. 604-A, Building No. 89, Nehru Place, New Delhi. Measuring 546 aq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,

> 1. P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|396.—Whercas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 318 situated at F-14 Connaught Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar

at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Onke Aggarwal, Shri Vinit Aggarwal R|o C-2|48, Saiderjung Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Nasir, Smt. Tanveer Jamal R o R-215, Grente: Kailash-I, New Delhi, Shri Humayun Mujeeb and Miss Shamsa Mujeeb resident of Mujeeb Manzil Idgah Road, Muradabad (U.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

. THE SCHEDULE

Flat No. 318 3rd Floor Competent House 14-E, Connaught Place, New Delhi, Measuring 631 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I, P, ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|10-83-397.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 210 situated at F-14 Connaught Place,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar I.A.C. Acq. Range-I,

at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M[s. Competent Builders, 101 Competent House, F-14 Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri L. Radhey Lall C-3|1, Safdarjung Development Area, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 210 Competent House, F-14 Connaught Place, New Delhi. Measuring 786.07 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) M|s. Gopal Das Estates & Housing Pvt. Ltd., 28 Barakhamba Road, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Maya Rani Seth, C. K. 33|19, Neel Kanth, Varanasi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10|83-398.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the importance of the section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the importance of the section of the movable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. 43 L.G.F. situated at 28 Barakhamba Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar at New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market aviue of the aforestaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 83 L.F.G. Building No. 28 Barakhamba Road. New Delhi. Measuring 166 50 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Navinderject Kaur Gill Mrs. Surinder Kaur Clo M. S. Rakkar 63 Sector 8A, Chandigarh. (Transferor)

(2) Mrs. Swaran Beotra, C-158, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

No. IAC|Acq.|I|37EE|10|83|399.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 511 situated at 21, Barakhamba Road,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar I.A.C. Acq. Range-I, at New Delhi, in Octobre, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 511, Building No. 21 Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 420 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-6-1984

......

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kaushlya Devi, Sh. Satish Pahuja C-43, N. D. S. E. Part-I, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. R. S. Sobti, Mrs. Surinder Sobti, C-21-B, N.D.S.E. Part-I New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I[37EE|10-83|400.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. Flat No. 17 situated at 77, Sanchi Nehru Place,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar at New Delhi in October 1983

1.A.C. Acq. Range-I,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 117 in 77 Sanchi Nehru Place, New Delhi. Measuring 718.70 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--50-146 GI 84

Date: 2-6-1984

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|401.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 211|E.14 situated at Company Place. New Delhi

211|F-14 situated at Connaught Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar IAC. Acq. Range-I

at New Delhi in Ocotber, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Competent Builders, 101 Competent House, F-14, Connaught Place, New Delhi,

(Transferor)

 Smt. Bimla Devi Wo L. Radhey Lall C-3|1, Safdarjung Development Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as, given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 211 Competent House, F-14, Connaught Place. New Delhi, Measuring 772.34 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

(1) Shri Dharam Vir Vaid, D-1078, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Yogesh Gandhi, 165-E. Kamla Nagar, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC Acq. I | 37EE | 10-83 | 403.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269 is of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Office Flat No. 713 situated at '24 Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar IAC. Acq. Range-I at New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 713 office flat on 7th floor in Bullding No. 24 Ashoka Estate, Barakhamba Road, New Delhi—Measuring 431 sq. feet.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|404.—Wherens, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 1304-A, situated at

Flat No. 1304, stuated at

89, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I.

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

 Mls, Chemical & Mineral Distributors, 48 Rose Marry Lane, Howrah.

(Transferor)

(2) Mr. O. P. Bhatia, G-12, Masjid Moth, Greater Knilash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1304-A at 89, Nehru Place, New Delhi-Measuring 548 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Amrit Lal Kapoor, Ro F-39, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Smt. Sushila Saluja, Wo Dr. Tej Saluja, Ro G-12, Masjid Mouth, Greater Kailash-II, New Delhl.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. 1AC|Acq.I|37EE|10-83|405.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1317, situated at 89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I,

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1317, 89 Nehru Place, New Delhi-Measuring 560 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|406.-Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable of the competency of the competenc property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

G-4 situated at 79-80 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s. Jakhar Estate & Investments Pvt. Ltd. 18 Gaushala Road, Abohar (Pb.)

(Transferor)

(2) Mr. Pankaj Vaid So Shri S. P. Vaid, & Shri Satya Paul Vaid So Shri Madan Gopal, B-26, Friends Colony, New Delhi-110063.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-4, Satkar Building 79-80, Nehru Place, New Delhi-110019-Measuring 600 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Delhi New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|407.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 1012-B situated at 98, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the substitute appeared because

1012-B situated at 98, Nehrn Place, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-1, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. D. P. Sehgal Clo Liberty Cinema Canteen, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dharminder Kashyap and Shri Shalinder Kashyap 31|10, East Patel Nagar, New Delhi-110008.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1012-B, at 98 Nehru Place, New Delhi-Measuring 558 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 O. 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37-EE|10-83|408.—Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000|and bearing No.

G-3, situated at 96 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kesar Dass Arora, 66 Ring Road, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Makkar Slo Shri F. S. Mukkar, G-42, Green Park, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-3 in 96 Nehru Place, New Delhi-Measuring 430 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-6-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Mr. Vajinder Singh and Raghubir Singh Rlo B-4|14, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Ratan Kumar Modi, C-4|95, Safdarjung Dev. Area, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Rs. 25,000|- and bearing No.

SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the information movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|1 and bearing No. 207, situated at 88 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I.

Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 207 Skipper Corner, 88 Nehru Place, New Delhi-Measuring 674 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Juspecting Asstt. Commissioner of Income-tirk
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the auto Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atomical property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date: 2-6-1984

Seal:

51-146 GI|84

FORM ITNS----

(1) M|s. J. Ray & Bros. 19 Indian Oil Bhawan, New Dalhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Sood and Smt. Raj Rani Sood, H-21 N.D.S.E.-I, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37FF|10-83|410.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. G-1 (G.F.) situated at

Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-1 (G.F.) 95 Nehru Place, New Delhi-Measuring 495 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-6-1984

Sen! .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. M. Sah, 664-E, Simla House Napean Sea Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Sishila Jagtiani, Clo Mr. A. Mehra, E-318, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. AC|Acq.I|37EE|10-83[411.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Flat No. 5 situated at

S-565, Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the

Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No 5 (Mexannine floor) S-565, Greater Kailash-II, New Delhi-Measuring 1163 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of th esaid Act, to the following persons, namely :- -

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Exports Apparel Group Pvt. Ltd., Paras Building, Nehru Place, New Delhi.

 M|s. Vinod Kapoor HUF, B-29, Nizamuddin Enst, New Delhl.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/10-83/412.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 13 situated at

Ocean Building Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13 in 4th Floor Osian Building, Nehru Place, New Delhi-Measuring 860 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.37EE|10-83|413.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 12, situated at Ocean Building, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I,

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ms. Exports Apparel Group Pvt. Ltd., Paras Building, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Bay Radhika Kapoor, Master Akshay Kapoor, Master Nikunj Kapoor, Through Guardian Shri Vinod Kapoor, B-52, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 4th Floor Asian Building, Nehru Place, New Delhi-Measuring 710 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EF|10-83|414.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 308 situated at 7 Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the LAC.

Office of the I.A.C. Acq. Range-I. New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kailash Rani
 Clo Lt. Col. R. B. Nand,
 S-21, Green Park Extension,
 New Delhi.

(Transferor)

 M|s, Surya Holdings Pvt. Ltd., A-21, Oberoi Apartments, Civil Lines, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 808, Prakash Deep, 7 Tolstoy Marg, New Delhi-Measuring 570 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|415.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Flat No. 415 situated at 22 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dr. Mrs. P. L. Vohra & Mrs. Kusum Arora, A-1|6, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s Private Charitable Foundations 4693, Gali Umrao Wali Pahari Dhiraj

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 415 on 4th Floor 22 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi

Measuring 542 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-84

 M|s. Skipper Sales Pvt. Ltd. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tejinder K. Singh Clo Smt. H. Bakshi Bal Bharati Air Force School Lodhi Colony, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISTTION RANGE-I, NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 2nd June 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|418.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Flat No. 407 situated at

89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the

Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 407 in Building No. 89 Nehru Place, New Delhi. Measuring 551 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|419.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No. Flat No. 107-A situated at 22 Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi

on October 1983

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

52—146GI[84

 M|s. Skipper Sales Pvt. Ltd. Skipper Bhawan, 22 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Manish Gupta & Manu Gupta (Minors) Slo Mr. Surendra Bhushan Gupta D-70, Panchsheela Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107-A, at 22 Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 760 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 2-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|AcqI|37EE|10-83|424.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and braring No. 612 situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

21, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the l.A.C. Acq. Range-!, New Delhi in October, 1983

for an exparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Maya Dube, Hyderabad Colony, Banaras Hindu University Varanasi.

(Transferor)

(2) Smt. Gayatri Devi 5 Kaka Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 612 Building No. 21 Barakhamba Road, New Delhi

Measuring 325 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 2-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Om Prakash Gulati (Karta) B-IV|79, Dayanand Colony,

C-III 197, Lodhi Colony

(1) Sh. Inder Pal Singh

New Delhi.

(Transferor)

Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC Acq I 37EE 10-83 425, -- Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

bearing No. 38 situated at

Sant Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transf andlor
- (b) facilitating the concealment o fany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication o this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 38 Sant Nagar, New Delhi. Measuring 200 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 2-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis Bakshi Vikram Vikas Construction Co. Pvt. Ltd. 13 Rolstoy Marg. Now Delhi.

(Transferor)

(2) Ms. Uttam Singh Dugal & Co., Pvt. Ltd. 11 Marina Arcade, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|AcqI|37EE|10-83|426....Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000|- and exceeding

bearing No. Flat No. 1105, situated at 13 Tolstoy Marg. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I,

New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1105, on 11th Floor 13 Tolstoy Marg, New Delhi. Measuring 696 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 2-6-84

FORM ITNS----

M|s K, Kaushlya Construction A-7|2, New Friends Colony New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pankaj Kushwaha, B-6|8, Local Shopping Centre, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC Acq. J [37EE [10-83]427.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. S-261, situated at Greater Kailash-II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. II on the 1st Floor S-267, Greater Kailash-II New Delhi.

Measuring 2325 Sq. Ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC |Acq.I|37EE|10-83|428,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 409

situated at 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the 1.A.C. Acq. Range-J, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M|s Eastern Enterprises,
 802 Akash Deep 26-A, Barakhamba Road,
 New Delhi through Partners Mrs. Helga K. Sarna & Mrs. Promila Sarna.

(Transferors)

(2) Mrs. Bimla Wig Wo Mr. K. G. Wing and Miss Aarti Wig UlG Lalit Mohan Wig 7/179, Swaroop Nagar Kanpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 409, on 4th Floor in 22 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. Measuring 522 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 2-6-84

(1) Lt. Co. H.S. Cheema 262|35-R. Chandigarh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Sauvik Chkravertim Miss Shravini Chakraverti Mrs, Archana Chkraverti Flat No. 560, 16, Kundan House, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|429.--Whereas, J, SUDHIR CHANDRA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 505, situated at

No. 505, situated at 16 Kundan House, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, 16 Kundan House, Nehru Place, New Delhi. Measuring 620 Sq. Ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC | Acq. 1 | 37EE | 10-83 | 430.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. 1503 situated at

bearing No. 1503, situated at 43 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I,

New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Subhash Bathia (HUF) through its Karta Sh. Subhash Bathla-E-23, Panchshila Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Bhajan Kumari Vij S|o Sh. S. R. Vij R-830, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 1503, on 15th Floor, 43 Nehru Place, New Dolhi.

Measuring 517 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 2-6-84

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Mehtab Industries 121 Guru Nanak Auto Market, Kashmere Gate, Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Rewa Mehra, Master Pawan Suwan & Karan Mehra, M-61, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|AcqJ|37FE|10-83|431.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having p fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 708, situated at 89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely im-

53—146GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 708, 89, Nehru Place, New Delhi, Measuring 414 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 2-6-84

Scal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq I|37EE|10-83|432.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 204-A, situated at 89, Nehru Place, New Delhi

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. I.

New Delhi in Oct. 1983

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M|s. Skipper Sales Pvt. Ltd. Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transfe

(2) M/s. Sawhney Exports, B-183, Okhla Industrial Area Phase-I, New Delhi.

(Transf-

Objections, if any, to the acquisition of the said promay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a p of 45 days from the date of publication of notice in the Official Gazette or a perior 30 days from the service of notice on the pective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immo property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaze

EXPLANATION: --The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204-A, situated at 89, Nehru Place, New I 110019. Measuring 540 eg. 11.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Lispecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 2-6-1984.

 Smt. Anita Jain, 114-A, Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sarabjit Singh, Smt. Pritam Kaur & Smt. Paramjit Kaur 1098, Mohli-1 (Punjab).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHJ

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq 1|37EE|10-83|433.—Whereas. I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

1003-A, situated at 89, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1003-A, Building No. 89, Nehru Place, New Delhi. Measuring 352 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range I
New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|10-83|434.—Whereas, J, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. L.B8 situated at Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi

Marg, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in Oct. 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyr or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Pratima Chaterjee, 251-A, 29 Netaji Subhash Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Satwant Kaur & Shri Harinder Singh, E-16, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. L.B8, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg. New Delhi. Measuring 878 \(\pm\$ 266 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range J New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persone, namely :-

Date: 2-6-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq-1|37EE|10-83|435.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. C-31, situated at Pushpanjali, Village Bijwasan, New

No. C-31, situated at Pushpanjali, Village Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Ms. Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delbi.

(Transferor)

(2) Shri Pramod Kumar Gupta (HUF) 31, Netaji Subhash Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-31, in Pushpanjali at Village Bijwasan, New Delhi. Measuring 3 Acres.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
New Delhi

Date: 2-6-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|10-83|436.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Farm No. C-27 situated at Pushpanjali, Village Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I,

New Delhi in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pramod Kumar Gupta (HUF) 31, Netaji Subhash Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Farm No. C-27, in Pushpanjali Village Bijwasan, New Delhi. Measuring 2.5 Acres.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
New Delhi

Date: 2-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I.

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq-1|37EE|10-83|437.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. S-339, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oeneve that the fair market value of the property as aforeeard exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namel] :--

(1) Mr. Man Singh of Panjwani Builders, B-5|63, Azad Apartments, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Vipin Malik & Gaurav Vedvyas So. Anil Vedvyas through General Attorney Vipin Malik, S-370, Orenter Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-339, Greater Kailash-II, New Delhi. Measuring 112,90 Sq. Ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1 New Delhi

Date: 2-6-1984.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|10-83|440.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

and bearing
No. L.B-32 situated at 7 Tolstoy Marg, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the I.A.C. Acq. Runge-I,

New Delhi in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ms. Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Zorawar Daulat Singh, Miss Mekhala Daulat Singh, Master Bikrama Daulat Singh (Minors) U|G of Shri Vijendra Daulat Singh, B-10, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. L-B-32, Prakash Deep, 7, Tolstoy Marg, New Delhi. Mensuring 309 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1
New Delhi

Date: 2-6-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mls. Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Syed Sadhir Hader Razvi Slo. Syed Sayed Hasan Rizvi, Post Box No. 42252, Shuwaikh, Knwait

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE I. G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|10-83|441.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 209, situated at 38, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Runge-I,

New Delhi in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

54-146 GI/84

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 209 in 38, Nehru Place, New Delhi, Measuring 600 Sq. Ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I New Delhi

Date: 2-6-1984.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|10-83|442.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000|- and bearing

No. Flat No. 33, situated at 10. Hailey Road, Dakshineshwar Building, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I,

New Delhi in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fak market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

 M|s. L. M. Manilal (HUF), B-15, West End Colony, New Dolhi.

(Transferor)

(2) M]s. Survodaya Investment & Trading Company Ltd. 714, Raheja Chambers, 213, Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, Dakshineshwar Building, 10 Hailey Road, New Delhi, Measuring 2000 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
New Delhi

Date: 2-6-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Rcf. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|443.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 108, situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi Income-tax Act, 1961 IAC Acq. Range-I, New Delhi in (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the LA.C. Acq. Range-I,

New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ogreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Inderjit Singh & Sons. (HUF), D-12, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Mysore Electroplating Pvt. Ltd.,
 402, New Delhi House,
 27, Barakhamba Road,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, Building No. 21, Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 440 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|444.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Property No. 107 situated at 21, Barakhamba Road, New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-1,

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S. Inderjit Singh & Sons. (HUF), D-12, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M_{|S}. Mysore Electroplating Pvt, Ltd., 402, New Dclhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, 21, Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 595 Sq. Ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-l,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-1984

(1) M|s. Lucky Star Estate (India) Pvt. Ltd., Vikram Hotel, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Mysore Electroplating Pvt. Ltd., 402, New Delhi House, 27. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|445.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Flat No. 7-A, R-8 situated at 22, Barakhamba Road, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I,

New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7-A & R-8, Building No. 22, Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 1500 Sq. Yd.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 2-6-1984 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|446.--Whereas I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. 1303/A situated at 89, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the J.A.C. Acq. Range-J, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Skipper Sales Pvt. Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Pankaj Vauj Clo K. Manohar Gupta, J-20, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1303-A, building No. 89, Nehru Place, New Delhi. Measuring 352 Sq. Ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date : 2-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Skipper Sales Pvt. Ltd., Skipper Bhawan, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|447.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plat No. 201-A situated at 88 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (?? of 195/);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M|s. National Construction Co..
 Through Mr. Ravi Katsi,
 1-74, Lajpat Nagar-I,
 New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by ony other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 88. Nehru Place, New Delhi. Measuring 178 Sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

FORM No. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Skipper Sales Pvt. Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Muster Vikram Singh Bajaj U|G Sh. R. S. Bajaj, A-137, New Friends Colony, New Dolhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|448.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

1104-A situated at 89 Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983

New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the apparent consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1104-A, 11th Floor, 89, Nehru Place, New Delhi. Measuring 548 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :--

Date: 2-6-1984

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC[Acq.I[37EE]10-83[449,---Wereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

M-41, situated at Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—146 G1/84

 Smt. Chandra Kanta Gupta, 50-A, Harish Mukherjee Road, Calcutta-25.

(Transferor)

(2) Sh. Harish Malik & Sh. Nand Kishore Malik, B-1|55, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. M-41, Greater Kailash-I, New Delhi-48. Measuring 196 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi

Date: 2-6-1984

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|451.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

79 situatel at 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I New Delhi, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Gopal Dass Estates & Housing Pvt. Ltd., 28, Berakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sat Prakash Gupta S|o Sh. Babu Ram Gupta, Smt. Laxmi Devi Gupta W|o Sh. Sat Prakash Gupta, 2034, Street Mahavir Bahadurgarh Road, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 79, L.G.F., 28, Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 155 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Asq.1|37EE|10-83|452.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fulr market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Space No. 44 situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I New Delhi in October, 1983 Income-tax Act, 1961 IAC Acq. Range-I, New Delhi in

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value o fitte property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis. Gujral Estates Pvt. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Amrita Bhasin Wlo Sh. K. R. Bhasin, resident of B-4|219, Safderjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 44 in 17, Barakhamba Road, New Delhl. Measuring 186.1 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. 1AC|Acq.I|37EE|10-83|453.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

Space No. 20 situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consderation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. R. C. F. Process Plants, 179, Phase-II, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 20 first floor, 17 Barakhamba Road, New Delhi. Measuring 200 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi New Delhi

Date: 2-6-1984

FORM No. 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|445,--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

B-478 situated at New Friends Colony, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-1. New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Rajinder Parkash Clo Moti Sweets, Netaji Subhash Chand Marg, Daryaganj, New Delhi.
- (2) Sh. Niranjan Singh Dhir, 2|2A, Jangpura "A", New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-478, New Friends Colony, New Delhi. Measuring 300.4 Sq. Yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|Ncw Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. 1AC | Acq. 1 | 37EE | 10-83 | 456.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No. Agricultural land situated at Village Smalaka, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Nagesh Narayan Kini & Shri Kitty Nagesh Kini, Kh. No. 29/6, Rajokri Road, New Delhi-110 037.

(Transferor)

(2) Shri Mahendranath Misra, P.O. 152, Dubai UAE, Shri Sanjeev Misra, M. K. Road, Bombay-400 020, Nandita Misra Moti Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural plots & Farm house on Kh, No. 29|6 & 15 in village Smalaka, Tehsil Mehtauli, New Delhi. Measuring 1200 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|10-83|457.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

521 situated at 89, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Malik Company
 Clo H. P. Singh & Bros.
 Vaikunth 82-83,
 Nehru Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Sunita Gupta & Mrs. Satya Gupta, D-110, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 521, in building No. 89, Nehru Place, New Delhi. Measuring 370 Sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. 1AC. Acq. I | 37EE | 10-83 | 402, - Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Flat No. 422 situated at Skipper Tower, 89. Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M|s. Indeon Engineers Pvt. Ltd., 305-306, Mansarovar, 90, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Simplex Connecte Piles (India) Pvt. Ltd., 2nd floor, Vaikunt 82-83, * Nehru Place, New Delhi.

· (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 422, Skipper Tower, 89, Nehru Place, New Delhi. Measuring 350 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delbi New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-83|1136.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 99 situated at Block B-II, Mohan Co-op. Industrial Estate, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following cersons, namely 100 for the said Act to the following cersons, namely 100 for the said Act to the following cersons.

(1) M|s. Sh. Krishan/ Gupta & Co., through their partners S|Shri Krishan Gupta, Shri Ashok Kumar, & Shri Murli Dhar, 4412, Cloth Market, Delhi.

(Transferor)

(2) M|s, Sh. Krishan Gupta (P) Ltd.. through their Directors S|Shri Krishan Gupta, Shri Ashok Kumar, & Shri Murli Dhar, 4412 Cloth Market, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 99, Block B-H. Mohan Co-Operative Industrial Estate, New Delhi. Measuring 2140 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. !AC, Acq.I|SR-III|10-85|1138,--Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable 25 0000 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing

No. 3/56 situated at Lajpat Nagar 4, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Dellii on October, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) fac litating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Tota Ram Slo Sh. Mool Chand, C-77, Yesh Path Tilak Nagar, Jaipur Through Attorney Sh. Hans Raj 3|55 D. S. Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashwani K. Nagpal SloSh. Hans Raj Nagpal3|55 D. S. Laipat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of qublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

GBP No. 3|56, on 1st Floor, Double Storey Laipat Nagar, Measuring 255.5 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date · 30-5-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Ram Kishan, Jai Kishan, Deeg Ram and Chet Ram sons of Totta, Rlo Village Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219, Chitranjan Avenue, Calcutta Through Jaspal Singh

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref No. IAC|AcqI|SR-III|10-83|1140.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property haning a fair market value avocading able property hanivg a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Agricultural Land situated at Village Aya Nagar, New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on October, 1983 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerauon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

31|98 share in Agricultural land Khasra Nos. 1861(2-7), 1631|2 (1-6), 1793|2|2 Min (0-9), 1817|1 Min (0-6). 1793|2|2(0-9), 1917|1|2 Min (0-16), Village Aya Nagar, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Dolhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|AcqI|SR-III|10-83|1142. --Whereas, 1.

SUDHIR CHANDRA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to mas the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Agricultural Land situated at Village Aya Nagar, New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at

Delhi on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ; ...

(1) Sh. Roshan Lal, OM Parkash, Narain Singh sons of Sevga, Smt. Rumali Wdlo Sevga, residents of village Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ms Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd. 219, Chitranjan Avenue, Calcutta through Jaspal Singh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 1 biswas, Khasra No. 482 (2-1), 1869 1(2-0). Village, Aya Nagar, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Delhi New Delhi.

Date : 30 5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq||SR-III||10-83||1150,---Whereas, J, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have re son to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Agricultural Land situated at Village Dera Mandi, Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering-Officer at Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ram Lai Sio Shri Jahageera R|o Village Dera Mandi, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mem Pal, Sh. Sant Pal & Sh. Dharm Pal sons of Sh. Shiv Lal Village Dera Mandi, Mchrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Dera Mandi Mehrauli, New Delhi. Measuring 11 bighas and 1 Biswa M. No. 21, Killa, No. 19 Min (1-9) 20 (4-16), 21 (4-16).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|SR-III|10-83|1152.-Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000

and bearing No. Agricultural Land situated at Village Salahapur, Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interefor by more than interent cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followpersons, namely .-

(1) Smt. Man Bhauti Wo Sh. Ram Dhan Rlo Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Major Pradeep Kumar Mehra So late Dr. Ram Lal Mehra D-7|6, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4|10 Share in agricultural land measuring 11 bighas 16 Biswas, M. No. 16 Killa No. 1|2 (2-4), 10 (4-16), 11 (4-16), Village Salahapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date : 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC AcqI|SR-III 10-83 | 1153.---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural Land situated at Village Salahapur, Teh-Mehrauli New Delbi

rauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act ir. respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment o fany income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai. Property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1) Smt. Man Bhauti Wlo Ram Dhon Rlo Village Bijwasan, Tehsil Mchrauli New Delhi.

(Transferor)

(2) Major Pradcep Kumar Mchra S|o Dr. Rum Lal Mehra D-7|6, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication o this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4 Share in agricultural land measuring 12 bighas and 8 biswas M. No. 11, Killa No. 21|2 (1-8), M. No. 16 Killa No. 1|1 (2-12), 3 (4-16), 19|1 (3-12), Village Salahapur, Tehs. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Scal :

Date: 2-6-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Man Bhauti Wo Sh. Ram Dhan Ro Bijwasan, New Delhi.

New Delhi.

(2) Major Pradcep Kumar Mehra

So Late Dr. Ram Lal Mehra Ro D-76, Vasent Vihar,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTINIG ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|AcqI|SR III|10-83|1154.—Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing

No. Apricultural land, situated at Village Salahapur, Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whenever period expires lates:
- (b) by any other person interested in the said immovable properts, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazutte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein and ure defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

4/10 Share in agricultural find measuring 11 bighas Biswas, B. No. 16 Killa No. 1/2 (2-4), 10 (4-16), II (4-16), Village Salahapur Tchsil Mehrauli, New Delhi.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,

Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Data · 2-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC Acq. ISR-III 10-83 1155,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Village Salahapur, Tehsil

Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer nt Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

57-146GI|84

(1) Sh. Ram Dhan 30 Lakhi Rio Bliwasan. New Delhi.

(Transferor)

(2) Major Pradcep Kumar Mehra Slo Late Dr. Ram Lal Mehra D-7/6, Vasant Vihar, New Delhi.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th share in agricultural land measuring 12 bighas and 8 Biswap M. No. 11 Killa No. 21|2 (1-9), M. No. 16 Killa No. 1|1 (2-12), 3 (4-16), 19|1 (3-12) Village Salahpur, Tehsil Mehrauli New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi,

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Ram Dhan Slo Sh. Lakhi Rlo Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Major Pradeep Kumar Mehra So Late Dr. Ram 1.al Mehra D-7/6, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I NFW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq. 1|SR-III|10-83|1156,--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Agricultural Land, situated at Village Salahapur, Mehrauli New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4 share in agricultural land measuring 12 Bighas and 8 Biswas, M. No. 11, Killa No. 21|2 (1-8), M. No. 16 Killa No. 1|1 (2-12), 3 (4-16), 19|1 (3-12) Village, Salahapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhii New Delhi.

Date: 2-6-1984

Seal ;

(1) Sh. Ram Dhan So Shri Lakhi Rlo Biiwasan, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Major Pradeep Kumar Mehra So Late Dr. Ram Lal Mehra D-7|6, Vastnt Vihar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|SR-III|10-83|1157.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|and bearing

No. Agricultural land situated at Village Salahapur,

Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Omce of the Registering Officer at Delhi on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4 share in agricultural land measuring 12 bighas 8 biswas, M. No. 11 Killa No. 21|2 (1-8), M. No. 16 Killa No. 1|1 (2-12), 3 (4-16), 19|1 (3-12), Village Salahapur Tehsil Mehrauli, New Delbi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|SR-III|10-83;1159.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Rajokari, Mehrauli, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Shashi Kumar and Mrs. Satya Khurana Plo M|s. Sonu Farms, B-43, Gulmohar -Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. V. K. Khurana & Mrs. Usha Khurana Rio 3 10, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 Biswa No. 290 (3-14) 291 (7-2) Village Rajokari, Teh. Mehrauli, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1/30-5-1994

The same of the sa

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

NEW DELHI New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq1|SR-III|10-83|1161.--Whereas, 1,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

situated at Greater Kailash-I New Delhi. No. B-231, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

a) facilitating the reduction of evasion of the habiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hersby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S. Harjeet Singh Slo S. Gurbachan Singh, 9-A, Model Town, Phagwara (Punjab)

(Transferor)

(2)) (1) Samrath (2) Chaitan, Minors So Sh. Ashok Kumar 79-F, Kamla Nagar. Delhi through their father and natural guardian Sh. Ashok Kumar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-231, Greater Kailash-I, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date: 2-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DFLHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq. 1|SR-III|10-83-1162.---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Agricultural land, situated at Village Dera Mandi, New

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of the Registering Officer at Delhi on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ram Chander Sto Sh. Aiman Rlo Village Dera Mandi New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjay Kumar Slo Sh.Satish Chander Rlo B-6 Geetanjali, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 bighas 4 biswas M. No. 121, Killa No. 16 (0-16), 17 (4-16), 24 (4-16), 25 (4-16). Village Dera Mandi New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, L.P. ESTATE,

NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq1|SR-III|10-83|1171.--Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Agricultural Land situated at Village Salahapur, Meharuli New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Si₅ Ram S|o Shri Rura R|o Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Major Pradeep Kumar Mehra Slo Late Dr. Ram Lal Mehra D-7/6, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 bighas ustatil No. 10 Killa No. 25 Village Salahapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

77ate : 2-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. JAC|AcqI|SR-III|10-83|1172.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Agricultural land situated at Village Salahapur, Meharuli

Now Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the gald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

چونسيسور وجون د در المحترب کاري در در ايرين ايري کاري المحترب ايرين در ايرين ايرين در المحترب ايرين در المحترب محترب المحترب المحترب المحترب کارين در ايرين ايرين المحترب المحترب المحترب المحترب المحترب المحترب المحترب الم (1) Sh. Nathu Sic Nauta resident of Village Salahapo), Kew Delhi

(Transferor)

(2) Major Pindeep Kumar Mehra Slo Late Dr. Ram Lal Mehra D-7|6, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immo-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 Bighas and 8 Biswas, M. No. 10 Killa No. 16/2, Village Salahapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Delhi New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date : 2-6-1031

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|SR-III|10-83|1178.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land situated at Village Tuglakabad, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
58—146GI[84]

(1) Smt. Usha Srivastava W|o Dr. K. K. Srivastava E-7, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh Slo Shri Jaswant Singh, Village Tuglakabad, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, chall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land comprised of Khasra Nos. 1506(1-7), 1091(0-6) 1092(0-11), 1094(5-1) in all 7 bighas 5 biswas situated at Village Tuglakabad, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1186.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 Agricultural Land situated at Village Salahapur, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jagat Ram
 Sho Shri Chand
 R|o Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Snut. Asha Framji Wlo Chick Framji, Rlo D-7/6, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 Bighas and 1 biswa, M. No. 17 Killa No. 11(4-16), 20[1(3-0), 20[2(0-5) Village Salahpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-83|1191.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 6 situated at 12, Siri Fort Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in October, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than affiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Dharam Singh Trustee M|s Dharam Singh Family Trust, A-2|140, Safderjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Gautam & Shri Vimal Prakash Gautam, 12 Siri Fort Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 property No. 12 Siri Fort Road, New Delhi. Measuring 950 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1197.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. D-24 situated at Jangpura B, New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Arjun Dass
 S|o Late Ram Lubhaya
 R|o D-24 Jangpura-B, New Delhi, through attorney Raranjit Lal
 S|o Shri Jagiri Lal
 7-A, Jangpura-B, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Manjit Kaur Wlo Shri Taranjit Lal Rlo D-24 Jangpura-B, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. D-24, Jangpura-B. New Delhi-14.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Dolhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1201,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Aaya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mrs. Kamal Jolly
 Wlo S. Gurcharan Singh Jolly
 347, G Greater Kailash-I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri P. S. Rana, S|o Shri Sahib Singh 5-A Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 1677(4-16) 1690 Min (2-0) Villago Aya Nagar, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:----

Date: 30-5-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq. 1|SR-III|10-83|1203.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. C-43, situated at South Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.

Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Haula Singh S|o Shri Jiva Singh R|o Village & P.O. Naura, Tehsil Nawashahar, Jullundur (Punjab) (Transferor)

(2) Sh. Devinder Singh Sabharwal and Shri Satpal Singh Selo Shri Avtar Singh Sabharwal, M-16, Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

-1|2 storeyed building built on plot No. C-43, South Extension, New Delhi. Measuring 200 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ashok Kakr and Shri Suresh Kumar Selo Shri Dargahi Dase, E-20, Greater Kallash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunita Mehta Wo Shri Vijay Mehta, 117 Jor Bagh, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1204,-Whereas, I,

Ref. No. IAC|Acq 1|SR-III|10-83|1204.—Whereas. 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agricultural land situated at Village Jonapur, Tehsil Mehrauli New Delhi

Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office -

of the Registering Officer at Delhi in October, 1983,

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any become or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land M. No. 27 Killa No. 6 1(3-0), 6 2(1-16). Village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delht Measuring 4 Bighas and 16 Biswas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-1 Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. 1AC[Acq I[SR-III]10-83]1205.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur,

Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, c- the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kakar and Shri Suresh Kumar Ss|o Shri Dargahi Dass, E-20, Greater Kailash, Enclave-II New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunita Mehta Wo Shri Vijay Mehta, 117, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land M. No. 27 Killa No. 15 Village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi. Measuring 4 Bighas and 16 Biswas.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1206.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur,

Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following processor and the said Act, to the said Act, ing person, namely :---59---146GTI84

(1) Shri Ashok Kakar and Shri Suresh Kumar Ss o Shri Dargahi Dass, E-20, Greater Kailash. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunita Mehta Wo Shri Vijay Mehta, 117 Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land M. No. 27 Killa No. 5 Village Jonapur. Tehsil Mehrauli New Delhi. Measuring 4 Bighas and 16 Bigwas.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. 1AC|Acq 1|SR-III|10-83|1207.--Whereas, 1,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Agricultural land situated at Village Jonapur,

Tehril Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Ashok Kakar and Shri Suresh Kumar Sslo Shri Dargahi Dass, E-20. Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunita Mehta W|o Shri Vijay Mehta, 117 Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 Bighes and 9 Biswas, M. No. 16 Killa No. 25 Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Dalhi

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi New Delhi

Date: 2-6-1984

Seal;

- - I

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/10-83/1209.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Devli,

Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kalpana Joshie,
 Wo Mr. Mukul Joshie,
 Ro 1/23, Sarvapriya Vihar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Dhanshri S. Talwalkar, Wlo Shri Shreeniwas N. Talwalkar, Rlo Dongree Building, 3rd floor, Hindu Colony, Opp. Rula, College, Matonga, Bombay-19.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gapette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 Bigha 12 Biswas M. No. 32, Killa No. 18 Village Devli Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC Acq I SR-III 10-83 1210.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Rangpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

 S|Shri Jai Narain, Ram Singh, Krishan Kumar, Attar Singh, Ram Rati, Maya Chand, Chhotu Ram R|o Village Rangpurl, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Prakash Kaur Sutinderpal Singh Katari & Tanmyta Kaur, E-516, Greater Kallash, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 400 Village Rangpuri, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1211,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-

and bearing No.

Agricultural land situated at Village Rangpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S|Shri Jai Narain, Ram Singh, Krishan Kumar, Attar Singh, Ram Rati, Maya Chand, Chhotu Ram R|o Village Rangpuri, New Delhi,

(Transferor)

(2) Inderjit Singh, Miss Kanwaljit Kaur & Raghbir Singh R[o L-18, South Extn. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 395|1 & 395|2, Village Rangpuri, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1212.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a sair market value-exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Rangpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Delhi in October, 1983

Balgaum under Document No. 2002/83-84 on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secon 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S|Shri Jai Narain, Ram Singh, Krishan Kumar, Attar Singh, Ram Rati, Maya Chand, Chhotu Ram R|o Village Rangpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Singh, Rabhbir Singh & Miss Kanwaljit Kaur, Shri Rabhbir Singh, R/o L-18, South Extu. Part-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoreable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 396 Village Rangpurl, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Dato: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1213.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Rangpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 SShri Jai Narain, Ram Singh, Krishan Kumar, Attar Singh, Ram Rati, Maya Chand, Chhotu Ram Ro Village Rangpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Inderjit Singh, Miss Kanwaljit Kaur & Shri Rabhbir Singh, Rlo I-18, South Extn. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 377(4-16), Village Rangpuri, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq 1|SR-III|10-83|1214.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- bearing No. Agricultural Land, situated at Village Rangpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Agricultural Land, situated at Village Rangpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jai Narayan, Ram Singh, & Other, Village Rangpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prakash Kaur Sutinder, Pal Singh Tanmayta Kaur, E-516, Greater Kailash, New Delhi.

('fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereif, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 468/1, 468/2, Village Rangpuri, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge I
Dclini|New Delhi

Date: 30-5-84 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq. 1|SR-III|10-83|1216.-Whereus I,

SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural Land, situated at Village Rangouri New Delhi fand more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income trising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

60-146GI|84

(1) Sh. Jai Narain, Ram Singh, Krishan Kumar, Attar Singh, Ram Ratti, Maya Chand & Chhotu Ram rlo Village Rangpuri, New Delhi.

(Transfrore)

(2) Smt. Prakash Kaur, Sutinder Pal Singh & Tanmayta Kaur, rlo E-516, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions ued herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 401, Village Rangpuri, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range I Delbi New Delhi

Date: 30-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

New Delhi. (2) Sh. S. M. Riaz S

(Transferor)

(2) Sh. S. M. Riaz Soo Sh. S. Suleman, ro C.L. 135, Lappat Nagar, New Delhi.

 Sh. Madhu Sudan and Radhey Gobind sons of Sh. D. N. Mehta through attorney Shri M. S. Zafar C|74, Kalkajee,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1225.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. C-1|135, situated at Laipat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I, have reason to nelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than alfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of action on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C.1|135, Lajpat Nagar, New Delhi. Measuring 100 Sq. Yda.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi\text{New Delhi}

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-1984

 Sh. Bansi alias Lekh Ram Slo Sahab Singh rlo Dera Maudi, New Delhi.
 Through attorney Sh. Sukhbir Singh Slo Sb. Dalu Singh rlo Devli, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Amit Ohalle Slo Sh. Jai Rattan Bhalla, r.o [16 Jor Bagh, New Dolhi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC Acq I SR-III 10-83 1230.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agricultural Land situated at Village Dera Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—I he terms and expressions used bereiv as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the come meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 14 bighas and 12 biswas M. No. 88 Killa No. 4 Min (1-12), 19(3-8), 11(4-16), 20(4--16) Village Dera Mandi Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi|New Delhi

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 30-5-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq t|SR-III|10-83|1232,—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. 108 situated at Village Kilokri, Teh, Mahrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration wor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following person namely:—

(1) Sh. Hira Lal and Shish Pal SS[o Late Sh. Lat Singh r[o 1565, Katra Husai Bux Main Bazar, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ranjit Singh Hinwar Slo Sh. Hariya Hinwar rlo 102. A Village Kilokri, Tehshil Mehrauli, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(XPLANARION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 108 Khasta No. 732, Village Kilokri, Teh. Mehrauli New Delhi-measuring 100 Sq. Ld.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range [
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-84

(1) Sh. Sukhbir Singh Sjo Dalu Singh, rjo Devli, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Amit Bhalla Sjo Sh. Jai Rattan Bhalla rjo 116 Jorbagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. $\{AC|Acq\ 1|SR-III|10-83|1233.$ —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

sebeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Agricuntural I and, situated at Village Dara Mandi Teh, Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trasferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of registering Officer at Delhi on October 1983

Tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 Bighas and 4 biswas M. No. 88 Killa No. 1(4-16), 10 Min (1-8) Village, Dera Mandi Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi|New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-5-84

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. LAC[Acq 1]SR-HI[10-83]1236.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1964 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a few market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Agricultral land situated at Village Dera Mundi, Tehsil Mehrauli New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 if 1957);

 M|s. Raasti & Co. E-283, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pt. Sis Ram Sharma Slo Shri Budh Ram Rlo 122-A|8, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas and 8 biswas M. No 46 Killa No. 17 Min (2-16), 25 (4-12) Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range J
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-5-84

FORM ITNS ---

AND THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPE (1) M/s. Kasan & Co. E-283, Greater Kallash II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Pt. Sis Ram Sharma Slo Shri Budh Ram 122-A|8, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1237.--Whereas I, Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/10-83/1237.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Village Dera Mandi Mehrauli, New Delbi New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :---The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same recaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bighas and 16 Biswas M. No. 46 Killa No. 14(4-16), 17 Min (2-0) Village Dera Mandi, Tchsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-5-84

(1) M|s. Raasti & Co. E-283, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pt. Sis Ram Sharma So Shri Budh Ram ro 122-A 8, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Rcf. No. 1AC|Acq 1|SR-III|10-83|1238.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Agriculture! land situated at Village Dera Mandi,

Mehrauli, New Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair mar ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid a - 4 ds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 46 Killa No. 16(1-3), M. No. Killa No. 5(4-12) village Dera Mandi Tehsil Mehrauli. New Delhi.

> SUDHIR CHANDR Competent Author' Inspecting Assistant Commisoner of Income-t Acquisition Range Delhi New Del

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the tour aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons. namely :--

Date: 30-5-84

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Ruasti & Co. E-283, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pt. Sis Ram Sharma Slo Shri Budh Ram r,o 122-Al8, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1239.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Villege Dera Mandi, Tehsil Mehauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bighas and 10 biawas Mustatil No. 46 Killa No. 7(1-4) 18(0-10), 24 (4-16) Village Dera Mandi Tchsil Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Inspecting Assistant Commisoner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—146GI|84

Date: 30-5-84

(1) Chander and Other Village P.O. Tuglaka Bad, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sh. Jagdish Chander So Sh. Sant Ram, rlo Village P.O. Tugalakabad,
 New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-83|1241.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Agriculture. Land situated at Tuglakabad, New Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of and more fully described n the Scheduled annexeed hereto). 1908) in the Office of registering Officer at Delhi on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideratios therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARMANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

4 share in Agricultural Land Vilage Tugalakabad, New Delhi-Delhi, .

Measuring (26-7) Khasia No. 2476/1651/1, 2458/1767.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ronge I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE (G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATH, NEW EDI.HI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ret. No. IAC|Acq I,SR-III|10-83|{243,---Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1|6 situated at Lajpat Nagar-4, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Bahadur Chand Sjo Shri Gurditta Ram through attorney Sh. Subhash Chander rol 1/14, Jaidev Park Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Avnash Jethi W|o late Sh. Kuldeep Jethi r|o I-IV|6, D. Storey, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Government built property No. 4-1/6, Lajpat Nagar, Double Storey, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi|New Delhi

Date: 30-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Re. No. IAC|Acq|1|SR-III|10-83|1248.--Whereas, I,

Re. No. IAC|Acq||SR-III||10-83||1248.—whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Industrial Plot No. 158 situated at Block C, Okhla Indi. Area, Phase-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lt. Col. Somesh Kapur Sjo Sh. A. N. Kapur Ro A-62, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(2) M/s. Astral Auto Parts (P.) Ltd. through director Mrs. Sumen Kapur W/o Lt. Col. Somesh Kapur, A-62, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Plot No. 158 Block 'C' Okhla Industrial Arca, Phase-I, New Delhi,

Measuring 499.74 sq. yd.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. $1AC[Acq\ I]SR-III[10-83]1250.$ —Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jaunpur, Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Nand Ram, Deep Chand, Dharamvir sons of Sh. Khushali & Smt. Krishna Wo Sh. Shyam Lal roo Village Jaunpur, Mehrauli, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Sh. Raju Soo Sh. Nand Ram, Malho Wo Sh. Deep Chand, Munni Wo Sh. Dharamvir, Jagat Singh Soo Sh. Bharat Mal, Residents of Jonapur, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculturel land M. N. 44 Killa No. 22(3-1) M. No. 54, Killa No. 4[2 (1-5), 5(4-16), M. No. 55 Killa No. 1(4-16), 2(2-0), 10[1(2-9) at Village Ionapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisoner of Income-tax
Acquisition Range I
DelhilNew Delhi

Date: 30-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis. Dugal Enterprises (P.) Ltd. 19 21, Haman Street, Fort, Bombay through its Director Sh. S. P. Chopra.

(Transferor) (2) M|s. Elbee Dugal Engineering Co. Pvt. 1.(d. A-12, Westend, New Delhi.

Objectio,, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE. NEW EDLHI.

New Delhi, the 30th May 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-83|1252.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Agricultural Land situated at Village Neb Sarai. Teh.

Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION z—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Agricultural land measuring 4 bigha & 17 Biswa Khasta No. 264, Villago Neb Sarai, Mehrauli, New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Date: 30-5-84 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi New Delhi

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Dugal Enterprises (P.3, Ltd. 19-21, Haman Street, Fort Bombay, through its Director S. P. Chopra.

(Transferor)

(2) M/s. Elbee Dugal Engineering Co. Pvt. Ltd. A-12, Westend. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE F G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW EDLHI.

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC'Acq I|SR-III|10-83|1254.—Whereas I_{ν} SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Agricultural Land situated at Village Neb Sarai, Mehrauli,

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 271(3-4) Village Neb Sarai, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I
Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishan Dev Handa, 27B I Lines Meerut Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2)Sh. Rajesh Joshi 3[14 Punjabi Bagh (East), New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. FSTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III]10-83|1256,--Wherea I, SUDHIR CHANDRA

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-No. 119-B-7 situated at Safdarjung Residential Scheme, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 119. Block B-7 Safdarjung Residential Scheme, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1 Delhi|New Delhi

Date: 2-6-1984

Scal:

(1) M/s. Jains Properties (Pvt.) Ltd., Addenath Shri House, Opp. Super Bazai, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI.

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|32EE|10-83|24.--Whereas, I,

R. P. RAJESH.

being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at G-146, Joins Paschim Vihar, New Delhi Market Commercial Complex,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi on October. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Kamla Devi, H. No. 2804, Tri Nagar, Delhi-110035. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as eiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-146 (NB) at Jain's Market Commercial Complex. Paschim Vihar, New Delhi.

> R. P. RAIESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III New Delhi

thos iteratore, in pursuance of Section 269C of the said for, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-cotion (1) of Section 269D of the said Act, to the following acraobs namely 🕆 -

Date: 12-6-84 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|r. Jaina Properties (Pvt.) Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Fazar, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI.

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.-111|37-EE|10-83|29.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

G-99, situated at Jaina Market Commercial Complex, Paschim Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between th. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /m ·

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Khush Dayal, Flat No. 120, Sarojini Market. Vinny Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-99, Jaina Market Commercial Complex, Parchim Vihar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Compatent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6 6 4

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI.

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37-EE|10-83|30,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

G-83, Shoping Complex situated at Paschim Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M[s. Jaina Properties (P) Ltd., Addinath Shri House 'M' Block, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Patmashwari Sethi, 9/92, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-83, (Ground Floor) Shopping Complex, Paschim Vihar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 12-6-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI.

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37-EE|10-83|32,--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

G-89, situated at Jaina Market Commercial Complex. Paschim Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Mls. Jaina Properties (Pvt.) Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor),

(2) Shri Vinod Malik, B-3|41, Paschim Vihar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-89, Jaina Market, Commercial Complex, Paschim Vihar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 12-6-8}

 Mp. Jaina Properties (Pvt.) 1td., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dayanand Grover, 6834. Nabi Cream. Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI
New Dolhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq -JH]37-EE|10-83|33.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Compettent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

G-107 stated at Jaina Shopping Complex. Ground floor, Paschim Vthar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arc; esaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

G-107, Jaina Shopping Complex, Ground Floor, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date : 12-6-84

(1) Kaushalya Educational Trust, 11/4-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Nalini, N-I, Green Park, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.-HI[37-EE|10-83|42.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. 102 in Plot No. 5 (Ground Floor) situated at Kausalya Park, Hauz Khas, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afermaid property by the large of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in Plot No. 5 (Ground Floor) Kailash Park, Hauz Khas, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 12-6-84

(1) Mp. Janua Proporties (Pvt.) Ltd., Addinam Shree House, Opp. Super Bazar, Connaughi Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 4/14A ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Dethi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37-EE|10-83|51. -Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. G-103 situated at Jaina Market Shopping Complex, Ground

Floor, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Bharat Bhushaa, A-6/239, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-103 (NB) Ground Floor in Jaina's Market Shopping Complex, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-84

FORM ITNS----

(1) Messrs. Asha Construction

(Transferor.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gertrude McNess & Miss Jeanne McNess

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 28th May-1984

Ref. No. AR.III/37EE/3313/84-85. -Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Hissa No. 17, Survey No. 364, Flat No. 23, 2nd floor, Kole Kalyan, Vakola Bridge, Bombay-55, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hissa No. 17, Survey No. 364, Kole Kalyan, Flat No. 23, and floor, Vakola Bridge, Santacruz (East)

The agreement has been registered with the Competent authority Bumbay Vide serial No ARJIII37FF11363[83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 28-5-1984

Scal:

FORM FINS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No IAC|Acq.III|37EE|10.-83|70,—Whereas I, R, P, RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Commercial flat No. 340 situated at Building No. 9, Bhikhaji Cama Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

63-146GI 84

- (1) Shri Kewal Krishan Kamra Exchange Store Building, fst Floor Alipur Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Shish Prakash Soni 131, Subhash Nagar, Gurgaon. (Transfe

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Commercial Flat No. 340, Building No. 9, Bhikhaji Cama Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 12-6-1984

Scal:

(1) Shri Rakesh Kumur Aggarwal and Rakesh Kumar Gupta L24 N.D.S.E.J. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bishan Seth Kamlesh Seth E79 N.D.S.E.I. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.|III|37EE|1083|71.—Whereas I, R. P. RAIESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. H-113 situated at Palam Vihar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H-113 Palam Vihar, 435 Sq Met.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following cersons, namely:—

Date: 12-6-1984

(1) Shri Om Parkash 27/15 East Patel Nagar. New Delhi-110008.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX AGGARWAL BHAVAN, NEAR BROADWAY ROAD, 4|14-A ASAF ALI ROAD, ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-83|73.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 113 Block B situated at Jhilmil Tahirpur Industrial Area,

Shahdra, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Jatinder Kumar 2. Yogesh Kumar 3. Vinod

Kumar 4. Rohit Kumar H. No. 4, Lucknow Road,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that

THE SCHEDULE

Property No. 11|3 Block No. B, Jhilmil Tahirpur Industrial Area Shahdra, Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-6-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bhanot Property & Inds. Limited, 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor) (2) Engineering Construction Corp. Ltd. 32. Shivaji Marg, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL BHAVAN, NEAR BROADWAY ROAD, 4|14-A ASAF ALI ROAD, ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.HI|37-EE|10-83|74.-Whereas I, R. P.

RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. A-318 situated at 3rd floor in 5 Bhikaji Cama Place,

Delhi (under construction)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-318, 3rd Floor, 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi (under construction) 515 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kailesh Nath & Associates 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hari Kishore & Ashok Kumar Wakaf 136 Ghasi Ram Street, Chandni Chowk Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

AGGARWAL BHAVAN, NEAR-BROADWAY ROAD, 4/14-A ASAF ALI ROAD, ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.|III|37EE|10-83|78.—Whereas I, R. P. RAIESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Commercial Building at K-84 situated at Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ver cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be discrosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 500 sq. ft. Commercial Building at K-84 on 2nd floor Green Park, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 12-6-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> AGGARWAL BHAVAN, NEAR BROADWAY ROAD, 4/14-A ASAF ALI ROAD, ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-83|83.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Plot No. C-21, situated at Preet Vihar, Pret Nagar Co-opt. House Bldg. Society Ltd. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ed 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shrl C. P. Mathew, A-31, Indranagar, Kottavam (Kerala)

(Transferor)

(2) Shri Anll Kumar Jain & Sunil Kumar Jain 2878. Chall Puri, Kinari Bazar, Delhi-6. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-21, Preet Vihar, Preet Nagar Co-opt. House Building Society Ltd. measuring 462 sq. yds.

> R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 12-6-1984

(1) M|s. Neha Deep Constructions 1 Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. L. Kapur, D II|268 Vinay Marg, Chanakyapuri New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAVAN. NEAR BROADWAY HOTEL, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 12th June 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acq|III|37EE|87|10-83.—Whereas I, R. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

> EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Air Conditioned Space No. F5 on the Ground Floor the Building under construction at I Rajendra Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Air Conditioned Space No. F5 on the ground floor in the building under construction at 1, Rajendra Place, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 12-6-1984

FORM ITES

(i) 5hn Shmid Sarup So Harbhagwan Dass 6 V[24] W.E.A. Karol Bugh New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

() M[s, Dixit Commercial Ltd. 27 Brabourne Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJI, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.|III|37EE|89|10-83.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Space No. 6 on 2nd Floor area 592 sq. ft. situated at Satya Mansion, plot No. Al & A2 Ranjit Nagar Community Centre, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any reconcys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 6 on 2nd floor, Area 592 sq. ft. in Satya Mansion, 1460: A-1 & A-2, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-83|93.-Whereas I, R. P.

RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing
No. Flat No. 309 situated at Padma Tower-II, 22, Rajinder Place New Delhi

Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

64--146GI|84

(1) Bhatia Sehgal Construction Corp. 48, A Jor Bagh, New Delhj-110003.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudershan Suri 4-B|3, Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 309 in Padma Tower, 22, Rajindra Place, New Delhi. (611 sq. ft.)

> B. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 12-6-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|371EE|10-83|96.-Whereas J. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 106 in Padma Tower-II situated at 22, Rajindra Place, New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ampht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Bhatia Sehgal Construction Corp., 48-A, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kulbir Singh Sethi & Smt. Arjinder Kaur J-2, West Patel Nagar, New Delhi-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as ure defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter,

THF SCHEDULE

Flat No. 106 in Padma Tower-II, 22, Rajindra Place. New Delhi. (521 sq. ft.)

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 12-6-1984

(1) Smt. Kaushalaya Educational Trust Madhuban, Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Anil Kumar Garg, D-300, Vivek Vihar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

NEW DELIII.

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-83|101.—Whereas I, R. P. RA!ESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. Flat No. 202, situated at Kaushalaya Apartments, 5, Kaushalaya Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the Panefer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 202, Kaushalaya Apartments, 5, Kaushalaya Park, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 12-6-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-83|102.--Whereas I, R. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 114-122-

situated at 3, Bhikhaji Cama Place, New Delh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Ansal Properties & Inds. (Private) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

Transferor

(2) State Bank of Travancore 203-204, 1st Floor, Municipal Market Building, Sarswati Marg, Karol Bagh, New Delhi-110005,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have us same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 114 to 122, 3 Bhikhaji Cama Place, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Date: 12-6-1984

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th June 1984

Ref. No. AMB|48|83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Shop No. 9542—9543, Ward No. 6 situated at Kotwali Bazar, Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ambala in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S|Shri Padam Ajit Rosha s|o Sh. Jyoti Parshad Rosha, r|o 82, Mausfield Road, Ambala Cantt self & Power of Attorney Ajit Roshan s|o Dr. K. P. Rosha, r|o G-93, Radha Swami Colony, Dera Baba Jaimal Singh (Aaba Bakaal), Punjab; Ashok Roshan s|o Dr. K. P. Rosha, r|o 47, Karve Road, Puna; Shashi Roshan s|o Sh. Jyoti Parshad, r|o 82, Mausfield Road, Ambala now 32-M, New Road, Calcutta; Ravi Rosha s|o Shri J. P. Rosha, r|o 13A Shunaz, 90-Napinashia Road, Bombay.
- (Transferor)
 (2) Svs. Suraj Narain Kapoor s|o Shri Ram Chander, r|o
 614, New Model Colony, Ambala City; Shayam
 Sunder Mehra s|o Shri Panna Lal, r|o 2-Front Prem
 Nagar, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 9542-9543, Ward No. 6 Kotwali Bazar, Ambala City and as more mentioned in the Sale Deed registered at No. 4369 dated 3-10-1983 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Compositioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 6-6-1984

FORM ITNS ----

(1) S|Shri Jai Parkash Gupta and Satya Swarup Gupta sons of Harkiban Gupta, r|o 40 Strand Road, Room No. 30, Ist Floor, Calcutta. S|Shri Jai Parkash & Rajinder Parshad sons of Shri Anant Ram, r|o Sukhpura, Rewari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitri Devi wo Shri R. K. Virmani, Shri L. R. Virmani so Sh. Vishan Dass Virmani, ro 289, Model Town, Rewari, Domahendergarh. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th June 1984

(b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. BGR 121 83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. Plot No. 8, Block 'B'-1 Sector 11 (Area 1132-7 sq. yds.) situated at Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration (Officer).

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the Registering Officer at Ballabgarh in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being Plot No. 8, Block 'B'-1, Sector 11, Faridabad (Area 1132-7 sq. yds.) and as more mentioned in the Sale Deed registered at No. 3081 dated 12-10-1983 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-1984

FORM JTNS ------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHFAK

Rohtak, the 11th June 1984

Ref. No. BGR|124|83-84.--Whereas, I, R. K. BHAYANA, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Land 2583 sq. yards.

situated at Anangpur, Tehsil Ballabgar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (v) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Delhi Financers Pvt. Ltd., Asaf Ali Road, New Delhi Through Shri R. S. Khurana Slo Shri Charanjit Singh, Rlo 11, Mathura Road, Faridabad.

(Transferor

(2) Sarda: roguil i S. J., Sio S. Himmat Singh, Sardur Balbii Singh slo S. Joginder Singh, Rlo C-28, Nehru Ground, New Township, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 2583 sq. yds.. Anangpur Tehsil Ballabgarh and as more mentioned in the Sale Deed registered at No. 8283 dated 1-10-1983 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Incommentar
Acquisition Range, Robinsk

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

D. L. F COLONY,

ROHTAK

Rohtak, the 12th June 1984 Ref. No. 163R | 125 | 83 84. - Whereas, J. R. K. BHAYANA, J.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House No. 5-A-6, Area 311 sq. yards situated at New Township, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S. Fakir Singh slo S. Deva Singh, Rlo 5-A-6, New Township, Faridabad Now 4210, Kuncha Ustad Bagh, Chanden Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Smr. Karuna Runi Goel Wio Dharam Pul Goel, Prop. Mis. Raj Iron Foundary, 2611. Sultan Ginj, Apra (U.P.).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being House No. 5-A-5, area 311 sq. yards situated at New Township, Fundabad and as more mentioned in he sale deed registered at No. 8369 dated 20-10-1983 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authorit.
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robbits

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th June 1984

Ref. No. BGR|126|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nation Hut No. 4, Neighbourhood No. 5, Area 362 sq. yds. situated at New Township, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ballabgarh in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65—146GI[84]

(1) Shri Shanti Lal Khanna So Tulsi Dass Khanna, Ro 28, Bijii Road, Calcutta-14.

(Transferor)

(2) 1. Shri Prithvi Raj Khanna S|o Shri Goverdhan Dass Khanna S|oShri Lekhu Ram;

 Smi. Urmil Khanna Wo Shri Prithvi Raj Khanna So Goverdhan Dass Khanna Ro 193, Karanpur, Dehradun (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Nation Hut No. 4, Neighbourhood No. 5, Area 362 sql yards, New Delhi Township, Faridaba and as mentioned in the sale deed registered at No. 8472 with Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

D. L. F. COLONY,

ROHTAK

Rohtak, the 11th June 1984

Ref. No. BGR|130|83-84.--Whereas, L. R. K. BHAYANA, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Shop Plot No. 124, B-Type situated at Nehru Park Town Ship, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Balls bgarh in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been *or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Rajinder Kumar Slo Shri Kishan Chand Slo Shri Ganga Ram, Rlo C-5, Nehru Ground, New Township, Faridabad.

(2) Shri Dharamvir Sharma Slo Shri Shankar Lal Sharma Slo Shri Govind Ram, Rlo 3-A-28. New Township, Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop Plot No. 124, B-Type, Nehru Park, Township, Faridabad and as more mentioned in the Sale Deed registered a. No. 8530 dated 25-10-1983 with Registrar, Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-6-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

D. L. F COLONY,

ROHTAK

Rohtak, the 6th June 1984

Ref. No. BGR 134 83-84.--Whereas, I, R. K. BHAYANA, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land 18 kanal 14 marlas (11,313 sq. yds.), situated at Mewla Maharajpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at Ballabgarh in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the chiest of: of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mis. Sir Sahabji Mahara; Mills Ltd., Dayal Bagh Agra through Shri R. S. Mehta, Secretary So Shri Ram Sarup Mehta, Ro Dayal Bagh, Agra.

(Transferor)

(2) Ms. Jotindra Steel & Tubes Ltd., 14|3, Mathura Road, Mewla Maharajpur, Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being land 18 kanal 14 marlas (11,313 sql yds.) situated at Mewla Maharajpur, Tehsil Ballabgarh and as more mentioned in the Sale Deed registered at No. 8598 dated 27-10-1983 with Sub-Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 6th June 1984

Ref. No. BGR|139|83-84.--Whereas, I,

R. K. BHAYANA, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Land 7 Kanal 9 Marlas situated at

Ismeilpur, Tehsil Ballabgarh, D|Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec? tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M[s. Kala Mahal Pvt Ltd., E-445, Greater Kailash-II, New Delhi Throuh Shri Govind Ram Sinhal S[o Shri Bhagmal R[o E-445, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. The Panchsheel Cooperative House Building Society Ltd., 17|3, Mathura Road, Fardabad Through Shri Chanderpal S|o Shri Pyare Lal, R|o 2245|16, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 7 kanal 9 marias situated at Ismeilapur, Teh. Ballabgarh and as more mentioned in the Sale Deed registered at No. 8721 dated 31-10.1983 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th June 1984

Ref. No. GRG|87|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 20 kanal situated at village Jharsa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gurgaon in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any incomes or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rattan Singh So Shri Tohi Ram, Ro Village Jharsa, Tehsil and Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M|s. Barmalt (India) Pvt. Ltd., Village Jharsa, Teh. & Distt. Gurgaon Through Shri Puran Chand s|o Seth Daal Chand, R|o 78-R, New Colony, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 20 kanal situated at Village Jharsa, Tehsil and Qistt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3283 dated 28-10-1983 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th June 1984

Ref. No. GRG|184|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, I.R.S.,

peing the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900|- and bearing No. Land 13 kanal 9 marlas situated at Siwana Salokhara, Teh, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gurgaon in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ishwar Chander Sharma sjo Pt. Ram Niranjan Parshad Sjo Shri Bhola Ram, Rjo New Railway Road, through Shri Anil Chander Sharma Sjo Shri V. D. Sharma, Gurgaon.

(Transferor)

(2) M|s. Rural Housing & Welfare Society, Chander Nagar through Shri Shushil Kumar, Member Society, Gurgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 13 kanal 9 marlas situated at Siwana Salokhara, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3145 dated 19-10-1983 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th June 1984

Ref. No. RTK|93-83-84.—Whereas.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House No. B-V-1|22A(P) situated at Near Durga Bhawan Mandir, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha. been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Rohtak in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Vir Bhan soo Shri Sunder Lal Soo Lala Ram, Roo House No. 759, Ward No. 12, Rohtak.

(Transferee)

(2) S|Shri Bahadur Chand and Sita Ram sons of Shri Gurditta Mal, R|o House No. 213, Ward No. 6, Partap Mohalla, Rohtak.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. B-V-1|22 A.P., Near Durga Bhawan Mandir, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3592 dated 6-10-1983 with Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-6-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th June 1984

Ref. No. RTK|61|83-84.—Wheras, I,
R. K. BHAYANA, I.R.S.,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing No.
Quarter No. 91 of Southern share (Area 500 sq. yards)
situated at Model Town, Rohtak
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Rohtak in October, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:...

(1) Smt. Kaushalya Devi Wo Shri Nand Kishore; Shri Raj Kishore and Raj Kumar Sons of Jagan Nath, Ro Rohtak.

(Transferor)

Shri Udaivir Singh
 Sho Shri Pehlad Singh,
 Rho Village & Post Office Babeva,
 Teh. & Distt. Hissar.
 Shri Ranbir Singh
 Sho Shrl Hari Singh,
 V. & P.O. Dhiama,
 Teh. & Distt. Hissar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Quarter No. 91 of Southern share, area 500 sq. yards situated at Model Town Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3628 dated 10-10-1983 with Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1) Shri Chan Singh So Shri Sunda Ram, Ro Kanina Khas, Teh. & Distt. Mahendragarh.

(Transferor)

(2) Smt. Sheo Bai wlo Shri Ranjit Singh, Rlo Kanina Khas, Teh. & Distt. Mahendrakarh.

('Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Robtak, the 12th June 1984

Ref. No. MGH[83-84.—Whereas, I. R. K. BHAYANA, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot Area 302.50 sq. yards situated at Mandi Road, Kamna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908. (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer, Mehendergarh in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

66-146 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot 302,50 sq. ards, situated at Mandi Road, Kanina and as more mentioned in the sale deed registered at No. 914 dated 228-10-1983 with Sub Registrar, Mahendragarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux. Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-6-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 12th June 1984

Ref. No. MGH|2|83-84.--Whereas, 1, R. K. BHAYANA, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot 453.75 sq yards situated at Mandi Road, Kanina

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer Mahendragarh in October, 1983

Mahendragarh in October, 1983 for an apparent consideration which is less thad the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration are consideration and that the consideration are consideration and that the consideration for such apparent consideration and the consideration for such as a consideration for s parties has not been truly stated in the raid in trum-nt a transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chanda Singh soo Shri Sunda Ram, Ro Kania Khas.

(Transferee)

(2) Shri Ranjit Singh soo Shri Ram Chander, Village & Post Office Kahina Khas, Distt. Mahendragarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 453.75 sq. yards situated at Mandi Road, Kanina and as more mentioned in the sale deed registered at No. 912 dated 28-10-1983 with the Sub Registrar, Mahendragarh,

> R, K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this posice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 12th June 1984

Ref. No. HSR|91|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 1210 constructed house situated at Urban Estate No. 2, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hissar in Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Krishna wo Sh. Boota, ro 1318-D, Urban Estate-II, Hissar.

(Transferor)

(2) Smt, Deepak Bhalla wo Sh, Mahender Mohan Bhaila, House No. 1210, Urban Estate-2, Hissar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house constructed on Plot No. 1210 situated at Urban Estate No. 2, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3074 dated 20-10-1983 with Sub-Registrar, Hissar.

> R. K. BHAYANA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

'Date: 12-6-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 12th June 1984

Ref. No. BGR|138|83-84.—Whereas, J, R. K. BHAYANA, I.R.S. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 153, Block 'C', area 485 sq. yds. situated at Sector No. 11, D.L.F. Model Town, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering

Officer at Ballabgarh in Oct. 83 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- '(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Shanta Tripathi woo Sh. P. N. Tripathi, ro 21, Bahukhandi Bhavan, Vidhan Bhavan Lakhnow now Coo S.P. (Railways), Gorakhpur (U.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Suman Sahni wo Sh. Ashok Sahni, ro 9|27, Kalkaji-Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 153, Block 'C', area 485 sq. yds. situated at Sector No. 11, D.L.F. Model Town, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 8667 dated 28-10-83 with Sub-Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1984

(1) M/s Shree Laxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. V. N. Khanna.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1190|83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No. Flat No. 601, 6th floor, 'Shri Ramakrishna Sadan' Plot No. 63, Scheme No. 52, off Worli Hill, Near Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-400 018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, 'Shri Ramakrishna Sadan' Plot No. 63, Scheme No. 52, Off Worli Hill, Near Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I[1263]83-84 dated 14-10-1983.

B. G. AGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1984

(1) Shree Seinath Trading Corpn.

(Transferor)

(2) Sunil Agencies.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1241|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. Shop No. 3-B, Ground floor, Vijay Chambers, Vijay Chambers Premises Co-op. Society Ltd., 1140, Tribhuvan Road, Bombay-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bombay in 14-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3-B, Gr. floor, Vijay Chambers, 1140, Tribhuvan Road, Bombay-4.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|993|83-84 dated 14-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 5-6-1934

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR.-1|37EF.--Whereas, I, B. G. AGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Office No. 1006, Dalamal Towers, Plot No. 211, Block III, Packbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay in 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ashok L. Daryanani.

(Transferor)

(2) Hagemeyer Trading Co. Pvt, Ltd.

(Transferee)

(3) Shri D. P. Dadlani. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1006, Dalamal Towers, Plot No. 211, Block III, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400 021.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-I|1050|83-84 dated 3-10-1983.

> B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR.-1|37EE|1090|83-84.--Whereas, I, B. G. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 55, 5th floor, 'Belle View' Bldg., 85, Bhulabhai Desai Road, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay in 3-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parmeshwaribai Sugnomal Rajpal.
(Transferor)

(2) Mrs. Mala Daswani Miss Laxmi Daswani Mr. Sunil Daswani.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 55, 5th floor, 'Belle View' Building, 85, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1079|83-84 dated 3-10-1983.

B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12-6-1994

FORM ITNS ---

- (1) Smt. Pushpa S. Nayak.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Sh. Ramesh L. Dayama.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR.III]37EE|3578|84-85.—Whereas, f, A, LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No. C|401, Shanti Nagar, 4th floor, Dutt Mandir Road, Malad (East), Bombay-64

situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceast property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cl401, Shanti Nagar, 4th floor, Dutt Mandir Road, Malad (Past), Bombay-400064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1409|83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
67—146 OI|84

Date: 12-6-84

(1) M|s. Kay-AAR Engineering.

(Transferor)

(2) M/s, Shreejce Packaging Industry,

(3) M/s. Shreejee Packaging Industry.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(Perso

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III]37EE|3317|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Rs. 25,000|- and bearing No.
Industrial Unit in Guru Nanak Udyog
Bhavan Industrial Premises, 1st floor, LBS Marg.

Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexe

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombayy on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Industrial Unit in Gurunanak Udyog Bhavan Industrial Premises Cooperative Society, LBS Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1364|83-84 dated 3-10-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Invian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-5-84

(1) Mls. Seth Enterprise,

(Transferor)

(2) Miss Elsis Thomas,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3335|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

bearing No. Flat No. 229 Shaiani Bldg. L.B.S. Marg Ghatkopar (W) situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay in 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 229, Bldg. Shalini, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1379|83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 4-6-84

. (1) M|s. Pareul Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Savitaban N. Mehta and N. B. Mehta. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3348|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 3, 5th floor C Wing, Damodar Park, L.B.S. Marg Ghatkopar (W) Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay in 3-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

teansfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ta under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th floor, Wing C Bldg. No. 4, Damodar Marg, L.B.S. Ghatkopar (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.II|37EE|1374|83-84 dated 3-10-83,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-6-84

FORM ITNS ---

(1) Smt. Nora B. Agarwal.

(Transferor)

(2) Sh. Sampatraj P. Surana.

(Transferee)

(3) Sh. Sampatraj P. Surana.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th June 1984

Rcf. No. AR.III|37EE|3320|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. Bo, B|26, 4th floor, Hit Niketon

Coop. Housing Society, Kokan Nagar, Bhandup (W),

situated at Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B|26, 4th floor, Hit-Niketan Coop, Hsg. Society, Kokan Nagar, Bhandup (West), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR,III|37EE|1366|83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 28-5-84

(1) Mr. Raghunath Rai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mls. Metallurgical Services.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 28th June 1984

Ref. No. AR.III]37EE[3326]84-85.—Whoreas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

bearing No. Industrial Shed No. 17A(III) Gr. floor Shivshakati Ind. Estate, LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Officer at Bombay on 13-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wasing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 17A(III), Gr. Floor, Shivshakti Ind. Estate, LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1368|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-6-84

(1) Mr. Raghu Nath Rai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Meta Test Lab Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3328|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Industrial Shed No. 17A (II), Ground floor, Shiv Shakti Ind. Estate. Plot No. 199, LBS Marg, Ghatkopar (W), Bomboy-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3 October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 17A (II), Ground floor, Shiv Shakti Ind. Estate LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1369|83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisoner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Date: 28-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37-FE|10-83|52,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

G-60 situated at Jaina Market Commercial Complex, Paschim Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Jaina Properties (Pvt.) Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh Seth, Road no. 20, House no. 25, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-60, Jaina Market Commercial Complex, Paschim Vihar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 12-6-84

FORM FUNS-

(1) Shri H. R. Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis.Elvin Pharmaceuticals

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III.

BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III|37FE|3588|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Unit No. A-226, 2nd floor, Plot No. 5 & 6A, Survey No. 20, Hissa No. 7 (P), Survey No. (7P) 8, Village Dindoshi, Goregaon, Borivili Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---68—146 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of Thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. A-226, 2nd floor, Flot Beating No. 5 and 6A of Survey No. 20, Hissa No. 7(p), Survey No. 7(p) 8, of Village Dindoshi, Goregaon Taluka, Dist, Botivili.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37EF/1147/83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombar

Date: 11-6-1984

(1) Sheth Enterprises

(Transferor)

(2) George Abtaham

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III/37FE/351/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 330, 'Shilini' Building, 3rd floor, L.B.S. Marg, Ghatk spar (West), Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chepter.

THE SCHEDULE

Two room Kitchen ownership flat in the building 'Shalini' Flat No. 330 on the 3rd floor, I.B.S. Marg. Ghatkopar (West) Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. ARJIII/37EE/1397/83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 4-6-1984

(1) Shri Thaikadavii Madhavan Rajan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shobha Jaichand Thakur

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR.III/37EE₁3669₁84-85:—Whereas, I, A. LAHIRI,

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 20, 2nd Moor, Nilanjana Co-op Hsg. Society Ltd. Marve Road. MALAD (W), Bombay-64, situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid erceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor Nilanjan Co-op. Society Ltd Marve Road, Malad (W), Bombav-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay. Vide perial No. AR.III 37EE 1401 83-84. dated 3-10-1983.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-6-1984

(1) Mantri Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. A. Majid

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III137EE|3476|84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 3, Firdosh Apartment, 822-New Hall Road,

Kurla Bombay-70 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor Firdosh Apartment New Hall Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1389 83-84. date 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Ddte : 11-6-1984 -

(1) Mis. Agarwal Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohamed Hussaein K. II. Sadiwala

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III/37EE/3592/84-85.-Whereas, I,

A. LAHIRI.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Shop No. 10, Ground floor, Bldg. A-4, Highway View,

Malad (East), Bombay, situated at

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, Bldg. A-4, Highway View Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No AR.III[37EE]1413[83-84. date 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Ddte : 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3324|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Industrial Estate No. (7A(1), Ground floor, Shiv Shakti Industrial Estate, Agra Road, Ghatkopar (W) Bombay-86 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ten

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Raghunath Rai.

(Transferor)

(2) Mr. S. P. Parikh, HUF.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 17A(I), Ground floor, Shiv Shakti Ind. Ustate, Agia Road, Ghatkopar (W), Bombay-36.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III[37EE][1367]83-84,

dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III, Bombay

dated: 28-5-1984

(1) Messis, Sheth Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. B. Kelshikar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3331 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 131 in Building 'Shalini', 1st floor, LBS Marg Ghatkopar (W), Bombay-86

situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of ought to be disclosed by the transferee for the 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;"
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCUEDULE

Flat No. 131 in Bldg. 'Shalini', 1st floor, LBS Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR,III|37EE|1370|83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-5-1984.

(1) M/s Parul Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri P. H. Sarla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3495 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 10, Ground floor, Damodar Park, L.B.S. Marg

Ghatkopar (W) Bombay

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

persons, namely :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, Wing B Bldg, No. 3 Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III[37EE]1383'83-84, dated 3-10-1938

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Date: 4-6-1984,

(1) Shri J. L. Kothari.

(Transferor)

(2) Kapoor Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.HI|37EE|3576|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Flat No. 5, 2nd floor, 'Saket' Bldg., 18-School Road, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

69-146 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Saket Bidg., 18-School Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1415|83-84.

Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1415|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAMIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-6-1984.

 Smt. Rajkumari Om Parkash, Nanrajog. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Velji Jivraj Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3338|84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 101, 1st floor, Devidayal Foad Mulund (West).

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; A-4 1

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Balji Apartment, Flat No. 111, 1st floor, Devidayal Road Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1377 83-84. dated 3-10-1983.

> A. LAHIR' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-6-1984

(1) Messrs. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1984

Ref. No. AR.III]37EE|3334|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 231 in Bldg. 'Shalini', LBS Marg, Ghatkopar (West),

Bombay-400 086.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 30-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mr. George Eapen & Mrs. Alice Eapen.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 231 in Bldg. 'Shalini', LBS Marg, Ghatkopar (W),

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.HI|37EE|1372|83-84, dated 3-10-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this uotice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-5-1984.

(1) Smt. Vidyadevi Ashok Mahajan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3337|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 30, 5th floor, Sidhi Vinayak Apt. Mithagar Cross

Road, Malund (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 3-10-1983

at bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Subramniam Rajgopalan Shethalakshmi Raj and Shri Kumar Rajgopalan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, 5th floor, Sidni Vinayak Apat. Mithanagar Cross Road, Mulund (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1378|83-84. dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-6-1984.

(1) Mls. B. Arunkumar & Co.

(Transferor)

(2)

(2) Ms. Trends Pharma.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3586|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Unit No. A-225, Village Dindoshi, Goregaon Taluka, Survey No. 20, Hissa No. 7 (part), Goregaon (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. A-225, Village Dindoshi, Goregaon Taluka, Hissa No. 7, (Part), Survey No. 7 & Part 8, Goregaon (E), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1412|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bomb

Date: 12-6-1984.

(1) M/s. Tolaram & Co.

(Transferor)

(2) Smt. Rajkumari O. Nandrajog.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Ms. Tolaram & Co.

(Person in occupation of the property).

(4) Owners of land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3481|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 201, on 2nd floor, Shakti Shopping Aveade, Jain Mandir Road, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

Anna Nagar, Madras (Doc. No. 3384|84) in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat in Bldg., under Construction Flat No. 201 on 2nd floor, Shakti Aveade, Jain Mandir Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1391 83-84. dated 3-10-1983.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-6-1984.

(1) Ms. Misrimal Navajec.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantkumar M. Shah

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3329|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Bhandup Vishal Industrial Premises Co-op situated at Village Road Unit No. 29 Bhandup, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrent the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhandup Vishal Industrial Premises Unit No. 29, Village Road, Bhandup, Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR. III 37EE 1381 83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIPI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-6-1984

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Nirmala Devi Gilda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Kapoor Family Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3575|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immove able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. B|106, 1st floor, 'B' Wing, Veena Nagar, Chincholi, Malad (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority

Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|106, 1st floor, 'B' Wing, Veena Nagar, Chincholi, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1410|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 28th May 1984

Ref. No. AR.III[37EE[3332]84-85,—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat No. 129, 'Shalini' Bldg., LBS Marg, Ghatkopar (West), Bombay-400 086

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in parsuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Dr. Kadam P. Bhikaji

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 daysy from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 129, Bldg. 'Shalini', LBS Marg, Ghatkopar (West), Bombay-400 086.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. AR.III 37EE 1371 83-84, dated 3-10-1983.

> A. LAHIR! Competent Authority Inspending Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III. Bombay

Date: 28-5-1984.

(1) Mis. Vidya M. Bhavnani

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Arun Kumai M. Jogani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III|37E|3599|84-85.—Whereas, I, **A. LAHIRI**.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 205-B, eena Nagar Govind Nagar Road, Oll S. V. Road, Malad (West), Bombay-64, situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred.

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLYMATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

205-B, Veena Nagar, Govind Nagar Road, 2nd floor Off S. V. Road, Malad (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III[37EE]1418[83-84, dated 3-10-83.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 11-6-1984

(1) Shri K. G. Tharskan & Smt. Mary Hhomas Tharakan

(Transferor)

(2) Shri K. Chandran

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR,III,37EE;3478,84-85.---Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. Flat No. 9, Anand Nagar, Badal Co-op. Hsg. Society, Village Road, Bhandup, Bombay-78 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9. Anand Nagar, Badal Co-op. Hsg. Society, Va-lage Road, Bhandup Bombay-78. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.HI|37EE|1390|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3472|84-85,....Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. 3, Alpana Rashmi Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of Ahmedabad on 16-7-1983 (37G reed. in Oct. 83) Nahur Road, Mulnd ((West), Bombay-80 situated at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sethurama Laksminarayana Iyer

(Transferer)

(2) Shri Narayanan M. Ramswamy

(Transferce)

(3) Shri S. L. Iyer

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Alpana Rashmi Co-op. Hsg. Society Ltd., Nahur Road, Mulund (West), Bombay-80, Consisting of two rooms, a Kitchen, two balconies, w.c. and a bathroom, on ground floor.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III[37EE]1388[83-84. dated 3-10-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III₁37EE₁3502₁84-85.—Whereas I, A.J. AHIRI,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. Flat No. 203, on 2nd floor, Shakti Shopping Areade.

Agra Road, Bhandup, (West), Bombay-78 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Tolaram & Co.

(Transferor)

(2) M_Is. X Tolaram & Co.

(Transferec)

(3) Owner of land

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE, SCHEDULE

Residential Flat in building underconstruction flat No. 203, on 2nd floor, Shakti Shopping Arcade, Agra Road, Bhandup. Bombay-7.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay. Vide serial No. AR.III 37EE 1395 83-84. duted 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Runge-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vasanji Govindii Attorney of Kantilal Vasanji Thakkar

(Transferor)

(2) Snit. Ruxmani Tulsidas Raimangia

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3498 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000- and bearing

No. Flat No. 38, 4th floor, Jalaram Nagar No. 3, Vallabh

Baug Lane, Ghatkopar (Fast), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961. In the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer cent of such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expites later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38, 4th Floor, Jalaram Nagar No. 3, Vallabh Baug Lane, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.IU[57EE]1393[83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

«Date: 11-6-1984

'Seal :

(1) Mis. B. Arun Kumar & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parilat Pharmaceuticals

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.

BOMBAY Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III[37EE|3587]84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000; and bearing
No. Unit No. A-227, 2nd floor, Plot No. 5 & 6A, Survey
No. 20, Hissa No. 7(p), village Dindoshi, Goreguon Taluka,
Borivili situated at

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. A-227, 2nd floor, Plot Nos. 5 & 6A, Sur. No. 20, Hissa No. 7(p), village Dindoshi, Goregaon Taluka, Borivili.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1416|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 11-6-1984 · Seal :

(1) M/s. Mehta Builders

(Transferor)

(2) Shri Vaishali V. Gaikwad and V. M. Gaikwad

may be made in writing to the undersigned

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTION RANGE-I, BOMBAY

Bonibay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3647 84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Shop No. 1. Ground Floor, Rajendra Vihar, Apts., Plot No.

28, Survey No. 26, Valnai Village, Malad Road, Malad (W),

Bombay-64, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objection, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 1 Ground floor, Rajendra Vihar Apt. Village Valnai, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III 37 E 3647 83-84 dated 3-10-1983,

> A. LAHIRI Acquisition Range Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax **Bombay**

Date: 11-6-1984.

(1) Mahesh Buiders

(Transferor)

(2) Arvind Kumar Manilal Shah

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR, III | 37EE | 3505 | 84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing No. Flat No. 102, First Floor "Sai Apartment L.B.S. Marg. Ghatkopur (West) situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

71——146 GI]84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used norms as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, "Sai Appartment" L.B.S. Marg. Ghatkopar (West).

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.JII[37EE]1396]83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax,
Acquisition Range-IlI,
Bombay.

Date: 4-6-1984

A. LAHIRI.

FORM (TNS---

(1) Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

No. AR-III|37EE|3499|84-85.—Whereas, ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 603, 6th Floor, "Puja" Building, Mahul Road, Chember, Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Ashok Kumar Gupta & Mrs. Madhumati A. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BXFIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the vald Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, on 6th Floor in "Pooja" Building at Mahul Road Chember, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1394|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of the Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 4-6-1984.

Senl:

FORM I.T.N.S.———

and the second section of the second section is a second section of the second section of the second section s

(1) Shri Pravin K. Shah

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal M. Shah & Smt, B. R. Shah

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III37EE|3572|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000l- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 405, 4th floor, B-Wing, Ratna-Rupal Coop. Society, Shivaji Nagar, Daftari Road, Malad (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or α period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, B-wing, Ratna-Rupal Coop. Society Shivaji Nagar., Daftari Road, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III.37/1419/83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Acquisition Range
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Poona
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1984.

(1) M|s. Harasiddh Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Lenny D'souza

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. $\Lambda R.III|37EE|3384|84-85$.—Whereas. I. $\Lambda.\ LAHIRI$,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 1, 4th floor Triputhi Bldg. Kole Kalyan Vakola,
Santacruz(E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and ro:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 Tirupathi Bldg. Vakola Kalyan (E) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1384|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 4-6-1984.

FORM I.T.N.S.———

(1) Mls Parul Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lalmani Ramnaval Kurni

(Transferce)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

> Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3389 84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000 and bearing No. Shop No. 3, Om Ground floor of ing 'A' in Bldg. No. 3, at 'Damodar Park', L.B.S. Marge, Ghatkopar (West), Rombay-86

Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 3rd October, 1983. for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearnt consideration therefor by more than said execution of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 on Ground Floor of Wing 'A' in Bldg. No. 3 at "Damodar Park", L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bom-

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1386|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Date: 4-6-1984.

(1) Smt. Tara Rani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Shiv Narain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.
BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Rcf. No. AR.III|37EE|3570|84-85.--Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. B-6, Mathura Building, 1st floor, Evershine Nagar, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3rd October, 1983.

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-6, Mathura Bldg., 1st floor, Evershine Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR,III|37EE|1411|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1984.

(1) M|s Parul Enterprise

(Transferor)

(2) Shri V. N. Rajan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR[II37EE|3392|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 3, on 2nd Floor, in Wing 'B' of Bldg. No. "Dabodar" Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3rd October, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, on 2nd Floor, in Bldg. in Wing 'B' of Bldg. No. 3 at "Damodar Park L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), 86. situated at

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III 37EE 1385 83-84. dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 4-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3482|84-85—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Shop No. 5, Ground Floor, Gautam Udyog Bhavan, Bhandup, Bombay-78,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 3rd October, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Motiram Tolaram

(Transferor)

(2) Shri Champaklal U. Jain & Mr. Kantilal U. Jain

(Transferce)

(3) M/s Motiram Tolaram (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, in Bldg. under construction, Ground Floor, Gautam Udyog Bhavan, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide scrial No. AR.III|37EE|1392|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

This: 4-6-1984.

(1) M.s. R. T. Mahta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Champabai Family Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.III/37EF/1196/83-84.---Whereas, I, A. I.AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 9, Nitin|Vikas|Vishal|Ketan Bldg., Junction of Chinch-Pokli Cross lane, Bombay-27

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the lucome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19th October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
72—146 GI84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Nitin|Vikas|Vishal|Ketan Bldg., Junction of Chinchpokli Cross Lane, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-I|1013|83-84 dated 14-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Bombay

Date: 5-6-1984.

(1) M|s, R, T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M's Irani & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.I]37EE]1144]83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 12, Ground floor, Vishal Building, Junction of Anant Ganpat Pawar and Chinchpokli Cross Road, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 3rd October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR1|37EE|1236|8384 dated 13-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Bombay

Date: 11-6-1984.

FORM ITN . -

(1) Mrs. P. F. Contractor

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

(2) The Associated Cement

(Transferec)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mr. H. V. R. Rao

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.III[37EE]1110[83-84.—Whereas, J,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 4, 4th floor, Kismet-E-Kheesh Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Kismet Bldg., 122A Shahid Bhagat Road, Opp. Sasoon Dock,

Colaba, Bombay-400 005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at

Bombay on 23rd October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 4th floor, Kismet-E-Kheesh Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Kismet Bld., 122A, Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Sasoon Dock, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under serial No. AR-I|1230|83-84 dated 13-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1984.

(1) Shri N. L. Aswani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Mrs. Navaz Erach Gonda, 2. Master Freedan E. Gonda,

3. Master Shahzad E. Gonda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|452|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and
Office No. 713 on 7th floor of Dalamal Tower, Plot No. 211,

Nariman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 713 on 7th floor of Dalamal Tower, Plot No. 211, Nariman Point, Bombay-21. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|862|83-84 dated 17-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-6-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

FORM LT.N.S.-

(1) Mr. Amin Mohamed Ibrahim Bardal.

(Transferor)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jivraj Galabhai Chheda.

(Transferee)(s)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.-I]37EE|1197|83-84.--Whereas, I, A. LÁHIRI,

situated at 98, Nepeansea Road, Bombay-6

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Shop No. 3, Nav Shantinagar Co-op., Housing Society Ltd.,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Shop No. 3, Nav Shantinggar Co-op. Housing Society Ltd., 98, Nepeansea Road, Bombay-6. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I | 1268 | 83-84 dated 14-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1066|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 88 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 4, Firdaus Building, 10, Motlibai Street, situated at Agripada, Bombay-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hustinali G. Merchant, Shrimati Zarina H. Merchant.

(Transferor)

(2) Shrimati Zohra A. G. N. Radiowalla, Shrimati Shabeen A. A. N. Radiowalla,

(Transferee)

- (3) Transferors & Transferees.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Transferors & Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Firdaus Building, 10, Motlibai Street, Agripada, Bombay-11. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I| 927|83-84 dated 17-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-6-1984

(1) M/s. R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) M|s. F. A. Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. 9A.-I|37EE|1194|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Bs. 25 0001, and bearing

Rs. 25,000|- and bearing
Shop No. 11, Ground floor, Nitin Vikas Vishal Ketan, Junction of Chinchpokli Cross Lane & Anant Ganpat Pawar Lane, situated at Bombay-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ground floor, Nitin Vikas Vishal Ketan, Junction of Chinchpokli Cross Lane and Anant Ganpat Pawtr Lane, Bombay-27. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I | 1266 | 83-84 dated 14-10-1983.

A, J.AHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Date: 5-6-1984

FORM I.T.N.S.--

(1) Shri Sudhir Mangaldas Zaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. R. Kirti & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.-I[37EE]1116]83-84.--Whereus, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Room No. 43, 1st floor, 'Dharam Palace', Hughes Road, situated at Bombay-400 007,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the trainfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 3, 1st floor, 'Dharam Palace', Hughes Road, Bombay-7. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1238|83-84 dated 13-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-6-1984

(1) M|S. Sunder Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chunilal Murji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.-1|37EE|1073|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 101 on 1st floor, situated at 'Sunder Tower' Tokarshi Jivraj Road, Sewari, Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment or any meome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act. 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, on 1st Floor, at 'Sunder Tower', Tokarshi Jivraj Road, Sewri, Bombay-15. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-1|37EE|933|83-84 dated 6-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salt, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the fraforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-73—146 GI|84

Date: 5-6-1984

(1) Sandeep Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babulal Gopiram Goenka

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.-1|37EE|1068|83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/

and bearing

Shop No. 42, 1st floor. Situated at Bhangwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay-400 002

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 42, 1st floor, Bhangwadi Shopping Arcade. Kalbadevi Road, Bombay-400 002. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1054|83-84 dated 3-10-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-6-1984

(1) M|s. R. T. Meheta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Motilal Family Trust. .

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR. 137EE | 1195 | 83-84.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Shop No. 10, Ground floor, situated at Nithi Vikas Vishal Kettan Junction of Chinchpokli Cross Lane & Anant Ganpat Pawar Lane, Bombay-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the afore aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, Nitin Vikas Vishal Ketan, Junction of Chinchpokli Cross Lane & Anant Ganpat Pawar Lane, Bombay-27. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-1 1267 83-84 dated 14-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 5-6-1984

(1) Shri Nuruddin Jumma Mamad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Hamida Sultan Merchant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 4th June 1984

Ref. No. AR.-I[37EE]1171|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 22, Ismaillia Co-op. Hsg. Society Ltd. situated at Mirza Ghalib Marg, Byculla, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used, herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Ismailia Co-op. Hsg. Society Ltd., Mirza Ghalib Marg. Byculla, Bombay-8. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-1|37EE|1077|83-84 dated 14-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1984 Seal:

Scal

(1) M|S. Sunder Builder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Fernandes Francis John.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 4th June 1984

Ref. No. AR.-1|37EE|1078|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 203, 2nd Floor, situated at Sunder Tower, Tokershi Road, Sewri, Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, on 2nd Floor of "Sunder Tower", at Tokershi Jivraj Road, Sewri, Bombay-15. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-1|37EE|940|84-85 dated 6-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-6-1984 Seal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1041|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 61, Warden Court situated at 79-81, August Kranti Marg, Bombay-400 036.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chandulal Himatlal Dixit,
 - 2. Shrimati Chandanben Chandulal Dixit.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chhotubhai Premabhai Patel,
 - 2. Shrimati Kanchanben Rameshbhai Patel.

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Flat No. 61, Warden Court, August Kranti Marg, Bombay-36. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|935|83-84 dated 6-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-6-1984

(1) M|s. Sunder Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Kumar Dhanji.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1074|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 702, 7th floor, situated at 'Sunder Tower', Tokershi Jivraj Road, Sewri. Bombay-400 015

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, 'Sunder Tower', Tokershi Jivraj Road, Sewri, Bombay-15. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I 9J2|83-84 dated 6-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bembay

Date: 5-6-1984

(1) Mr. Kale Surendra Deepchand

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sureshchand N Bansal Suman S Bansal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Pragati Investments

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Bombay, the 5th June 1984

REF: No. AR₋I|37EE|1226|83-84.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 103, 'West View' Building, Vccr Saverkar Marg, Prabhadevi. Bombay-400 025

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Competent Authority at Bombay on 29-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 'West View' Building, Veer Saverkar Marg, Prabhadevi Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-I 1303 83-84, dated 29-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 5 6-1984

PORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

REF. No. AR.-I|37EE|1134|83-84.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 32, 8th floor, Pentacle Co-op. Housing Soc. Ltd. 12, Jarajbhai Lane, Off Warden Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Pangadan Sukumatun

(Transferor)

(2) Smt. Panna Shailendra Patel

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herrin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thes Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 8th floor, Pentaele Co-op. Housing Society Ltd., 12, Jarajbhai Lane, Off Wardon Road, Bombay-26.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR. I/1145/83-84 dated 13-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 5-6-1984

Seal:

74-146 GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

"FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

REF. No. AR.-[37EE]1060[83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority made Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 41, Sun Flower Bldg., Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kanta Majumdar

(Transferor)

(2) 1. Shri Sitaram Agarwal

2. Shri Laxmi Narayan Agarwal

3. Smt. Pushpadevi Agarwal 4. Smt. Raj Kumari Agarwal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41. Sun Flower, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I[1049]83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1984 •

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kalpana Banwarilal Bansal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

REF. No. AR.-I|37EE|1193|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Shop No. 4, Ground floor, Nitin Vikas Vishal Ketn Bldg. Junction of Chinchpokli Cross Lane Anant Ganpat Pawar Lane, Bombay-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombya on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the Ian market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

tarlanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4 in Nitin|Vishal|Ketan Building, Junct'on o. Chinchpokli Cross Lane & Anant Ganpat Pawar Lane, Rombay-27

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1265|83-84, dated 14-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 5-6-1984

(1) Mr. Ramkrishna Agarwal Mrs. Kusum Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) 1. Mr. Lalji R Sharma 2. Mrs Kushalrani Sharma

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1187|83-84.-- Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Rs. 23,000]- and bearing
Flat No. 305, 3rd floor of 'B' Block, Poonam Apartments,
Shiv-Sagar Estate, Worli, Bombay-400 018
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 305. 3rd floor of 'B' Block, Poonam Apartments

Shiv-Sagar Estate, Worli, Bombay 400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.I |994|83-84, dated 14-10-1983.

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dato: 5-6-1984

: eal:

FORM ITNS----

(1) Mis Laxmi Distributors Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Amrit Shyam Properties Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 5th June 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REF. No. AR.-1|37EE|1037|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Office Premises No. 1401, 14th floor, 'Dalamal Tower' Plot No. 211 of Block III, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, us respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Office Premises No. 1401, 14th floor of Dalamal Tower, Plot No. 211 of Block III, Backbay Reclamation, Nariman Point Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent Atuthority Bombay under Serial No. AR.-I 820 83-84 dated 10-10-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-6-84

(1) Mrs. Shella Neale

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.1|37EE|1169|83-84,—Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 37, 6th floor, Sagar Darshan, 81-83, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at at Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Harnish Tarachand Kothari Smt. Chandra Tarachand Kothari.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Society

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 37, 6th floor, Sagar Darshan, 81-83 Bhulabhai Desai Road, Bombay-26. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.I 1012 83-84 dated 14-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-6-1984

Scal:

(1) M/s. Ahiya & Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhagwan J. Alimchandani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMSSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7398|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 1 on ground floor in building 'Ankur' Plot No. 38 TPS. II, Andheri (West), Bombay 400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, on ground floor in building Ankur, Plot No. 37 TPS II. Andheri (West), Bombay 400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Script No. ARJI | 37EE | 7398 | 83-84 dated 14-10-1983.

S. H. ABBAS ABIT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bomba-

Date: 11-6-1984

Scal:

(1) Shaco Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Pankaj Shantilal Shah 2. Kanta Shantilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3556|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 301, at Shaco Apartments, S. No. 218, Hissa Nos. 17 & 20 CTS Nos. 697 & 701, Krupa Nagar Road, Near Telephone Exchange, Vile Parle (West) Bombay 400 056. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, at Shaco Apartments. S. No. 218, Hissa Nos. 17 & 20 CT Nos. 697 & 701, Krupa Nagar Road, Near Telephone Exchange Vile Parle (West), Bombay 400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3556|83-84 data1 5-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 25-5-1984

(1) Ms. Asian Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF .1961)

(2) Miss Preeti Mohan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|7586|83-84.—Whereas, 1. S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop No. 6 in Lila Apartments, Opp. Gulmohar Garden Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—146 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 in Lila Apartments, Opp. Gulmohar Garden. Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Compact Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7586|83-81 dated 28-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-6-1984

(1) Alok Industries

(Transferor)

(2) Shailesh Engineering Company

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II 37EE 7254 83-84. Whereas, I. S. H. ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vlaue exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Gala No. A-12, Ground floor, Building—A, Giriku

Kunj Industrial Premises Co.operative Society Ltd., Mahal a' Caves Road, Andheri (Fast), Bombay 400 093 (and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. A-12, Ground floor, Building-A, Girikunj Kunj Industrial Premises Co.operative Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay 400 093,

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7254 83-84 dated 7-10-1983.

> B. H. ABBAS ABI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 8-6-1984

FORM UINS-

(1) Smt. Anila Bipin Desai & Bipin Dalpatbhai Desai (Transferor)

(Person in occupation of the property)

(2) Shri Ketan Manharlal Parekh Mayur Manharla Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II. | 37EE | 7492 | 83-84.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F|502 Vishal Apartments & Shopping Centre, Andhers Kurla Road, Andhers East, Bombay 400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(3) Deepak Builders Pvt. Ltd

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F|502 Vishal Apartments & Shopping Centre, Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay 400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7492|83-84 dated 22-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomb

Date: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3743|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Building 'Amarkunj', Plot No. 2-K(1) of F.P. No. 2 of TPS No. 1, Santacruz (West), Besant Street, Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sh. Kanchanban Kalidas Rayli
 - 2. Virendra Kalidas Jasani
 - Rajnikant Kalidas Jasani
 Deepak Kalidas Jasani
 - 5. Smt. Bhartiben Ramesh Shah
 - 6. Shri Ratilal Khimji

(Transferor)

(2) M|s. Govani Builders.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building 'Amarkunj' Plot No. 2-K(1) off. P. No. 2 of TPS. No. 1 Santacruz (West), Besant Street, Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3743|83-84 dated 14-11-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-5-1984

THE REPORT OF THE PERSON OF TH

FORM ITNS-

(1) Mis. Navbharat Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Cecil Fredrick Fernandes Mrs. Margaret Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3649|83-84.-Whereas, I, Rcf. No. AR.III3/EE 3049 85-84.—whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 204-A, 2nd floor, 'Kalpana Apartments 'A' Sherly Rajan Road, Bandra (W) Rombay-50

Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204-A, 2nd floor, 'Kalpana Apartments 'A' Sherly Rajan Road, Bandra (W) Bombay-50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3649|83-84 dated 17-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-6-1984

Scal:

M|s. Yasmain Corporation.

(Transferred)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vasu Bhohomal Hiranandani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3545 83-84.—Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 196k) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, 'EXOTIQUE' Building, Plot No. 515 & 516, 17th Road,

Khar, Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, 'EXOTIQUE' Building Plot No. 515, 516, 17th Road, Khar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3345|83-84 dated 3-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-6-1984

==:=

FORM ITNS-

(1) M|s. Jayshree Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Dalip Dwarkanath Shiveshwarkar Mrs. Rajni Dilip Shiveshwarkar.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3616|83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

bearing No. Flat No. 302, F.P. No. 147, T.P.S. No. V, Vile Parle (E) Malaviya Road,

Vile Parle (E) Bombay-57
(and more ully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Au'hority at Bombay on 17-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-_ing persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from date of the publication of this notice in Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

Flat No. 302, F.P. No. 147, T.P.S. No. V, Vile Parle (E) Malaviva Road, Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3616|83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-6-1984

- (1) Mis. Sunder Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Virendra R. Mishra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7114|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Shop No. 7, Ground floor, 'A' Bldg. Sunder Park, Veera Desai Road, Off Andheri Varsova Road, Ambivali Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable Froperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor in 'A' Building, Sunder Park, at Veera Desai Road, Off Andheri Varso va Road, Ambivali, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7114|83-84 dated 3-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bomba".

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby iniate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th June 1984

Rcf. No. AR.II|37EE|3535|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 9, 2nd floor, Lovely Home, Sub-plot No. 8 of plot No. 5, North of Irla Nala JVPD Scheme, Bombay-49 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following corsons, namely:—

76—146 GI 84

(1) Smt. Manjit Kaur Gurpal Singh Arora. (Transferor)

(2) Sh. Manmohan Mahamwal Sh. Motilal Mahamwal, and Prayin Mahamwal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Lovely Home, Sub-plot No. 8 of Plot No. 5. North of Itla Nala J.V.P.D. Scheme, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3535|83-84 dated 3-10-1983

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 7-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR,II|37EF|7566|83-84. Whereas, J, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Gala No. B-217, Hind Saurashtra Service Ind. Co. Society Limited, Morol Naka, Andberi (Fast), Bombay-400 059.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not heen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Pushpa D. Matharu.

(Transferor)

(2) M/s. Maliksons Dyes & Chemicals.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in hie said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. B-217, Hind Saurashtra Service Industrial Co. Op. Society Limited, Marol Naka, Andheri (East), Bombay-

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7566 83-84 dated 27-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 8-6-1934

(1) Mls. Shivshakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Zaks Business Ventures.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.H[37EE]7279[83-84.—Whereas. I, S. II. ABBAS ABID1 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing Industrial Shed No. 149, Shivshakti Industrial Estate, Marol Village, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (F), Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen pet cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of hansfer with the object of:—

- (as facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 4 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 149 Shiyshakti Industrial Estate, S. No. 79, R. No. 16, S. No. 80, H. No. 1 of Marol Village, Off Andheri-Kurla Road, at Andheri (E), Bombuy-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III]37EE|7279|83-84 dated 7-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDE Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 8-6-1984

Seal;

(1) Mr. Ashok Narayan Kadam.

(Transferot)

(2) M.s. Vimsons Printers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3588|83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the numovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000]- and bearing No. Industrial Gala, Udyog Mandir Premises Co.operative Society Ltd. No. 1 7-C, Pitambar Lane, Mahim, Bombay-400 016

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the office of the Competent Au hority at Bombayo n 5-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein ma are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala, Udyog Mandir Premises Co.operative Society Ltd. No. 1, 7-C, Pitambar Lane, Mahim, Bombay-400 016. Premises Co.operative

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3588|83-84 dated 5-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 76-1984

Scal:

(1) Savani Family Trust.

(Transferor)

(2) Mani Sales Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3571|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shon No. 6. Shirin Schrab Palace

Shop No. 6, Shirin Sohrab Palace, at Plot No. 225 Nariman Road, Vile Parle (East) Bombay-400 057

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Au hority at Bombay on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excuals the apparent consideration therefor by more than there are repeated to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, in building known as 'Shirin Sohrab Palace at Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East) Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3571|83-84 dated 5-10-1983

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-6-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Tarnsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Siraj A. Cementwala Mr. Kaisar A. Cementwala & Lolakshi K. Hejmadi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7961|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop No. 6 Ground floor in 'Twin Towers' at Village Oshiwata, Andheri (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideratio therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; ned/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 ,27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 769D of the said Act, to the following netsons, namely :-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on Ground floor in 'Twin Towers' Plot No. 8A & 8B S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|7961|83-84 dated 14-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 8-6-84

Scal:

(1) Shri Yunus D. Vankad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Habiba S. Fezabhoy Smt. Norjahan M. Fazalbhoy

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref., No. AR.H 37EF[7530]83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00 - and bearing No.

Flat No. A 34. 3rd floor, in Gita Kiran Co. operative housing Society Ltd., J. P. Road, Andheri (West), Hombay-58.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 23rd October 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|34 flor, in Gita Kiran Co. operative Housing Society Ltd., J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authorityy, Bombay under serial No. AR.II[37EF][2530]8-8 dated 23-10-1984.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bombay.

Date: 11-6-1984.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mls Minoo Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prerana Bipin Lohra

~(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|371 F|7512|83-84,—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 2, A-Wing, 2nd floor, Minoo Minar at Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Officer at Bombay on 21st October, 1983 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officiel Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, A Wing, 2nd floor, Minoo Minat at Veera Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II 37EE 1512 83-84 dated 21-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :---

Date: 2-6-1983.

FORM ITNS----

(1) Mrs. Rojn' Chandrachood

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manohar Bushandee Sakhrani Shri Balchand W. Sakhrani

(Transferee) -

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 6th June 1984

Ref. No. AR.II|37FF|3558|83-84,—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing Flat No. 3. 1st floor in Sri Ishwar Sadan Co, op. Housing Society Ltd., T.P.S. III, 16th Road, Bandra, Bombay-400 050.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Rombay on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ntoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforescid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, on 1st floor, in Sri Ishwar Sadan Co.op. Housing Society Ltd., TPS, III, 16th Road, Bandra, Bombay-400 505. The agreement has been registered byy ythe Competent Authrity, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3558|83-84 dated 5-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bombay.

Date: 6-6-1983,

Seal:

77-146 GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3572 83-84.—Whereas, I. H. ABBAS ABIDI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Shop No. 14, Veena Seena Shopping Centre, Premises Co.op. Society Ltd., Bandra (West), Bombay-50, Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. 1. Mr. Amirali D. Karedia, 2. Mr. Pyarali D. Karedia,

3. Mr. Karimbha D. Baredia.

(2) 1. Mr. Nandlal Chelkaram Katara,

(Transferor)

(2) Mr. Nandlal Chellaram Katara. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a neriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Veena Beena Shopping Centre, Premises Co.op. Society Ltd., Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 3572 83-84, doi: 1 5-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

5-10-1983. Seal:

FORM JTNS----

(1) Smt, Surjit K. Gujral.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jainab Mohamed Khalfay.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II[37EE]3531[83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Fiat No. C[26, Shiv Asthan (Khar) Co-operative Housing Society, Limited, Plot No. 31, TPS. III, 16th Road, Bandra, Rombour 50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any ancome arising from the transfer; and/or
- the hardinating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforestid property by the inute of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be snade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

Flat No. C|26, Shiv Asthan (Khar) Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 31, TPS. III, 16th Road. Bandra. Bombay-400 050.

The agreement has ben registered by the Competent rity, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 3531 83-84, dated 3-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inconve-tax.
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-6-1984, Seal:

- (1) M[s. Shivshakti Builders,
- (Transferor)
- (2) M|s. V. K. Engineering Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.H|37EE|7291|83-84.—Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Industrial Shed No. 147, 1st floor, Phase No. III Shivshakti Industrial Estate of Marol Village, Off Andheri-Kurla Road,

Andheri (E), Bombay 59

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 147, 1st floor, Phase No. III, Shiyshakii Industrial Estate, Marol Village, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7291 83-84, dated 8-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-6-1984, Seal:

FORM ITNS----

(1) Mls. Star Fruit Products Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mls. Ami Plastics (Pvt, Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7236|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Two Galas bearing Nos. 24 & 25 at Shreenath Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri East, Bombay-93. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-10-1983

at Bombay on 6-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Galas Nos. 24 25 at Shreenath Indl. Estate. Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Autho-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7236|83-84, dut. 6 10-1984.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-6-1984.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM LT.N.S.—— - (1) Shri Bhagwandas T. Jani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kanchan D. Rao.

*(fram ferce)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.II[37EE[3639]83-84,-Whereas, I,

Ref. No. AR.III3/EE|3039|83-04.—whereas, ...
S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000|- and bearing Gala No. 208-B, Mahim Service Industrial, (Industrial Unit) Oil Mori Road, Mahim, Bombay-16.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property surforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Gala No. 208-B, Mahim Service Industrial (Industrial Unit) Off Mori Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authototy, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]3639[83-84, dated 17-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Impacting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the soid Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-6-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-H, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7142|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 407, Sagar Tarang, 4th floor, Opp. Picnic Cotta-Andheri (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83 Road, Opp. Picnic Cottage Versova, Bombay-400 061, and bearing

at Bombay on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Radhanath Annappa Kudwa, & Mrs. Prici Radhanath Kudwa. (Transferor)
- (2) Capt. Mehernosh Behram Iranpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, CTS No. 1067, Sagar Tarang, Jai Prakash Road, Opp. Picnic Cottage Versova, Bombay-400-061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7142 83-84, dated 3-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-6-1984.

(1) Mr. Mohan H. Lalwani,

(Transferor)

(2) Mrs. Merlyn Elizabeth Pires.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferee,

(Person in occupation of the Property),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3560|83-84.—Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Flat No. 403, 4th floor, Pinheiro Apartments, St. John Baptist Road, Bandra, Bombay-400-050

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

Officer at Bombay on 5th October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Pinheiro Apartments, St. John Baptist Road, Bandra, Bombay-400-050...

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3560|83-84, date 55-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Leome tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section:

Region unmely:—

Date :29-5-1984. Seal :

OC#1

FORM ITNS ----

(1) Mls. Suhall Constructions

(Translende)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-EAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.H|37EE|3554|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the best leave), hour research to believe that improve blacks are the best leaves the large that the improve blacks are the best leaves the large that the improve blacks are the best leaves the large that the improve blacks are the best leaves the large that the improve blacks are the large that the large that the improve blacks are the large that the large t

as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 401, 4th ilon F.P. No. 611, TPS III, Mahim, 147 LJ Road, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Zahid Yacoob Kabli

(Fran force)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11st No. 401, 4th floor, F.P. No. 611, TPS III, Mahim, 147 1.J. Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37FF 3554 83-84 (trick) 3 10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Hate: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7582|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent. Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

 $\Re = 25,000$ [- and bearing

No Tlat No. 3-A, Piknik Apartments, Co.operative Housing Society, Versova, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Bindu Madan

(Transeferor)

(2) Mrs. Kukanbika & Mr. Mundarama Shetty (Transferee)

(3) Mrs. Bindu Madhan & Family.
(Person in occupation of the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3-A, Piknik Apartments Co.operative Hou Society, Survey No. 56 Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7582 83 84 dated 28-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incode-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 8-6-1984

FORM ITNS----

(1) Shri Gobind Kaliandas Daryanani Prop. of M|s. Indo Saigon Agency.

(Transferou)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laceq Faqih

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1109|83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.
No. Flat No. 201, 2nd floor, 'Sangeet Sarita' 51D, Off Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026
(and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-10-1005 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hereto by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Sangeet Sarita' 51D, Off Bhulabhai. Desai Road, Bombay-400 026

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.1 1030 83-84, dated 5-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert; b; the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-6-1984

Sca. :

(1) M/s. Cozyhome Builders

(Transferor)

(2) Shri Ramni Lal Gopalji Mehta Shri Vijay Ramniklal Mehta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR-1|37EE|1133|83-84.--Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 20, 3rd floor, 'Peter Marcel' Bldg., Plot No. 941 & 941A, Prabhadevi, Bombay-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 13-10-83) the office of the Competent Authority

at Bombay on 13-10-1983

at Bombay on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferce for the purposes of the Indian Income tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 20, 3rd floor, 'Peter Marcel' Building, Plot No. 944 & 941A, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Agreement has been registeerd by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I/926/83-84 dated 13-10-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Act, I hereby "titate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :-

Unte : 5-6-1984

·····

FORM ITNS---

(1) M/s Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Urmiladevi M Bharatia Mr. Mohanlal B Bharatia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR.I|37EE|2373|83-84,—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 72, Wing 'D', 7th floor, Mamta Apartment, Plot No. 926, T.P.S. No. IV, Mahim, New Prabhadevi Road. Bombay (and more fully described in the Scnedule annexed hereto),

(and more fully described in the Senedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred and the agreement in registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 72, Wing D, 6th floor, Manita Apartment, Plot No. 926, T.P.S. No. IV, Mahim, New Prabhadevi Road. Bombay. The Agreement has been registered by the Comptent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[3591]83-84 dated 10-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. 1/37EE/1075/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, Ref. No. 1/3/EE/10/5/83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No; Shop No. 15, [Ground floor, V'jay Chambers Premises Co-op. Society Ltd., Tribhuvan Road, Opp. Dreamland Cinema, Bombay-400 004

Bombay-400 004

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mls. Weston Electroniks Ltd.

(Transferor)

(2) Nandlal Kanayalal Punjabi.

(Transferec)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perioid of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, Ground floor, Vijay Chambesr Premises Co-op. oc. Ltd., Tribhuvan Road, Opp. Dreamland Cinema, Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|1006|83-84 dated 1-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay.

Date: 5-6-1984.

FORM 11N5----

(1) M/s Sunder Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kewalchand P. Jain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. 1/37FE/1071/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
Liat No. 707, 7th floor at Sunder Towers, Tokarshi livraj
Road, Sewri, Bombay-400 015
[and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 707. 7th floor, Sunder Towers, Tokarshi Jivraj Road, Sewri. Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-I]941[83-84 dated 6-10-1983.

> A. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissionar of Income tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 5-6-1984.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. I|37EE|1076|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 107, 7th floor, 'Mangel Kunj' Mount Pleasant Road, Malabar Hill,' Bombay-400 006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the trair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Chandrakala Prasanchandji Mehta.
 - (Transferor)
- (2) 1. Shri Pravinbhai C Shah 2. Smt. Shobhang P Shah
 - 3. Master Biran P Shah

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if way, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, 'Mangal Kuni' Mount Pleasant Road, Malabar Hill, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scriat No. AR-I/1064/83-81 dated 3-10-1984.

A, I AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incommission
Acquisition Range-I. Bombay.

Date : 5-6-1984. জ্বিষ্ম ; FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M|s Sunder Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manilal Damji Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. I/37EE/1077/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 701, 7th floor, 'Sunder Tower' Tokarshi Jivraj Road, Sewri. Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persoss, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein &s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, 'Sunder Tower' Tokarshi Jivraj Road, Sewri, Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|931|83-84 dated 6-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 5-6-1984.

Seal:

79—146 GT/84

(1) Shri Kalpesh R. Jain.

(Transferor)

(2) M|s Ashar Investments.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th June 1984

Ref. No. AR[III]37FF[3343[84-85,-Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 504, 5th floor,, 'Pooja', Mahul Road, Chembur,

Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor, 'Pooja' Bldg., Mahul Road, Chembur, Bombay-71.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJII 37EE 1449 83-84 dated 3-10-83.

A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act is the following persons namely :--

Date: 14-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/S Golden Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Henry D'Souza & Mrs. Delphina D'Souza. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III | 37EE | 3489 | 84-85.—Wheeras, I, A, LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000]- and bearing Flat No. G-7, CTS No. 5785, Village Kole Kelyan, Kalina, Bombay-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. G|7, CTS No. 5785, Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-29.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1447|83-84 dated 3-10-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984.

(1) Shri Sudhirchandra J. Khara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hemlata L. Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3354|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 63, 2nd floor, Pankaj Bldg., Near Indradeep Soc. Ltd., Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 3-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 63, Penkaj B-Bldg., Near Indradeep Soc. Ltd. LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The Agreement has been registered by Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1424 83-84 dated 3-10-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-6-84.

FORM ITNS-

(1) Mohanlal L, Chitroda,

(Transferor)

(2) M[s Varsha Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3640|84-85,-Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Ground & 1st floor, Malad Ind. Units Coop. Soc. Ltd. Ramchandra Lane Extn., Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 191, is the Office of the Competent Authorty at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the rame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground & 1st floor, Malad Ind. Unit Coop. Soc. Ltd. Ramchandra Lane Extn., Mald (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide Serial No. AR.III 37EE 1438 83-84, dated 3-10-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-6-84.

Seal •

FORM ITNS----

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sunita Ravi,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3628|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 6, 1st floor, Rushabh Chhaya, Plot S. No. 4, CTS No. 564 Off 90, Rd., D. P. Road, Mulund (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 191, is the Office of the Competent Authorty at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Rushab Chhayay, S. No. 74, CTS No. 564 Off 90' Rd., Mulund East, Bombay-81.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1439|83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-6-84.

FORM ITNS—

(1) Shri Murari Prasad Sharma.

(Transferor)

NOTIICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V'jay Kumar Khandelwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR,III|37EE|3470|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25(000)- and bearing

Flat No. 3, Ground floor, Bldg. No. A-4 Manav Kalyan Coop. Hsg. Soc. Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, Bldg. No. A-4, Manav Kalyan Coop. Hsg. Soc. Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR.III[37EE[83-84] dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay,

Date: 14-6-84.

FORM ITNS----

(1) Awadhnarayan J. Tiwari.

(Transferor)

(2) Smt. Gulabidevi K. Dube.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3643 84-85.—Whereas, I, A. I.AHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Shop No. 1, Gr. floor, Malad Ambika Premises Coop. Soc. Ltd., Flat No. 29, Upper Govind Nagar, Malad(E), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 191, is the Office of the Competent Authorty at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gr. Floor, Mulad Ambika Premises Coop. Soc. Ltd. Plot No. 29, Upper Govind Nagar, Malad (E), Bombay-64.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1405|83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-6-84.

FORM ITNS----

(1) Narnappa Somappa Kodikal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kopparakalathil S. Raman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3371|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Unit No. 46, Plot No. 10B, Suburban Scheme No. II, Trom-

bay North East, Survey No. 26 (part), Trombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 46, Plot No. 10B, Suburban Scheme No. II, Trombay North East, Survey No. 26 (part), Trombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1442|83-84

THE SCHEDULE

dated 3-10-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

80-146GI|84

Date: 14-6-84.

(1) Shri Mohanlal D. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Jayankumar B. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3585|84-85.—Whereas, I. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Me'ad Shopping Centre, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schodule annexed

hereto)

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, is the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fak market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Malad Shopping Centre, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1426 83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-84.

(1) Mls. Arun Kumar & Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gurbir Kaur Bindra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3585|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 2, Gr. floor, 'Saibaba Park', Ashish Bldg. Mith Chowkie, Merve Road, 'Malad (W), Bombay-64.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground oor, 'Saibaba Park', Ashish Bldg., Mith Chowkie, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been rgistered with the Competent Authority, Bombay, vide Serial No. AR, III 37EE 1399 83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

date: 14-6-1984

(1) Mrs. Zanabhar Mohamed S. Parkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Dhirajlal J. Harla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.AR.III|37EE|2636|8 -85.—hereas, I, A LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 205, 2nd floor, Kopasi Niwas Coop. Hsg. Soc. Ltd. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factlitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor Niwas Coop. Hsg. Soc. Ltd. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1406|83-82, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) Smt. Shakuntala Devi Kheria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harish Chandra Saraf & Shri Kashi Prasad Saraf

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3614|84-85.Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat No. T1|13, Malad Trishul Coop. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 14C, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64

(and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority on Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-1/13 Malad Trishul Coop, Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 14C, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W) Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1398|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

(1) Nariman & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nilesh Anantrai Virmani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3444|84-85.--Whereas, 1,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No. 1, Bldg. 'B', Malad Shopping Centre, S. V. Road,
Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Bldg. 'B', Malad Shopping Centre, 'S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1434|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 14-6-1984

FORM ITNS...

(1) Mr. D'Souza Fredrick.

(Transferor)

(2) Mr. Sohanlal Bhalla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3668|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 309C, 3rd floor, Malad Samir Coop. Hsg. Soc.
Ltd situated at Ushma Nagar, Malad (West), Bombardo) (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

transfer with the object of :-

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 309C, 3rd floor, Malad Samir Coop, Hsg. Soc. Ltd. Ushma Nagar, Malad (West), Bombay-69.

The agreement has been registered with the Authority Bombay, vide serial No. AR III 37EE 1400 83-84. dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-6-1984

(1) Shri Kumar Hundraj Lulla and Shri V. T. Baheja (Transferor)

(2) Mrs Krishna Gupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|5447|84-85.---Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. M-8, 3rd floor, Haridwar Bldg. No. 1, situated at Evershine Nagar, Off Marve Rd., Malad (W), Bombay-64

Hat No. M-8, 3rd floor, Haridwar Hidg. No. 1, situated at Evershine Nagar, Off Marve Rd., Malad (W), Bombay-6d (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. M-8, 3rd floor, Haridwar Bldg. No. 1, Evershine Nagar, Off Marve Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR-III|37EE|1432|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III/37EE/3582/84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. B-108, Virwani Ind. Estate, Western Express Highway situated at Opp. CIBA. Goregaon (E). Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indias Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
81—146GI/84

- (1) Shri Ranmik D. Dharod and Shri Praful D. Dharod (Transferor)
- (2) Jitendra Paper Industries.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. B-108, Virwani Ind. Estate, Western Express Highway, Opp. CIBA, Goregaon (E), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR-III/37EE/1428/83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3375|84-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing Flat No. 201, 2nd floor, D-Wing, Tolaram Apartments

Chembur Camp, Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Kukreja Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Joginder Singh Amolak Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, D-Wing, Tolaram Apartments, Chembur Camp, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR-III 37EE 1444 83-84, dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) Miss Manju L. Gupta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Kaushalya Vinodrai Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3573|84-85.—Whereas, I, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believ that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 7, 1st floor, 'Prem Bindu', Near Fillmstan Studio Offi S. V. Road, Dighewadi, Goregaon(W), situated at Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, 'Prem Bindu', Near Filmistan Studio, Off S. V. Road, Dighewadi, Goregaon(W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1427|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susceion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-6-1984

(1) M. Velayndhan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayantilal B. Khanted & Amritlal B. Khanted (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the J4th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3364|84-85.—Whereas, I, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 12B, 3rd floor, Shital Apartment, Jangul Mangal Rd., Bhandup, situated at Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dejections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12B 3rd floor, Shital Apartment, Jangal Mangal Rd., Bhandup, Bombay-718.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1423|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Aruna S. Shah & Shri Satish N. Shah

(Transferor)

(2) Smt. Damayanti Navinchandra Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3644 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Fiat No. 302, 3rd afloor, Radha Kunj, A-Wing, Nivati Road, Malad(E), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) have been transferred and the americant in registered under

has been transferred and the agreement is registored under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in 'the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 302 3rd floor, Radha Kunj, A-Wing, Nivetia Road, Malad(E), Bombay-64.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1437 83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) P. H. Nensey Land Develoment Corporation. (Transferor)

(2) Smt. Vijayaben Premji Gada & Shri Premji L. Gada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III]37EE|3634|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 40, 2nd floor, Hirnen Shopping Centre, Unit No. 4, S. V. Road, Goregaon West, Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Jucome-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 40, 2nd floor, Hirnen Shopping Centre, Unit No. 4, S. V. Road, Goregaen (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide Serial No. AR.III|37EE|1404|83-84, 141-142|

dated 3-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14th June, 1984

(1) Mrs. Kaushka H. Kaushik.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma S. Prabhu.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37FE|3632|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Gala No. 66. Universal Industrial Estate, I. B. Patel Road,

Goregaon (E), Bombay-63

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pala No. 66, Universal Industrial Estate, I. B. Patel Road,

Goregaon (Fast), Bombay-63,
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide Serial No. AR.III/37EE/1403/83-84, dated 3-10-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14th June, 1984

(1) M/s. Motiram Tolaram.

(Transferor)

(2) Smt. Aruna Ashok Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3624|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

9, Gala No. Ground floor, Gautam Udvog Bhavan

Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 19 Bombay on 3-10-83 1961, in the Office of the Competent

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 9, Ground floor, Gautam Udyog Bhavan Bhandup, Bombay-78

The agreement has been registered with the Competent Authority Rombay, v. 1440|83-84 dated 3-10-83. Seria No. AR.III 37EE vide

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 14th June, 1984

(Transferee)

FORM ITNS----(1) Shri D. K. Kabra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3461 84-85. -- Whereas, I, A. 1 AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

Flat No. 503, 5th floor Rajendranath Cooperative Housing Society Ltd., Maheshnagar, S.V. Road, Goregaon (W),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ngreed to between the parties has not been truly stated in the raid Instrument of Transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691 of the said Act, to the following persons namely :-

82-146GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Shyamsunder Mundhra.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor Rajendranath Cooperative Housing Society Ltd., Maheshnagar, S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-62

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, v 1431]83-84 date 1 3-10-83. vide Seria No.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 205/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-102/18 situated at Nampalli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M|s. Nandonam Construction Co., 5-8-42, Phatesultan, Nampalli, Hyderabad.

ihri V. Saraswati,

(2) Shri V. Saraswati, Kazipet, Warangal.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat and garages situated in Nandanam Apartments, Phatesultan Lane, Hyderabad, registered at Hyderabad SRO under Document Nos. 5486|83, 5488|83, 5490|83 in October, 1983.

M. JEGAN MOHAN
Com, etcnt. Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1931

FORM LT.N.S.-

(1) M|s, Nandanam Construction Co. 5-8-84, Phatesultan, Lane Nampalli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. D. H. Radha Devi, Narayanguda. Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Rcf. No. RAC. 206|84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. B-402[30 situated at Fathesultan, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair M. JEGAN MOHAN.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-402|30, situated at Nandanam Apartments, Nampalli, Hyderabad, registered at SRO Hyderabad, under Document No. 5481 83 of October, 1983.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons are also as a section 269D. ing persons, namely:--

:Date : 1-6-1984

Seal 1

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) V. Sandhyasri Sjo Dr. V. M. Reddy, 5-8-42, Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad.

(Transteree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 207/84-85,--Whereas, I. M. JEGAN MOMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 25,000]- and bearing No.
G-15 situated in Nannam Apartments
(and more fully described in the schedule annexed heroto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 116 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or 'he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Garage No. G-15 Ground floor area 200 sq. yards at Fatesultan Lane, Nampalli, registered with SRO, Hyderabad, vide Document No. 5491 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 208|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

C-306|48 situated at Nandan Apartments

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Nandanam Construction Co., 5-8-42, Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. K. Kamalamba, R|oLaxminagar, Medak District (A.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-306|48, 3rd floor at 5-8-42, Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad, area 1000 sq. ft. registered with SRO, Hyderabad, vide Document No. 5487|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 209|84-85.-Whereas, .1 M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. C-205 41 situated at Nampalli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mls. Nandanam Construction Co. 5-8-42. Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad.

(Transfror)

(2) K. Laxmi Kutti Woo N.B.K. Memon, 3-5-813, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the na id immovable property, within 45 days from the the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. C-205|41, Second floor, Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad, area 1000 sq ft. registered with SRO Hyderabad vide Document No. 5485 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 210|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C-103|35 situated at Nampalli, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ms. Nardanam Construction Co., 5-8-42, Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Nageswara Rao, 229 B, S. R. Nagar, Hyderabad.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-103|35, first floor area 1000 sq. ft. at 5-8-42 Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad, registered with SRO Hyderabad, vide Document No. 5484|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. 211|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 504|60 situated at Nampalli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908 (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad in October, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Nandanam, Construction Co., 5-8-42, Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri M. Chenna Reddy, 5|8, Balaji Colony, Tirupati, Chittoor District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-504|60, 5th floor, area 1000 sq. ft. at 5-8-42, Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad, registered with SRO Hyd-rabad, vide Document No. 5483|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-. SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HŶDERABΛD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 212|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

502|58 situated at Phatesultan, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at

Hyderabad in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---83---146GI!84

(1) M)s. Namianam Construction Co. 5-8-42, Phatesultan Lane, Nampalli, Hyderabad

(Transferee)

(2) Dr. Mehar Sultana, 16-2-49 1, Akbar Bagh, Malakpet, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502|58, Phatesultan Lanc, Nampalli, Hyderabad, Registered at Hyderabad SRO under Document No. 5487 83.

> . JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 213|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000]-

and bearing No. situated at Nandyal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

or 1908) in the office of the Registering Officer SRO Nandyal in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lighlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Chaganlal, Nandyal.

(Transferor)

(2) Bannuru Venkata Reddy and Others, Nandval.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nandyal, registered with sub-registrar, Nandyal vide Document No. 4177/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo eraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC 214 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Rs. 25,000|- and bear

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maduri Shavanti Kajeswar, 8-2-416, Banjara Hills, Hyd.,

(2) Industrial workers & Weaker Section Coop.
Housing Society Regd. TAP. 113 at SRT 805
(Transferee)
Sanathnagar, Hyderabad.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land S-No. 4952, total extent of 9103 sq. vds. situated at Belnagar Village, Vallabh nagar Taluk, R.-R. Dist. regd. with SRO R. R. Dist. vide document Nos. 7953, 8205 and 7308.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A. P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 215 84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000|- and bearing

No. Block B situated at Punjagutta Hyd,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

SRO, Hyd, on Nov. '83

rfor an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly yetated in the staid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following potsons, namely:—

(1) M/s. Virgo Construction, 6-1-1063/B/3, Rajbhavan Road, Hyd,

(Transferor)

(2) Shrimati K. Vijayalaxmi, Wio K. Krishnamraju 1-10-72A, Chikoti Garden Begumpet Hyd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1st. 2nd, floor each having plinth area 2620 sq. ft, in block No. B circular building situated at Kranti Sikara apartments Panjagutta, Hyd., regd. with SRO, Hyd, vide document No. 6096|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF THE INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabau, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 216,84-85.— Whereas, I, M. IEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'smid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. 326 situated at Sec 'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred to per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the office of the Registering Officer at SRO, Hyd., on Nov. '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have maken to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-56. M. G. Road, Ranigunj, Sec 'bad (Transferor)

(1) Shri Sunil Kumar Agarwal 1-1-20, S. P. Road, See 'bad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 5 & 6 situated in 5-4-86, Sec 'bad regd, with SRO Hyd, vide document No. 5959 of Nov. '83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

Mis. Babukhan · Builders. 5-4-86, M. G. Ruad, Sec'bad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamaladevi Agarwal, Sec'bad

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

(b) by any other person interested in the said immov-

Hyderabad, the 1st June 1984

able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. 217|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, IAS.,

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. 5 situated at Sec'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at SRO HYD, in Nov. '83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated as

the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion we the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 5 situated in Mis. Babukhan Builders, Sec'bad Regd. with SRO Hyd., vide document No. 5957 83, of Nov.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1984

Soal:

(1) M/s. Babukhan Builders, 5-4-86, M. G. Road, Sec 'bad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ahmed Moinuddin, Hyd.,

(Transfere:)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 18|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000|- and bearing
No. 446 & 447 situated at Sec 'bad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
SRO Hyd on Nov. '83
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop Nos. 446 & 447 situated in Bubukhan Builders, Sec bad regds, with SRO Hyd, vide document No. 5958/83, of Nov. 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 1-6-1984

PERSONAL PROPERTY AND THE PERSON OF THE PERS

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 1st tune 1984

Ref. No. RAC. 219 84-85.—Whereas, f. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
2-4-513 situated at Romgopalpet, Sec'bad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the older of the Registering officer at SRO See 'bad on Oct, '83

SKO see bad on Oct. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Malantal Mode, 172'3, Ramgopalpet, Sec 'bad. (Transferor)

(2) Roopehand Sitaram Datri 4/110 First block. Bangatore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 $H,\ No.\ 2\text{-}4\text{-}513$ to 516 Ramgopulpet, Sec 'bad, legd, with SRO, Sec 'bad vide document No. 474|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-6-1984

FORM ITNS- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI', 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 220|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 105, 106 & 107 situated at Sec 'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering officer at SRO Hyd, on Nov '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
84—146GI|84

(1) M/s. Babukhan Builders, 5-4-86, M. G. Road, Sec bad (Transferor)

(2) Shah Jahan 1-8-322, Begumpet, Hyd., (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 105 106 107 an Sec 'bad regd, with SRO Hyd. vide document No. 9551 Nov. '83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 1-6-1984

FORM ITNS ----

(1) Kumud M. Shah, Block No. 13, Chandralok Complex S. D. Road, Sec 'bad.

(Transferor)

(2) Smt. Archand B. Shah, Chandralok Complex, Sec 'bad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 221 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, IAS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. A-5|3, situated at Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

in the office of the Registering Officer at SRO Vallabhnagar in OCT. '83

- (a) facilizing the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block A5|3, S. D. Road, Sec'bad regd, with SRO Vallabhnagar, vide document No. 3193 of Oct. 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afon said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prisons, namely;—

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC 222|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 44 situated at Sec 'bad

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at SRO Hyd, on Nov. '83

for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) M|s, Babukhan Builders, 5-4-86, M. G. Road Sec 'bad (Transferor)
- (2) G. A. Reddy, 6-3-1219 Begumpet, Hyd, (Transferec)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop, 44 situated in 5-4-86, Sec 'bad, regd with SRO Hyd vide document No. 5960|83, of Nov. 83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 1-6-1984

FURM ITNS ---

(1) M|s. Babukhan Builders, Sec 'bad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sahemlkankhotri, Malakpet, Hyd.,

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC, 223|84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Shop 541 situated at Sec 'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO Hyd, on Nov. '83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 541, in 5-4-86, Sec 'bad regd. with SRO Hyd, vide document No. 5956 of Nov. '83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1984

Soal:

FORM 1.T.N.S.-

(1) M|s. Virgo Constructions, Banjara Hills, Hyd., (Transferot)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aziz Sapat Ali, Narayanguda, Hyd., (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 1st June 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. 224 84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 14 situated at Hyd,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering officer at SRO Hyd, on Nov '83

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Flat No. 15 situated at Panjagutta, Hyd, regd. with SRO Hyd, vide document 9540 of Nov. '83.

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 1-6-1984

(1) Shyamala, Adolper, and other 8-2-400[2, Banjara Hills, Hyd.

(Transferor)

(2) Shri S. Balakrishna, 10-30|2, Malkajgiri, Hyd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC. 225 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 2 situated at Malkajgiri, Sec 'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering officer at

SRO Vallabhnagar, 11|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings f r the acquisition of the aforesaid property by the issue c? this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the use Act, to the following

persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 and garage situated at 6-3-1216|99 to 101 Malkajgiri, Hyd. regd. by SRO Vallabhnagar, vide document No. 3373|83 and 3375|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 1-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC.226|84-81.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Land situated at Buranpur Nellore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at SRO Nellore on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri P. Narapu Reddy & others, Buranpur Village Chemudugunta, Nellore Tq. Nellore Dist. (Transferor)
- (2) M|s. Ramakrishna Traders, Rep|by Sri J. Laxminarayana, Managing partner H. No. 13|332, Achary St. Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lan dadmeasuring 10.57 cents situated at Buranpur village Nellore dist. regd. by the SRO Nellore vide document Nos. 5126, 5188 5129, 5353, 5214, 5213, 5019, 5082, 5315, 5172, 5199, 5173, and 5177|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 1-6-1984

(1) P. Srinath, 1-5-275|1, Kachiguda, Hyd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Margadarsini Coop., Housing Society, 15-6-618/9, Karvan, Hyd.,

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.) (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 1st June 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC.227|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

No. Land & House situated at Snehapuri, Sec'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at at Marredpalli on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing No. 1-43, Snehapuri, Hyd. reg Hyd., regd. by the SRO Marredpalli, vide document No. 1922 83 and 1896 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inconvertax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1984

(1) Sri J. Madhavarao 1.43. Silehaptiri, Nacharam, Hyd.,

(Transferor)

(2) Sri L. S. Prakash, & Smt. L. Anantha Laxmi, 2681, S. P. Rond, Sec'bad,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC.228|84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Jucome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing No. Land & House situated at Srehapuri, Sec'bad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Uppul on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property bearing No. 1-43, Snehapuri, Hyd., regd.

by the SRO Uppal vide document No. 3855|83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 85-146GI|84

Date :. 1-6-1984

Scal;

FORM ITNS- ---

(1) Ch. Chandrasckher Rao, Plot No. 3, T.P.T. Colony, Sitammadare, Vizag,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) T. Koteswara Rao, 8-3-903|5A, Nagarjuna Nagar, Hyd'bad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NOOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYD#RABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC.229|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Jayaprakash Nagar, Hyd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairabadad on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

House property situated at Jayaprakashnagar, Hydadmeasuring 417 sq. yds. of land and 1581 sft. plinth regd. by the SRO Khairatabad, vide document No. 3078.83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely —

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC-230[84-85.—Whereas, J, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Namalagundu Sec'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SRO Marredpalli on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislossed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) R. Panduranga Rao, 11-1-529|1|1, Mylargadda, Sec'bad.

(Transferor)

(2) Vemuri Gopalakrishna, 12-11-179, Namalagundu, Sec bad.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the clificial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicat on of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Namalagundu, See'bad, admeasuring 252 sq. yds. of land 520.5 sft. of plinth regd. by the SRO Marredpalli, vide document No. 2108/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ret. No. RAC.231|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHA'N,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Shop No. 37 situated at Raniguaj, Sec'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of Registering Officer at at Hyd., on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mis. Babukhan Builders, 5-4-86 to 92 M. R. Road, Sec'bad.

(Transferor)

(2) Mohd. Nazimuddin, 34B, Noorkhan Bazar, Hyd.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 37 in M. No. 5-4-86 to 92, Raniganj, Sec'bad, admeasuring 256 sft. regd. by the SRO Hyd., vide document

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

(1) D. E. Krishna Murthy, & 2 others, Doctor Firupati Jown, Chittoor Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Snt, D. S. Ramaratha,
 Wjo D. Bheemaiah gari Srimvasuru,
 H. No. 4-2-55, B. Naneppa Nagar,
 Hindupur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No.RAC.232 84-85.—Whereas, I, M, JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Land situated at Hindupur

(and more fully described in the schedule annexed hereto,

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SRO Hindupur on October 1983

lor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this votice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Lund situated at Hindupur Municipalicity admeasuring Ac. 1.20 cents regd, by the SRO Hindupur, vide document No. 3078|83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hydenabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1984

(1) Sri Chinnaiah & Others, 46,518, Budhavarapupeta, Kuninool,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC.233|8485.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing '.

No. Land situated at Kalluru (V) Kurnool, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at \$RO Kurnool on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) The Kurnool Dist. Commercial Tax Employees Coop. House building society Ltd., Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 12 acres 12 cents situated at Kalluru Kurnool, regd. by the SRO Kurnool, vide document No. 5847[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1984

FORM ITNS ----

 Sti M. Laxminarsaiah & Others, Alwal. See had.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s, Sri Venkateswara Industrial Cooperative Socy, Rep. by P. Patanlal Jain 23-6-58|6, Haribowli, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC.234[84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25.000l- and bearing

No. Land situated at Medchal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

at Medchal on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and admeasuring 42,249 acres situated at Medchal regd. by the SRO Medchal vide document No. 4638[83].

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hydernbad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6 1984

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 1st June 1984

Ref. No. RAC-235|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

House eituated at Moosapet, Hyderabad

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. Dist. on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri L Venkateswara Rao,

Rio Inspector, OCA HAL Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. S. Ramalaxmi, 8-4-403[13, Yerragadda, Hyderabol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 7-22 situated at Hoosapet village, R. R. Dist., regd. by the SRO R. R. Dist. vide document No. 7880/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

(1) M|s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd., 1-2-593|4|A, Ramachandra Mission Road, Hydera-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. L. Usha Rani, Flat No. 705. Srinivasa Towers 'A' 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned:-

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASST, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 1st June 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:

Ref. No. RAC-240/84-85.—Whereas, JEGAN.

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

Flat situated or Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

in that Chapter.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabinagar on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which dught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 705, in Srinivasa Towers 'A' 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad, admeasuring 160.0 sft. regd. by the SRI Vallabhnagar. Hyderabad, vide document No. 3142/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by ythe issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-86-146GI|84

Date: 1-6-1984

(1) Ms. Bhagyanagar Construction Co., MCH. No. 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad. (Transferor)

(2) Shri Anser Ahmed Bilgrami, 3-5-596, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE - INCOME-TÁX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 1st June 1984

Ref. No. RAC-242|84-85.--Whereas, I. **JEGAN** MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding &s. 25,000|- and bearing Flat situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Khairatabad on November 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propety as afoesaid exceeds the appaent consideration theefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in Brindavan Apartments, situated at Red Hills, Hyderabad, admeasuring 874 sft. regd. by the SRO Khairatabad vdie document No. 3084 83.

M. JEGAN MCHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 1st June 1984

Ref. No. RAC.-243|8485.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the irmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat situated at Begumpet, Hydenabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Registering officer at

Vallabhnagar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Srinivasa Builders Pvt. Ltd., 1-2-593 4 A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mis. Rajsheel, H. No. 3-6-478, Himayatnagar, Hyderabad.

(Tarnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, in Srinivasa Towers 'A', Begumpet, Hyd., admeasuring 1600 sft. regd. by the SRO., Vallabhnagar, vide document No. 3234|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 1-6-1984

FORM ITNS----

 Srinivasa Builders Pvt. Ltd., 1-2-593|4|A, Ramachandra Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. S. Venkat Reddy, Flat No. 204, Srinivasa Towers 'A', 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 1st June 1984

Ref. No. RAC.-244|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat situated at Begumpet, Hydenabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Vallabhnagar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the fransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this note. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 204, in Srinivasa Towers 'A', Begumpet, Hyd., admeasuring 1600 sft. regd. by the SRO Vallabhnagar, vide document No. 3280|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1984

Sent:

(1) Progressive Builders, 3-6-309, Basheerbagh, Hydernbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Maddi Ramesh, Flat No. 12 B', 1st Floor, Skylark Apartments Basheerbach, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

PICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 11th June 1984

Ref. No. RAC No. 248|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ffat No. 12 "B" Block, 1st floor in 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 1635 sft., registered by the S.R.O. Chikkadpally vide document No. 695[83].

, M. JFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usage of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Progressive Builders, 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 11th June 1984

Ref. No. RAC. No. 249/84-85. Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Survey No.

Hat situated at Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chikkadpally on October, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the usid Ast in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

persons, namely:-

(2) Sri Asadulla Sharif, 21-4-118, Char Mahal, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13. in First floor of Bashcerbagh, Hderabad M. No. 3-6-309, registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 712|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following

Date: 11-6-1984

FORM ITNS ---

(1) Progressive Builders, 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. T. Sulochana and Shri E. S. Bhagirathi Rao 32-D, Kanchan Bagh, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 11th June 1984

Ret. No. RAC. No. 250|84-85,—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat situated a Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chikkadpally on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 31 "B", Block, 3rd floor in M. No. 3-6-309, Busheerbagh, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkad-pally vide document No. 718|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons namely:—

Dute: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

' Hyderabad (A.P.), the 11th June 1984

Ref. No. RAC. No. 251|84-85,—Whereas I, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat situated at Basheerbagh, Hyderabad

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chikkadpally on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Progressive Builders, 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri S. S. Sastry, B-7|5, Safdarjung Extention, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective's persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41 "B' Block, in 4th floor of 3-6-309, Basheergabh, Hyderabad admeasuring 1384 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 719[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-6-1934

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 11th June 1984

Ref. No. RAC. No. 252|84-85.—Whereas I

In the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 3 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering officer at Chikkadpally on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Progressive Builders, 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Nareshkumar Kanjani and Sri Bhagwandas, Flat No. 44, Skylark Apartments, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nosice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Falt No. 44 in 4th floor of 'A' Block, in 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad admeasuring 1384 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 694/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 11th June 1984

Ref. No. RAC. No. 253[84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

Hyderabad on October, 1983

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Ship No. 27 situated at Putlibowli, Hyderabad has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering officer at

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the full market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Bhagyanagar Construction (P) Ltd., Rep. by Sri Bahdurmul Dochamia, 3-4-207, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohanlal C. Shanghvi, So Chandulal M. Sanghvi, R o No. 18, Rendalia Road, Madras (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days the service of notice on the respective pe whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Thop No. 27 in Pushpanjali Complex, 5-1-908, Putlibowli. Hyderabad admeasuring 131 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5352 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 11-6-1984

(1) Bhagyanagar Construction (P) Ltd., Rep. by Sri Bahdurmul Dochamia, 3-4-207, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Y. Venkateswara Rao, H. No. 4-8-117 Gouliguda, Hyderabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 11th June 1984

Ref. No. 254|84-85.-Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred have reason to believe that the 'said Act'). the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ship situated at Putlibowli, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering officer at

Hyderabad on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 26 in Pushpanjali Complex, Putlibowli, Hyderabad admeasuring 189.95 sft., registered by the Hyderabad vide document No. 5353[83].

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dute: 11-6 1984